

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई विल्ली, शनिवार, फरवरी 21, 1981 (फाल्गुन 2, 1902) सं० 8]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 21, 1981 (PHALGUNA 2, 1902) No. 81

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш-खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई विल्ली 110011, दिनांक 8 जनवरी 1981

सं० ए० 32014/3/79 प्रशा० 1--संघ लोक सेवा घायोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थानापन वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० स०स्टे० से० का ग्रेड ख) को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के नाम के सामने निर्विष्ट तारीख से भ्रथवा भागामी भावेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम, प्रस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

ऋ०सं० नाम	प्र विध
1 2	3
1. श्री जोगिन्दर सिंह	30-12-80
	से 28-2-81
	तक

1	2			3
2. श्री	मार ० एल० ठा कु र	•	•	32-12-80 से 22-2-81 तक

सं० ए० 31014/1/80 प्रशा० I--संघ लोक सेवा धायोग के संबर्ग में घरशायी वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स०स्टे० से० काग्रेड ख) तथा निजी सिचव (के०स०स्टे० से० का ग्रेडक) के पद पर तक्य भाघार पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री जोगिन्दर सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 10 श्रगस्त, 1980 के पुर्वात्व से संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली में वरिष्ठ वैयवितक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 जनवरी 1981

सं० ए० 32014/1/80 प्रणा० (ii) — संघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयिक्तिक सहायकों |वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) को राष्ट्र-पित द्वारा नीचे उल्लिखित तारीखों से उसी संवर्ग में पूर्णतः ग्रनित्म, श्रस्थायी भीर तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क नाम सं०	भ्रवधि	श्रध्यु क्ति
सर्वश्री 1. पी० पी० सिक्का 2. म्रो० पी० धेवरा 3. हुकम चन्द 4. एज० सी० कटोज	1-1-81 से 28-2-81 तक अथवा आगामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो	निजी सिंचियों के 4 पदों की श्रस्थायी रूप से पदावनत करने े से उनके स्थान पर बनाए गए 4 पदों कर
5. टी० म्रार० शर्मा 🎋	23-12-80 से 28-2-81 तक ग्रथका आगानी ग्रावेशों तक, जो भी पहले हो ^न	श्रृंखलायबः ्े रिक्ति में
6. के० एस० भूटानी	 30-12-80 से 28-2-81 तक अथवा झागामी आवेशों तक, जो भी पहले हो है 	व ही
7. धाम प्रकाध	23-12-80 से 22-2-81 तक प्रथवा ग्रागामी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो	वही [[

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पव पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख में विलयन का और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता के लिए कोई हक नहीं होगा। वर्ष 1980 में श्री टी० श्रार० शर्मा की के० स० स्टे० से० के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि 23-12-80 से 31-12-80 तक 120 विन से अधिक है, जिसका अनुमोदन कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विश्वक्र के द्वारा किया जाना है।

दिनांक 24 जनवरी 1981

1. सं० ए० 32013/2/80-प्रशा० I, तं० ए० 32013/2/80-प्रशा० I, दिनांक 27-10-80, तथा 2. सं० ए० 32013/3/80-प्रशा० I, दिनांक 5-1-81 को संघ लोक सेवा ग्रायोग की प्रधिस्चनान्नों के ग्रनुकम में राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 1979 के के० स० से० के श्रधिकारियों की चयन सूची में सम्मिलित निम्नलिखित ग्रधिकारियों को, ग्रेंड 1 में नियुक्ति हेतु संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में प्रत्येक के सामने निर्विष्ट ग्रवधि के लिए ग्रवर सचिव के पद पर नियमित/तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

ऋ० ग्राधिकारी का नाम सं∙	म्रविध (यां)
1. श्री पी० सी० माथुर	1-11-1980 से नियमित मा- धार पर, म्रागामी म्रादेशों तक।
2. श्रीटी० एम० कोकल	1-11-1980 से नियमित भाषार पर, श्रागामी श्रादेशों तक।
3. श्री एस० श्रीनिवासन	29-10-80 से 31-10-80 तक तदर्थ म्राधार पर; तथा 1-11-1980 से नियमित खाझार पर, झागामी मादेशों ∦ तक
4. श्री एम० एस० छाबड़ा	29-11-1980 से नियमित श्राक्षार पर, श्राणामी श्रावेसों तक
	एस० बालचन्द्रन, उप सम्बन्ध (प्रशा०)

गृह मन्त्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई विल्ली-110022, दिनांक 7 जनवरी 1981

सं० की० वौ०-568/69-स्थापना—श्री एल० थी० अन्होला ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप छप-पुलिस श्रद्धीक्षक के० रि० यु० बल के पद का कार्यभार 30-11-80 (प्रपराह्म) को त्यां विया।

सं० श्रो॰ दो॰ 1216/75-स्थापना—श्री ए॰ एस॰ राय ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस श्रधीकक के॰ रि॰ पु॰ बल के पद का कार्यभार 30-11-80 (श्रपराह्म) को त्माग दिया।

दिनांक 27 जनवरी 1981

सं ० एफ०-11/41/80-इस्ट (सी० ब्राप्ट पी० एफ०) (पर्सं ०4)---राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, ब्राज्मेर के उप-पुलिस, महानिरीक्षक, श्री टी० विपार्ट, प्रााईट मी० एस० को 25-7-1980 (म्रपराह्म) से 14-9-1980 तक केर्द्र,य रिजर्व पुलिस बल, गोहाटो के उप पुलिस महानिरीक्षक के रूप में स्थानापम्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

विनांक 29 जनबरी 1981

सं० घो० दो० 779/70-स्थापना—राष्ट्रपति ्डा० सत्यनन्दा पटनायक जी० डी० घो० प्रेड-II (डी० एस० पी० /कम्पनी कमान्खर) को उनकी पदोग्नति के फसस्वरूप 20-1-1981 के पूर्वाह्म से भागामी झावेग जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० घो० प्रेड-I (सहायक कमान्डेन्ट) के पद पर ग्रस्थायी रूप से निमुक्त करते हैं।

ए० के० **सूरी,** सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 20 जनवरी 1981

सं० ई-38 013 (3) / 12/8 0-कार्मिक — ऋषिकेश में स्था-नान्तरित होने पर श्री जी० एस० मूरपुरी ने 25 श्रन्तूबर, 198 0 के प्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एच० ई० सी० रंचो के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने 4 नवम्बर, 1980 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, श्राई० डो० पो० एन० ऋषिकेश में उक्त पद का कार्य-भार सम्भान लिया।

सं० ई-38 013 (3)/14/8 0-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक गुरबचन सिंह, को तदर्थ धाधार पर स्थानापम रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं। श्रों सिंह ने 25 नवस्बर, 198 0 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार के० घ्रौ० सु० ब० यूनिट, फरक्का बरेज, फरक्का प्रोजेक्ट में सम्भान लिया।

दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० ई-38 013(3)/9/8 0-कार्मिक—तलचर से स्था-नाम्तरित होने पर श्रो टो० के० बनर्जी ने 29 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, बी० पी० टी० विशाखा-पत्तनम के सहायक कमांडेन्ट के पट का कार्यभार सम्भाल लिया।

> प्रकाश सिंह महानिदेशक/के० श्री० स्० ४०

विक्त मंद्रालय ग्रार्थिक कार्यविभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास (म० प्र०), दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० कमांक बी० एन० पी०/सी/5/80—इस कार्यालय की समसंख्यक श्रीधसुचना दिनांक 26-6-80, 10-7-80 एवं 2-9-80 के अनुक्रम में निम्निलिखित श्रीधकारियों की तदर्थ नियुक्तियों की अवधि उनके नाम के सम्मुख दर्शामी गई तिथि तक अववा उन प्रीक्ष की सम्मुख दर्शामी गई तिथि तक अववा उन प्रीक्ष की सम्मुख दर्शीमी गई तिथि तक

में तदर्थ नियुक्ति की गई, अथवा सहायक कार्व प्रवन्धक के वर्ग में पदों के प्रत्यावर्तित होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

क्रमांक शाम	पव जिस पर तद्दर्भ विश्वविक की गई	<u>.</u>
सवस्थी	 	
 वाई० जनार्धनरावः 	तकन कि	30-9-81
	श्राधकारी	
	(मुद्रण एवं	- ! !!
	फ्लेंट 🔑	
	निर्माण)	
2. समरेन्द्र दास	यथा	30-9-81
3. वी० वेंकट रमणी	यथा	31-3-81
4. भार ० सी० भ्रग्नवाल	यथा	31-3-81
5. अभोक जोशी	यथा	31-3-81
		मु०वै० चार
	•	उप-महप्रबन्धक

महालेखाकार का कार्यलय, ग्रांध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० प्रणा०-I/8-132/80-81/371—महालेखाकार, ग्रान्ध्र प्रदेश हैवराबाद, कार्यालय के श्रधीम लेखा सेवा के स्थायी स्वस्य श्री के० पारता सांगवि II को महालेखाकार ग्रांध्र प्रदेश हैवराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000-ई०-बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर 17-1-81 के पूर्वाल से जब तक ग्रागे ग्रादेश न विये जाएं, नियुक्त किया जाता है । यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ स्राह्मों के दाने पर प्रतिकृत प्रमात्र डाजने वाली नहीं है ।

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/371----महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के प्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० वी० सुब्बाराव की महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद हारा वेतनमान ६० 840-40-1000-६० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रीधकारी के पद पर 15-1-81 के अपराह्म से जब तक आग धावेम न दिये जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दाये पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रशा०-I/8/132/80-81/371— महालेखाकार, भांध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के प्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सवस्म, श्री टी० ग्रार० गमनादन को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-६०-वी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रीधकारी के पद पर 15-1-1981 के भ्रपराह्म से जब तक भागे भादेश न दिवे जाएं, मियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उमसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं ॰ प्रशा ॰ -1/8-132/80-81/371---महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैवराबाद कार्यालय के प्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री सी० विश्वानाद राव-I को महालेखाकार ग्रांध्र प्रदेश हैवराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर 15-1-1981 के प्रपराह्म से जब तक ग्रागे ग्रादेश न दिये जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव बालने वाली नहीं है।

सं० प्रणा०-I/8-132/80-81/371— महालेखाकार, प्रांध्य प्रवेश, हैदराबाद कार्यालय के प्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य, श्री एस० किष्नामाचारी-II को महालेखाकार प्रांध्य प्रवेश, हैवराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई०बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर 15-1-81 के श्रपराह्म से जब तक श्रांगे श्रावेश न दिये जायें, नियुक्त किया जाता है । यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव जालने वाली नहीं है।

टा० **हरिहरन**, वरिष्ठ उप महालेखाकार

रक्षा मंत्रालय भारतीय ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

सं० 78/80/जे—न्वार्धक्य निवृत्ति स्रायु (58 वर्ष) प्राप्त-कर, श्री भार० के० दास, स्थानापन्न स्टाफ मधिकारी (मौलिक एवं स्थायी ए० एस० श्रो०), तारीख 31 श्रक्त्बर, 1980 (अपरास्त्र) से सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता, सहायक महानिदेशक । आर्डनेंस फैक्टरिया

कलकत्ता-700069, विनांक 30 जनवरी 1981

सं० 1/81-ए०/एन०--राष्ट्रपति, जी ड्राफ्ट गजट प्रधिसूचना सं० 3/80/ए/एम, दिनांक 12-6-80 में संबंधित डाक्टर के नाम में निम्न प्रकार संशोधन करते हैं:---

वास्ते--डा० विष्णु दास मंडल

पढ़ें --- डा० विष्णुदास मंडल

2. राष्ट्रपति जी ड्राफ्ट गजट मिधसूचना सं० 4/80/ए/एम, दिनांक 12-6-1980 के कम संख्या 7 में विणित डा० (कु०) सावित्री सरिया, सहायक चिकित्सा मिधकारी, मार्डनेन्स, फैक्टरी, भण्डारा के संबंध में सभी प्रविष्टियों को भी निकालते हैं भौर तदनुसार कम संख्या 8 से 47 को बदल कर कम संख्या 7 से 46 कर दिया जाए।

भो० पी० बहस, सदस्य कार्मिक वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, म्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1981 आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण स्थापना

सं० 6/645/61-प्रशा०-(राज०) 1/607--सेवा निवर्तन की आयु हो जाने पर संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात, वस्वई के कार्यालय में कार्य कर रहे निम्नलिखित श्रिष्ठकारियों को 31 दिसम्बर, 1980 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति दी गई है:---

- 1. श्री ए० जी० शिन्दे, सहायक मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-नियति ।
- 2. श्री एच० टी० म्रात्मारभानी , नियन्त्रक, म्रायात-नियति ।
 - श्री सी० एन० कुष्णत, नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात ।
 विनांक 22 जनवरी 1981

सं० 6/444/57-प्रशा० (राज०) 1 /613—सेवा निवर्तन की प्रायु हो जाने पर, संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात वस्वई के कार्यालय, में श्री के० ग्रार० कुलकर्णी, सहायक मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात, को 31 श्रक्तूबर, 1980 के ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रन्मति दी गई है।

जे० पी० शर्मा उप-मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात, इते, मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात ।

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय बम्बर्ष-20, दिनांक 29 जनवरी 1981

सं० सी० ई० धार०/3/80— सूती वस्त्र (नियन्त्रण) घावेश 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतद्दारा वस्त्र भायुक्त की घाधसूचना सं० सी० ई० घार०/ 3/69 दिनांक 19 सितम्बर, 1969 में निम्नलिखित घतिरिक्त संशोधन करता हूं, घर्यात, :—

उक्त ग्रधिसूचना में

विद्यमान पैरा दो ई की टिप्पणी एक के बाद निम्नलिखित परंतुक जोड़ दिया जाएगा :---

"परम्तु, फिर भी, नियंत्रित टसर की वशा में श्रंतिम उपभोक्ता मुख्य संगणित करने में उत्पादनशुल्क की राशि वह राशि होगी जो क्लिरेंस के समय उत्पादन शुल्क विभाग को वास्तव में दी गई/देय थी"।

> एम० मदुरै नायगम भ्रपर वस्त्र ध्रायुक्त

ह्यकरघा विकास मायुक्त, कार्यालय नई दिस्सी, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० ए०-32013/5/80-प्रशा०-II(v)—-राष्ट्रपति, श्री एम० के० राव, सहायक निदेशक ग्रेड I (प्रोसेसिंग) की

9 जनवरी 1981 के पूर्वाह्म से भागामी भादेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, विल्ली में उप निवेशक (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> पी० शंकर, संयुक्त विकास ग्रायुक्त (हथकरथा)

उद्योग मंस्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1981

सं० ए०-19018,54,73-प्रणासन (राज०) — राष्ट्रपति जी, भारतीय अर्थ सेना के एक अधिकारी तथा लघु उद्योग सेवा संस्थान, बन्बई के उन निदेशक, श्री यू वी० श्रोनाय की निवर्तन की श्रायु प्राप्त करने पर, दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1980 (माराह्म) में सरकारी सेना से सेनानिवृक्त होने की अनुमति प्रवान करते हैं।

सं० ए०-19018(494)/80-प्रणा०(राज०)—विकास ग्रायुक्त, (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के श्री अंदर के जो हरी, लब्न उद्योग संबर्धन अधिकारी (रसायन) को दिनांक 26 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाक्ष) से श्रगले श्रादेशों तक, उसी संस्थान में सहायक निदेशक ग्रेड-2 (रसायन) के पद पर तद्यं रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनाँक 28 जनवरी 1981

सं० ए०-19018(49),73-प्रणा०-(राज०)— सिंचाई मंत्रालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (प्राधिक) के पद पर नियुक्ति होने पर परश्री ए० ए० किदबई ने दिनांक 31 दिसम्बर, 1980 (प्रगराह्न) से लबु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (ग्राधिक श्रन्वेषण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

> महेन्द्रपाल गुप्त, उप निदेशक, (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, (प्रशासन भ्रानुभाग-6)

नई विल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1981

सं० ए०-17011,78,74-प्र-6—राष्ट्रपति, निरीक्षक निवेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री सुशान्त कुमार बन्वोपाध्याय को दिनांक 31-12-80 के पूर्वाह्म से श्रौर श्रागामी श्रावेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में निरीक्षण ग्रधिकारी (इंजी०), (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री बन्दोपाध्याय ने सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (इंजी०) का पदमार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 31-12-80 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण प्रधिकारी (इंजी०) का पदभार संभाल लिया। 3. श्री बन्दोपाध्याय दिनांक 31-12-1980 से 2 वर्ष के सिये परिवीक्षाधीन रहेंगे ।

दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० ए०-17011/183-प्र०-6---महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास, के कार्यालय में प्रवर क्षेत्र प्रधिकारी श्री के० प्रार० नारायणन को दिनांक 8 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से इस महानिवेशालय के प्रधीन करहता निरोक्षण मंडल में सहायक निरोक्षक प्रधिकारी (इंजी०) के पद परतदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

एम० जी० मनन, उप निदेशक (प्रसाणन) कृते, महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(पूर्ति विभाग)

(प्रशासन प्रनुभाग-)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1980

सं० प्र-I₁1(534)—-राष्ट्रपति, सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड 1) भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप "ए" के (ग्रेड III) श्री एस० पी० एस० भाटिया को दिनांक 5 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी श्रावेशों के जारी होने तक उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप एके ग्रेड II) के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० पी० एस० भाटिया ने सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड I) का पदनार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 5 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्लो में उप निदेशक पूर्ति का कार्यभार संभाल लिया।

एम० जी० मैनन उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात भौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान अयूरो

नागपुर, विनांक 30 जनवरी 1981

सं० ए-19011/266/80-स्था० ए० — संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिकारिश पर राष्ट्रपति, श्री ग्रार० के० सिन्हा, को दिनांक 22-12-80 के पूर्वाह्म से भारतीय खान क्यूरो में स्थानापन्न रुप में सहायक खान नियन्त्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> एस० बी० ग्राली कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान व्युरो

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० 4-174/80/स्था०--निदेशक, भारतीय मानविज्ञान सर्वेक्षण, श्री बी० लंजीव रेड्डी, को इस सर्वेक्षण के धण्डमान श्रीर निकोबार क्षेत्र, पीर्ट ब्लेयर में सहायक मानविज्ञामी (लांस्कृतिक मननविज्ञान डिकीजन) के पद पर अस्थायी रूप में 6 जनवरी, 1981 के वृब्हिस से निमुक्त किया है।

एम० ग्रार० श्राईच प्रशासनिक ग्रधिकारी

श्राकाशवाणी महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० 6(17)।60-एस-I---श्रोमती के० बी० मांजरेकर, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकासमाणी, बम्बई, 31 दिसम्बर, 1980 की भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृक्त हो गई हैं।

सं० 5(59), 68-एस०-एक—सेवा निवृत्ति की म्रायुप्राप्त होने पर, कुमारी डी० ई० मेहरजी कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा माकासमाणी, बम्बई 30 क्वम्बर, 1980 की प्रपराक्ष से सरकरी सेवा से मुक्त हो गई है।

विनांक 28 जनवरी 1981

सं० 4(71)80-एस-एक--महानिवेशक, स्नाकाशवाणी एतक्तारा श्री एस० के० मोहन राम की आकाशवाणी, गुलवर्गा में 2-1-1981 से भगले आवेशों तम कार्यक्रमं निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(72)80-एस-एक---महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्वारा श्री ए० कृष्णभूपि, की श्राकाशवाणी, धारवाड़ में 30-12-1980 से श्रगते श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी क्यामें नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उप निदेशक, कृते महानिदेशक

सुचना भीर प्रसारण मंत्रालय, विकापन भीर दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० ए०-12026, 15, 80-स्था०-- विज्ञापन और दृश्य प्रचार निर्देशक, बरिष्ठ लेखाकार तदर्थ श्री बी० एस० नेगी, को 8 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से 31 मार्च, 1981 तक याजब तक वद नियमित रूप से भरा जाए, जो भी पहले हो, लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1981

सं०० ए-12026, 14,80-स्थापना—विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशक, क्षेत्रीय प्रदर्शनी श्रधिकारी श्री एम० एस० शान्ताराम को 21 जनवरी, 1981 के प्रपराह्म से प्रकले प्रावेश तक सहायक प्रोडक्शन अधिकारी (बाह्य प्रचार) के पद पर तर्क्य प्राधार पर नियक्त करते हैं।

दिनांक 29 जनवरी 1981

सं० ए०-42022/1/81-स्थापना—इस निदेशालय के श्रस्थायी सहायक वितरण मधिकारी श्री के० के० बबूटा का दिनांक 13-1-81 को निधन हो गया।

> जनक राज लिखी उप निदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई विल्सी, दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० ए०-19010/48/76-जे० श्राई० पी०-त्रशा०-१--भारत सरकार बड़े खेद के साथ यह घोषणा करती है कि जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनुसंघान संस्थान, पांडेचेरी, के कनिष्ठ क्लीनिकी जीव-रसायनज्ञ डा० ए० भास्कर राव का 28 दिसम्बर, 1980 को निभन हो गया है।

सं० ए०-35019/2/79-एस०जे० एच० प्रशासन-1-श्री बी० डी० उप्पल, मुख्य प्रशासनिक प्रधिकारी, सफदरजंग, अस्पताल, नई विल्ली स्वैच्छा से 31 दिसम्बर, 1980 श्रपराह, को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

विनांक 30 जनवरी 1981

सं० ए०-19019/1/81-(मुख्यालय) प्र०-I—केन्द्रीय श्रीषध मानक नियम्ब्रण संगठन, पूर्वी जोन, कलकत्ता से डा० एल० बी० कानन का स्थानाम्तरण हो जाने के फलस्यरूप उन्होंने 1 जनवरी, 1981 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई विल्ली में श्रीषध नियम्ब्रक (भारत) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> शामलाल कुठियाला, उप निदेशक, प्रशासन

नई विल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1981

सं० ए० 19012/1/80-एस०माई० सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार डिपू, करनाल के डिपू प्रबन्धक श्री सोहनलाल की सेवा निवृति की भागु हो जाने के फलस्वरूप वह 31 दिसम्बर, 1980 के अपराह्न से सेवा से निवृक्त हो गये हैं।

> शिव दयाल, उप निदेशक प्रशासन

कृषि मंत्रालय विस्तार निवेशालय कृषि एवं सहकारिता विभाग नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1981

मि० सं० 2(2)/77-स्था०-(2)—श्री रामप्रकाश चन्द्र नै सरकारी सेवा से त्याग पक्ष स्त्रीकार किये जाने पर मुख्य शिक्षक (वर्कशाप) विस्तार शिक्षा संस्थान, नोलोखंड़ी, हरियाणा जो कि विस्तार निवेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) का अधीनस्थ, कार्यालय है का कार्यभार 5 जनवरी, 1981 की अपराह्म से छोड़ दिया है।

> कृष्ण कुमार शर्मा, निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400 001, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० डी० पी० एस० 23/8/77-स्था०/322—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के निम्नलिखित सहायक लेखा अधिकारियों को अस्योक के नाम के सामने लिखी अवधि के लिये उसी निदेशालय में रू० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तर्वर्ष आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है:——

क्रम नाम सं०	से	तक
 श्री ए० ए० गोख श्री वी० बी० व्यापारी 	2 4-5-8 0 8-7-8 0	7-7-80 18-8-80

सं बी० पी० एस०/23/8/77-स्था०/334—परमाणु ऊर्जा विभाग के कय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने इस निवेशालय के उन सहायक लेखापालों में से प्रत्येक को जिनके नाम नीचे दिए जा रहे हैं, उनके नाम के सामने लिखी अवधि के लिये उसी निवेशालय में इ० 650-30-740-35-880-व० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया है:---

ऋम नाम सं०	से	तक
 श्री दर्शन सिंह श्री वी० जी० पिपलकर 	1-5-1980 5-5-1980	15-6-1980 7-6-1980

सी० बी० गोपालकृष्णन, सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास परमाणु वियुत परियोजना

कलपाक्कम-603 102, दिनांक 8नवम्बर 1980

सं०एम०ए०पी०पी०/3(1341)/80-प्रशासन— महाराष्ट्र के महालेखाकार-II के नागपुर स्थित कार्यालय के अनुभाग फ्रिकारी श्री सी० कृष्णाम्ति, को उनकी प्रतिनियुक्ति महाराष्ट्र के महालेखाकार-II के नागपुर स्थित कार्यालय से होने पर इस परियोजना में 11 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से भ्रगले भ्रावेश तक के लिये स्थानापन्त रूप से महासक लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

> भार० पी० हरन, प्रशासन श्रींघकारी, कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

पर्यष्टन तथा नागर विमानन मेलालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-30, दिनांक 31 जनकरी 1981

सं० ए० 31013/111/79 स्था०-I---राष्ट्रपंति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित मश्चिकारियों की उनकें नामों के सामने दी गई तारीखों से मौसम विज्ञानी ग्रेड-डे के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

ऋम सं०	नाम	स्थायी नियुष्टित की तारीख
1	2	3
1.	श्री नृतन दास	1-5-1971
2.	डा॰ ए॰ एस॰ रामनाथन	1-5-1971
3.	डा० एस० एम० कुलश्रेष्ठ	1-6-1971
4.	श्री एस० एन० विपाठी	1-3-1972
5.	डा० एन० सेन राय	1-3-1972
6.	श्री जी०पी० श्रीकास्तव	1-4-1972
7.	श्री टी० एस० एस० ग्रंजनेयुलु	18-9-1972
8.	डा० बी० एन० दत्ता	30-5-1973
9.	श्री एन० शेषाद्रि	1-5-1974
10.	डा ० एन० एस० भास्करराव	1-7-1974
11.	श्री सी० ई० जे० डेनियल	1-7-1974
12.	श्री सी० पी० राव	1-7-1974
13.	डा० डी० बी० एल० एन० राव	1-9-1974
14.	श्री जी० झार० गुप्ता	1-10-1974
15.	श्री एस० वी० दातार	1-10-1974
16.	डा० बी० पद्मनाभमूर्ति	1-10-1974
17.	श्री आर० सी० महेश्वरी,	1-10-1974
18.	श्री एस० डी० एस० अञ्ची	1-10-1974
19.	डा० आर० एन० केशयमूर्ति	30-10-1973
20.	डा० ए च० एन० श्री वास् तव	1-3-1975
21.	श्री बी० बी० डी० भागेंव	1-11-1975
22.	श्री एम० जयराम	1-11-1976
23.	श्री एस० राघवन	1-1-1977
24.	श्री यू० बी० गोपालराव	1-2-1977
25.	श्री ग्रार० के० दत्ता	21-7-1977
26.	श्री औ० अरुणाचलम	21-7-1977

	در حده نیمونیکار به میداند. در میدانده به این این میداند این و به میداند این و به میداند این و این استخدا	
1	2	3
27.	श्री डी० के० मिश्र	21-7-1977
28.	श्री ए० के० सेन शर्मा	21-7-1977
29.	श्री पी० वी० जोसफ	21-7-1977
30.	श्रीके० चटर्जी	21-7-1977
31.	डा० सी० भ्रार० श्रीधरन	21-7-1977
32.	श्रीसी० एम० शावर्मा	21-7-1977
33.	श्रीवी०पी०काम्बले	21-7-1977
34.	श्री बी० ग्रार० भवस्थी	21-7-1977
35.	डा० वी० वेंकटेश्वरलु	21-7-1977
36.	श्रीएम०सी०सिन्हा	21-7-1977
37.	श्री ए० बन्धोपाध्याय	21-7-1977
38.	श्रीयु० एस० दास	21-7-1977
39.	श्री वी० बालसुन्नाह्मण्यम	21-7-1977
40.	श्री सुरेन्द्र कुमार	21-7-1977
41.	श्रीपी०के० मिश्र	21-7-1977
42.	श्री डी० वी० सु बह् ण्यिन	21-7-1977
43.	श्री एस० घार० पुरी	31-7-1977
44.	श्री एस० के० घोष	21-7-1977
45.	श्री ए० झार० रामकृष्णन	21-7-1977
46.	श्री एस० एम० ए० ग्रल्वी	21-7-1977
47.	श्री एस० जे० मस्के	21-7-1977
48.	श्री जितेन्द्र लाल	21-7-1977

दिनांक 31 जनवरी 1981

सं० ए० 32013(मौ०वि०उ०म०नि०)/ग्राई/80-स्था-I — राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्निलिखित निदेशकों की उसी विभाग में उनके नामों के सामने दी गई तारीख से तीन महीने की श्रवधि के लिए या इन पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो (श्रो के० वी० राव को छोड़कर जो 31-11-80 की सेवा निवृत्त हो गए हैं) मौसम विज्ञान के उपमहा-निदेशक के पद पर तदर्थ ग्राक्षार पर निय्कति करते हैं:-

1. श्री एव ० एम० चौधरी	26-11-1980
	(अपराह्स)
2. डा०ए० के० मुखर्जी	27-11-1980
 डा० ए० ए० रामणास्त्री 	27-11-1980
4. श्रोके० बो० राव	27-11-1980
 डा० ए० एस० रामनाथन 	26-11-1980
	(ग्रपराह्न)
6. তা০ एस० एस० कुलश्रोब्ट	28-11-1980
7. श्रो एस० एन० त्रिपाठी	27-11-1980
	पी० के० दास
	मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० ए-35018/4/80-ई०ए०--श्रीं घार०के० सरीन, विमानक्षेत्र ग्रिधिकारी जो इस समय ल बिया में प्रतिनियुक्ति पर है, दिनांक 30-11-1980(ग्रपराह्म) से मूल नियम 56(के) के परन्तुक के प्रधीन सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

> सुधाकर गुप्ता उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं ० ए-44014/2/79-ईं०सीं० (पार्ट) — राष्ट्रपित ने वैमा-निक संचार स्टशन, मद्रास एयरपोट, मद्रास के श्री एम० दोनदयालन, वरिष्ठ संचार ग्राधिकारी को दिनांक 27-12-80 (पूर्वाह्म) से श्रपने पद का कार्यभार छोड़ने ग्रौर भारत सर-कार के विद्युत विभाग, नई दिल्ली के कार्यालय में रू० 1500-60-1800 के वेसनमान में संयुक्त निदेशक के ग्रेड में नियुक्ति पर जाने की मंजूरी प्रदान की है।

श्री एम० दीनदयालन दिनांक 1-7-1978 से संचार श्रीधकारी का स्थामी पद ग्रहण किए हुए हैं। गृह मंत्रालय के दिनांक 14-7-1967 के का० ज्ञा० सं० 60/37/63-स्था(प्र) के पैरा 1 के (ii) में विहित भावेशों की मती के श्रनुसार (सिविल सेवा नियम खण्ड 1 के श्रनुस्छेद 67 के नीचे भारत सरकर का निर्णय सं० 9) उनका इस कार्यालय में पुतर्गणाधिकार दो वर्ष की श्रवधि के लिए रखा जाएगा।

सं०-32013/5/80-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निस्निलिखित श्रीधकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तार ख से छ: मास की श्रवधि के लिए उपनिवेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उन के नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

 क∘ सं०	नाम भ्रौर पदनाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनात <i>ि</i> स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की सारीख
1	2	3	4	5
]. ē	सर्वेश्री गे॰के॰ वर्मा, गरिष्ठ तकनीकी प्रधिकार्रा	निदेशक वैमानिक निरक्षिण, नद्मी दिल्ली	वैमानिक संघार स्टेशन, बम्बई	30-12-80 (पूर्वाह्म)
स् स	एक ब्यो ० पुदर्शन गहायक निदेशक, चिर	डो जो सीए (मुख्यालय) दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, सम्बर्	22-12-80 (पूर्वाह्न)

1. श्र∤एन० के० नान्,

वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी

2. श्रोएम० स्नार० राधवेन्द्र राव. वरिष्ठ संचार श्रधिकारी

कार्य

करने

प्रह

की

1	2	3	4	5	सं ए38015/3/80-ई. एस.——क्षेत्र मद्रास क्षेत्र मद्रास एयरपोर्ट के कार्यालय के श्री के.
वि	रेष्ठ तक्ताको		वैमानिक संचार स्टेशन, जनका		प्रशासनिक अधिकारी (समूह ''ख'' पद) ने नि कर लेने के फलस्थरूप मरकारी सेवा से निवृत 31 दिसम्बर, 1980 अपराहर्न से अपने पद दिया है ।
र्वा		रेजियो	गै मानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद		दिनांक 31 जनवरी 1980 सं. ए32013/5/80-ई. सीराष्ट्र
वरि	·•	महानिदेशक	महानिदेणक नागर विमा- नन (मुख्या- लय)		लिखित को अधिकारियों को प्रत्येक को नाम व तारीक्ष से छः मास की अविधि के लिए उपाँ संचार को ग्रेड मो सदर्थ आधार पर नियूक्त कि उनको नामों को सामने विए गए स्टोशन पर हैं:
क्रम सं	 • नामग्र	ौर पदनाम			वर्तमान तैनाती स्टेशन नया तैनाती स्टेशन

सं० ए०-38013/1/80-ई०सी०---नागर विमानन विभाग के वैमानिक मंचार संगठन के निम्नलिखित भ्रधिकारियों ने निवर्तन भ्राय प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवत होने पर विनांक 31-12-1980 प्रपने पद का कार्य भार त्याग विया है:--

कम मं० नाम स्रोर पवनाम	स्टेमन
 श्रीपो० म्रार० सुर्यनन्दन, उपनिदेणक 	रेडियो निर्माण श्रीर विकास एकक, सफदर- जंग एयरपोर्ट, नर्ड किला।
 श्री एज० डो० वाडिया, सहायक तकनोका ग्रिधि गरि. श्री डो० डे०, महायक संचार ग्रिधिकारो 	वैमानिक संबार स्टेशन, ब्रम्बर्द्द,। वैमानिक संचारस्टेशन, कलकत्ता।

ए-38015/32/80-**ई०सी---महानिदेश**वः नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के श्री बी० के० दास, महायक मंचार ग्रधिकारी को दिनांक (भ्रपराह्म) से मल नियम 56(के) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवत्त होने की श्रनुमति देदी है।

> भार० एन० दास. सहायक निदेशक प्रशासन

. एस. --क्षेत्रीय निवेशक, लिय को श्रीको. सी. मोनडोल, ' पद्द) ने निवर्तन आयु प्राप्त वा से निवृत होने पर दिनांक से अपने पद का कार्यभार

वरी 1980

सी. -- राष्ट्रपति ने निम्न-कि के नाम के सामने दी गई हे लिए उपनिदोनक∕नियंत्रक र नियुक्त किया **है और** उन्हें स्टोशन पर तैनात किया

		तारीख
रेडियो निर्माण श्रोर विकास	रेडियो निर्माण और	5-1-81
एकक, सफ्दरजंग एयर	विकास एकक, सपदरजंग	(पूर्वाह्म)
पोर्ट, नई दिल्ली ।	एयरपोर्ट , नई दिस्ल <i>।</i> ।	
वंभानिक संचार	वैमानिक संचार	9-1-81
स्टेशन, कलकत्ता ।	स्टेशन, मद्रास ।	(पूर्वाह्न)

विदेश संचार सेवा बम्बई, दिनांक

सं ० 1/481/80-स्था---मद्रास शाखा के स्थानापन्न छप परियात प्रबंधक, श्री एम० बालकृष्णन निवर्तन की श्राय् के हो जाने पर 30 नवम्बर, 1980 के श्रपराह्म से सेवा निवत्त हो गए।

सं० 1/114/80-स्था---विदेश संचार सेवा के महानिधेशक एतदृद्वारा श्री श्राप्त एन० कुलकर्णी को 23 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से ग्रागामी श्रादेशों तक श्रावीं शाखा में ग्रस्थायी तौर पर सहायक ग्रभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/181/81-स्था-विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतदद्वारा श्री के० जे० मोहन राव को 22 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से प्रागामी ग्रादेशों तक प्रार्वी शाखा में प्रस्थायी तीर पर सहायक श्रिभयंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जनवरी 1981

सं01/256/80-स्था---मुख्य कार्यालय, बम्बर्ड के स्थाना-पन्न परियात लेखा श्रधिकारी, श्री जे० जी० ग्रावतरामानी निवर्तन की ग्राय के हो जाने पर 31 दिसम्बर, 1980 के श्रपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

> पा०कि० गोबिम्द नायर. निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुरूक समाहर्सा का कार्यालय, बम्बई-1 बम्बई, दिनांक 28 जनवरी 1980

फा॰सं॰ II/3ई(ए) 2/77 पार्टे—निम्नलिखित प्रवरणक कोटि निरीक्षकों के प्रोन्नति पर उनके नामों के आगे दशर्षि गई तिथि से बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय-1 में केन्द्रीय उत्पाद शुरूक स्थानापन अधीक्षक वर्ग "ख" के रूप में कार्यभार ग्रहण किया-

ऋम सं० नाम	कार्यभार ग्रहण क	रने की तिथि
1. श्रीवी०एस० प्रभु	15-12-1980	ग्रपराह्न
2. श्री वी०एस० दानी	16-12-1980	पूर्वाह्न
3. श्रीएन०वी० बाडकर	16-12-1980	पूर्वाह्न
4. श्री के०जी० दातार	27-12-1980	पूर्वाह्न
	কু০ श्री ० হি	—— —— लीपसिंहजी
	-	समाहर्ता

मदुराई-2, दिनांक 28 जनवरी 1981

केन्द्रीय उत्पाद शल्क बम्बई-1

सं ० 1/81-केन्द्रीय उत्पादन शुरूक के निम्नलिखित वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों की नियुक्ति ग्रगले ग्रादेश होने तक **६०** 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप में प्रधीक्षक ग्रुप "बी" के रूप में की गई है। श्रद्यीक्षकों के रूप में कार्यभार ग्रहण किए गये स्थान एवं तारीख उनके नाम के सामने दिए गए श्रनुसार है :--

क्रम०सं०	श्रिषकारी का नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण की गई तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वेश्री			
1. ग्रार ० श्रांती		मुख्यालय, मदुरई	15-10-80
2. डी०व	ो० सुब्बरायन	नि <mark>वार</mark> क दल, दिन् <mark>डी</mark> गल	27-11-80
3. श्रार० राज प	एस० पोन- ाण्डी	णिवकाशी रेंज- 4	20-10-80
4. टी ०र	ाजन	िंगवकाशी रें ज-7	16-10-80
5. एम०	शक्ति वे लु	मुख्यालय , मदुरई	8-10-80
6. आर०	वेंकटाचलम -	सीमा शुल्क प्रभाग, रामनाथपुरम	1-11-80
7. জী৹ গ	शीनिवा सन	मुफस्यल रेंज,मदुरई	30-10-80
८. टी॰ए	स० कृष्णमूर्ती	मुख्यालय, मदुरई	18-12-80
9. एम०	कायाम्ब	विरुधुनगर प्रभाग	20-12-80

(1)	(2)	(3)	(4)
10.	पी०एस०श्रीनिया-	मुख्यालय, भदुरई	2-12-80
	सन	•	
11:	ई०पी० एत्तिराजुलु	मुख्यालय मबुरई	19-12-80
12.	ए० बालसुन्नमणियम	रामेश्वरम सीमा शुस्क सर्किल	19-12-80
13.	एम० कृष्णसामी	साकल रामेश्वरम सीमा शुस्क सर्किल	20-12-80
14.	जीं० रामसामी	रामेश्यरम सीमा शुल्क सर्किल	7-12-80
15.	के० तिरूमेनी	निवारक दल, नाग- पट्टिणम	4-12-80
16.	एन० कृष्णमूर्ती	सीमा शुल्क प्रभाग नागपदिटणन	4-12-80
17.	वी०जे० क्सेवियर	विरुधुनगर प्रभाग	17-12-80
18.	जी० बालसु ब - मणियम	निवारक दल, विरुधुनगर	31-12-80
19.	के०एम० मोन्ना श्रहमद	राजपालयम प्रभाग	19-12-80
20.	एम० एबीनेजर	राजपालयम प्रभाग	7 - 1- 8 1
	एस० वेलायुथम पिल्लै	पुदुग्रामम रेंज स्थान-कोविलपट्टी	12-12-80
22	ए०टी०नूर मुहम्मद	परमकुडी रेंज	15-12-80
	जी० विजय राघवन	सीमागुल्क निवारक, ग्ररंतांगी	27-12-80
24.	एम० एस० रामनाथन	ि प्रानकाशी 'डी' रेंज	3-12-80
25.	डी० रंगनाथन	दिन्डीगल प्रभाग	11-12-80

मं ० 2/81---केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित कार्यालय श्रधीक्षकों की नियुक्ति ग्रगले श्रादेश होने तक **হ**০ 650-30-740-35-810-**द० रो०-**35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक प्रधिकारी (ग्रुप 'बी') के रूप में की गई है। प्रणासनिक ग्रधिकारियों के रूप में कार्यभार ग्रहण किए गए स्थान एवं तारीख उनके नाम के आगे दिए गए अन्-सार है:-

धेकारी 1 नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण की
		गई तारीख
रामसुद्र-	राजपालयम प्रभाग	10-12-80
ाचलम रन	मदुरई ग्रामीण प्रभाग मख्यालय , मदुरई	5-12-80 16-12-80
	ा नाम रामसु ग्र -	ा नाम रामसुद्र- राजपालयम प्रभाग ाचलम मदुरई ग्रामीण प्रभाग

श्राए० जयरामन समाहत निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1981

सं० 1/81--श्रीमती कुमुम सत्पथी ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, भुवनेश्वर में ग्रधीक्षक ग्रुप 'क' के पद पर कार्यरत थीं, राजस्व विभाग के दिनांक 15-10-1980 ग्रादेश सं० 151/80 (फा०सं० व० 22012/31/80-प्रशा II), द्वारा निरीक्षण निदेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के, नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानान्तरण होने पर, दिनाक 9-1-81 (पूर्वाह्म) से, निरीक्षण ग्रधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

ह० अपठनीय निरीक्षण निदेशक

ऊर्जा मंत्रालय कोयला विभाग

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

सं प्रशासन-12(30)81—श्रागामी भ्रादेश जारी होने तक श्री एस० एस० सनेजा, स्थायी सहारक, ६००० प्रशासक को तारीख 30-12-80 (पूर्वाह्म) से तदर्थ भ्राधार पर कल्याण प्रशासक के पद पर नियुक्त किया गया।

> दामीदर पण्डा, श्रायुक्त

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 15 जनवरी 1981

सं० ए-32014/1/80-प्रशा०पांच--ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, निम्नलिखित ग्रधिकारियों को ग्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर(इंजीनियरी) के ग्रेड में ६० ६६०-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० गे०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया ग्रस्थायी ग्राधार पर उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से छः महीने की ग्रविध के लिए श्रथवा इन पदों के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं:-

कि० सं० ग्रिधिकारी का नाम प्रतिरिक्त सहायक निदेशक / तथा पदनाम सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यग्रहण करने की नारीख

- श्री एस०के० नम्बूरी, ग्रिभकल्प 20-12-80 (पूर्वाह्न)
 सहायक
 श्री एम०एस० ग्रन्सारी, 15-12-80 (पूर्वाह्न)
 - पर्यवेक्षक

ए० भट्टाचार्य, श्रवर सचिव

पूर्ति और पुनर्वास मंक्षालय पूर्ति विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1981

सं० ए-32013/3/80-स्था० I—राष्ट्रपति भारतीय पूर्ति सेवा ग्रेड- अधिकारी श्री एस०वी० सुन्दरम् को 13-1-1981 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेशों तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में उप महानिदेशक (पूर्ति) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> केवल कृष्ण शर्मा, श्रवर सचिव

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, श्रलीपुर कलकत्ता-27, दिनांक 31 जनवरी 1981

सं० जी-65/बी(गो०) — महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, प्रलीपुर, कलकत्ता, श्री ए० ग्रम्बेश्बु, वैशानिक सहायक (यान्त्रिक.), राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता को वैज्ञानिक ग्रीध-कारी (यान्त्रिकी) के पद पर राष्ट्रीय परीक्षण गृह, उत्तरी क्षेत्र, गाजियाबाद में दिनांक 30-10-80 (पूर्वाह्र) से विधिवत रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० जी० 65/बी० (गो०)—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, श्रलीपुर, कलकत्ता, श्री श्रार० रामकृष्ण, विज्ञान सहायक (विद्युत्) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, श्रलीपुर, कलकत्ता को राष्ट्रीय पश्रीक्षण गृह, शालीपुर, कलकत्ता को राष्ट्रीय पश्रीक्षण गृह, नारदर्न रीजन, गाजियाबाद में विज्ञान अधिकारी (विद्युत्) के पद पर दिनांक 5-12-80 (मध्याह्न) से नियमित नियुक्त करते हैं।

सं जी 0-65/बी 0 (गो 0) — महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, श्रलीपुर, कलकत्ता, श्री डी ० एस ० माजूमदार, वैज्ञानिक श्रिकारी (यान्त्रिकी) (तद्य) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, श्रलीपुर, क न कता को नथा कार्यन कार्यालय में दिनांक 31 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्र) में नियमिन रूप से नियम्त करते हैं।

> ए० बेनर्जी, उप निदेशक (प्रशासन) ुते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकक्ता

विधिन्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर जेय नीदेल घेरन्ज कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलूर, दिनांक 23 जनवरी 1981

मं० 3365/560/81—कम्पनी ग्रधिनियम,1956 की धारा 560 की उत्तरा (3) के अनुसरण में एनद्डारा यह सूजना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर जेय नीदेल भ्रेरन्ज कारगोरेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भ्रोर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> पी० टी० गजवाबी, कम्पनियों का र्राजस्ट्रार, बगलूर

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स जोगिन्द्रा प्रिन्टर्स प्रा० लिभिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1981

मं० 4512-1981—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाली है कि इस तारीख से सीम भास के अवसाम पर मैसर्म जोगिन्दा पिटर्स बाइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

जी० बी० सक्सेना, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा ।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 ग्रीर मैसर्स कमानी इन्डस्ट्रीयल कारपीरेशन लिमिटेड, के सम्बन्ध में ।

जयपुर, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० साख्यिकी/1128/जयपुर,—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रन्सरण में एनद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैंसर्स कमानी इन्डस्ट्रीयल कारपोरेणन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत नहीं किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

> कम्पनी श्रधिनियम, 1956 **भौर में**सर्स वन्दना पिक्चर्स लिमिटेड के सम्बन्ध में

जयपुर, दिनाक 30 जनवरी 1981

मं० सांख्यिकी/1270— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उाधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर मैसर्स वन्दना पिक्चर्स लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणित नहीं किया गया ती रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैंसर्स की वी शोल्यस प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 जनभरी 1981

सं० सांख्यिकी/1703—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैंसर्स की बी शोल्अस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित नहीं किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रौर कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

> जी० सी० गुप्ता, कम्पनियों का रिजस्टर, जयपुर।

श्रायकर प्रायुक्त का कार्यालय कोचिन-682016, दिनांक 21 जनवरी 1981

आवेश

विषय: संस्थापन-प्रायकर ग्रधिकारी, श्रेणी ''बी''-पदोन्नति ग्रौर तैनाती---ग्रादेश जारी करना

सं०2/एस्ट/80-81—-निम्नलिखित पदोन्नति ग्रांर तैना-तियों का भ्रादेश एतदद्वारा दिया जाता है :~-

- 2. श्री एम० एस० सामुबल, श्रायकर निरीक्षक, श्रायकर कार्यालय, अलुबाई को तारीख 31-1-1981 के श्रपराह्म से या उनके कार्यभार लेने को तारीख से जो बाद में श्राता है श्रीर स्नागामी श्रादेशों तक रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में श्रायकर अधिकारी, श्रेणी 'बी' के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए एतद्बारा नियुक्त किया जाता है। वह दो वर्ष की स्रविध तक परिनीक्षा पर होंगे।
- 3. उपर्युक्त पद की नियुक्ति बिलकुल श्रस्थायी श्रोर सामयिक है, जो किसी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। इनकी नियुक्ति उच्च न्यायालय केरल मे फायल किए हुए मूल याचिका सं० 4023/ 1978 के फल पर श्राधारित है।
- 4. श्री एम० एस० सामुबल को पदोक्षत करके 31-1-1981 के अपराह्म से सेवा निवृत्त होने वाले श्री टी० मुत्तुस्वामी के स्थान पर, श्रायकर श्रीधकारी, बी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम के रूप में नियुक्त किया जाता है। यदि श्रावश्यक है तो श्री टी० मुत्तुस्वामी, श्रायकर श्रीधकारी, बी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम का कार्यभार ग्रस्थायी रूप में श्रीमती जयश्री रामचन्द्रन, श्रायकर ग्रीधकारी, ए-वार्ड तिरुवनन्तपुरम को मौप सज्ज्ञता है। श्री एम० एस० सामुबल को श्रपने कार्यभार से मुक्त करने तक श्रीमती जयश्री रामचन्द्रन, बी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम का कार्यभार भी श्रतिरिक्त रूप में संभालेंगी।

दिनार 22 जनवरी 1981

सं० 1/80-81—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (I) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं, आयकर आयुक्त, कोन्धिन एतद्कारा आयकर सर्किल, एरणाकुलम में, ए, बी, सी० और डी०-वार्ड, एरणाकुलम और (ii) बी,-वार्ड, एरणाकुलम नामक दो नया वार्ड का मृजन करता हूं। 2. यह आदेश 23 जनवरी, 1981 से नियम होगा।

एम० एस० उण्णिनायर, श्रामकर मायुक्त कोचिव ।

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1981 श्राद्ध-पन्न

फ० सं० जुरि०/दिल्ली-6/80-81/37566—
प्रिक्षसूचना सं०/जुरि०/दिल्ली-6/80-81/32046 दिनांक
11-12-1980 जो टी० डी० एस० (बेतन सिंकल), नई दिल्ली
के प्रधिकार क्षेत्र से मंबंधिन थी, के क्रम में प्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली
नई दिल्ली निदेण देते हैं कि उक्त श्रिधसूचना में दी गई श्रनुसूची के
क्र० मं० 2 पर श्रायकर श्रिधनारी टी० डी० एस० (बेतन)सिंकल2 नई दिल्ली के श्रिधकार क्षेत्र के सामने श्रनुसूची के कालम-3
में मद सं० (II) के बाद निम्नलिखित को जोड दिया जाए :---

(3) "सभी ह्याई लाइनें, यात्रा एवं पर्यटक श्रभिकरण"। यह शुद्धि पत्र 15-12-1980 से लागू होगा।

बिनांक 29 जनवरी, 1981

फा० सं० सी० म्राई० टी०/जुरि०/80-81/39738— प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) भौर (2) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रायकर आयुक्त, दिल्ली-6, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई प्रनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट प्रायकर प्रधिकारी के साथ उसके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के सम्बन्ध में समवर्ती अधिकारी क्षेत्र होगा किन्तु इसमें धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गये या इसके बाद सौंपे जाने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-6, निरीक्षीय सहायक आयकर श्रायुक्त, रेंज-1-बी, नई दिल्ली को भी श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा-2 में प्रवेक्षित श्रादेशों को पास करने के लिए प्राधिकत करते हैं। यह श्रिधिसूचना 15-1-1981 से लागु होगी।

1	2	3
1.	श्रायकर ग्रधिकारी पांचवां श्रतिरिक्त वेतन सर्किल	ग्रायकर ग्रिधिकारी पहला ग्रितिरिक्त वेतन सर्किल
		=====================================

म्रायकर प्रायुक्त, दिल्ली-6, नई दिल्ली

प्ररूप आई• टी॰ एन• एस•----

प्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भंधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 31 भ्रक्तुबर, 1980

निवेश सं० पी० श्रार०नं० 1209/ए० सी० क्यू० 23-I/80-81—यतः मुक्ते मांगीलाल

प्रायकर ग्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिष्टिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिष्टीन सक्षम ग्रिष्टिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ठुएए से श्रिष्टिक है

भीर जिसकी सं० 674/ए-1. मकान है तथा जो 2,पंचनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यांलय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-5-1980

(1908 का 16) के प्रधीन दिनोंक 15-5-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर
अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छुदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

- (क) प्रम्तरण स हुई किसो ध्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या प्रस्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, धव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--

- श्री शिवलाल, धनराज लाल तथा दूसरे व्यक्ति,
 - 5, भक्तिनगर, सोसायटी, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

श्री जेठालाल ठकरसी, (एच०यू० एफ०),
 पंचनाथ प्लाट,
 चंदन', राजकोट ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तस्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमो प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रय होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान जो जमीन माप 210.7-72 वर्ग गज जिसका सर्वे नं० $674/\sqrt[3]{v-I}$, जो 2, पंचनाथ प्लोट, राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी द्वारा विधि रिजस्टर्ड बिकी दस्तावेज नं० 3010, दिनांक 15-5-80 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रमहदबाद

तारीख: 31-10-80

प्रकाश वाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269 प (1) के श्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, श्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1980

निवेश सं० पी० घार० 1210/ए० सी० क्यू०/23-/80-81-ग्रतः मुझे मांगी लाल

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- स्थ से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 649, मकान है तथा जो झालोरपा रोड, जूनागढ़, में स्थित है (भ्रौर इससे उपापद अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 13-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के चिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उ॰के दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्बह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिकल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आहि-नियम के मधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अस्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थातु:-- मेमन शेड मोहम्मद यूसुफ मारफतीया, दिवान चौक, जूनागढ़।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री सोनी शान्तीलाल ग्रर्जन भाई रानीगां
 - (2) श्री सोनी रहकलाल शान्तीलाल रानीगां
 - (3) श्री सोनी मुकताबेन शान्तीलाल रानीगां
 - (4) श्री सोनी मंजुलाबेन, रसीकलाल रानीगां चौकसी गली, जुमागढ़ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई धाक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की संबंधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पटि **करण : इसमें प्रयुक्त शक्षों बोर** पदों का, जो छक्त अधि-नियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अ**चं हो**गा जो उस अख्याय में विया गया है

अनुसूची

मकान जो जमीन माप 555-44 वर्ग मीटर, पर खड़ा जिसका सर्वे नं० 649, जो झालोरपा रोड, जूनागढ़, में स्थित है। भिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी द्वारा विधि रिजस्टर्ड बिकी दस्तावेज नं० 950, दिमांक 13-5-1980 में दिया गया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) म्रजैंन रेंज,-I, म्रमहवाबाद

तारीख: 31-10-80

प्रकप आई० टी॰ एन० एस०न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1980

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1211/ए० सी० क्यू०/23-I/80-81—यतः मुझे मौगी लाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चमत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लोट नं० 51-52, जिसका श्रासल श्रार० एस० नं० 1832, है तथा जो बेरावल पाटण रोड, वेरावल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बेरावल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनाक 27-5-80

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कक के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण मे हुई किसी ग्राय की बाबत, सकत प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घर्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

धतः भव, उक्त ग्रिधिनियम की भारा 269-च के अनुसरण में, मैं, धक्त ग्रिधिनियम की भारा 269-च की उपज्ञारा (1) के अभीन निम्निलिखित स्प्रितियों. अथीत :----

मैसर्स सन्त्वाय कूड कार्नेरिशन ,
 51-52, जी० ग्राई० डी० सी०, प्लोट,
 वेरायल ।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स ग्रलाना फोजन फूड प्रा० लि०
 424, मौलाना ग्राजाद रोड, मुम्बई।

(ब्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृकांक्ट स्टम्पस्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थम के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की लामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सन्दर्भ।

स्पादिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शन्दों आँद पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में जिया गया हैं।

वनुसूची

मकान जो जमीन माप 2065-24 वर्ग मीटर पर खड़ा जिसका प्लाट नं० 51-52 श्रसल श्रार० एस० नं० 1832 जो वेरावल पाटण रोड, वेरावल में स्थित है। मिलकत का पूर्ण कर्णन रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी द्वारा विधि रिजस्टर्ड बिकी वस्तावैज, नं० 1470 विनांक 27-5-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर **ग्रायुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख 31-10-80 मोहर: प्ररूप भाई०टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर **आयुक्त (निरीक्षण)**

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० पी० भ्रार० 1212/ए० सी० क्यू०/23-I/80-81—श्रतः मुझें मांगीलाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

नाजार मृह्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं

प्रौर जिसकी सं॰ प्लाट नं॰ 10 पैंकी खुली जमीन हैं तथा जो
16, भीलपरा तथा ढेबर रोड, राजकोट में स्थित है धौर
इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 31-5-1980
को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मृझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का
उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और
भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच
ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भन्नि नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के पधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:---3--466GI/80 श्रीमती लोला बन्ती चमनलाल मोदी 44, प्रहलाद प्लोट, राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

2. (1) भानुमती औ० दत्तानी,

(2) कलावन्ती के० दत्तानी 12, जगन्नाथ प्लोट, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिश्विक नियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रामें होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लोट न० 10 की खुली जमीन का माप 108 वर्ग गज जो 16, भीलपरा तथा बर रोड, राजकोट में स्थित है। मिलकियत का पूर्ण विवरण रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी द्वारा विधि रिजस्टर्ड बिकी वस्तावेज नं० 2352, दिनांक 31-5-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहाय क श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 31-10-1980

प्रकृष आई । धी । एत० एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 श्रक्तुबर, 1980

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1213/ए०सी०क्यू०/23-I/80-81---यतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इ॰ से धिधक है प्रर जिसकी सं० लेख नं० 51, खुल जिम न है तथा जो देवर रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूर्च में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रेकर्ता धिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रेकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-5-1980

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथा पृथिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) चन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- श्रामतो लोलायन्तं चिमनलाल मोदः,
 44, प्रहलाद प्लोट, राजकोट ।

(म्रन्तरक)

 कलावतीवेन, कान्सीलाल दत्तामी 12, जगन्नाथ प्लाट, राजकोट ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

प्रमुसूची

खुलो जमीन जिसका लेखा नं० 51, पैकी माप 108 वर्गगज जो ढेबर रोड, राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन, रजिस्ट्रोकर्ता श्रिष्ठकारी द्वारा विधि रिकस्टर्ड विकः दस्तावेज नं० 2353, दिनांक 16-5-1980 में दिया गया है।

> मांगीः लाल सक्षम प्राधिकारीः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारी**खा** 31-10-80 मोहर:

प्रकृष वाईं टी • एन • एख • ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर, 1980

निदेश संव पोव श्रारवनंव 1220/एव सीव स्पूर्व 23-1/8 0-

81--यतः मुझे मांगी लाल

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/जः/4, जो ज्यपुरे एस्टेट, सं जानगकार प्लाट नं० 6, प्लाट नं० 9, सब-प्लाट नं० जः-1, हैं तथा जो बेडा बंदर रोड, जामनगर म स्थित है (श्रीर इससे खनाबड़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण हप से विणित है) रिनर्ट्रीवर्ता श्रिधकार। के कार्यालय, जामनगर में रिनस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिश्चीन दिनांक 21-5-80 को

पूर्वोच्द्र सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई हैं भीर मुझे यह विश्वास दरते का कारण हैं कि यथापूर्योक्त सम्मति का उक्षित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) ग्रम्थरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिशियम के अधीन कर देने के अन्तरक के श्रीयश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; श्रीर/या
- (ख) ऐना कियो भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उपत भ्रधिनियम, या धन-इर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने भें सुविधा के खिए;

अतः, अब, उत्रत अधिनियम की बारा 269-ग के प्रनृतरण में, मैं, उत्रत प्रविनियम की धारा 269-च की उपदारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :----

- 1. (1) श्री जीवराज नरभेराम मेहता,
 - (2) श्री नयोनदास जाबराज मेहता,
 मृत व्यक्ति के बरखुरदार
 णान्ताबेन, जीवराज मेहता,
 णारदा सदन, 4 मिलल ,
 5-ए, बेलपी रोड,
 फीर्ट मुम्बई-400001

(भ्रन्तरक)

 श्रं जल फरामूर ग्रोज बीले मोरीया, श्रोमता चद्रोकाबेन जाल बोलामोरिया पंडित नेहरू रोड, जामनगर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की मनिध या तत्सम्बन्धी क्यांक्तयों रर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भनिध बाद में समाप्त होती हो, क भोतर पूर्योवत क्यांक्तया में से किसी क्यांक्त द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाश हा नार्यक से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी पत्म स्थिति द्वारा, अक्षोद्श्ताओरी के पास निश्चित में किए जा सक्तेंगे

स्पन्धीकरण: -- ध्रमने प्रयुक्त अन्ती भीर पर्यो का, जा उन्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उन धन्नाय में विषा गगा है.

अमृसूखा

एक महान जो णान्तों के नाम से जानकारी जो जमीन माप 4500 वर्ग फीट पर खड़ा है जिसकी सर्वे नं 2 जी-4, प्लान न 0 6, पाटा प्लोट न 0 9-1, जो बेडा बदर रोड, जामनगर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिका दस्तावेज नं 13300 दिनांक 21-5-1980 में दिया गगा है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 3-11-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- \mathbf{I} , श्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर, 1980

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1240/ए०सी०क्यू०/23-I/80-81—यतः मुझे मांगी लाल

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 38 18/5 तथा 3534/2 का शीट नं० 9 तथा 16, है तथा जो द्वारका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिज्स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कल्याण पुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-5-80

पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उबत श्रिष्ठितयम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिमाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः भ्रज, उक्त धिविनयम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथिषु :---

 अनन्त प्रसाद पुरुषोत्तम पुरोहित बैंक आफ बरोडा, हारका।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) विजयकुमार गोविन्द भाई हमानी
 - (2) रमेशभाई गोविन्द भाई हेमानी दारका ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त गब्बों धौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुलो जमोन का प्लोट जिसका माप 2090-56 वर्ग मोटर जिसकी मर्वे नं० 3818/5 तथा 3534/2 जो द्वारका श्रोखा हाई वे रोड, द्वारका में स्थित है। मिलकियत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज न० 763, दिनाक 8-5-80 में दिया गया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, अहमटाबाद

तारीख: 24-11-80

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायूक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1980

निवेश सं० पी० ग्रार० नं०1043/ए० स्यू०/23-IJ/80-1---यतः मुझे, सांगी लाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 249 (पैकी) है तथा वाडी डाक मार्केट के नजदीक, बक्रवादी रोड में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण हम सं विणित है) रिजस्ट्रोकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय बरोडा में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 15-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का ग्ल्यह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती शकुन्तला बाई, पाण्डुरंग थानवाला णान्तिलाल त्रिभुवन दास का कुल मुख्स्यार प्रताप नगरी, पोल 1 मंगल बजार, बरोडा। (श्रन्तरक)

 महावोर श्रोयल मिल्स , भागीदारों के द्वारा मीताराम श्रग्रवाल श्रौर दूसरे। (श्रन्तरिती)
 कि विजय सोसाइटी, नजदीक वाडी मार्केट, बरोडा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिट्त में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रौर गोडा उनसैंड जो वाडी शंक मार्केट के नजदीक, बकावादी रोड, श्रार० एस० नं० 249 (पैकी) में स्थित है। जो बिक्री खाना नं० 3014 में सम्पूर्ण विजित है। जो सब रजिस्ट्रार बरोडा का कार्यालय में नारीख 15-5-80 में रजिस्ट्रा की गई है।

मांगोलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

नारीखाः 3-1-1981

प्रकप भाई। दी। एन। एस।---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश सं० पो० प्रार्० न० 1044/ए०सी० क्यू०/23-II/8 0-81—यतः मुझे, मांगी लाल

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका एचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिमका सं० बरोडा, लीरियल नं० 194, प्लाट नं० 11, है तथा जो भोजे निजामपुरी, बरोडा में स्थित है (ग्रीर इसम उपाबद्ध ग्रनुसुचा में ग्रीप जो पूर्ण रूप म विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बरोडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 20-5-1980

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के अंतर प्राजार मृत्य से कम के वृश्यनान त्रितिकल क निए अस्तरित का गई है और मुर्थ प्रद विश्वास करने का ठाएण है कि ए अपूर्विकत सम्पत्ति का उदित व्राप्तर वृह्य क्रिक्त से, ऐसे प्रश्वमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्राप्तरा से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्स अधिनियम के प्रभीत कर देते के चस्तरक के श्रायत्व में क्रमी करते या उससे बचते में तुर्विधा है लिए; भीर/या
- (ख) ऐसा किसो प्राय रा किसो बा या धन्त्र ध्रास्तिय!
 की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ धन्तिश्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 वा या किया जाना जाहिए जा, जिपाने में
 सुनिधा के लिए;

भतः अब, उन्त प्रश्नितम्म की बारा 269-म के भनुसरण में, में, उन्त प्रश्नितम की बारा 269-म की स्पन्नारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्मात :----

- 1. श्री चुनी भाई हरिभाई, बसाड । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमतो श्रानन्दीबेन, हंसमुखभाई, पारीख, निजामपुरा गांव के नजर्दाक, छानी रोड, बरोडा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध, या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिध जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित के स्थावर सम्पत्ति में हित के स्थावर सम्पत्ति में हित के स्थावर किसी भ्रन्य स्थित द्वारा प्रधीहरूताकारी के पास निखित में किए जा मकोंगे।

स्पट्टीफरग: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदी का, जो उक्त प्रधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयीहीना जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और प्लाट जो पहला जिला में निजामपुरा विस्तार में बरोडा सोरियल नं० 194, प्लाट नं० 11 (पैकी) में स्थित है और जो बिको खाताम सम्पूर्ण वर्णित है। जो बरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तथा रजिस्ट्रेशन नं० 3094 तारोख 20-5-80 में रजिस्ट्री की गयी है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारंख : 3-1-1981

प्रह्म भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा । 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 3 जनवरी 1981

निवेण सं० पी० म्रार० 1045/ए०सी०क्यू०/23-II/80-81—यतः मुझे भांगी लाल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अत्रीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पश्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हपये से श्रिष्ठिक है

न्नौर जिसकी सं बेरोडा सं ० ० म० नं 194, प्लाट नं 11 है तथा जो नैसामपुरा, बेरोडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रन्भूभी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कायलिय बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 20-5-1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिति बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया यथा है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत छक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या िसी छन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रणीतः— श्री चूणिभाई, हरिभाई, बासाङ ।

(अन्तरक)

 श्रीमती कैलागबेन जेठालाल पटेल, नैसापुरा, गांव के पास, चानी रोड, बेरोडा ।

(श्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्वधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की खबधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और प्लाट जो नीचे मिजिल में नैसामपुरा विस्तार में बेरोडा सिय० एस० नं० 194 प्लाट नं० 11, (पकी) में स्थित हैं। जो विक्रीखत में सम्पूर्ण वर्णित हैं। जो सब रिजस्ट्रार बेरोडा के कार्यालय में रिजस्ट्रीकृत नं० 3095 में तारीख 20-5-1980 में रिजस्ट्री की गयी है।

मांगो लाल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीख : 3-1-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-11, प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

निटेश सं० पी० ग्रार० 1046एक्यी०/23-II/80-81 ---यतः मझे, मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 641, टिकानं० 50 (एस० नं० 2294), पक्की जमीन में महारानी णान्तादेवी रोड, नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-6-80 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त बिधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सुर्थात् :--

- (1) ईश्वरभाई नारण भाई पटेल, वर्गाह रोड, नवसारी ।
 - (2) मणिबन , दयाभाई कुशल भाई का विदवा
 - (3) मैनर दिनुभाई दया भाई
 - (4) मैनर किलन कुमार,जनकल्यान सोसायटी, नवसारी ।

(ग्रन्तरक)

2. राम भाई त्तखनवुभाई नाईक

(2) परवीन चन्द्रा, केशवलाल उपाध्याय, के द्वारा जन कल्याण की० श्रीप० हाउर्सिंग सोसायटी, महारानी शान्तादेवी, रोड, नवसारी ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जो सर्वे नं० 641, टिका नं० 50. सि० एस० नं० 2294 नवसारो में स्थित है। जो तारीख 26-6-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, श्रहमदाखाद

तारीख: 3-1-1981

प्रारूप बाई • ही • एन • एस •----

आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व(1) के प्रवीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, महमवाबाद

भस्मदाबाद, दिनांक 5 जनवरी, 1981

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1047/एक्यू०/23-II/80-81—यतः मुझे मांगी लाल,

सायकर प्रसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन बाजार मूस्य 25,000/-क्पए से प्रसिक है

मीर जिसकी सं० जैत नं० 8, 2153-बी, नं० 8 नानी है तथा जो चिपवाड, देवीपुरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनोक 28-5-80 को

का 16) के प्रधीन दिनांक 28-5-80 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंजा प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (धन्सरकों)
और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए
त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छन्त अन्तरण
जिखित में नास्नविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाव की बाबत, छक्त धिनियम के घन्नीत कर देने के धन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए और/या;
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी वन या अन्य धासितयों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में मृषिधा के भिए;

मतः, वन, उनत धिविनयम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, छक्त धिविनयम की नारा 269-म की छपछारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- 1. दिलीप कुमार बातुभाई, उमारवाडिया खुद भौर सुसादिअन ऑफ माइनर प्रतीक, दिलीप कुमार उमारवाडिया, शाहपुर सोसाइटी महमदाबाद ।
 - (2) महेशकुमार बतुभाई उम्रवाडिया।
 - (3) मनीश महश कुमार उम्रवाडिया शाह्युर सोसाइटी, महमदाबाद। (मन्तरक)
- श्री राजेन्द्रा चन्द्राकान्त कुडुमपाली, सोसायटी के नार्थ की दर्शन सोसायटी के सामने, नानपुर, सूरत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

खरत सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दार:
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी चरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, को उक्त ग्राधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 215-3-बी, नं० 8, दवेसपुर, सूरत में स्थित है। जो तारीख 28-5-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रहुमदाबाद

तारी**ज**ः 5-1-2980

मोहर:

4-466GI/80

प्ररूप 'अंदि. टी. एन. 'एस.---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-म (1) के अभीन प्यमा

भारत सरकार

कार्यालय, संहाधक जानकर जन्मुक्त (निरोधण) अर्जन-रेज-धा, सहमवस्थाव

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० ग्रार० 1048 एक्यू ० / 23-11 / 80-81 — यतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी कहे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संब्धार एस नं 389-ए-1+2+3 है तथा जो पैकी वह आहा बिज कुमार रोह, कटुरगाय, सूरत में स्थित है (और इममें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-5-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि येथापूर्वी कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरका (जन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और/वा
- '(क) ऐसी किसी अपय त्या किसी धन या अनेय की स्तियो को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 में की उपधीरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें अर्थात् :-- (1·) श्री चन्द्रकान्ता, बासुभाई शाह, बार्ड भालिया, स्टेशन रोड, सूरत ।

(ध्रन्तरिक)

 श्री जिमलतराय तुलसीदास वाचीक, सालावतपुरा, चोकी गेरी, सुरत । ग्रीर श्री जयनतिलाल नारबेराणी, रिगनियाला, सुलतानपुरा, सीधी गोरी, सुरत ।

(ध्रन्तरिती)

की यह सूचना जोरी करके पृत्रांक्त सम्परित के विजिन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से .45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में 'संभापत हाती हो, 'के भीतर 'पूर्विक्त ध्यक्तियों' में से किसी ब्यक्तिय द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- चंद्ध किसी अन्य 'व्यंक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सक्यो।

स्थानिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मे परिशासित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

धनसूची

मिलकत जो म्रार० एस० नं० 389 ए, 1,2,3, शेड नं० २९ भ्रम्मिन कुमार ,

काटारगाय, सुरत में स्थित है। जो तारीख 22-8-80 भों रिज़स्ट्री-की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-1-1981

मोहरः

प्रक्य आर्ष. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत संद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० श्रार० 1049/एक्यू०/23-II/80-81—श्रतः मुझे मांगी लाल,

आयकर अभिभाषियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्चित बस्जार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

प्रकेर जिसकी संव जमीन एसव नंव 40, पैकी है, तथा जो केमबीवासा-1, ब्रांच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ब्रांच में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रक्षीनः दिनांक मार्च; 1980

को पूर्वांक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रित्तफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संकरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गयर प्रतिभ पन्ति सिमा कि किसा उच्चे के कि स्वयमान के विस्त में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिध्ना के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाताः (†) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- श्री भागीदार रतनजी भोदुनजी श्रीर सणसका मुरेश,
 दिनेश जी जीनवाला ।
 - (2) श्री दिनशाजी भेरदुन जी जिनवाला
 - (3) श्री सुरेशाहिनप्राजी जितनाला, सिविल लाइन्स, ब्रोच । (प्रन्तरक)
- 2. मिनवा कंस्ट्रस्थातः काः भाषीकारों :---
 - (1) श्री गोविन्द भाई एफ मिस्तरी
 - (2) दीपक कुमार गोविन्द भाई मिस्तिरी, भुलश्रुनी का-म्रो॰ हाउसिंग सोसायटी क्रोच।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यजाहिकों कारदा हुं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन. की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि अवः में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिस को भीतरः उक्कार्स्कान्य सम्परित में हितबद्ध किसी: अन्य व्यक्तित व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में विकार जा सकों गे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनु सुद्धी -

जमीन जो एस० नं० 40, केनबीबिया, ब्रोध, प्लाट नं० नं० 21, 20, 13,19, 24, 22, 4, 23 में स्थित है। जो तारीख ये महीने में रजिस्ट्रीकृत की गई है।

> मागी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, श्रमहदाबाद

ता**रीख** 6-1-1981 मोहर : प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० घार० नं० 1050/ए० क्यू०/23-II/80-81—यतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी ठिका नं० 10/2, एस० नं० 45, है तथा जो दसतुवार्ड, नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नवसारी रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री रमेशचन्द्र जमनादास, गांधी,
 - (2) श्रीमती सुशीलाबेन, रमेशचन्द्रा गांधी
 - (3) वसन्तलाल जमनावास गांधी
 - (4) श्रीमती जयश्रीनेन, वसन्तलाल गांधी वसतुवार्ड, नवसारी । (अन्तरक)
- (1) नवकोवन ऐपार्टमेन्ट को-ग्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ।
 - (2) सिचव, श्री रमनलाल जीवनजी गांधी दसतुवार्ड, नवसारी । प्रधान श्री चमपकलाल जे० बिस्कुट वाला तारीटा बाजार, नवसारी । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विम की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

मिलकत जो ठिका नं० 10/2, एस० नं० 45, वससुवाई, नवसारी में स्थित है। जो यथावत सारीख 28-5-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, श्रहमवाबाद

तारीख 6-1-1981 मोहर: प्रकृप भाई। ही। एस० एस०----

आयकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म(1) के अजीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर धायुक्त (निरीज्ञण) धर्जन रॅज-, शहमवाबाव

महमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० भार नं० 1051/एकवी/23-II/80981 ---भ्रतः मुझे, मांगी लाल,

भायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका श्रवित बाजार मूह्य 25,000/-व• से अधिक है

भीर जिसकी सं अगर एस नं 648 टिका मं 54, सर्वे नं 2402, जमीन महारानी, शान्तावेची रोड, है सथा जो नावसारी में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याख्य नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-80 को प्रबंक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान वितफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्स अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बण्य जास्तियों को, जिल्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इतः स्व, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्वर्धन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत् :----

- श्री रतनजी खुषाल, कुल मुखतियार, चगनलाल रत्नजी.
- (2) श्री नटबरलाल रतनजी,
- (3) श्रीमती भानुमती रनछोड़,
- (4) श्री विलीप रनछोड,
- (5) कुमारी नलिनी रनछोड
- (6) श्रीमती इन्द्रमती रामभाई
- (7) कुमारी रोशनी रामभाई,
- (8) कुमारी वीना रामभाई महारानी शान्तादेवी रोड नवसारी

(भन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

2. श्री बी० एल० शाह, कें द्वारा मालाणी ट्रस्ट, दूसरा मंजिल 35,371, चन्द्राथवन, धनजी स्ट्रीट, बम्बई-400003

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

इश्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में को है भी जाओंप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, आ भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो ग्रार० एस० नं० 648-टिका नं० 54, एस० नं० 2402, महाराणी शान्तादेवी रोड, नवसारी में स्थित है। जो तारीख 27-5-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाख ।

सारी**ख**: 3-1-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के सभीन सूचनाः

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक जायकार आयुक्तः (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1052/एकवी-23-II/80-81-अतः मुझे, मांगी लाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका-जीका काजार मूल्य 25,000/रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 20-21-415 (पैकी) है। तथा जो प्लाट न० 6 मान जालपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरोदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-5-80

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संमित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल कित निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि शितः में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय. या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अभिनियम, 1922 भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गा के, अबूधना मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारक (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां अर्थात्:-- (.1.). श्रक्षेमती निर्माला हिमतलाल पोपट, 5-तुषार, विठल सोसाईटी, जयरतना मकान के नीच, बरोडा

(मन्तरक)

(2) श्री मुकेश वसनम्भी ठाकतः, सत्या विजय फारसन हाउस वाला, राजमहल रोड, दारापोल, (हाथीपोल) बरोडा। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्क्तिहर्मों करता हुई।

उक्त, सम्पारित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी आजित्यों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि सुद्ध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजकण मों प्रकाशनः की त्यारीकः से 45 दिन को भीता र अंतरः स्थाकरः सक्तिकः में क्रिक्ट्य भिक्ति को भीता व्यक्ति क्रिक्ट्य भीति के स्थानिक क्रिक्ट क्रिक्ट के पास लिक्टि में क्रिक्ट का सके ये।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आए पदों आ, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिशाविक्त ही, बहुरी अर्थ होगा जो उक्त अध्यामः में दिया गया ही।

मनुसूची

खुला जमील जो प्लाट नं 6 ब्रार एस क मं 20-21 415 (पैकी) माजालपुर विस्ताप बरोदा किटी में स्थित है। जो बिकी खत नं 2905 में सम्पूर्ण विणल है और जो बरोदा रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 8-5-1980 में रिजस्ट्री की गई है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) कार्केन सेंग्र-II., ग्रहसूदाबाद

तारीख: 3-1-1981

प्रस्प बार्ड. टी. यहा. एस.+---

अधिकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्व (†) के अभीन सूचना

भारत सरकार

क्रायंतियः, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेज-II. श्रहमदाकाद श्रहमदाकाद, विनांक 8 जनवरी 1-981

निवेश सं० पी० घार० नं० 1053/एववी23-II/80-81---धित: मुझे मीगी लाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचीत् 'उक्त अधिनियम' कहा 'गया है), 'की धारा 269- च किंकिशिन तक्षम प्राधिकारी क्ये, यह विश्वास करें का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रू. से अधिक है

धौर जिसकी सं०एस०न० 2197, 98, वार्ड नं० 2 रूथरपुरा, है। तथा जो सूरत में स्थित है (भौर इससे उपायद्व धनुसूची में सीर पूर्णरूप से किंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रक्षिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 14-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्यू, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए त्रंय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अहीर/सा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का), जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के 'प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धांग्या किया जनना का किए था, छिपाने में सिवधा को सिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269 का की अप्रधारा (1) अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अधीत:-- (1) श्री माणेक्शी कुलवर्जी क्ष्णादेवी दासदी, कुलमुखीतथार श्री केकोबार जमशेदजी श्रनतिया, धनसार मोहल्ला, नानपुर, सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रध्यक्ष श्री गुलामकादर ग्रब्दुलरहमान मुणी सरामपुरा, मावी स्ट्रीट, सूरत ।
(2) सचिव, मोहम्मद हुसैन श्रव्दुलरहमान तपाली, 2-2585, सगरमपुरा, मावी स्ट्रीट, सूरत के द्वारा धानदान कोलोश्रेटिव हार्ऊसग सोसाईटी सूरत।

(भन्तिन्सी)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वायत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस मूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपित में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में तिए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया 'गया हैं।

मन्त्र्वी

जमीन को एस०न० 2197, 2196, वार्ड न० 2, स्देरपुरा, सुरत में स्थित है। जो सूरत रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख़ 14-5-1980 यथाविधि रिजस्ट्री की गई है।

> मागी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज्ना, ग्रहमदाबाद ।

तारीवा: .8-1-1981

प्रकृष धाई • टी • एन • एस • -------

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 249-च (1) के पंधीर पृत्रता

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर पायुक्त (निरोक्तण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1054/एकवी-23-II/80-81--भतः मुझे मांगी लाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस में एकात् 'उनन प्रतिनयम कहा गया है), की द्वारा 269-व्य के अधोन सम्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृश्य 25,000/- २० में अधिक है

ग्रीर जिसकी एस० नं० 122, 124, गांव, फूलपाडा है। तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-5-1980

की पूर्वीवत सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रशिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वीक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रनिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरक जिखित में बास्त्रिक रूप से कल्वित नहीं विशागया है !--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त गिंधनियम के प्रश्नीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य खास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर सिविनयम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए का जियाने में सुविधा के जिए

मतः, अव, उनत अधिनियम को धारा 269-ग के समुसरण में, में, जनत प्रतिनियम की बारा 269-न की उपबारा (1) के अधीन निकासिकत व्यक्तियों, अवस्ति:--- (1) श्री हारशद नायालाल रायल, फूलपाड़ा, डिस्ट्रिक्ट सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) (1) श्री बाबूभाई दुष्ठाभाई, (2) श्री भिमजी भाई कस्याण जी भाई धरमनगर को० ओप० हाऊसिंग सोसाईटी, ग्रविनकुमार, सूरत

(भन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तस्त्रक्ष्मच्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की धवकि, जो की अवधि बात में समान्त होती हो, के चीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अक्ट स्वावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी अन्य श्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वधों का, वो उसत अधि-नियम के बड़याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो सस बड़याय में विया गया है।

यगुलूची

जमीन को फूलपाड़ा सर्वे नं० 122, 124 में स्थित है भीर जो यथाविधि तारीख में मई 1980 में रिजस्ट्री की गई है।

> मोगी लाल सक्षम प्राधिकारी सङ्गयक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-^{II}, महमदाबाद ।

तारीच: 8-1-1981

प्ररूप आइ र .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 8 जनवरी 1981

निर्देश सं० पी० श्राप्० न० 1055/एक्बी-23- $\mathbf{I}I/80$ -81— श्रन: मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नोंद, नं० 152, 153, 154, 155 श्रीर 156 (पी) है। तथा जो न्यू भोटानिदर, मन्दिर छोटा बाजार, बार्ड नं० 10 सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौरपूर्ण रूप से बाणित है), रजिस्टीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-80

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियित व्यक्तियों अर्थात:--

5 -466GI/80

- (1) सर्मा बेनिफिट ट्रस्ट, चोटापुर, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स ग्रालपस एन्टरप्राईसेस, ग्रारोग्या नगर, श्रथवा लाईन्स, सूरत। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रमुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁶।

ममुस्ची

मिलकत जो नोंद नं० 15-2-156 (पी), मोटा मन्दिर के नजदीक, छोटा बाजार, सुरन में स्थित है। जो यथाविध सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय मे तारीख 21-5-1980 मे रजिस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजीन रेज-II, श्रहमदाबाद।

तारीख: 8-1-1981

⊁र्ड्राम :

प्रकृष भाई० टी॰ एन॰ एस॰---

श्रायकर धिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा, 269-घ (1) के घथीन सूचना

भारत मरकार

कार्यास्य, सहायक नामकः प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेनरेज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद,दिनांक 8 जनवरी 1981

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन मझन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रश्नित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- नं से अधिक है

श्रीर जिसकी संब्दाटनं 85, श्रथवा वार्ड है तथा जो न्यू सिटी एसवनं 1502, श्रादर्श हाऊसिंग सोसाईटी श्रतुर सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रजिस्टीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय सूरेत में रजिस्टीकरण

श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-5-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की वावत, उक्त घर्षि-नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए कौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भारितवों को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिष्ठात्मियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उन्त श्रीविधियम की बारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त श्रीविधियम की घारा 269-ग की उपवारा (1) के अश्रीन निवनत्रिवित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री धनसुखलाल लक्षमीदास शाह, हारीपुरा, कालजास मुहल्ला, सूरत

(ध्रन्तरक)

(2) श्री मगनलाल ईच् भाई पटेल. श्री सुरेशचन्द्र ईच् भाई पटेल, श्रादर्शनगर, श्रथवा, सुरत

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के मीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम विखित में किए जा सकेंगे।

स्पडीकरण: इसमें प्रपुक्त शब्दो घौर पदों का, जो उनत घिन नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, तही प्रयं होगा, जो खत प्रध्याय में दिया यमा है।

ग्रनुसूची

प्लाट तं० 85, श्रनवा वार्ड, न्यू सिटी एस० नं० 15-02, आदर्श को० श्रो० हाऊसिंग सोसाईटी, श्रथवा, सूरत में स्थित है। जो यथाविधि सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 29-5-80 में रजिस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, श्रहमदाकाद ।

तारीख: 8-1-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भूर्जनरेंज-II, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं वं 125-1 श्रौर 126-सब प्लाट न 19, है। तथा जो माजरा सूरत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रामुनी में श्रौर पूर्णे रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-5-1980

को पूर्वांक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतपाल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त मंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ग्रम्तलाले कृष्णदास माली, ऊमालिसय, सूरतः \

(ग्रन्तरक)

 (1) श्री (1) मानतप्रसाद चमपकलाल
दिवानजी खुद ग्रीर एच० यू० एल० की मैनेजर,
 (2) श्री राजीय मानतप्रसाद दिवानजी खुद ग्रौर गोड-छोल रोड का मैनेजर, सुरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हु³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया हु⁸।

अनुसूची

मिलकत जो मांजुरा एस० नं० 125-1 म्रार० 126 सब प्लाटनं० 19, एल० पी० 277 सूरत में स्थित है। जो तारीख 5-5-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

> मागी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-Iा, ग्रहमदाबाद

तारीख: 8-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन हैं ज-II, झहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद,दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० ग्रार० 1058/एकबी-23-II-80-81---ग्रतः मोगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 45, डी० पी० एस० नं० 6, है। तया जो एफ० पी० नं० 113 श्रीर 27, है जो माजुरा सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप स वांगत है), राजिङ्की कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सूरत में राजिस्ट्री-करग श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

29-5-1980

करे पूर्वाक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अथित :--

(1) श्री श्रब्दुलरजाक, श्रब्दुलरहमान बिह्नवाला का खुदमुख्तयार महाराज बीबी जफरिमया श्रीर कुलसुम बीबी, फतहमुहम्मद मिस्तरी का पुत्नी श्रीर श्रब्दुल रहमान छोटामिया बट्टीवाला की विधवा, पानी-नी-भित, सुरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पनकज सी॰ जिनवाला, श्री सी० जी० गोलावाला, रिव दर्शन को० ग्राप० हाऊसिंग मोसाईटी, सूरत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जो माजुरा भ्रार० एस० नं० 45, टि० पी० एस० नं० 6, एफ० पी० नं० 113 श्रीर 27 सूरत में स्थित है। जो कार्यविधि तारीख 29-5-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

> मागी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 8-1-1981

मोहरः

प्रकृप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

बायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के प्रधीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-II, श्रष्टमदाचाद

श्रहमदाबाद,दिनांक 8 जनवरी 1981

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० एस० नं० 394-ए 1 प्लाटनं० 83, है। तथा जो कोरिसन कोलोणी, सूरत में स्थित है (स्रॉर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्टीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, (1908 का 16) के स्रधीन 16-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, प्रौर अन्तरक (अन्तरितयों) स्रौर अन्तरित (अन्तरितयों) है जिन ऐसे अम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, जिन्ति के उपन अन्तरी किया गया प्रतिफल, कि से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने म सुविधा के लिए; कौर/या
- (क्क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राप्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में मुक्षिया के लिए;

अतः, अय, उक्त प्रसिक्षिक की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उक्षारा (1) के अधीन, निम्निनिवित व्यक्तियों. अर्थाता---

- (1) श्री मनहरलाल रनकोदवास कापडिया.
 ए-बी० 2-3, गुजरात हाऊसिंग रोड, खदोसना.
 कोलोणी, सूरत
 श्रीमती लिलता बेन ईशवरलाल, जमीन टैम्पिल के
 मामने, साथन, सूरत
 (श्रन्तरक)
- (2) श्री लालजी इन्दरदास, चन्दरकान्ति चुणीलाल, ईश्वरताल मंगनलाल, माधोपुरा, जाडारवली, सुरत

(भ्रन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घालेंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्ण होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मिलकत जो काटनसारू एस०नं० 394-ए पैकी न० 83 मे स्थित है। जो तारीख 16-5-1980 में रिजिस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल, (सक्षम प्राधिकारी) सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

नारीख: 8-1-1981

प्रकृष मार्ड॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यांजिय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज- \mathbf{I}^{I} , श्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद,दिनांक 9 जनवरी 1981

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 35 62 (एस०नं० 47) एस० नं० है। तथा जो 4/11/114 रिमाल लेन (लित) नं० है जो तालुका मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हीमा मे रिजर्ड़-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीनता 26-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल के पस्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उच्त अन्तरक तिखिन में वास्तविन रूप से कथिन नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण म हुई किसी भाष की बाबत उक्त भ्राधिनयम के मधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में सभी करने या उससे वक्षने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

अतः अ**व, उक्त** अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भविनियम की घारा 269-य की उक्सारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री मोनीवाल मोहनवाल रसाला, हीवातालुका

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नानालाल नागिनदास शाह, के द्वारा श्री विनोद चन्द्रा निगनदास, नावापुरा, नागरदास जोली सुरत

(भ्रन्तरिती)

को गड़ सूबना नारो करक पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत का कि तो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस मुबना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त मञ्जों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं प्रयों होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान जिसका न० 4/11/114, सिटी सर्वे नं० 35-62 (पी) नं० 47, में जो रिसाल लैन (लाति) के पास) हीसा तानुक में रियत है जो हीमा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 26-5-80 में रजिस्ट्री की गई है।

मागी लाल, (सक्षम प्राधिकारी) सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद ।

नारीखा: 9-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जनवरी 1981

निवेश सं० भ्रार०नं० 1061 एक्वी/80-81---भ्रतः मुझे, मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० एम नं० 87, डी० मी० एम०नं० 9, एफ० है तथा जो पी० नं० 166 ए० भीर 166-बी, मज्रा, सूरत में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 कार्या) के श्रधीन 3-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमांन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित्री (अन्तर्वरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिख्त व्यक्तियों अर्थात्:-- श्री ग्रबदुल रसाक बानुमिया,
 राणी लालाब, ग्रहमदाबाद,
 सूरत । (ग्रन्तरक)

 श्री देया भाई के० पटेल, श्रध्यक्ष/सिषव,स्वामी, गुणाटीनगर कोश्राप्रेटिव हाऊर्मिंग सोसाइटी, दिल चन्द नगर, नानपुरा, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मिलकत जो धार० एस० नं० 87, दि० वि० एस० नं० 9 एफ० पी० नं० 166 ए० धीर 166 बि० मजुरा सूरत में स्थित स्थित है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद,

दिनांक: 13-1-1981

प्ररूप प्रार्धि टी० एन० एस०--

म्रायकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-II, श्रहमदाक्षाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश पी० श्रार० नं० 1062/एकवी-23/II/80-81—श्रतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर चम्पत्ति, जिसका अभित वाजार मूल्य 25,000/-से अधिक है

मौर जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 160 है तथा जो बेरोडा, क्सबा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिक्स्ट्रोत्तर्स श्रिधकारी के कार्याक्त केर हा से रिजिट्ट्रिट प्रमितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारी के 30-5-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत, उक्त ग्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे मुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- मधुबेन किनुय भाई णाह,
 171, बुधादेव कोलोजी ,
 भेरोडा। (श्रन्तरक)
- 2 श्री प्रवीन चन्द्रा लालचन्द शाह, रावपुरा, बेरोडा। (ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख ने 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त हौती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में अक्षाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो 'उबत प्रधिनियम', के प्रष्टपाय 20-क में परि ाणित है, वही पर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रौर मकान जो बेरोडा कसबा, श्रार० एस० नं० 160 बेरोडा सिटो, में स्थित है। जो बिक्रीखता नं० 3253 पर संपूर्ण वर्णित में बरोडा मब रिजस्ट्रार के कायिनय मे तारीख 30 मई, 1980 में रिजिस्टरी की गयी है।

> मांगी लाल, (सक्षम प्राधिकारी) सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंजगा, शहमदाबाद।

दिनाक: 13 जनवरी, 1981

प्ररूप आर्ड. टी. एंन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)** श्रजीन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जनवरी, 1981

पि० भ्रार० नं० 1063/एकवी 23/II/80-81—श्रन:, मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 732-2 बरोडा कासवा है। तथा जो कारेलि भाग --- बरोडा सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ती में श्रौर पूर्ण क्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बरोडा में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 12-5-1980

का' पूर्वांक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण 'लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१००० वर्ग ११) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों खुर्थास् :-6—466GI/80

 मै० भगत लानड ार्पोरेशन के द्वारा भागीदार बितल भाई विकम भाई पटेल यावदास मोहाला, सिया भाग, से बेरोडा । (श्रन्तरक)

2. श्री जसवन्त लाल चन्दुलाल कोढाडया ग्रौर दूसरे। वार्ड 1, बरोडा। (ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृघाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन धौर कन्स्ट्रक्शन चालू जो वासबा एस० नं० 7342, कारेलि भाग, बरोडा सिटी में स्थित है और जो बिक्रीखत ने मबेन्स 2959, 2961, 2962 धौर 2963 संपूर्ण वर्णन पर सब रजिस्ट्रार बरोडा के कार्यालय में तारीख 12-5-80 में रजिस्ट्री की गयी है।

> (मांगी लाल) सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 13-1-1980 ।

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1981

निदेश सं० पी०म्रार०नं० 1304 ए०सी० क्यू० 23-1/80-81—म्रतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 298, टी० पी० एस० नं० 14, सब प्लोट नं० 3 है। तथा जो सुभाष श्रीज श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

- 1. श्री चन्द्रकास्त विक्रमलाल, शाहीबाग, श्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रयोज**ड: हरिमंदिर कोमाप्रेटिव हा**ऊसिंह सोसाइटी पत्ताः पी० श्रार० नं० 1299 के मुताबिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी च से (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी च से सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाना;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन एफ० पी० नं० 298, सब प्लोट नं० 3, टी० पी० एस० 14, जिसका माप 2158.05 वर्ग मीटर में से 366.87 वर्ग मीटर जो सुभाष बीज, ब्रह्मदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज नं० 5375,76 दिनांक 23-5-1980 में दिया गया है।

> (मांगी लाल) सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज -I, ग्रहमदाबाद

तारीख 12-1-1981। मोहर: प्रस्य शाइ . टी. एन- एस.-----

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, महमवाबाद-380009

प्रहमवाबाद-380009, दिनांक 12 जन**द**री 1981

निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 1303/ए० सी० क्यू ० 23—80-81-श्रतः मुझे मांगी लाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 298, टी० पी० एस० 14, सब प्लाट नं० 3 है। तथा जो सुभाष बीज, ग्रह्मदाबाद में स्थित है (ग्रौर इस से उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीनरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 23-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्तिविचन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधितियम, या धन-कर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिशिवत व्यक्तित्यों, ज्यादि:--

- 1. श्री संदर लाल त्रिकम लाल शाही बाग, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. प्रपोजर हरिमन्दिर कोग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, लि० पताः पी० ग्राप्त नं० 1299 के मृताबीक ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिह्यां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों तर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-इवथ किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो हकत ग्राधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

खुली जमीन जिसका एफ० पी० नं० 298, सब प्लोट नं० 3 टी० पी० एस० 14, 2158.05 वर्ग मीटर में से 366.87 वर्ग मीटर जो सुभाष क्रिज, ग्रहमवाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बीकी वस्तावेज नं० 5379/80/दिनांक 23-5-80 में दिया गया है।

(मांगी लाल) सक्षम अधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-!, श्रहमदाबाद

तारीख: 12-1-1981।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 🗜 श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

भिदेश सं० पी० श्रार० नं० 1302, सी० क्यू० 23-I/ 80-81—श्रतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 298, टी० पी० एस० 14, सब प्लाट नं० 3 है। तथा जो मुभाष बिज, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण, ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-5-80

हो पूर्वोक्त सम्वति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से प्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एवं प्रन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखा उद्देश्य न उनन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्डि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की **उपधा**रा (1)- के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्द्रकान्स विकल्पलाल शाहीबाग, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) प्रोपराइटर्स हरीमन्दिर को० भ्रो० हा० सो० पता: —पी० ग्रार० न० 1299 के मुताबिक (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिता-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जरे उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विगा गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका एफ० पी० नं० 298, सब प्लाट नं० 3,टी० पी० एस० 14, 2158.05 वर्गमीटर माप में से 366.87 वर्ग मीटर, जो सुभाष क्षिज के पास, श्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 5365/66/दिनांक 23-5-1980 में दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 12-1-1981

मृह्य बार्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनहरेंज I, श्रहमदाबाद-300009

म्रहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर मंदिला जिलका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 82+83 पैकी सब प्लाट नं० 193+
194-195 टी०पी० एम० 21 एफ० नं० 115 है। तथा
जो वस्त्रापुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची
में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय
श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का
16) के भ्रधीन मई 1980

की पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का काएग है कि वथाप्रवादन संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूथमान प्रतिफल से एसे रूथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आप या जिसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) स उत्ता अधिनियम, पा जिन्क कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुभरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्री सुमन्तलाल केशवलाल पटेल रविवारपाय, पूना-2

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सभीर एपार्टमेन्ट ग्रोनर्स एसोसिएशन पत्ता :----श्रार नं० 1301 तथा 1306 के मुताबिक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यष्टिकारणः -- इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुते अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

जमीन माप 252 1/2+252 1/2 वर्ग गज जिसका सर्वे नं 82+83 पैकी मब प्लाट नं 193+194+195 टी जी एस 21 एफ पी जनं 115 जो वस्तापुर श्रहमदा-वाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधी रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज नं 8609/8604 मई 1980 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

तारीख: 12-1-81

प्ररूप आहुर. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

ध्रहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 82+83 पैकी सब प्लाट मं० 193+194 +195 टी० पी० एफ० 21 एफ० पी० 115 है। तथा जो पस्त्रापुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई 1980

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री द्वारकादास बलदेवदास मणियार ए-8, चन्दन सङ्क, प्रथम मंजिल, 11वीं रोड, मुम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री समीर एपार्ट मेन्ट भ्रोनर्स एसोसिएशन, प्रेंसिक्टेन्ट द्वारा; श्री जयेन्द्र, चन्दुलाल देसाई 83, स्वास्तिक सोसायटी, सेंट जेवियर्स महिला होस्टल के पीछ नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपस्थीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन माप $252 \ 1/2 + 252 \ 1/2$ जिसका सर्वे नं० 82+83पैकी सब प्लाट नं० 193+194+195 टी०पी० एस० 21 एफ० पी० नं० 15 जो वस्त्रापुर ध्रह्मदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन विधि रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज नं० 8607/8603 मई 80 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज I, ग्रहमवाबाद

तारीख: 12-1-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 1306 ए० सी० क्यू० 23-1/ 80-81—श्रतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आल 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 82+83 पैकी सब प्लाट नं० 193+194 +195 पैकी है। तथा जो वस्त्रापुर, श्रहमदाबाद टी० पी० एस० 21 एफ० पी० 115 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद मैं रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिमियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मनुभाई मोहनलाल शाह, ए-3, चन्दन मंडल, प्रथम मंजिल, 11वीं रोड मुम्बई

(ग्रन्तरक)

(2) समीर एपार्टमेन्ट ग्रोनर्स एसोसिएगन, प्रेसीडेन्ट द्वारा:--श्री जयेन्द्र चन्दुलाल देसाई 83, स्वास्तिक सोसायटी, सेन्ट जेवियर्स लेडीज होस्टल के पीछे, नवरंगपुरा, ग्रहमदाकाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृथारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

जमीन माप 252 1/2+252 1/2 वर्ग गज जिसका स० नं० 82+83 पैकी सब प्लाट नं० 193+194+195 टी पी० एस० 21 एफ० पी० नं० 115 जो वस्त्रापुर ग्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी वस्तावेज, जो रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी द्वारा विधि रजिस्ट्रेशन नं० 8607/ 8603 मई 1980 में दिया गया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-J, ग्रहमदाबाद

तारीख: 12-1-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) र प्रधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय सहायक ग्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-, श्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० घार० नं० 1309/प्रर्जन $^{\mathrm{J}}/80\text{-}81$ —-प्रतः-- मुझे, मांगे लाल,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वाप् 'ाका प्रधितियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जिस्लावर सम्पत्ति, विस्का उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० भे प्रधिक है

श्रीर जिसके सं० 211-212, 214, 215 पैकी नं० ब.०-28 है तथा जो ज्यामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के प्रायंज्यि ज्यामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान 8-5-80

को प्वांकत सम्पति के उचित बाजार मुख्य में कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल ले, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रविक है और यह कि प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और पश्चरिती (ग्राविक्ति) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पत्था गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त भ्रम्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय. की बाबत उक्त अधिनियम के श्रदीन कर देने के धन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो हिसो आप पाहिसी अन या प्रन्य ग्रास्तियों हो, जिन्हें भारतीय ग्रायहर श्रिधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उनत अधिनियम या पनकर गींधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ अन्तरित अणा प्रकट नहीं किया गया था या हिया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निग्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान:--- (1) ज्यात **इंजीनियरिंग व**र्कस पार्टनर जयन्स(लाण गोवरधमदाम ग्रीर दूसरे नर जेल के पास, जामनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रः णक्तः श्रः शकर इंजोनियरिंग वर्कम ज्ञामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पंति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया चरता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कियो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तावारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त बधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, वही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

शेड जो जामनगर मे और जिसका न० 211, 212, 213, 214 और 215 है और जो पैकी प्लाट नं० बी-28 में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 829.2658 मीटर है, यह प्रोप्रटी रिजस्ट्राफर्ता अधिवार, जामनगर द्वारा ड ड नं० 1094 के ग्राहलन ता० 8-5-80 के रिजस्टर्ड विधागया है।

मांगो लाल, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरक्षण ग्रजन रेजी, ग्रहमदाबाद

नाराख 12-1-81 मोहर: प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 जनवर्रः 1981

निदेश सं० पो० श्रार०नं० 1308/ए० सी० स्यू० 23-I/ 70-81—श्रतः मुझे मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव प्लाट नंव 16 का नूसन नगर स्कीम नंव 1 है। तथा जो नूसननगर-1 मद्या में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिपट्टी वर्षा ग्रीधनारी के कार्यालय में रिपट्टीवरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रार्थन

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में म्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन भिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---7 ---46601/80

(1) श्री खोजा नुशेणा शेराला सरमुख्तयार नामा धारश्रकरनार खोजामोहम्मद हुसैन शेराला छावड़ी चौक के पास, मुन्हुवा।

(भ्रन्सरक)

- (2) (1) श्रां मणीशंकर गिरधर लाल
 - (2) लक्षमीशंकर गिरधरलाल
 - (3) ग्रंबाशंकर गिरधरलाल
 - (4) हिरकाबजं: गिरधरकाल नाना जाहारा मह्या ।

(अन्तिन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो अमोन माप 26286 वर्ग फीट पर खड़ा जोनतन नगरस्कीम नं 1 का प्लाट नं 16, जो महुना में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिकस्ट्रेकृत बिकी दस्तावेज नं 2007 दिनांक 12-5-80; दिया गरा है।

मांगीः लाल सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद ।

नार्**ख**: 12-1-81

मोहर .

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-I, महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

निदेण मं० पं.० श्रारं नं० 1307 ए० से.० कयू० 23-1/80-81—याः मुझे मागालाल श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रू० से श्राधिक है श्रीर जिसका सं० नं० 267, प्लाट नं० 49, एम० एम० नं०

25,000 रु० से अधिक है

श्रीर जिसकः सं० नं० 267, प्लाट नं० 49, एम० एस० नं०
186/ई, 1 स 8 है। तथा जो देवबाग भावनगर में स्थित है
(श्रीर इसमं उपावत अनुसूचं में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिन्स्ट्री म्र्ली अधिकार के कार्यालय भावनगर में रिन्स्ट्री रूप
अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधित 27-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिमत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये
तय पाया गया प्रतिकृत किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिक्षित्यम, के ग्राधीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये,

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत:---

(1) श्रं। जसवन्तलाल मोहनलाल मेहता मृत व्यक्ति के कायदेसर वारसदार श्राभती ताराबेन जसवन्तराय 21/1 रफाक श्रहमद किदवई रोड, रिखाव, बिस्डिंग, भुम्बाई-31

(श्रन्तर्क)

- (1) (1) श्रामता मोलवायाबेन जेकोबभाई कोवयर
 - (2) फुलाराबेन जैकोबभाई कोवयर
 - (3) सूर्यदाबेन जेकोबभाई कोवयर
 - (4) अरविन्दबेन जेकोबभाई कोबसर चावड़ा गेट केपास, चारबत्ता चौक, वडावा।

(श्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त मधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिणा गया है।

मनुसूची

एक मकान जो जमीन साप 682.19 वर्ग मीटर पर खड़ा, जिसका सर्वे नं० 263, मीट नं० 238, प्लाट नं० 49, जो देववाग भावनगर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्री कित खिका दस्तावेच नं० 1131 दिनांक 27-5-80 ; दिया गया है।

मांगीःलाल सक्षम प्राधिकारीः महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

तारा**ख**ः 12-1-81

प्ररूप आर्ष: .टी.एन.एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-I, प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाकः 12 जनवरः 1981

निवेश सं० पः० ग्रार० नं० 1305 ए० सः० क्यू० 23-1/80-81—यतः मुझे मांगिलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० नं० 267, प्लाटनं० 50 है तथा जो देवबाग, भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिन्स्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय भावनगर में रिप्स्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान 27-5-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्दिथ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्राः मेहता ज्यवन्तराय मोहनलाल रफ:क श्रहमद किदवई रोड, रीखीव बिल्डिंग मुम्बई-31

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) श्रं जेमेसभाई जेकोबभाई कोवयर
 - (2) श्रः जीवीन यन भाई जेकोबभाई कोवयर
 - (3) श्रः जोडनाथन भाई जेकोबभाई केव्ययर वक्षावा, चारबर्त्त ने चौर, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्नारा;
- (स) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्खीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक बुनी जमीन का प्लाट जिनामाप 670-88 वर्ग मीटर, जिसका सर्वे नं० 257, प्लाट नं० 50, जो देवबाग भावनगर में स्थित है। मिनामत का पूर्ण वर्णन रिक्स्ट्रीकृत बिकंद दस्तावेज नं० 1132 दिनांक 27-5-80 में दिया गया है।

> मांगीलाल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 12-1-81

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-], श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

निदेशस० पो० श्रार०न० 1299ए०सी० क्यू० 23-श्राई/ 80-81--- अतः मुझे मोगीलास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसका सं० एफ० जी० नं० 298 टी० पी० एस० 14, सब प्लाट नं० 3 है। तथा जो सुभाप बीज, श्रहमदाबाद में रियत है (श्रौर इसने उपाबक श्रनुसुच में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिक्ट्राकर्ना श्रीधकार। के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिक्ट्रीवरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-5-80

कां पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रित के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नौलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री विनोदभाई त्रिकमलास शाहीवाग, 'कदम' श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

- (2) प्रोपोजड हरिमन्दिर को० भ्रो० हा० सो० प्रमोटर द्वारा (1) श्रो अमतलाल जोयताराम पटेल.
 - (१) श्रो अमृतलाल जीयताराम पटेल, प्रभुतगर, श्रसाखा अहमदाबाद
- (2) श्रो रामेशचन्द्र एन० पटेल किरनपार्क के पास, नवाबदाज, कैलाश फ्लेट श्रहमदाबाद।

(ग्रन्सरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो डक्ट अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

मन्त्रची

खुली जमीन जिसका फाईनल प्लाट नं० 298 सब प्लाट नं० 3 टी० पी० एस० 14, इसका माप 366.87 वर्ग मीटर, 2158.05 वर्ग मीटर का भाग, जो सुभाष क्रिज प्रष्टदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रेडित बिक्रें दस्तावेज नं० 5369/80 दिनांक 23-5-80 में दिया गया है।

मांगोलाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रैंज-I, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 12-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $% \left(\mathbf{r} \right) = \mathbf{r} \left(\mathbf{r} \right)$ श्रजीन रेंज \mathbf{r} , श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं० प्लाट न० 3 है। तथा जो भीलपरा मेइल रोड राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्ध, में भीर पूर्ण रूप में बणित है), रिजर्स्ट्रांकर्ता श्रिधिकारी के बायितिय राजकोट में रिजिक्ट्रांकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे श्रिधीन 9-5-80

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्ति एतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

> > को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों अर्थातु:--

- (1) श्री राजेणकुमार चंपकलाल पारेख, सरमुख्यनारनामा धारण
 - (1) श्री प्रभुलाल गिरधरलाल जोशी
 - (2) श्रो दिनसुख्लाल प्रभुलाल जोशी, पो० लाल मेन्शन, राजकोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा (1) विक्रम बंद नुलसीदास मेहता (2) श्री बह्म विक्रमचन्द्र मेहता जंकणन प्लाट, राजकोट

(श्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

गृह मकान जो जमीन माप 77 वर्ग गजपर खड़ा है, जिसकी सर्वे नं ० प्ताट नं ० 3 का रष्टुग्रर कम्पाउन्ड मील पैन्लाटम जो मोलपुरा माईन रोड, राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रोकत विको दस्तावेज नं ० 28 72 दिनांक 9-5-80 में दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 7-1-8 1

प्रक्ष प्राप्ति डी • एन० एस० ----

आयक्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मंत्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज 1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 198 1

निदेश सं० सी.० घ्रार० नं० 1295 ए० सी.० क्यू० 23-1/80-81—प्रतः मुझे मांगीलास भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनिह प्रवान् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 239-ज क प्रजीन नजन प्रधिनारी को, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मंह्य 25,000/- रुपए से 'मधिक हैं श्रौर जिमकी मं० प्लाटन० 3 है तथा जो मोलपरा मेईस रोड राजकीट में स्थित है (और इसस उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिकस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय राजकीट, में गिरुट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपन बाजार मूल्य, उसके नृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के जन्द्रह प्रशिवत से यधिक है भौर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखित उपय ने उक्त प्रनरण विश्वित में वास्तविक कप से कथिन हीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी श्राथ की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसो श्राप या किसी धन या शस्य श्रास्तियों की, 'जिन्हें भारतीय श्रायक्तर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'या उपत श्रिधिनियम, या श्रनहर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए 'था छिमाने में स्थिधा के लिए;

ग्रतः, ग्रंब, उपत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत् !--

- (1) श्री राजेशकुमार चंपकलाल पारेख सरमुख्तयार धारण
 - (1) श्रो प्रमुलाल गिरधरलाल जोगो,
 - (2) श्रो हिनमुख्यां प्रभुं लाल जीशो, पो० साल मेजसन राजकोट

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्रो विक्रमसिंह जुलसोदार महेला
 - (2) श्रा बहुक विकासवन्द महता 11-अंकशन एकाट, राजकोट

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उना सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तरसंबंधी 'क्यक्तियों पर सूचना की सामील मे 30 दिन की अविधि, जी भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी 'क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के 'राजंपक्ष में 'प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इपमें प्रपुषन शब्दों और पवों का, जो उन्त प्रधि-नियम के ध्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ध्रष्टपाय में विया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमोन माप 77 वर्ष गज जिसका रघुवीर कर्माशयल मील प्लाट पैका प्लाट म० 3 जो भीलपारा मईनरोड, राजकीट में स्थित भीर मिलकत का पूर्ण अर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो द्वारा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो द्वारा रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज न० 2851 दिनांक 8-5-80 में दिया गया है।

मोगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-1-8१ मोहर: प्रश्नमः आर्हः , टी , एनः, एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारतः सरक्रकः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमवासाद

भहमवाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1981

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से संभिक है

श्रीर जिसकी सं० 20 जगनाथ प्लाट का प्लाट नं० 4है। तथा जो 20 जगनाथ प्लाट राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधवार के कार्यानय राजकोट में रिजस्ट्रीक्ट्रण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिश्चीत 12-5-1980

को पूर्वांकल संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी अन या अस्य अस्तियों को , जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मॅ, मॅ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— श्री डी० एम० रोड० विद्यानगर रोड, राजकोट

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री मुकेश वल्लभदास पारेख भूपेश्व रोड, राजकोट

(ग्रन्तिरर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्ता सम्बक्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वामा के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों :
- (स) इस सूचना के राज्यच⊤में प्रकासन की तारीक से 45 विन के भीतच्युकत स्भावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्णीकरणः — इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्बद्धी

एक खुली जमीन का प्लाट माप 154 वर्ग गज जिसका सर्वे नं 20 गज नाप प्लाट का प्लाट नं 4 जो 20 गज नाप प्लाट राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत विकी दस्तावेज नं 2943 विनाक 12-5-80 में दिया गया है।

> मांगी लाख सक्षमः प्राधिकारी सहायक ग्रायकर क्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमटाबाद

तारीख: 7-1-**8**1

प्ररूप आई० टो० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाव, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 1293 ए० एस० क्यू० 23-1 80-81-भतः मुझे मांगी लाल प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के ग्रधीन मझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित काबार भृहय 25,000/- रुपए ने धिष्ट है श्रीर जिसकी सं० नं० 454/फ्लाक सी० पैकी प्लाटनं० 6 है। तथा जो कालावाड रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 3-9-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का खित बाजार मूल्य, जमके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (ग्रन्तरकों) मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नलिबित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख । ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या प्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्षत स्पक्तियों, अर्थातः ---

- (1) श्री (1) लाउनबाई करजीभाई
 - (2) जगदीश करजीभाई
 - (3) सुरेश करणीभाई कालावाड रोड, राजकोट

(भ्रन्तरिती)

(2) श्री मनीबेन गोविंदजीभाई 31, जगनाथ प्लाट, राजकोट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियी करता है।

उभत सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, में 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों की व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य न्यक्ति हारा, अधीहस्ताक्षरी के पास जिबात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिवा गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 126-6-108 वर्ग गज पर खड़ा है जिसका सर्वे नं० 454, चौकी ब्लाक सी, पैकी प्लाट नं० 6 जो कालावाड रोड, किर्यंनगर राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन राजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज नं० 2788 दिनांक 3-5-80 में दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 ग्रहमदाबाद

तारीखाः 7-1-81

प्ररूप भाई० टी० एन● एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० सी० म्रार० नं० 1292/ए० म्रार० क्यू० 23-1/80-81---मतः मुझे मोगीलाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० नं० 205 एफ० है तथा जो बीरानी हाई स्कूल के पीछे, राजकोट में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 29-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/याअन्य/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर यिधीनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रियोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

भ्रतः क्षत्र, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्भात:— (1) श्री कीरीटकुमार रत्तीलाल गाए 17, पंचनाथ राजकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कानजी लाधाभाई पटेल 3 रामिकसनगर, पम्चिम बिरानी हाई स्कूल के पीछे, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

एक मकान जो जमीन पर खड़ा है। इसकी सर्वे नं० 205-1 तथा जो उमिया कृपया नाप से जानकारी, जो बीरानी हाईस्कूल के पीछे, राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिक्षी दस्तावेज नं० 3320 दिनांक 29-5-80 में दिया गया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज 2 ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-1-81

मोहरः

8--466GI/80

प्ररूप आई० डीं० ऐनें रसं०-------

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1)ुके भ्रधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-।, भ्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक ७ जनवरी 1981

निर्देश सं० नं० पी० श्रार० नं० 1291/ए० सी० क्य्० 23-1/ 80-81—ग्रतः मुझे मांगीलाल,

श्रीविक्तर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीविनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रविक है

स्रोर जिसकी संव नंव 440-पीव प्लाप्ट नंव 22 एव 23 पैकी सब प्लाट 5-मीव है तथा जो नालंदा सीसाइटी, शबकीट मे स्थित है (स्रोर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची मे झौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के वार्याल्य, शबकेट में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) वे श्रधीन 3 मई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रहुप्रतिशत से प्रधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) पन्तरण से हुई किंसी प्राय की बाबत, उक्त ग्रिय नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धंग या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्था के लिए !

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्री रामजीभाई बेचरभाई बाधयर ला० मोरणी । (श्रम्सरक)
- हरजीवनभाई पोपटभाई नालंदा सोसाइटी, कालावाइ, रोड़, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ध्रिष्ठ-नियम के ध्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही धर्थ होगा, जो उस ध्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भकान जो जमीन माप 133-8-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है जिसका सर्वे० नं० 440-बी प्लाप्ट मं० 22 श्रीर 23 पैकी सब ज्लाट नं० 5-बी, जो नालंदा सोसायटी, राजकोट में स्थित है। मिलकल का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकरण बिकी दस्सावेज नं० 2325 दिनांक 3-5-80 में दिया गया है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-।, भ्रहमदााद ।

विनांक: 7-1-1981

प्रस्म पाई० टी० एन० एस०---

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भिश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

निर्देश संवनं पी० भारवनं व 1290 एव सीव क्यूब 23-।/ 80-81---भाराः मुझे मांगी लाख,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीव सक्षम प्रधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्वाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख 25,000/- द० से प्रधिक है:

भ्रौर जिसकी सं० 39 भ्र (भाग) एफ० पी० एस० 22 है तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता धिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2 मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफात के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरिक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐने भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाषा-नियम के भधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) का उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा मकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, छक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, गिग्नौलिख्त व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री चत्तुभुज प्रेमजी बिस्त्री,
 26, चोकसी पार्क,
 ईसनपुरा रोड़,
 मनिनगर,
 श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

 चत्तुभुज फलेट्स तथा मोपस म्रोनर एसोसिएमन श्री डी० सी० मिस्त्री, चेयरमैन, रेलवे क्लब के सामने, मणीनगर, महमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

राक्त सम्पति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेप :---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीका के 4,5 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विश्व की अविश्व, जो भी अविश्व शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी वाकित दारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी मन्य स्थक्ति द्वारा मधोहस्ताकरी के
 पास विश्विद्ध में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण: -- इसमें प्रबुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त मधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रषं होगा जो उस अख्याय में ब्रिया गया है।

असुम्रजी

खुली जमीन माप 744.15 वर्ग मीटर जिसका सर्वे० नं० 39-ए (भाग) टी० जी० एस० नं० 22 एफ० सी० नं० 177-ए, जो नारायणनगर रोड़ के पास, महमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकर्स्ता श्रिश्वकारी द्वारा रिजस्ट्रीकरण बिकी वस्तावेण नं० 7944 दि० 7-5-80 में विया गया है।

मांगीलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-। श्रहमदाबाद

दिनांक: 3-1-1981

प्ररूप आईं,टी.एन.एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाद

ध्रहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी, 1981

निर्देश सं० नं० जी० म्रार० नं० 1289/80-81 ए० सी० क्यू० 23-।—म्रतः मुझे मांगीलाल,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 429 पैकी हिस्सा नं० 2 भौर सं० नं० 430 पैकी हिस्सा नं० 2 है तथा जो वेजलपुर, भ्रहमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपावब श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मई, 1980।

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्डित व्यक्तियों नुर्धात् :--

- 1. श्री मानेकलाल लालदास पटेल बंगला नं० 9 भुवनंधर पार्क सोसायटी, नारायणपुरा, धहमदाबाद-13।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. स्वेतमद पार्क को० घो० रा० सो० चेयरमैन द्वारा; श्री बालुभाई प्रभुदास देसाई, 1152, झुपड़ीयास पोल, मांडवी पोल, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे० नं० 429 पैकी हिस्सा नं० 2 तथा सर्वे० नं० 430 पैकी हिस्सा नं० 2 माप, 7388 वर्ग गज जो वेजलपुर घहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रीकरण बिक्री दस्तावेज 8044/वि० 9-5-80 में दिया गया है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-।, स्रहृमदाबाद ।

विनांक: 3-1-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन रेंज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनां ह 30 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1287/ए० सी० क्यू० 23-1/80-81--ग्रतः मुझे मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 33 एफ० सी० नं० 15, बी० टी० पी० एस० 7 है तथा जो खोखरा महेमदाबाद ग्रहमदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबद मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उथ्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :--- श्री रसीकलाल प्रंबालाल 'परमेशार' भारत सोसायटी, काकरीया, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री गीता टी० ट्रेडिंग का० भागीबार द्वारा; श्री पीयुष कुमार ग्रो० देसाई तथा दूसरे मीहाखली, छः रस्ते के पास, ग्रहमदाबाद-6

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक मकान जो जमीन माप 551 वर्ग मीटर पर खड़ा है तथा सं० नं० 33 पंकी टी० जी० एस० नं० 7 एफ० जी० नं० 15-बी, जो खोखरा महोमदाबाद, ग्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन र्नजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी द्वारा रजिस्ट्री-करण बिकी वस्तावेज नं० 8782 दि० 29-5-80 (37-जी० फार्म जून 1980 के पहले पन्द्रह दिन में ग्राया हुग्ना, दिया गया है।

> मांगीलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक: 30-12-1980

प्ररूप साई • टी • एन • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रोस, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 104/मई/80—यतः, मुझे, टी॰ ई॰ एस॰ श्रार॰ लक्ष्मी नरसिंहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000√- कं से खिक है

धीर जिसकी सं० 5 है तथा जो हेरिपटन रोड़, 9वी एवेन्यु चेटपत, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध धनुसूची में धीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पेरियामें मद्रास (डाक नं० 592/80) में रिजस्ट्रीकरण धाविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1980

भौ पूर्वीकत सम्पत्ति के खिला बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वा करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक्त है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर थन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्दरण के अप्र नेत्र पात्रा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश से उक्त ग्रन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण के हुई किसी भाय भी बाबत आयकर भिक्षितम्म 1961 (1981 का 43) के भिर्धान कर देने के प्रस्तर्क के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय पा किसी धन वा मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गैंग या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के को अभीन मिश्मलिचित व्यक्तियों मुर्थात्.-- 1. (1) टी॰ पी॰ डोरैराज (2) टी॰ पी॰ सुन्वरम (3) टी॰ पी॰ रामक्रुष्णनन (4) (4) टी॰ पी॰ मीनाबाल (5) टी॰ के॰ कोकिला (6) टी॰ एन॰ नीला (7) टी॰ एन॰ बालसुज्जमनियन् (8) टी॰ एन॰ स्वामीनाथन (9) टी॰ एन॰ नटराजन (10)टी॰ एन॰ बालगोपालन (11) पी॰ गिराजा देवी (12) पी॰ रिवच्छन (12) पी॰ जमुना (14) पी॰ देवी (15) पी॰ विजयकुमारी (16) पी॰ राजेन्द्रन (17) पी॰ राजेथ्वरी (18) पी॰ बाबूसुन्दरम (19) बी॰ माय-लक्ष्मी (20) पी॰ परमसिवम (21) के॰ टी॰ राजन (22) के॰ जयरामन, नं॰ 5, हैरिंगटन रोड १षी एवेन्यु जिटपत, मद्रास।

(ग्रन्त रक)

2. श्री वी॰ वैद्यनातन्

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ऋष्य अवित तारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

थ**न्सू**घी

डाकुमेंट नं० 592/80 एस० आर० भो० पेरिमपेट मद्रास भूमि और निर्माण डोर व 5हेरिकटम रोड़ 9वी एवेन्यु, चेटपत मद्रास ।

> टी० ई० एस० भ्रार० लक्ष्मी नरसिंह्यन्, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 19-12-1980

प्ररूप आर्ध. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कन्नामाई बिल्डिंग, वूसरी मन्जिल 621, माउन्ट रोड, मद्रास 600006

मद्रास 600006, दिनांक 12 जनवरी 1981

निर्देश सं० 20/मई, 1980——यतः मुझे, टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक है

25,000/ रंग से बाबक है

श्रीर जिसकी सं० 31, 32, और टी० एस० नं० 710/1 है,
जो पेराची ग्रम्मन कोइल स्ट्रीट, वनारपत, तिक्नेलवेली में स्थित
है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से
विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार-।
पालायमकोट्टाई (डाक नं० 1070/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण
ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीम मई, 1980।
को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक
रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तिको को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अधित:--

- 1. श्री टी॰ सुक्षेय मृदिलियार नं॰ 8, तरुमल नोरथ माडा स्ट्रीट, तिरुनलवेली टाऊन (श्रन्तरक)
- श्रीमती श्रमुदा राजेन्द्रन।
 पत्नी श्री के० वी० राजन्द्रन, नं० 76, सेलवीनगर,
 तिरुनेलवेली-1 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वे वित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यविस्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मरित में हिरुक्ष्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अन्सूची

डाकुमेंट नं 0.1070/80 जे ०एस० आर० औ॰ I, पालयमको है भूमि स्रोर निर्माण डोर नं 0.21 और 0.32 और 0.52 एस० नं 0.52 पराची श्रम्मन को ईस स्ट्रीट, बना २५त, हिस्तेस हे सी 0.52

टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, मद्रास 600006

विनांक: 12-1-1981

मीहर:

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

म द्वास, दिनांक 12 जनवरी 1981

निर्वेश सं० 22/मई/1980/यत: मुझे, टी० ई० एस० म्रार० लक्ष्मी नर्रासहन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 23, 24, 27, 28, 29, 30 श्रौर टि० एस० नं० 710/1 पेराची श्रम्मन कोईल स्ट्रीट है जो पालयमकोट्टै तिरुनेलवेली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I पालयमकोट्टै (श्राक नं० 1072/ 80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुत्रों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निचित उव्योद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीन हिन्न-

1. श्री टी० रामस्वामी, मुवलियार

(भ्रन्तरक)

2. श्री वी० सुब्बराज।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो ले भीतर पूर्वों क्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1072/80 जे० एस० म्रार० I पालयमकोट्टै भूमि भ्रौर निर्माण डोर नं० 23, 24, 27, 28, 29, 30 भ्रौर टी० एस० नं० 710/1, पेराची श्रम्मन कोईल स्ट्रीट, पालयमकोट्टै तिस्नेलवेली ।

टी० ई० एस० म्रार० लक्ष्मी नर्रासहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जम रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 12-1-1981

प्रकृष धाई • टी • एन • एस • --- --

1. श्री एस० टी० तीतारप्प मुदलिमार

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० वेंकटसामी नामुदु

(भ्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रंथीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1981

निर्देश सं० 114/मई/1980—यतः मुझे, टी० ई० एस० श्रार० लक्ष्मी नर्गसहन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धवीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिमका छिचत बाजार मूख्य 25,000/- द० मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 710/1 पेराची श्रम्मन् कोयील स्ट्रीट पालमम्कोट्टै तिरुनेलवेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार-I पालयमकोट्टै (डाक नं० 1069/80) में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिन्ति बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्ननिक्ति उद्देश्य से उन्त अन्तर्य विखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी धाय की याव: अवत अधि-नियम, के मधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुदिका के लिए; भ्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, निन्हें भारतीय पाय-कर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना नालिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् । ---9---446 GI/80 को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 मिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1069/80 जे० एस० म्रार्० I पालयमकोट्टै काली भूमि टी० एस० नं० 710/1, बेल, एककतिरीक मोटार पंपसेट, पेराची अम्मन कोईल स्ट्रीट, पालमम्कोट्टै तिम्नेलबेली ।

> टी० ई० एस० श्रार० लक्ष्मी नर्रासहन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

विनांक: 12-1-1981

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-; मद्रास

मद्रास-।, दिनांक 15 जनवरी 1981

निवेश सं० 96/मई/1980—यतः, मुझे, टी० ई० एस० म्रार० लक्ष्मी नर्रीसहन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं 16 भौर 17 (टी० एस० नं 32) तिरुप्पी मेन रोड़ है, जो कुगो, सेलम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सेलम (डाक नं 2833/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क, अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:-- (1) बी० एन० बी० श्रीनिवास चेट्टीमार (2) श्रीमती एस० विजरम्माल (3) एस० रंगराजु (4) एस० रामचन्द्रन ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० विजयकुमारी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशींकत् सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2833/80 एस० ग्रार० ग्रो० सेलम भूमि और निर्माण डोर नं० 16 ग्रौर 17 (टी० एस० नं० 32) तिरूची मेन रोड़, कुगौ सेलम।

> टी० ६० एस० श्रार० लक्ष्मी नरसिंहः सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅज-I, मद्रास ।

दिनांक: 15-1-1981

प्ररूप आई० टी• एन० एस६----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेज-I, मद्रास

मदास, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेण सं० 111/मई/1980—यत[,], मुझे, टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नर्रासहन्

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रोर जिसकी स० 1, वीर रागवन रोड़ टोडिमारपट है, जो मद्राम 81 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यात्य, जे० एस० ग्रार०-11 मद्रास नार्थ (डाक न० 2043/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रवीन मई, 1980

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्रमान प्रतिफल से एसे द्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित मे वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मा कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- शी विलसन 8 को० (पी०) लिट चैयरमैन श्री के० वी० शेट्टी दी कडप्पा स्टार बेरीटैस (पी) लि०। (भ्रन्तरक)
- 2 मेनेजिंग डारेक्टर जनाब रहमतुल्ला साहिस।(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त घन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं:

अनुसूची

डाकुमेट न० 2043/80 जे० एस० प्रार०-II मद्रास नार्थ भूमि ग्रौर निर्माण ग्रार० एस० न० 4062 डोर न० 1 वीर रागवन रोड़, टोडिमारपट मद्रास-1।

> टी० ६० एस० आर० लक्ष्मी नरिमहन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-I, मद्रास

दिनाक 15-1-1981 मोहर प्रकृप धाई•टी•एन•एस•--

भायकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की घार 269-व (1) के घषीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) म्रजेंन रेंज-1, मद्रास

मजास, दिनांक 16 जनवरी 1981

निदेश सं० 17/मई/1980--यतः, मुझे, टी० ई० एस० ब्रार० लक्ष्मी नरसिंहन्

स्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क• से प्रधिक है

भीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 46 (आर ० एस० नं ० 146/688) के ० के ० नगर है, जो मदुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, के ० के ० नगर टल्लाकुलम मदुर (डाव नं ० 2353/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1868 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिश्वल के लिए धन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिश्वल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिश्वल का पन्छह प्रतिश्वत प्रधिक है घोर प्रन्तरक (भन्तरको) घोर धन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिश्वल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निश्वित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया वया है। --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उस्त अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1 श्री एस० रागवन

(ग्रन्तरक)

2 कुमारी प्रेमा सुन्वरपांडी।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भो आक्षप !---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना क राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोह्स्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शाबीं और पदों का, जो 'खक्त प्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित है, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

डाकुमेट न० 2353/80 एस० भ्रार० श्रो० के० के० नगर टल्वाकुलम मदुरै, भूमि ग्रौर निर्माण प्लाट नं० 46 (श्रार० एस०नं० 146/688) के० के०के नगर मदुरै-20।

> टी० ई० एस० श्रार० लक्ष्मी नरसिंहन् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 मद्रास ।

दिनांक: 16-1-1981

प्ररूप आई०टी०एन०एत०---

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज-], मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1981

निदेश सं० 5/मई/1980—यतः, मुझे, टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहन्,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्चित बाजार मूल्य 25,000 के से अधिक ही

भौर जिसकी संव नई डोर नंव 59 (टीव एसव नंव 1122/1) नमी जेल रोड़ है, जो मधुरें में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम (डाक नंव 919/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मई,

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण टिलिख्त में बास्तिवृक्त
कप् से किश्वन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व, में कमी करने या उससे ब्रचने में सुविधा को निए; अधि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों वर्धात किन्न-

(1) श्री जे० रामसामी पिल्लै (2) श्रार० श्रीदरन्
 (3) जे० पलिसामी (4) पी० किरुप्तन (5) जे० दनकोटी (6) पी० परमिसवम।

(भ्रन्तरक)

2 दी मदुरा हिंदु परमनंट फंड लिमि॰।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकांगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 919/80 एस० ग्रार० ग्रो० पुदुमंडपम, भूमि ग्रौर निर्माण डोर नं० 267 (पुराना) नमी डोर नं० 59 (टी०एस०र्नं० 1122/1) नमी जेल रोड़, मदुरै।

> टी॰ ई॰ एस॰ ग्रार लक्ष्मी नरसिंहन् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक': 16-1-1981

त्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

याथकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, पद्दायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1981

निर्देण सं० 32/मई/80--यत:, मुझे, टी०ई० एस० श्रार० लक्ष्मी नरसिंहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वहचात् 'छक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स० से अधिक है

म्रोर जिसकी र्सं० 179 टी० एस० र्नं० 281/1) वकील नमी स्ट्रीट है, जो मदुरै में स्थित है (भ्रीर इससे उपावक भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रक्षकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डाह प्रविगत से स्रिधक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (मन्तरितियों) के बीच ऐसे घग्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्तानियत उद्देश्य में उका अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरम मं दुई कितो आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

ग्रतः अन्यः जनत अधिनियम की धारा 269-ग के यनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः 1 श्री एस० सोमसुद्रिम,

(भ्रतिरक)

2 श्रीमती श्रीर० सुशीला,

(भ्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन क निए कार्यवाहियां करता हूं।

धनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाज में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तरसक्वनधी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधाय 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्व दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

डाकुमेंट र्न ० 2491/80 जे० एस० ग्रार० ग्री०-ा मदुई भूमि ग्रौर निर्माण डोर र्न ० 179 (टी० एस० र्न ० 281/1) वकील नमी स्ट्रीट, मदुरै।

> टी० ई० एस० श्रार० लक्ष्मी, नरसिंहन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-I मद्रास

विसांक: 16-1-1981

प्ररुप धाई • टी • एन • एव •---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1 · · 1 का 43) की छारा 269-घ (1) के प्रधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) श्रजेंन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1981

निर्देश सं० 33/मई/80---यतः, मुझे टी०ई० एस० श्रार० लक्ष्मी नरसिंहन्,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सें० 179 (टी० एस० नें० 281/1) वकील नमी स्ट्रीट है, जो मदुरें में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूषी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्याचय जे० एस० श्रार०-I मदुरें (डाक नें० 2492/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पृथोंकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं रिक्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बन, वनत धिनियम की बारा 269-ग के धनुसरक में, में, खनत धिनियम की छारा 269-व की वपकारा (1) के बिधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, सर्वति:--- 1 श्री एम० सोममुद्रम् ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती जानकी श्रम्माल।

(ग्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की घनति सा तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 पिन की अवधि, जो भी घकधि बाद में समाप्ता होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी क्रम्य क्यक्ति द्वारा अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चासकेंगे।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, को उक्त घीछ-नियम के अन्तयाय 20-क में परिभाषितः है, बही धर्ष होगा, जो उम घन्याय में विया गया दै।

अनुसुची

डाकुमेंट र्न० 2492/80 जे० एस० आर० 1 मदुरे भूमि श्रीर निर्माण डोर र्न० 179 (टी० एस० नं० 281/1) वकील नमी स्ट्रीट, मदुरैं।

> टी० ई० एस० ग्रार० लक्ष्मी नरसिंहम्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

विनांक: 16-1-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10834---यतः, मझे, राधा बालकृष्नन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 1035 म्रौर 1036 कून्तूर ठकन है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कुन्तूर (डाक नं० 655/80) में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई, 1980

करे प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1 श्रीमती श्रलिकार शांतकुमार।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीरेजी जान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसुची

डा कुमेंट नं० 655/80 एस० श्रार० श्रो० कुन्नूर भूमि-श्रार० एस० नं० 1035 श्रोर 1036 कुन्नूरठकत ।

> राधा बालकृष्णन्, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 मद्रास

विमांक: 20-1-1981

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० 15479—यत: मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

सौर जिसकी सं अपार एस वं 149/1, 149/2, 149/3, तड़ाकन कोइल जा है बहुम, सीकाली (सीकालिए) में स्थित है (फ्रांर इससे उपाबद अनुसूची म और पूर्ण प्रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जे एस आर II, मब्रास नार्थ (डाक नं 1854/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

की पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के ध्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ध्रम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 10—446GI 80

- 1 (1) एन० वी० कायरोगनम (2) ए० रामसामि चेट्टियार (3) एन० ए० नारायणसामि चेट्टियार (अन्तरक)
- 2 श्रीमती (1) सरोजा (2) सरस्वती । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्यव्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1854/80 जे० एस० झार० II महास नाथ भ्मि झार० एस० नं० 149/1, 149/2, 149/3 तहाल न काइस, सीकाली ।

राधा बालकुन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रजन रेंज-I, मद्रास

विनांक: 20-1-1981

प्रस्त बाहा । टी । ध्रम । एस । -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सुवया

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1981

निर्देण सं० 10815—यत:, मुझे, राधा बालकृष्णनन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका जोजत बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सिंग्डी एस० नं 11/1271, सेर नं 15 गांधीपुरम मैंकिंड स्ट्रीट है, जो कोयम्बट्टर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गांधीपुरम कोयम्बत्र (डाक नं 1748/80) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, 1980

को पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापवांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के किए क्य पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किस्सी आत्म की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इमाजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना साहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतियित व्यक्तियों अधीतः— 1 श्री मार० लक्ष्मणनन

(भ्रन्तरक)

2 श्री कें ० नागराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना फारी करके पूर्वांक्त सम्प्रिटत के अर्थाद के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस भूकना को राजधान को नागील स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावक संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकती।

क्याकडीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होना जो उस अध्याय में विमा क्या है।

धनुसूची

डाकुमेंट नं० 1748/80 एस० ब्रार० ब्रो० गोधीपुरम कोमस्बत् भूमि ब्रोर निर्माण टी० एस० नं० 11/1271 सैटनं० 15, गांधीपुरम 11वी स्ट्रीट कोयम्बत्र ।

> राधा बालक्टरणनन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 23-1-1981

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहामक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रजेंन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1981

निर्वेण मं० 10793—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णनन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वर्ष से प्रधिक है और जिसकी सं० नं० 341/5वी कृष्णरामपुरम कोयम्बतूर है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण क्षम में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्स्ण प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर 80 (डाक नं० 2684/80) में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त मन्त्रति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, बसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिजत से प्रधिक है और सन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रम्तरितयों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है!—

- (क) सम्तरण सं हुई किसी पाय को बाबर उन्ह प्रधिनियम, के घडीन कर देने के प्रमारक के दासिस्य में कमी करने या उत्तसे वक्ते में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाहिए चा, फ्रिपाने में सुविधा के लिए।

क्षतः भ्रव, उक्त अधिनयम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनयम की बारा 269 क की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1)पी० बी० गोबिदस्वामी नायड़ (2) जी० जगदीणन
 (3) जी० मनोहरन।

(म्रन्तरक)

2 श्रीराम फाऊंड्री

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आपी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के **धर्म**न के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब, से 45 विन की धविध या तत्सवंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी धविध बाद में समाप्त होती ही, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पणि में हितबढ़ किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरता-करी के पास लिखित में किये जा मक्तें।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त सकि। मियम के अध्याय 20-क में परिचाक्ति हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्सूची

डाकुमेंट नं० 2684/80 भूमि—सर्वे० नं० 341/5बी, कृष्णरामपुरम कोयम्बद्गर ।

राधा भालकृष्णनन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, मद्रास

विनोक: 17-1-1981

नसप बाई • टी • एन • एस • ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 16 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10816—यत:, मुझे, राधा बालकृष्णनन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 305 गणपित गांव है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावदा श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयग्बतूर (डाक नं० 1694/80) म भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; औ्र√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अभ, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—— 1 सेलवी टेकस्टैलस (पी०) लि०

(भ्रन्तरक)

2 श्री सि॰ रतिनम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'लक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

इाकुमें देनं ० 1694/80 भूमि श्रीर निर्मीण सं नं ० 305 गणनित गांव, कोयम्बत्र।

> राधा धालकृष्णनन् सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भजेंन रेंज-II, मब्रास

दिनांक: 16-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के समीन सुचना

भारत सरकार

कायौलय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10800--यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, वायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्तम ब्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपर्ये से अधिक है भ्रौर जिसको सं० 11/30 किरास कट रोड़ श्रीनिवासपुरम है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्व ग्रनुसुच: में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है),रज्ञिस्ट्राकर्त्ता श्रधिकारी के कायलिय, कोयम्बतूर (डाक नं० 3022/80) म भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मद्दी, 1980। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यतान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रक्रिक है और मन्तरक (अभारकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरम के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त सन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) भ्रन्तरण से द्विष्ट किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भारितयों की, जिन्हों भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानं अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया ना या किया जाना नाहिए ना, छिपाने में सुनिधा के सिए;

कतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269 क को उपधारा (1) के अधीन निम्निकित उपक्तियों, अयौद् !—

- श्रोमतो (1) पा० कलावता (2) एच० तुलसा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रो वो० लक्ष्मनन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर संगत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोड्स्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त जब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

डाकुमट नं० 3022/80 भूमि भ्रौर निर्माण—डोर नं० 11/30, किरास कट रोड श्रानियासपुरम कोयम्बसूर।

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-II, मद्रास

दिनांक: 17-1-1981

प्रकप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरं: 1981

निर्देण सं० 15404—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर दिसकी सं० डोर नं० 102 बेलचेरी रोड़ है, जो मद्राम में िथत है (ग्रीर इससे उपाबड़ शनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिक्स्ट्रकर्ती अधिकार के कार्याक्य, सैदापट, मद्रास (डाक् नं० 1369/80) में भारत य रिकस्ट्रकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान मई, 1980 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

1. श्रो गिराश कुरुतिबला तामस।

(म्रन्तरक)

2. श्री एम० प्रशोक कुमार

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

डाकुमद नं० 1367/80 भूमि घ्रौर निर्माण डोर नं० 102, वेलचेरि रोड, मद्रास ।

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षण) भ्रजीन रेज-II, मद्वास

दिनांक: 20-1-1981

मोह्रर:

भक्ष आई० टी० एत**०** एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यांजय, सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1981

निर्देश सं० 15405—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 102 वेलचेरी रोड़ है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिवस्ट्रोकर्सी अधिकारा के कार्यालय, सैदापटा मद्रास (डाकु नं० 1370/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के सिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथानूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी तिनो आप या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाका चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः व्यव, एक्ट अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, दक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :--- 1. श्री रजेका एम० मनि

(ग्रन्तरकः)

2. श्रो सो० हरिदास

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उत्तन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य क्यकिन द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1370/80 भूमि डोर नं० 102, बेलचेरी रोड मद्रास ।

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्रक्षण) भ्रजने रेंज-II, मद्वास

दिनोक: 23-1-1981

प्रकप बाई- टी- एन- एस--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-]], मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1981

निर्देण सं० 15406—यतः, मुझे, राघा बासकृष्णन, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन पश्चम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

मौर जिसकी सं० 102 वेलनेरि रोड़ है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबब श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैदापट, मद्रास (डाकु नं० 1368/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दागिश्व में कमी करने या उसमे बनने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (व) ऐसो हिसो ग्राय या हिसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:-- 1. डाक्टर के० चाको कुरुविला

(मन्तरक)

2. श्रो सी० वी० वेलायुदन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -इसमें प्रगुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1368/80 भूमि 102, वेलवेरी रोड, मद्रास ।

राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) कर्जन रैज-II, महास

दिनांक : 20-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, विनांक 23 जनवरी 1981

निर्देश सं० 15407---यत, : मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मूल्य 2.5,000 ∕रा. से अधिक **है**

श्रीर जिसको सं० 102, वेलचेरो रोड़ है, जो मद्रास में स्थित है भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सैवापट, मद्रास (डाक् नं० 1367/80) में भारते∤य रजिस्ट्रोकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कश्थित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- च की उपधारा (1)

को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. डाक्टर सुलोचना ग्रवरधाम

(भ्रन्तरक)

2. श्र. एम० गोविदन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना केराजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्ची

डाकुमेंट नं० 1267/80 भूमि नं० 107, बेलचेरि रोड, मद्राम ।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारो, महायम भ्रायकर भ्रायुक्त (निरंधण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

विनांक: 23-1-1981

प्रस्थ माई० टी• एन• एस•—

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 20 अनवरः 1981

निर्देण सं० 9008— यतः, मुझे, राधा बालह्रण्णन, शायकर धिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिमियम' कहा नया है), की बारा 269- ज के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मन्दि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

मौर जिसकी संव म्रारंव एसव नंव 85/2 है तथा जो 36 रेडियारपालयम गांव, पांडिनेरी में स्थित है (मौर इससे उपाबंद अनुसूर्य में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिन्स्ट्र कर्सा अधिकारी के कार्यालय, मोझुकराई (डाक नंव 574/80) में भारतीय रिजस्ट्री-करण मिलियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन महै, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छित्त वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐस दृश्यभान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरित (पन्विरित्यों) के बीब ऐसे अन्तर्व के लिए तर गांग गया प्रतिफल, निम्तलिखत उद्देश से उना अन्तर पालिखा में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुं कि का प्राय की बावत, उक्त आधि-ितमन, के प्राीत कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसते वचने में सुनिधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी बन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्षर अंबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, जा धन-कर अखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा भक्ट नहीं किया गया था था किया जाना बर्धन्य था, उसने में मुनिशा के लिए;

अतः अब, उन्त पणियाः को सम 269-व के भक्तरण में, में, उन्त पछितितम की छारा 269-व की उन्तारा (1) के बरोत, विम्तलिखित ध्वितितमों, अवीत् :---

1. श्रीमते। मरियो जासपैन

(ग्रन्तरक)

2. आइडेंटिटी रिमर्च इंस्टाटयूट ट्रस्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

जात सम्पत्ति के बर्जन के तंबंध में कोई भी **बाबोप।**----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को समझिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समझि, जो भी सबिध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर छन्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा नकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उन्त श्रीक्षित्रम के सहयाय 20क में परिभाशित है, वहीं श्रव होंगा जो उस प्रश्याप में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 574/80 एस० म्राग्० म्रो० म्रोझकराई भूमि म्रार्० एस० नं० 85/2, 36, इड्डियाग्पालयम गांव पांडिचेरी।

> राधा क्वालकष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ग्रा, मद्रास

दिनांक: 20-1-1981

प्ररूप का**र**े. टी. एतु. एस_.----------

धायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० 9008—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी मं० ग्रार० एस० नं० 85/1, है तथा जो 36, रेड्डियार पालयम गांव पांडिचेरी में स्थित, है (ग्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, श्रोसुकराई (शांक नं० 626/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मई, 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिंधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंधिनयम, या धन-कर धिंधिनयम, या धन-कर धिंधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिष्कृत व्यक्तियों, नुभति धन्न-

1. श्रीमती सुसानी इरूदपमेरी

(भ्रन्तरक)

2. एंडटीटी रिसर्च इंस्टीट्यूट टिरस्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

जकत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितक के किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरणहे-- इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उद अधिनियम के अध्याद 20-क में परिवाधि है, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

डाकुमेंट नं० 626/80 एस० श्रार० श्रो० श्रीमुकराई भूमि श्रार० एस० नं० 85/1, 36 रेड्डियारपालयम् पांडिचेरी ।

> राधा बालकृष्णन्, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनाक: 20-1-1981

प्रकप भाईक ही। एन। एस।---

आस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश मं० 10821—यतः, मुझी, दाधा बालकुष्णन्, भायकर श्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रीविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मजन प्राधिकारी की, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,080/-रुपये से भीवक है

क्ष्य स भावक है

श्रीर जिसकी सं क्ष्य नं 279/1, कोट्टम्पट्टी है, जो पोल्लाची
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्याक्षय, पोल्लाची
(डाकु नं 1463/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन मई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रधापुर्वोक्त संपत्ति का उवित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्नह
प्रतिश्वत प्रधिक है और मन्तरक (ग्रन्तरकों) भोर अन्तरिती
(अन्तरितिभो) के भीच एसे भन्तरक के लिए तय पामा गया
प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बावत उपत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरफ के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (*) ऐसी किमी प्राय या किमी अन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धींबनियम, या धनकर धींबनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिपाने म सुविधा के लिए;

अंतः अब, उन्त घिनियम की धारा 26 क्रिन के अनुसरण में, में, तक्त पश्चितियम की धारा 26 क्रिन की उपधादा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवितयों, अवीत् :--- (1) बालसानी गणुडर (2) सुन्नमणियम् गवंडर (3)
 कृष्णस्वामी गबुंडर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० रामजमम् ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जाणे करके पूर्वोक्तः वयति के धर्माः के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भारतेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्माध्या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तामीन से 30 दिन की अवधि जो भी धर्माध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजध्य में प्रकासन की ताबीखास 45 किन के भीतर स्थावर संपत्तिः में हित्यका निस्ती भन्य स्थवित द्वारा, अधोहस्ताकारी के शास निष्यत में किए जा नर्वेक :

स्थानीकरणः :--- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्के का, को उन्त प्रतिविध्य के प्रध्याय 20-क में परिकार्षित हैं, बही प्रये होगा जो उस प्रकाष में विका गया है।

भनुसूची

डाकुभेंट मं० 1463/80 भूमि स० नं० 279/1, कोष्टम्पट्टी, पोस्काची ।

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनाक: 20-1-1981

त्रक्षम आई० हो। एतः एस०---

भरकार विविवयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1), के धवीत-सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक यायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1981

निर्देश सं 0 15461---यतः, मुझे, राधा बालकृष्णनम आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-सः ने सधीन:सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित काजार मृत्य 25,8400/- ६० से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 117/1 है, तथा जो तिरुवनिभयूर मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सैदापट, मद्रास (डाक नं० 2562/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषितः बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार शृष्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से ऐसे वृत्रमनान प्रतिकार के क्लाक प्रतिवातः से विविक्त है। धीर वस्तरक (बन्तरकों) धीर धन्तरिती (अन्धरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए एव पाया गया प्रतिष्ठसः, निम्नसिबितः चहेश्य से उन्तः धन्तरमः निवित में बास्त-विक रूप से **कवित नहीं किया गया है:--**-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत संकत अक्षि-निवस के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वाधिख में क्यी करने या उबसे वजने में सुविद्या के जिए। बीर/बा
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पश्चितियम, 1922 (19:2:का 11) या चंकतः विकित्तका, या धन-कर मधिनियन) 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में धुविका के लिए;

अप्तः अपा, उपन्त अधिनियमकी घारा 269-ग के *वान्*-तरण में , में , उक्त विधिनयम की भारा 269 क की उप्भारा (1) के अधीन निस्निजित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमती सियामला ।

(भ्रन्तरक)

2379

2. श्री डी० ग्रार० एस० नारायनन्

(श्रन्तरिती)

को यह यूबना जारी अरके पूर्वीका मंपति के घर्जन के लिए कार्वेषाहियां करण हूं।

उनल सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आसीप।--

- (क) इन्तासुचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रकृष्टि या तस्त्रंबंधी क्यमितयों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धवित, जो भी धवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्वामः के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी पान्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्लामारी के पासः विविद्यत में किए आ सर्वेगे :

स्पढक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो चक्त अधिनियम के प्रध्याय 2.9-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा नो उस प्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2562/80 भूमि सं० नं० 117/1 तिरुवांमियुर।

राधा बालकृष्नन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 5-1-1981

प्रकप चाई• टी• एन• एस•---

श्रायकर ग्रजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अश्रीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बामकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज- I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 1981

निदेश सं० 8998--यतः, मुझै, राधा बालकृष्णन्, शायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा की घारा 269-ख के ग्रंथीन सक्षम प्राधिकारी की, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∫- रूपये से प्रक्रिक है, भौर जिसकी सं० 96 इरवान कोयिल स्ट्रीट पांडिचेरी में स्थित है (भीर इससे उगावद भनुसूनी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी केकार्यालय, पाडिचेरी (डाक नं० 994/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रिषिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उकत प्राव्यतियम के बाधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या सससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्घ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जुधीन निस्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. (1) श्री वी० भ्रार० देवनातम (2) मुनुसामी (2) जोकनातम (3) कोतर्डपानी (4) कम्नन (5)भ्रारुमुगम (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एम**० हरिक्वणन् उडया**र । (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पति के ग्रंबन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों ५र सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सर्वेगे।

स्पव्दीकरणः → इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूत्री

डाकुमेंट नं० 994/80 भूमि भीर निर्माण डोर नं० 9 6 ईस्वरण कायिल स्ट्रीट, पांडिचेरी ।

> राधा बालकृष्णन्, सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ब्रजैंग रेंज-11, मब्रास

दिनांक: 17-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्राक्ष

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10819—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 4 तुलसी राव स्ट्रीट है, जो तिरूपुर में

श्रौर जिसकी सं० 4 तुलसी राव स्ट्रीट है, जो तिरूपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, तिरुपुर (डाक नं० 1064/80) में भारसीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरित्या) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिकृत कि निम्नितिष्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्था से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निषित्ति व्यक्तियों अर्थातः-- 1. श्री म्रार० पेचिमन्न तेयर,

(भ्रन्तरकः)

2. श्रीमति बी० तुलसियम्माल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

मन्स्भी

डाकुमेंट नं० 1064/80 भूमि भौर निर्माण डोर नं० 4, मुनमी राव स्ट्रीट, तिरुपुर।

राधा बालकृष्णन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्-II, मद्रास

विनांक: 20-1-1981

प्रस्थ आह्र⁸् टी. एन्, 'एस.-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 रा 43) की घारा 269-भ(1) के अधीन सुनना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (चिरीक्क)

श्रर्जन रेंज-।।, मव्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निदेश सं० 10837—प्रतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, भायकर मिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्रमास करने का कारण है कि स्थाकर सम्मत्ति जिसका उन्तित बाजार मूख्य 25,000/- ठ० से प्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० ग्रोमिलिड फिलवर हाल (ग्रार० एस० नं० 4388) है, जो उटकमंड में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध मनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से विण्त है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, कट्टी (डाक नं० 808/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिमियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्वल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का नारण है कि यथामूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पच्चह प्रतिशत से प्रिष्ठक है और अन्तरक (अग्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण य हुई किसी आप की वाबत उक्त सिवियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धन-कर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) दे प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा किया जाना चाडिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः, सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवीत :---

- श्री के० टी० राजन रैप जे० भ्रार० शेसादिरी (भ्रन्तरक)
- 2. श्री कुणी गोपालदास जगहिमानी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आखेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की धनकि या तरसम्बन्धी व्यक्तिकी पर सूचना की सामीज से 30 बिन की धनकि, जो भी धनकि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कादा; याः
- (व) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पति में विश्ववद किसी प्रम्य कावित द्वारा, प्रकोहरूतकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पश्चों का, को उनत स्वितियम के अध्याय 30 क में यहा परिवासित हैं, नहीं भर्ष होता, को उनस शब्दाय में दिया गया है।

प्रमुखी

डाकुमेंट नं० 808/80 भूमि और निर्माण श्रार० एस० नं० 4388 श्रोमिलङ फिलवर हाल उटकमंड ।

> गधा भातकृष्णन्, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनाक: 20-1-1981

प्ररूप आइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, 20 जनवरी 1981

निदेश सं० 8997—श्रतः मुझे, राधा वाल ऋष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० 56/58 है, जो तियागराज स्ट्रीट, पांडिचेरी में स्थिवे हैं (भ्रौर इससे उपायद्व में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाक नं०950/80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16 के भ्रधीन मई 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य में उकन अन्तरण किलित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्निकिश्वत व्यक्तियां अर्थात्:-12—466GI/80

- (1) श्री देवकी भ्रम्माल और भ्रार० जयरामन। (अन्तरक)
- (2) श्री अबदुल्ला शेक मोहम्मद (ग्रन्तरिती)

मने यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मौत्त के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

डाकुमेट नं० 950/80 भूमि भौर निर्माण——डोर नं० 56/58—— तियागराज स्ट्रीट, पांडचेरी।

> राधा बाल किष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 20-1-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, मद्रास

मद्राम, दिनांक 6 जनवरी 981

निदेश सं० 10804--श्रत. मुझे, राधा बाल कृष्णन आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पत्रचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से 25,000/-रुपए ग्रधिक है **ध्रौर** जिसकी स० टि० एस०नं० 493/1, 487 पापनायक-**पालयम पुदर है** जो कि बारतियार रोड में स्थित **है और इससे उ**पा-बद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर डाक नं० 2973/80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1608 (1908 का 16) के अधीन मई 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिन उद्देश्य । उसा अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिध-नियम क भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करन या उससे बचन में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अधीत:—— (1) एस॰ रतिनम एण्ड भार॰ मायूरनातन

(अन्तरक)

(2) डाकटर एन० वेलूसामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध का तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-यद्ध किमी प्रन्य क्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के राम निश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भविनियम के श्रश्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गथा है।

ग्रनु**त्र**ची

डाकुमेंट नं० टि एस० नं० 493/1, 487, बारतियार रोड, पुडर, पापनायपालयम, कोयम्बतूर ।

> राधा श्वाल कृष्णन नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीबः 6 जनवरी 1981

प्ररूप आइर्. टी. एन्. एस. ------

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1), के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1981

निदेश सं० 10804—म्ब्रतः मुझे, राधा बालकृष्णन ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर मन्पत्ति, जिसका एक्ति वाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं०टी० एस० नं० 493/1, 487, है तथा बारितयार रोड, पुदुर पप्पानायकेनपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोम्बत्र (डाक नं० 2974/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1980

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भ्रष्टिक हैं और भन्तरक (भ्रम्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत श्रिष्ठिनयम, या धन-कर श्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यन्तियों, धर्मात्:—

- 1: श्री पी० नटराजन

(अन्तरक)

(3) श्री हुम्सवेनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिष्ठिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अमुसूची

डाकुमेट नं० 2974/80। भूमि टी० एस० नं० 493/1, 487, बारतियार रोड, पुदुर, पप्पानायकेनपालयम।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 17-1-1981

प्ररूप पाई • टी • एत • एस •------

भायकर प्रश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा ८७५-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 1981

सं० 10799—यतः मुझे राधावाल कृष्णन आयकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख 25,000/- उपए में प्रधिक है,

मीन है, मी की सं० 22/372 से 376 बिग बाजार स्ट्रीट, है, जो कोयम्बत्र में स्थित है और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबत्र (डाक नं० 3035/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के प्रधीन मई 1980 को पूर्वोक्त सपित के उचित्त बाजार मूच्य से कम क वृश्यमान प्रतिफक्ष के निए बन्तारत का गई है और मृक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके वृश्यमान प्रतिफक्ष से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफक्ष का पन्दह प्रतिशत अधिक है और पन्तरक (अग्तरकों) और अन्तरितों (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण निधित में वास्त- विक का में कथिन नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरम से हुई किनी आय की बाबत, उपत सिंधांनगम, के अधीन कर गा के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उमन बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अश्य धारितवों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्व अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया चाना चाहिए चा, जियाने में सुविधा के प्रिए;

अतः धव, उन्त बिधानियम की धारा 26 क्र्ना के सब्सरण में, में, उक्त बिधानियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री एम० जानवेल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० श्रय्याषुरे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छन्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी बाबीप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितनद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जर सकेंगे।

स्पद्धी बरग: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, थे। सकत धिवित्यम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा खो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3035/80। भूमि श्रौर निर्माण डाक नं० 22/372 से 376, बिग बाजार स्ट्रीट, कोयम्बतूर।

> राधा नास क्रुडण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-1-1981

मोहर ।

प्रकप माई० दी० एन० एस०----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) से धाषीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज जालंधर

मद्रास, विनांक 17 जनवरी 1981

सं० 1079—यतः मुझे राघाबालकष्णन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

मीर जिसकी सं० 378 ए, 378 बी, बिग बाजार है जो कोयम्बत्र में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिप्तकारी के कार्यालय, कोयम्बत्र (डाक नं० 3034/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मिम्रिन्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्राचीन, मई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त सिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए,

श्रतः प्रय, उक्त मिन्नियम, की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-म की उपधारा के (1) समीत निम्निस्तित व्यक्तियों अर्थात्:- (1) श्री एम० जानवेल ।

(ग्रंतरक)

(2) श्री अय्यादुरे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3034/80 ।

भूमि भीर निर्माण ——श्राक नं० 378 ए, 378 मी। बिग बाजार स्ट्रीट, कोयम्बतुर ।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सड़ायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 17-1-81

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर धामुक्त (मिरीक्षण) अर्थन रोज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1981

निदेश सं० 15412---अतः मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 511 गंबट रोड़ है, जो मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (डाक नं० 767/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1980

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्त से श्रीक है और भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण म हुई किसी प्राय की बाबत, धक्त धिक्षियम के धिक्षीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (श्व) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भ्रन्य घारितयों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त श्रंधिनियम, या धन्मर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, प्रधीन:--- (1) श्र. सुप्रनिग्रम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अस्मनी अस्मान

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कीई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशम की सारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबति, जी भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त गब्धों और पदों का जो सक्त अधिनियम के घड्याय-20क में परिमाधित है, वही धर्म होगा जो उस मञ्जाय में विया गया है।

धमुसूची

डाकृमट नं० 767/80 भूमि भौर निर्माण—डोर नें० 511, मबुंट रोड,

मद्रास-18

दाद्या बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 10-1-81 मोहर :

प्रकृष भाई • टी • एन • एस •----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 9005-- ग्रतः मुझे, राधा बाल फुटणन बाचकर प्रशिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ५समें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 21, 180 किरारा स्ट्रीट पांडिचेरी है, जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद में भ्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पांडीचेरी (जाक नं० 542/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से प्रधिक है भौर ग्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रोर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरक न हुई किमा प्राय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व हं कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, गोरीया।
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्त्र ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनिमम, या भ्रत-सर श्रिधिनिमम, या भ्रत-सर श्रिधिनिमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने स मुविधा के लिए;

अतः भ्रम, उपन प्रधिनियम की धारा 239-ग के श्रनुसरण में, में, उपत श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीन:-~ (1) श्री दुमलकक्षमी।

(म्रन्तरक)

(2)श्रीमती हजीमा बी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की श्रेविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलाब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षः निवम के श्रष्टयाय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक्मेंट नं०: 542/80

भूमि श्रौर निर्माण—डाक नं०: 21, 188 किरास स्ट्रीट, बट्टनचावड़ी , पांडीचेरी ।

> राधा वालाकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 20-1-81

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1981

निदेश सं० 15414—अतः, मुझे, राधा बाल कृष्णनन, बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 21 है तथा जो सबुल्ला स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (ज्ञाक नं० 734/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16(के अधीन मई 1680

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पस्त्रह मिना से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखिल उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा है तिए,

कत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री एस० नी० रामदास।

(श्रंतरक)

(2) श्री के० वडिवेल्।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीब से 45 दिन की अविधि या लत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उचत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

डाकुमेंट नं॰ 734/80। भूमि प्लाट नं॰ 21, सङ्ख्ला स्ट्रीट, मद्रास-17।

> राक्षा वालकृष्णनन सक्षम प्राविकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज- , मद्रास

दिनांक: 10 जनवरी 1981

प्ररूप बाई• डी• एन• ब्र-----

जायकर समिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के समीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्राम, 20 जनवरी, 1981

निदेश सं० 10813—श्रतः मुझे, राधा वालकृष्णन भायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धानि सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर मन्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

भीर जिसकी सं० भार० एम० नं० 1/1080 जो बेल्मी, गांव उटकमंड में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुडलूर (डाक नं० 751/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 मई 1980 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकल के लिए भन्तरित को गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उलके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिभाव भिक्त है और भन्तरिक (भन्तरकों) और भन्तरित भाग प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निधान में वास्तविक अप से अधिन नहीं किया गया है:---

- (स) अन्तरण से हुई किसा आय की बाबत, उक्त धिवनियम के ध्रशीन कर देने के अन्तरक के शियरब में कनी करने या उसप वचने में सुविधः के लिए; धौर/या
- (सा) ऐसो किसो आय या किसी धन या अथ्य अस्तियों को जिस्हें भारतीय आयकर प्रवित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चित्तियम, या धन-कर प्रवित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ भन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एल० एम० नागराज।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1 के० सुंचैमा
 - 2 दबीरम्माल
 - 3 एस० नीलकण्डन
 - 4 एस० मोहन
 - 5 एस० शिवराज
 - 6 ग्रार० बालकृष्णन
 - 7 ग्रार० गोविंदराज
 - 8 जी० सरस्वती
 - 9 प्रार० चिकराज
 - 10 मैनर जी० रमेश
 - 11 मैनर जी० अनन्तकृष्णन
 - 12 मैनर सी० रामकृष्णन
 - 13 मैनर मी० वेनुगोपाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी धार्खेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, वो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबोबत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किमी भन्य स्थित द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीवरवा --- इसमें प्रयुक्त जन्मों भीर पर्शे का, को उक्त भ्रधि-नियम के प्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन श्रक्ष्याय में दिया गया है।

अनु सूची

डाकुमेंट नं० 751/80 एस० द्यार० श्रो० गूडलूर। एस्टेट भूमि श्रोर निर्माण—-45.91 एकरम। श्रार० एस० नं० 1/1, 1/2, 1/3, 1/4, 1/5, 1/6, 1/7, 1/8 श्रोर 46/81 1, 1/7, 1/7 । श्री० बेली गांव उटकमंड।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IJ, मद्रास ।

नारीख: 20-1-81

परूप भाई॰ टी॰ एन॰ एम॰----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष** (1) के **धधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भाषुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्राम

मद्रास, 20 जनवरी, 1981

निदेश मं० 10841--अत. मुझे, राधा बालकुण्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारः 269-ख के अधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका _ 25,000/- रुपये से ग्रधि⊤ है। मुल्य श्रौर जिसकी मं० कन्नमनायकनुर उटुनलगर, तिरूपुर है, जो में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उड्डमलपट डाक्रुमेट नं० में 1104/80) में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है शौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति हा उचित बाजार मूल्य, उसके धुरयमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, तिमालिखित उद्देश्य म उका श्रन्तरम निष्वित में वास्तविक रूप में कथिए नही किया गया हैं:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उबत श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने था उसने बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री ग्रार० वेंकटरामन
 - 2 श्रार वरदाराजा
 - 3 श्रार० श्री नियासन
 - 4 श्रार० गोविदराजन
 - 5 श्रार० राज गोपालन
- (2) श्री ग्रार० गांता
 - 2 रविचन्द्रन
 - 3 त्रमंत कुमार

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खबत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकोंगे।

स्पाधीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के प्रध्याय २०-क में परिकालपत है बही प्रश्रं होगा जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1104/80। भूमि — सर्वे नं० 915 श्रीर 916 कक्सम्म नामकन्नुर उड्डमलपट ।

> राधा बॉलकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-11, मद्रास

तारी**य** 20-1-81 मोहर : प्ररूप आहुँ, टी. एन्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रज -ा, मद्रास

मद्रास, 17 जनवरी, 1981

निदेश स० 15415—श्रत मुझे, राधा बालकृष्णन अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्पास्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रुस से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 3, प्रकामम रोड, मद्राम-17 है जा मद्राम में स्थित है (श्रीर इसमें उत्पाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में विज्ञत है), रिजम्द्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्राम (डाक न० 733/80) में भारतीय रिजस्द्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1980 का पूर्वांक्स सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वांक्स सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवर्ध रूप से किथत नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने क अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (म) ए.सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) निम्नालिखन क्यक्तियों, अर्थांत् :--

- (1) श्री गुलाबम्रन बडीलाल मेहतानी ग्रीर सातियो । (ग्रन्तरक)
- (८) श्री संवतीलाल जीवनलाल परक । (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

या

(ग) इस सचना व राजपण में प्राप्तान का नारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्मित भे किए जा सकरा।

स्थष्टं (करण --- इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ब्रनुसूपी

डाकुमेट न० 733/80। भूमि श्रौर निर्माण—डोर न० 3, प्रकासम रोड, टी∙ नगर, मद्रास-17।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज-II, मद्रास

तारीख 17-1-81 मोहर प्रहप आई० दी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-11, मदास

भद्रास, 17 जनवरी, 1981

निदेश स० 15395—प्रन: मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इस स्मान प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० स अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9, कस्तूरी रेज अथगार रोड, मद्राम-18 है जो मद्राम में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित ही), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कार्यालय, मद्राम सबुत (डाक नं० 877/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक हं और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्त्रविक रूप संकिथत नहीं किया गया है..—

- (क) प्रस्तरण य हुई किसो ग्राथ की बाबत उक्त ग्राध-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तिकों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के भनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री मज्जा विजय कुमार श्रीर आर० विजय कुमार। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ए० प्रक्षिषुर रहमान श्रीर टी० इम्महानी भेगम (श्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पाल के धर्जन के निए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस नुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इल यूचना के राजपत म प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संप्रति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पब्हीकरण:—हमभें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदी का, जो उनत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही भ्रष्यं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेट नं० 877/80 । भूमि धौर निर्माण—डोर 9, कस्तूरी रेंज, धर्मगर रोड, मंद्रास-18।

> राधा बाल कृष्णन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-II, मद्रास

नारीख : 17-1-81

प्ररूप आई.टी.एन एस -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज,

मद्राम दिनाक 22 जनवरी 1981

श्रादेश स० 15,388--- ग्रन मुझे राधा बाल कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु से अधिक हैं

और जिसकी स० प्लाट न० 11 (ग्राग्० एस न० 4287/38 4288/7 मबूत बीच रोड है जा

मद्रास-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीनर्सा अधिकारी के कार्यालय, मेलापूर, (डाक न० 970/80) म भारतीय र्राजर्स्ट्रीकरण श्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1980

क्यो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्समान प्रनिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है. --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति^{ना}। को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विधाके लिए;

अतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थाह :--

श्री सी० मुब्बैया कुमार रेड्डी

(ग्रन्तरक)

2 श्री एन० क० मामनी

(भ्रन्तरिती)

कां यह सचना जारी करके पूर्वा क्ला सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सुचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ल) इस सृचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

डाक्सेट न० 970/80 एस० धार० घो० मैलापूर, मद्रास भ्मि ग्रीर निर्माण-- लाट न० 11 ग्रार० एस० न० 4287/3 और 4288/7, सत्त बीच रोड, मद्राम-28।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज मद्रास-∐

नारी**ख** * 22-1-1981 मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

पारत सरकार

कार्यासय, सक्षायक धायकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रंज 11 मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निदेश सं० 15386--- प्रतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पक्कात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु॰ ये अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 24 (आर० एम० नं० 1607) मि ए वी है जो मद्राम-II में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूणे रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मैंलापुरा मद्रास (डाक नं० 10002/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 80। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रित-फल के लिए अस्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रितफल से ऐसे दृश्यमान श्रितफल का पन्द्रह श्रीतशत स्थाक है और अस्तरक (सन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के बोच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया श्रितफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उन्तरण के लिए तय पाया गया श्रितफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उन्तरण कि लिए तय पाया गया श्रितफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उन्तरण कि लिए तय पाया गया श्रितफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उन्तरण कि लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उन्तरण कि लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उन्तरण कि लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उत्तर अन्तरण कि लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उत्तर अन्तरण कि लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उत्तर अन्तरण कि लिए तय पाया गया श्रीतफल का पत्र निम्ललिक कर्तरण कि लिया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसो आध को बाबत उबत आधि-नियम के प्रधीन हर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी हरने या उससे बचने में युविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अता चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः, प्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- कुमारी भ्रार० राजलक्षमी भ्रार
- (भ्रन्तरक)

2. श्री ए० राजेस्वरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उका गम्पत्ति के यानेन के पान में काई मी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 दिनवड किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी
 के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त एव्दों और पदों का जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण प्लाट नं० 24, आर० एस० नं० 1607 सि० ए० टी० कालनी मदास-4 (डाकुसेंट नं० 1002/80)

> राधा बालकृष्ण सक्षम ग्रधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज मद्रास

तारीख 17-1-1981 मोहर: प्रकृप आई.टी.एन एस.-----

1. श्रीमित श्रार० जमलक्षमी

एम० एम० बल्ली

(भ्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, मद्रास

मदास, दिनांक 17 जनवरी 1981

निदेण मं० 10812—ग्रनः मझे राधा बाल कृष्णन अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचि। वाजार मृल्य 25,000/रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी संव जीव एसव नंव 615/13,615/3 है, जो गृष्डलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गढलूर, (डाक नंव 979/80) में भारतीय रिजिस्ट्रीक्य श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पास गप्ता प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमे बचने में सूर्यिक्षा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की स्पधारा (1) को अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों अर्थातः-- को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या नैस्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पृष्ठांकत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाग अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखन में किए जा मकोगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमा प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुमुची

(डाकुमेंट नं० 979/80 एम० आर० ओ० गुडलूर

भूमि ग्रौर निर्माण जी० एम० नं० 615/13, 615/3 भीर मानियों—गृडलूर गांव कोयमबट्र ।

> राधा बालक्रुप्त मश्रम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ।। मद्रास

तारीख: 17-1-1980।

प्ररूप भाई । टी । एन । एस • ----

1. श्री पी० मुबरमनियम

(ग्रन्तरक)

ु थी पिलिफि ग्रलेकसाडर

(ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज ।। महास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निदेश सं० 15378—ग्रतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इनके पश्चात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है), को बारा 269-व के श्रिवीन सभम श्रिविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मन्य 25,000/- रु॰ संग्रिविक है

श्रीर जिसकी स० 2, 11 स्ट्रीट, जिक्न नगर चुलैमृडू मद्रास , जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय कोडं बाक्कम मद्रास (डाक न० 2253/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकर श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, को 1980।

को पूर्वीकत सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के पंग्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंग्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) श्रीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया यथा प्रक्षिकन, निम्निवित अहेश्य से उन्त अन्तरिण लिखित में बास्तिक क्ष से किया नदी किया नया है:—

- (क) धन्तरण स हुई किसी भाग की बाबत, उक्त घिषिनियम के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के वागिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के शिए; धौर/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या प्रम्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त धर्षितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जान। चाहिए था, किया में मुनिका के किए;

श्रतः श्रम, उपत भविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं तकन प्रविनियम की बारा 269-प की उपवारा (1) के कैं अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों नर्थात्:-- को यह सूत्रना जारी करके पूर्<mark>वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के</mark> लिए कार्य<mark>ेबाहियां</mark> करता हूं।

उना सम्पत्ति क प्रजीत के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोंगे ।

हपब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पर्दो का, जो जबत अग्निनयम के अध्याय 20-क में परिवाणित हैं बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में विमानमा है ।

अनुसूची

डाकुमेट नं० 2253/80

भूमि श्रौर निर्माण डोर तं० 2, 11 स्ट्रीट, जिल नगर, भूलैमेडू, मदास ।

> राधा बालकृणन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज ॥ मद्रास

तारी**ख**: 20-1-1981।

प्रकप धाई• टी• एन• एस०----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कायौलय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज ।। महास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1981

निवेण सं० 9006—प्रतः मुझे राधा बालकृष्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- त. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 36 रेडीयार पालयम है, जो पांडिचेरी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पांडिचेरी (डाक नं० 515/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरज ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन गई, 1980।

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रितिका के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनक क्रयमान प्रितिकत से, एवं दश्यमान प्रितिक का पण्डूरे प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथा गया ही:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--4— 466GI/80

- (1) (1) सरवना तियागराज (2) सरवना देजा कुमार,
 (3) सरवना सतया कुमार (4) एम० एम० ई० सरवना नितया (5) एम० एम० ई० सरवना मुसानना,
 (6) सरवना ग्रानंन्द (7) एम० एम० ई सरवना रेजिया (ग्रन्तरक)
- (2) मारी मेडम सुबन्नो भेरी, श्राग्टाङ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहिस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(डाकुमेंट नं : 515/80) 36, रेड्डियारपालयम, पांडीचेरी ।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्रास

तारी**ख** 17 जनवरी 1981। मोहर: प्राक्ष भाई० टी॰ एन॰ एस॰-----

पायकर प्रविनियस, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के पधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज ॥ मद्रास

> > मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निवेश सं० 10804—श्रतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जित्रा उचित बाजार मूल्य 25,000/-ध्या से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० ए० नं० 9/287 रामनगर कोम्यबटूर है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीवर्ता ह धिकारी वे कार्यान्य, कोयम्बटूर (डाकु मेंट नं० 2879/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (108 का 16) वे श्रिधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उवित बाजान पूर्व, उसके दूष्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशा अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हो अन्तरण के लिए तम साम ग्राम्य किन निमालिका उद्देश्य ने उसन अन्तरक जिल्ला है समानिक को साम क्ष्या समानिक की साम किन नहीं किया गया है —

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त पश्चिमियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के प्रायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविद्धः के सिए; भौगाया
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें नास्तीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उपत अधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण में, में, उपत प्रधिनियम की घारा 269-घ की स्पधारा (1' के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री एम० एस० राममूर्ति

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० सुंदरम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पति के अर्जन के लिए कार्य**गहियां** करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 किन की भवधि मा तरसम्बन्धी अपित्र यो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत अपित्र थों में से किसी अपित्र दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में जकारांस की तारांख से 45 जिन के मीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी पण्य वपित द्वारा, पश्रोतस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्वब्दीकरण -- इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशावित है, वही अबं होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2897/80 ।

भूमि स्रौर निर्माण ० एस० नं० १/287, रामनगर कोयम्बटूर,

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ॉा मद्रास

ता**रीख**ः 20-1-1981 ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर सिर्धिनिश्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-II मद्रास

मद्रास दिनाक 17 जनवरी 1981

निवेश स० 8994—म्प्रतः मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इस हे पश्चान् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख र प्रधीन यजन प्रधिकारों को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्प्रति, जिनका उचित्र बाजार सूक्ष्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० 5, है, तथा जो नार्थ मदाक्लागम स्ट्रीट, करूर मे स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय करूर (डाकुन०814/80) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई 1980।

की पूर्णीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका नम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से. ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पत्यह प्रतिगत ने प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त चन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ब) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा या या किया जाना बाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 (1) ३० रामनामी बहुियार (2) सुदर्शन (3) बालक्वरणन। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) युब्बरमिन (2) दहवा सेनापित । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पुर्वीका अम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीचे में 3) दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.प. प्वना हे राजा व प्रतासन की तारी ख से 45 दिन के भी र उनन स्थावर सम्मति में हितबा किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्तातरी के पास लिखात म किए जा नकेंगे।

स्पब्सी हरण:--इसमें प्रयुक्त गढ़ों और पदों का, जो उका ध्रिष्ठि नियम, के ब्राच्यात्र 20- के में परिभाषित है, वहीं अर्ब होना जो उन अध्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

भूमि श्रौर निर्माण डोर न० 5, नार्थ मदविलगम स्ट्रीट, करूर ।

गधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-धि मद्रास ।

तारीख 17-1-1981। मोहर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 17 जनवरी 1981

निदेण सं० 10797—स्रतः मुझे राधा बालकृष्णन, स्रायक्षर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के स्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ इपये से स्रधिक है भीर जिसकी सं० 17/122, 123, 357 से 363, 363 ए है० तथा जो वैराइटी हाल रोड कोयम्बट्टर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोरपूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर, (डाकु० नं० 2576/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मई, 1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरग निष्वित में वास्तिबक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा क⊤ लिए; वरि√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सृविधा के लिए;

- 1. (1) के० भुनियम्पन, नारायनस्वामी नायड् ग्रौर ग्रौर साथियों (श्रन्तरक)
- 2. (1) एस० मोहम्मद नुरूद्दीन (2) एस० अञ्दुल गफूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे.

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2576/80 ।

भूमि ग्रौर निर्माण डोर नं० 17/122, 129, 357 से 363, 3630, वेरैटी डाक रोड, कोयम्बट्र ।

राधा बालकृष्णत, (सक्षम प्राधिकारी) महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रारा ।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारी**ख** 17-1-1981 । मोहर: प्रकृष प्रार्धक टीक एतक एव-----

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 17 दिसम्बर 1980

ग्रारः ए० सी० नं० 378/80---81----ग्रतः मुझे एस० गोविन्दराजन,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है भीर जिसकी प्लाटनं० 7/1 है, जो काष्त्रिगृडा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यागन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त भांध-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भ्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुः सरण में, मैं, धक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित:—

- कुमारी जयाश्री प्रियादर्शनी माता वयोला हेरी, 23-850/9 बेला, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमति राज गुप्ता पति नंद किशोर गुप्ता 35/4 ग्रार० टी० एफ० री० जि० हेय बरकतपुरा हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (अ) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्यब्दीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि जमीन न० 7/1 रहमत बाग काचिग्डा हैदराबाद वेतीर्स्न 505.5 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5005/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारोखा: 17-1-1980 ।

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जागूक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

श्रार० ये० सी० नं० 379/80-81---श्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उकित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मलगी नं० 6 है, जो सागर क्यू दीमलगूडा हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1980।

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्परित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य भे कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) सितल देवा पिता जे० गंकर लाल ग्रगरवाल 15-1-53 ऊममानगंज हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) मास्टर बाजीद ब्रह्मद खान पिता श्राग्राफाक श्रह्मद खान 12-2-458/16 मेहदीपटनम हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

त्रवत सम्पत्ति वर्ध अर्दन क सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविति या टेन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन् सूची

णाप नं० 6 पागर वियू न० 1-2-524/3 दोमलगूडा हैदरा-वाद विस्तीर्ण 35.86 चतुर मीटर जैसे से कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4836/80 रजिस्ट्रीकृत श्रधिकारी हैदराबाद मे है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम स्रधिकारी (सहायक स्रायकर श्रायुक्त) निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख 17-12-1980 । मोहर:

प्रक्ष आई० टी० एन० एस०----

স্থানকৰ অভিলিম্ম, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 17 दिसम्बर् 1980 फ्रार० ए० सी० नं० 380/80∼81—ऋतः मुझे एस०

गोविन्य राजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'खकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने
का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में पश्चिक है
और जिसकी शाप नं० 10 है, जो मागर बीयू दोमलगृडा
हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूर्चः मे ग्रीर
पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय,
हैधराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन मई 1980
को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकन का पर्धह शांतशत अधिक है और
अन्तरक (भन्तरको) और मन्तरिती (अन्तरितिथो) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निखित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अभ्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रन, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-भरण में, में, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निर्वित व्यक्तियों, ग्रयांत :---

- (1) कुमारी मितल देवी पिता जे० शंकर लाल ग्रगरवाल 15-1-53 उसमान गंज (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति नाती बाई सेर्न 12-2-(()) प्रकारती) बाग हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस युवता के राजात में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की मबधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमो व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस म्बता के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्बाजरों के पास विखिष्य म किए का सकेंगे।

स्पढटी हरण: ---४ वर्षे गृश्य गब्दों और पदों का, जो सका अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थे होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप न ० आर० सी० 10 सागर वीयू नं० 1-2-524/3 दोमलगूडा हैवराबाद विस्तीने 349.5 चतुर फिट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4822/80 रजिस्ट्रीकृत श्रधिकारी हैदराबाद से है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-12-1980। मोहरः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 18 दिसम्बर, 1980

श्रार० ए० सी० नं० 381/80→81—श्रत मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 3-6-200 है, जो हिमायत नगर हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यारुय हैदराब व में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 मई 1980।

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक्कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आ का का किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारां (1) के अधीन निम्नितिश्वत व्यक्तियों सथित्:---

- (1) (1) श्री कूकूर वैंकटरामाराव पिता के० लक्ष्मी नरसिंहाराव (2) कूकूर वेंकटाकृष्मा कुमारी पित के० वेंकटरामा राव (3) कूकूर लक्ष्मी नरसिंहा रेड्डी पिता के० वेंकटा रामाराव (4) कूकूर वेंकट रमेशा रेड्डी पिता के० वेंकटा रामाराव (4) कूकूर वेंकट रमेशा रेड्डी पिता के० वेंकटारामा राव 3-6-200 हिमायत नगर हैदराबाद-29 (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स सारावा कल्स्ट्रक्शन प्राईवेट किमिटेड 3-6-200 हिमायत नगर हैदराबाद-29 एम० डी० सिक्कारदा पि हिंडोचा 11, नेहरू नगर सिकन्दराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (ब) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन 645 चतुर गंज (539, 22 घतुर मीटर) ग्रौर घर नं० 3-6-200 हिमायत नगर हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्री-ऋत विलेख नं० 4089/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैक्राबाद

तारी**ख** 18-12-1980 । मोहर: प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

आयंकर भिष्मियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

ग्रार० ए० सी० नं० 382/80-81---श्रतः मुझे एस० गोविन्धराजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1-2-216 ई, जो दोमलगुड हैदरबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबिद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भीषीन मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिज्ञत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कि भृत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निस्तनिखिन व्यक्तियों, अर्थातः—

51-466GI/80

- (1) श्री पूरनास्वामी रामलिंगम पिता के० ग्नार० एम० पूरनास्वमी पिटलै श्रीर श्रदरस 5-9-828 गनफोंडरी, हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- (2) पी० एफ० के० मूरती पिता पी० वेंकटरतनम श्रौर भ्रदरस 1-2-8/7 दोमलगृडा हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धालोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, वो भी ध्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधि-नियम के सम्माय 20का में परिभावित हैं, वही अर्च होगा, जो उस सम्माय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जमीन 396 चतुरगज नं० 1-2-216 दोमलगूडा हैदराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4847/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविम्दराजन (सक्षम ग्रधिकारी) सहायक ग्रायकर श्रा-युक्त, (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 31-12-1980।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

न्नार॰ ए० सी० नं० 383/80-81--मृतः मृत्तो एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2-2-1144/11/6 ई, जो नल्लागांवा हैदराबाद स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदरा-बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1980 ।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तर्भ (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करणेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीप्रितम राम ऐलियास उमाकान्तम 2-2-1144/ /11/6 नई नालागांव हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीपी० नरसिंग राव पिता फेट पि० कूप्पुस्वामी नयी नल्लागांव हैदराबाद। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति गुरारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

घर नं० 2-2-1144/11/6 नयी नल्लागांव **हैद**राबाद विस्तीर्न 307 चतुरगज जैंमे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4825/80 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 31-12-1980।

प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस०---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

म्रार० ए० सी० नं० 384/80-81---म्रतः मुझे एस० गोविन्द-राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उन्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए. से अधिक है

मौर जिसकी सं ० खुली जमीत है, जो गगनमहल हैंदराबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रोर पूर्णच्य मे बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद मे भार-तीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सक्षीन मई, 1980 ।

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उष्कित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभात से ग्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जबत मिन्न-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

भतः अब, सक्त भिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त भिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमित जी० महालक्षमम्मा पित फेट लक्षमीनारायन 1-2-593/15 गगन महल कोलोनी कोमलगूडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) (1) टी० वी० देव दत्त 3-3-891 कालबीगूडा काचिगूडा हैक्राबाद। () पी० आर० सूलस्लता नं० 8 गवरनमेंट कोलोनी पातिगड्डा सिकन्दराबाद (3) ऐ० ग्रनसूया 3-6-190/3 हिमयतनगर हैक्राबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्यत्ति में हिंत-बदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जो सकोंगे।

स्पव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो छक्त श्रिवित्यम के ग्रड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 31 सर्वे नं० 183 गगनमहल प्रशोकनगर हैदराबाद विस्तीनं 816 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2314/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेंन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 31-12-1980।

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 31 दिसम्बर 1980 श्रार० ऐ० सी० नं० 385/80-81—श्रतः मुझे एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं०4-1-414 है, जोटापूबाजार हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

- (1) श्रीमित इयाराकबाई पित मोतीलाल 581 बोलारम बाजारसिकन्दराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमिति सिबता देवी पितटी० दलीप सिंह चीमलकंडा गांव मोनगीर तालुक नालगोंडा जिला (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वशिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरनं ० 4-1-414 सागरटा किस के सामने टापूबाजार हैदरा-बाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4171/80 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्दराजन, (सक्षम श्रधिकारी) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज हैदराबाद।

तारीख: 31-12-1980 ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी, 1981

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 386/80-81--श्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5-8-623 श्रौर 625 है, तथा जो अबीक रोड हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण-रूप मे वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैरदरा-बाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक मई 1980

को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नित्वित व्यक्तियाँ अर्थात् अर्थान

- (1) श्री (1) वि मदूमूदन राव पिता वि० वेंकटय्या पुराना इवेली हैदराबाद (2) ऐस० सिवाभुमार पिता समूद्राला चन्द्रय्या फिलखाना हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) (1) नजिर म्राली पिता सदरूक्षीम खजानी म्रागापूरा हैदराबाद ।
- (2) मोहनलाल पिता मगनलाल लकानी, निजामाबाद ।
- (3) गुलाम श्राली पिता मगनलाल लकानी, निजामाबाद।
- (4) ऊंमेद श्राली पिता मगनलाल लकानी, निजामाबाद ।
- (5) बंदरूद्दीन. पिता मगनलाल लकानी निजामाबाद ।
- (6) प्यार भ्रली पिता खानजी बाई निजामाबाद ।
- (7) गुलजार पित बसर त भ्राली कोरानी करिमाबाद हाउ-सिंग कोलोनी, चिराग भ्राली लेन हैदराबाद।
- (8) परवीन पिता भ्रनवर हुसैन खोरानी । करिमाबाद हाउर्सिंग कोलोनी चिराग भ्राली लेन हैदराबाद । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास तिस्थित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषितृ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

घर नं० 5-8-623 ग्रौर 625 ग्रबीक रोड हैदराबाद विस्तीनं
562 चतुर गज 464.67 चतुर मीटर जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 4677/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी वायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-1-1981

नोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी 1981

निवेश संग्रार० ए० सी० नं० 387/80-81--ग्रतः मुझे एस- गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रः. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 5-9-17/11 है, तथा जो चापलरोड हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनौंक मई 1980

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

- (1) श्रीमती महमद साजिद ग्रहमद पिता लेट महमद सूलेमान 3-5-784/2/2 किंग कोती हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महमद तिलावत श्रहमद पिता महमद सूलेमान 8-5-784/2/2 किंग कोती हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दृष्टारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

घर नं० 5-9-171/1 चापल रोड हैदराबाद विस्तीर्न 300 चतुर गज जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2330/80 रिजस्ट्री-कृत्ती श्रीधकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सक्षायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 1-1-1981

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

धामकर धिविषयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्याखय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्राजैन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 1 जनवरी 1981

निदेश सं० ग्रार० ऐ० सी० नं० 388/80-81--- ग्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त' मिश्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार कृत्य 25,000/- क्पए से मिश्रिक है और और जिसकी सं० खुली जमीन है, तथा जो यूसफगूडा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपातद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैकराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1980 को

पूर्वांक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्थमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिमत से घधिक है भौर सन्तरक (सन्तरकों) भीर अन्तरिती (सन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिष्ट-नियम, के भंधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उन्त पिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त पिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चातः—

- (1) श्रीमती पी० कमलादेवी पी० भ्रौर टी० कोलोनी हैदराबाद-28 । (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स सरवेल कोभ्रापरेटिंग हाउसिंग सीसैटी पी० भौर टीं० कोलोनी हैंदराबाद-500028। (भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप : ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियीं में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर नम्मित में हिंतकंड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रष्ट्याय 20 के में परिकाधित है, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

धनुषुची

खुली जमीन 203/4 गूंटास नं० 2510.75 चतुरगज सर्वे नं129 यूसफग्डा हैदराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०4586/ 80 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्य राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 1-1-1981

प्ररूप धाई•टी•एन•एस•--

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भवीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद दिनांक 1 जनवरी 1981

निवेश सं० घार० ए० सी० नं० 389/80—81— घत: मुझे एस० गोविन्द राजन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 1-10-74/71 है, तथा जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनौक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भविक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धन कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण म, मैं, एक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थांत् :—

- (1) श्रीमती विलमाती राधा रूकमनी सौभाग्यवती पति विलामाटी रमेण चन्द्रा चौधरी बलासूपाडू गांव जगब्या- पेट तालुक कृष्णा जिला ए० पी० जी० पी० ए० विलमाटी रमेण चन्द्रा चौधरी पिता पदमनाभन 8-3-898/16/2 नागारजून नगर कोलोनी हैदरा- बाव । (अन्तरक)
- (2) (1) मोनीका श्रार० शा पिता रमेश डी० शा० (2) केतन श्रार० शा पिता रमेश डी० शा 3-5-1093/20 वेंकटेश्वरा कोलोनी नारायनगृडा हैदराबाद । (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के
 पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त श्रिवित्यम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भयें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भौर घर जैसे कि विस्तीन 917 चतुर गज नंत् 766.7 चतुर मीटर नं० 1-10-74-71 बिगामपेट सिकन्दराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4527/80 रजिस्ट्रीकृति ग्रिधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 1-1-1981 मोहर: प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

भामकर मिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराक्षाद दिनांक 1 जनवरी 1981

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 390/80-81---- श्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

भायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत मिलियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका छिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु से मिलिक है

भीर जिसकी मं० 2-2-186/18/2वी है, तथा जो बाग श्रम्बरपेट हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाँक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पण्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह
प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्नविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त ुधिक्षित्यम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के द्रायित्व में कभी करते या उससे बचने में सुविधा का लिए; ग्रनैर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, नैं, उत्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 16—466/GI80

- (1) कुमारी मायानी द्वेषय्या पिता धागय्या 22-1-142 चाकरमात हैदराबाद। (ध्रन्तरक)
- (2) (1) मानील्ला पल्ली श्री साई सिया रामकृष्ना (2) एम० रवी (3) एम० वी० विनयकुमार गारिडयन पिता एम वी० उरामावूलूनायड 3-6-584/2 हिमयत नगर हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में अक्त पान की दासीय से
 45 दिन के श्रीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबुद्ध
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धाधोहस्साक्ष्मरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त भन्दों भीर पदों का, जो 'खक्त श्रिधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

घर नं० 2-2-186/18/2बी बाग ग्रम्बर पेट हैदराबाद जैसा कि विस्तीन 249 चतुरगज 208.16 चतुरमीटर जैसे कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 4379/80 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्व राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राग्नकर भ्रायुक्ष्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख । 1-1-1981 मोहर:] प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

कायकर **प्राधिनियम, 1961 (1961 का 4**3) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकार धायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी 1981

भ्रार० ए० सी० नं० 391/80—81—भ्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

प्रायक्तः प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूलप 25,000/- कार्य से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1-4-522/1 है, जो मोलकपुर हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 19 मई 1980

के अधान 19 मह 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य में कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह 'वश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे रूथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है और प्रतिक (अन्तरकों) और पनिरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरम के निष्तु तम पाया गमा मिक्क, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त भी छ-नियम के अधीन कर देन के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उममें बचा में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या जिसी धन या अण्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अश्यकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त मधिनियम को धारा 269-म के मनुः सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम को गरा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्तितिखन व्यक्तियों प्रयोत्:--- (1) (1) महमद यूसफ पिता महमव ईशाक 1-4-522/1 भोलकपुर हैवराबाद (2) सहनाज बेगम पिता श्रहमद काकरपेट (3) इलीमुन्नीसा बेगम महमद मशीर 1-4-522/1 भोलकपुर हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महमव उसमान पिता महमव ईशाक 1-4-522/1 भोलकपुर हैवराबाव (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं:---

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रवधि था तथ्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्वब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्ववहीक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्ष हीना, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

घर नं 1-4-522/1 भोलकपुर हैदराबाद विस्तीर्न 975 चतुर गज 824.10 चतुर मीटर जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 4321/80 रिजस्ट्रीकर्ता द्यधिकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**व** 1-1-1981 मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 1 जनवरी, 1981

ग्रार० ये० सी० नं० 392/80-81—ग्रतः मुझे एस० गोबिन्द राजन

गायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 7-1-4 है, जो बिगमपेट हैवराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूची में भीर पूर्णरूप से विशत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मई, 1980 ।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये प्रम्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर प्रन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर /या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या धन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चोहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः भव उन्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात् !---

- (1) (1) हूसायून ग्रहमव खान (2) ग्रफेलतार बेगम (3) ग्रहमद ग्रब्दुस्ला 11-4-634/1 ए० सी० गारडस हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति राफिक फितमा 18-8-226/19/बी प्रसानतनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्रंथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

घर नं० 7-1-4 बिगमपेट हैवराबाद औसे कि विस्तीनं 300 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 896/80 रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी हैवराबाद में है।

एस० गोविन्स राजन सक्षम भविकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-1-1981 ।

प्ररूप आर्धे .टी . ऐन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) की अधीन सूचना

भारत सरकारं

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी 1981

धारि० यै० सी० नं० 393/80-81—श्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है"), की भारा 269- है की अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह निर्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ एउ. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 5-7-226, 227 है, जो भागीपूरा हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैधराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980

को प्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्थित्य में कमी कर्ण यो उससे अवने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के, अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिख्त व्यक्तियों सूर्थों :--

- (1) (1) कैरून्तीसा बेगम (2) सैयद तैमूर ग्रहमव (3) सैयद भीरान ग्रहमद (4) सैयद मूजामील ग्रहमद पिता सयीद ग्रहमद (5) बिलकीस सैयद (6) ग्रातिया सैयद (7) ग्रहीन सैयद (8) ग्रकीला सैयद (9) नर्सरीन सैयद (10) मूजाबीन सैयद (5) से (10) पित सैयद ग्रहमद 5-7-226 ग्रागापूरा हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित (1) बिलकीस सैयद पित सैयद किलवार शा 5-7-277 धागापुरा हैदराबाद । (2) सैयद हर्सूर्म शा (3) सैयद फर्रक (4) सैयद जहिर शा (5) बागरा सैयदी माता बिलकिस सैयद 5-7-277 धागापुरा हैदराबाद (भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तंत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जिंभी अविध बाद में समाप्त होती हैं। की भीतर पूर्वों केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमें दैंथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में पिया भीया है।

अगुसूची

पहली मंजिल 5-7-226 भ्रोर 5-7-227 भ्रागापुरा हैदराबाद जैसे कि विस्तीर्न 178 चतुरगज जैसे कि रजिस्ट्रीकृंत विलेख नं० 4855/80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्वराज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीखः 3-1-1981।

मोहर :#

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाव

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

श्रारं∘ ये० सीं० नं० 394/80—81—श्रतः मुझे, एस० गीविन्य राजन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 10-2-317/51 है, जो विजयनगर कोलोनी हैदराबाद म स्थित है (भौर इससे उपाश्वद्वांभ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान' प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त थार । वश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के 15 पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ए सी फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्त व्यक्तिया अर्थातः --

- (1) (1) श्रीमिति मिजिजून्नीसा बेगम पति रिसालदार महमद हफउजूदीन 10-2-317/51 विजयनगर कोलनी हैदराबाद
 - (2) ग्रसरारूल हुफीज (3) ग्रनवर ग्रल हुफीज
 - (4) डास्टना (5) ग्रजीज सुलताना (6) फरजाना
 - (7) निफजा (8) नासीरा पिता रिसालदार मेजर महमद हफउजूदीन 10-317/51 विजयनगर कोलोनी हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) महमद गसीयूद्दीन, पिता महमद ग्रबदालू श्रफीम 11ब1-1267 ग्रागापुरा हैदराबाद

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-2-317/51 विजयनगर कोलनी हैदराबाद विस्तीर्न 400 चतुराज या 334.40 चतुर मीटर जैसे कि रिजस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 4378/80 रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

त**ारीख:** 3-1-1981

प्रकप सार्ष । टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1981

सं ग्नार ये सी नं 395/80-81—श्रतः मुझे एस गोबिन्द राजन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार। 269-ख क अधीन सक्षम बाधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर नवाति. जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ• से अधिक है

भौर जिसकी सं० सूखी जमीन है, जो मलकाजिंगरी सिकन्वराबाद स्थित है (भौर इस से उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण-रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मई, 1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रशिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से प्रधिक है पीर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (प्रम्तरितिमां) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से किबत नहीं जिया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के जिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य मास्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अव, उरतः अधिनियम की धारा 26% ग के अभुक्षरच में, में, उनत अधिनियम की धारा 26% म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अविद्यान

- (1) (1) पी० बी० रोम तिम्माराजू (2) साब्बाराजू रामञ्जूष्णनन राजू (4) रामचंद्रा राजू (5) जयकुमार 1/191 लिंगोकीगु सिकन्दराबाद । (भन्तरक)
- (2) मैसर्स दी मोडरन कोग्रापरेटिन हाउस निल्डिंग सोसैटी लिमिटेड 4-1-1624 टापूझाजार हैदरानाद । (अन्तरिसी)

को य**ह पू**चना <mark>जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनन सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकातन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हितवड़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बडोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तो प्ररग--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

सूखी जमीन सर्वे नं० 303/1 विस्तीर्न 1 याकर 25 गोंटास मलकाजगिरी सिकन्वराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5223/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 5-1-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जम रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, धिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 396/80-81-भातः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रु. में अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 7-1-621/371 है तथा जो संजिबरेड्डीनगर है बरा-बाद में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में भौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कैरता-बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मई, 1980

का 16) के अधान विनाक मह, 1980 का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री विराधा राव घर नं० 55 सुवर नगर यरागहु। हैदराबाद। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के० रोल भवानी, 7-1-621/371 संजीवरेड्डी नगर हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

धर नं० 7-1-621/371 संजिबरेड्डीनगर कोलोनी हैबराबाद विस्तीनं 270 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख मं० 923/80 रजिस्ट्रीकृती अधिकारी हैवराबाव मे है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (मिरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1981

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं०भार० ए० सी० न० 397/80—81—श्रतः मुझे एस० मोबिन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 8-2-684 है तथा जो बंजारा हिल्स हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे छपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्प से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक भई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मीर महमद भ्राली पिता मीर भ्रफजल भ्राली 8-2-684 रोड नं० 12 बंजारा हिल्स हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्री महमद वहीद फरूकी पिता महमद मजीद फरूकी 233/2म्रार० टी० विजयनगर कोलोनी हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तस्रीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पृथ्वीं वस व्यक्तिस्तों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुआ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पृष् िलिखत में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्कत अधिनियम, के अध्यास 20 -क में परिश्लिषण ही, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्सूची

प्लाट नं० 5 धर नं० 8-2-684 रोड नं० 12 बंजारा हिल्स हैदराबाद विस्तीन 1000 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्री- कृते जिलेख़ नं० 4812/80 रजिस्ट्रीकर्ता मिश्रिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 8-1-1981।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद विनांक 9 जनवरी 1981

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 398/80-81--भ्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

जायकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000 ∕रु. से अधिक **ह**ै

भौर जिसकी सं० 16-2-836/डी/3/1 है, तथा जो गड्डीम्रन्नाराम गांव हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदरा-बाद में भारतीय रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राघीन दिनाक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास रूपने का कारण है कि यथापूर्वोचित संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

जत: अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

17-466GI/80

- (1) श्रीमित अनीसून्नीसा बेगम पति मीरजा काजीम हसैन बेग 22-2-768 नुरखान बाजार हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) श्री श्रहमद मोहियुद्दीन पिता नीजामुद्दीन रेड हिल्स हैदराबाद । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्क्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है 🕩

जनसूची

पोरमन घर नं० 16-2-836/डी/3/1 ए० पी० गवरनर्मेंट श्राफिशियल्स कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसैटी गड्डीग्रन्नारम हैदराबाद में जैसे कि विस्तीर्न 117 चत्राग जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3462/80 रजिस्ट्रीकर्ना भ्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1981

प्रख्य जाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1981

निदेश सं० घार० ए• सी० नं० 399/80-81--- प्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 र में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 16--2-836/डी/3/1 है, तथा जो गडुीश्रन्नारम हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबश्च श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूल्य. जसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबङ इप से किथत नहीं किया गया है:—

- (ंक) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निश्नितिचित स्विकतयों अर्थात :--

- (1) श्रीमित ग्रानीसून्नीसा बेगम पति मीरजा काजिम हसैन बेग 22-2-768 नूरखान बाजार हैदराबाद। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री अहमद मोहीयूदीन पिता नीजामृदीन रेड हिल्स हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

अन्स्चो

घर न० 16-2-836/डी/3/1 ए० पी० गवरनमेंट ग्राफिसियल्स कोग्रापरेटिय हाउसिंग सोसैटी लिमिटेड गड्डीग्रन्नारम हैदराबाद विस्तीर्न 216.3 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3250/80 रजिस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1981

मोहर : 🍹

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 400/80-81—ग्रत मुझे एस० गोविन्द राजन

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० खुली जमीन सर्थे नं० 263 है तथा जो गांव चिलकूर ग्रार० ग्रार० जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मई विनाक 1980

1908 (1908 का 16) के प्रधान मह विनाक 1980 को पूर्वांक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्स संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल किन्निलिस उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. (1) सुलतानूहीन बाबू खान पिता ऐ० के० बाबू खान 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद जी० पी० ए० गैसूहीन बाबू खान पिता लेट ए० के० बाबू खान 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद ।
- (2) गैस्हीन बाबू खान पिता लेट ऐ० के० बाबू खान 6-3-1111 विगमपेट हैवराबाद (3) मोगफ फारमस 5-9-58/1-15 बाबू खान ऐस्टेट्स बशीरबाग हैदराबाद पारटनर गैस्हीन बाबू खान

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स डिसेंट पोलटरी फारम चिलकूर गांव विकारा-बाव-बिमपूर रोड हैदराबाद वैस्ट हैदराबाद श्री ऊमर पिता अहमद 21-1-1083 मदीना बिल्डिंगस पत्तर-गट्टी हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पक्कोकरणः — इसमे प्रबुक्त प्रथ्यों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

सूखी जमीन विस्तीनं 10 एकड़ 20 गुटास या 4 2 हेक्टारस गाव चिलकूर में हैदराबाद वेस्ट नालूक विकासबाद—बिजपूर रोड सर्वे नं० 263 ग्रार० ग्रार० जिला पोलटरी शेड के सात जैसे कि रजिस्टीकृत विलेख न 5083/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेज, हैदराबाद

नारीख: 13-1-1981

प्रकप भाई। टी० एन० एस। ----

न्नायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराजाद, दिनांक 13 जनवरी 1981

आर० ए० सी० नं० 401/80-81--- ग्रतः मुझे एस० गोबिन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार भूष्य 25,000/- ध्रपये से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी खुली जमीन सर्वे नं० 260 है जो हयात नगर भ्रार० श्रार० जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रमुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16), के श्रधीन गई 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुर्दे किसी माय की बायस उक्त कथि-नियम के भवीन कर बेने के बन्तरक के दायिस्व में कभी करने या कससे बनने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य ब्रास्तियों का जिन्हें भारतीय प्रायंकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रीधिनियम या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रब, उक्त यविनियम की धारा 269-व के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन जिल्लामिकत व्यक्तियों, भवति:—

(1) श्री महमद श्रब्दुला मालिक श्रकष्ठर पिता कलनल महमद श्रब्दुला सतार कमाल मंजिल 3-6-290 हैदरगुडा हैदराबाद (अन्तरक) (2) (1) कें कनकट्या यादव पिता कें यादय 16-10-161 मालकपेट **हैदराबाद** (2) ऐस बिकश पिता पाथी (कस्लय्या म्रार०/ग्रो० गूरमगुडा (3) डी० यावय्या पिता राजलिगम 1-4 एल बि॰ नगर हैदराचाद (4) श्रार॰ श्री-निवासूला पिता भार० रससीमलू 16-11-309 मूसाराम बाग हैदराबाद (5) एम० जनारधन रेड्डी पिता एम योल्ला रेड्डो 16-11-363 मूसाराम बाग हैदराबाद (6) सैयद श्रली श्रसगर पिता सैयद महबूब अली मलकमेट हैदराबाद (7) ए० लक्षमी नर्रासहा रेड्डी पिता लेट सखारेड्डी उल्डा मालकपेट हैदराबाद (8) एम० विनोद पिता पापय्या 16-11-161/3 मालकपेट (9) एस० नारायन पिता किस्तस्या गुरमगुडा (10) बी० ग्राह्मिवस्था नामोल (11) एम० रामभंदर मुसाराम बाग हैदराबाद (अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस यूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20- ह में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, हो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

खुली जमीन 5 एकर 10 गुंटाम 2'10 हैक्टरस सर्वे नं० 260 ह्यातनगर पंचायत ह्यातनगर तालुक झार० झार० जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4655/80 रजिस्टी-कर्ती अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारी**ख** : 31-1-1981 ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जनवरी 1981

ग्रार० ऐ० सी० नं० 402/80-81—स्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है,

और जिसकी खुली जमीन सर्वे नं० 172/2 है जो कोत्तपेट गांव श्रार० श्रार० जिला स्थित है (श्रीर इसमे उपाधन श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्या-लय है इराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन मई, 1980।

को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नतिबित व्यक्तियों, प्रशात:— (1) श्रीमति बादर बानू, 702 मोगल श्रपारटमेंट्स, दक्कन टवरस बिशरकाग हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हनूमान प्रसाद विगमवाजार हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी **भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रार्जे**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्राजैन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर छन्त स्थावर सम्पति में हितब्दा किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पड्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो खक्त ग्रीधिनियम, के श्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्राध्याय में विया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन 38 गुंटा स 120 चतुर गज 84719 चतुर गज मर्वे नं ० 172/2 कोत्तपेय गांव रंगरेड्डी जिला जैसे कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं ० 4440/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 13-1-1981 ।

प्रकृप गाई • ही • एन • एस • -----जायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज हैंदराबाव

हैदराबाद, दिनाक 13 जनवरी, 1981

म्रार० ए० सी० नं० 403/80-81--भ्रतः मृक्षे, एस० गोबिन्द राजन

भायकर मिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न भिषिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० म भिषक है

श्रीर जिसकी सं० 9/470, ए, बी, सी, डी है, जो मैदकूर रोड प्रोहादूर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोइदूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1608 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्वत बाजार मूल्य से कम के पूर्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है प्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भ्रीर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिक निम्तिविधा उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखान में वास्तिविक इस से किया नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रत्यतण से दुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया । तथा था या किया जाना चाहिए था, छियान में मुबिधा के लिए।

अतः, भन, छन्न प्रधिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, सर्वातः---

- (1) श्री हाजी सैयद कादर साहेब पिता कोटागड्डा सैयद साहेब 9/469 मैदह कूर रोड श्रोहाट्र (अंतरक)
- (2) श्री कोटागड्डा महबूब बाग्गा येडापटेड मन पिता हाजि सैयद खादर साहेब 9/469 मैंदकूर रोड प्रोहाटूर (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मर्वाध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मर्वाध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य क्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दो मौर पदों का, जो उक्त धिक्षित्यम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ हागा, जो उस भव्याय में विया गया है।

प्र**न्**सूची

ियनेमा हाल नं० 9/470 श्रीर 4 स्टाल्स नं० 9/470ए, 9/470बी, 9/470बी श्रीर 9/470बी मैंदकूररोड पर प्रोह्स्ट्रूर जैमे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1638/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी प्रोहाट्र्र में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी महत्यक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

गरीख 13-1-1981। मोहर: आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश मं० ए० श्रार० मं० मी० नं० 1097—श्रन: मुझे एम० गोविंद राजन
श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रिष्ठिक हैं श्रीर जिसकी मं० टी० एस० नं० 3, है, नथा जो का किनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वाह है) रिजस्ट्रीकर्ग श्रिष्ठकारी के कार्यालय का किनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन दिनांक मई 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का परदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्व से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रश्तरक के दावित्य में कमी करने या खतसे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्थ श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अध, उद्भत ग्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-मरण में, में, उद्भत ग्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिष्ठांतः—

- (1) भी हामेरा वेंकट लिला देवी काकिनाडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री चोडे सीता लक्ष्मी श्रीनगर काकिनाडा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्थन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अम् सूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी पांक्षक 31-5-1980 में पंजीक्कुज दस्ताचेज नं० 3203/80 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

नारीख 8-1-1981 मोहर: अरूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 8 जनवरी, 1981 सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1098——यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

बस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा नवा है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है जो एस० टी० ए० कालोनी, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कार्किनाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन कार्किनाडा में मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा का सिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- श्रीमतो पल्ला कानाका दुरना पति., प्रातन्दम बवानिनगर तिरुपति ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती बाडपिल्ल रामा सीतम्मा पित: बेंकटा रामा राजु, बास्कर नगर कालोनी, काकिनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षपः ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स स्वित्यों में से किसी क्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त प्रक्त और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में नीरभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

इस सम्पत्ति 3421/80 नं० दस्तावेज में मई, महीने में काकिनाडा एस० ग्रार० बी० के पास पंजीकृत किया गया है।

एस० गोविन्दराजन सक्षम प्रधिकारी महायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्साबाद

तारीख 8--1-1981 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी, 1981

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1099—यतः मुझे एस०गोवित्य राजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० छोर तं० 46-13-1 है, तथा जो जगननायाकपुर काकिनाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रिब्स्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुबिधा के लिए;

अतः ग्रव, उन्त प्रधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) बाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्यात् :---18--466 G I/80 1. मदर मेरी लुसी, काकिनाडा ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के० सत्या भगवान पिता बेंकन्ना, काकिनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भवित्र, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किमी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

इस सम्पत्ति 3408/80 नं० दस्तावेज में मई महीने में काकिनाडा एस० ग्रार० बी० के पास पंजीकृत किया गया है।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीब: 8-1-81

प्ररूप श्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) में भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

सं॰ भार० ए० सी० नं० 11.0.0—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

ायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वा पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मज़न प्रशिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दाये से अधिक है और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो विशाखापत्तनम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विशाखापट्रनम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 16-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबन उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रस्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त भिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त श्रीविनियम की धारा की 269-ग भी उपकारा (1) के अंधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अगीत:— श्री रनबीर सिंह वर्षा,
 धर नं० 7-1, 43 बी, किरलप्रंडि कोलोनी,
 विशाखायत्तनम ।

(ग्रन्तरक)

 श्री पेष्घी नेनिकालय ग्रानन्द रेड्डो, घर नं० 2-12-3, वेंकटनगर, काकिनाडा ।

(ग्रन्तरिती)

 श्री पेष्टिंघ नेनिकालक विद्या हेड्डी धरका नं० 2-12-3, बेंकट नगर, काफिनाडा,।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह भूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करला हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भीसर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्साक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: ---इममें प्रयुक्त शक्दों और पर्दों का, जो उक्त श्रीध-नियम के अध्वाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस श्रीध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक शंत 31-5-1980 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2800/1980 में निगमन श्रनुसूची संपत्ति ।

> एस० गीविन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख 8-1-198**1 मोहर: प्रकप भाई। टी> एन। एस०----

अध्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीत तुनना.

बारत सरस्वार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबिद, विनांक 8 जनवरी, 1981

सं० ग्रार० ए० सी० 1101—यतः मुझे एस० गोविन्दराजन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एचित बाजार मूह्य 25000/- रु० से अधिक है

मौर जिसकी सं० टि० एस० नं० 1730/2 है, जो गुन्टूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय गुन्टूर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-5-1980

को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के सन्नांत कर देने के अन्तरक के दायिश्य में कमी करने वा उससे वच्ये वें सुविचा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी जान या प्रथ्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिवियम, या धन-कर घिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुन्निक्षा के लिए;

अतः भ्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सम्रोक, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- 1. (1) दूषगुंटन्ना पुरुषोत्तम दासु गुप्ता,
 - (2) दूब्रगुन्छला विकारंजन दास गुप्ता, रिकारोड, गुंटूर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री महालि सीतराराम नेयुलुं, गुन्दूरः ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सुबन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:।

उत्तव सम्पत्ति के अरुजैन के सम्बन्धः में कोई भी बाक्षेप।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब के 48 विन की धविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामीस से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन का तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़
 किसी अन्य क्यकित द्वारा अधोद्दरताकारी के पास
 लिखित में किए जा सक्तेंगे:

स्पटिशकरण: ---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धन्याय 20-क में यथा-परिमाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अन्याय में विया गया है।

अनुसूची

गुंदूर रजिस्द्री अधिकारी सेपाक्षिक श्रंत 31-5-1981 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3587 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

> एसं भोविन्दराजन सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, डैदराबाट

तारीख: 8-1-1981

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत् सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी, 1981

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1102, — यतः मुझे एस**० गोविन्त** जन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्यास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची में लिखा है तथा जो चिलकलूरिपेट में स्थित है (और इससे उनाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चिलकलूरिपेट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 31-5-1980

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की भागत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री पशुर्फीत वेंकट कोटय्या, हाई स्कूल रोड, चिलकल्रिपेट ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री जंपन भास्करा राव सुपुत्र श्री शंकर लिंगम, चिलकलूरीपेट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृसुची

चिलकल्रीपेट रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 31-5-81 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1870/80 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख:8-1-1981

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 9 जनवरी, 1981

निवेश स० *घषर्।* 460 म्रर्जन, 80-81—भ्रप्तः मुझे **हृदय** ▲नारायण

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 6 टाईप भी, पटना इर्म्यूबमेंट ट्रस्ट के द्वारा विकसित कालोनी, वार्ड नं० 37, थाना नं० 7 में है तथा जो मोहल्ला श्री कृष्णापुरी, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप संवर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती यधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1968 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण सं हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के भ्रमीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (शा) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रपीत्:—

- अो शैयद प्रजीज मुस्तफा बल्द स्व० शैयद मो० निवास, निवासी ग्राम काजी वाली चक्क, पक्कालय: भागलपुरसिटी थाना-कोतवाली, जिला भागलपुर । (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री विजय कुमार सिन्हा ग्रौर
 - (2) श्री विष्लव कुमार सिंहा, सभी बल्द श्री शम्भूनाथ निवासी ग्राम ताजपुर, थाना मनेर, पत्नालय: कमला गोपालपुर जिला पटना।

3 उपरोक्त प्रदर्शित (अन्तरिती) (वह त्र्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जिला पटना के थाना नं० 7 में श्री कृष्णापुरी मुहल्ले में स्थित 692.44 वर्ग गज जमीन जो 4 कट्ठा 11 घूर 11.25 घुरकी के बराबर होता है का श्राधा हिस्सा तथा उस पर निर्मित उस इमारत का ग्राधा हिस्सा जो ग्रगतः निर्मित है तथा अंगतः निर्माणाधीन है । यह भूमि पटना विकास ग्रधिकरण द्वारा विकसित कालोनी, में टाइप बी में प्लाट नं० 6 के रूप में अवस्थित है मूमि पटना नगर निगम के अन्तर्गत वार्ड नं० 34 में आती है तथा यह पटना (पटना') जिला निबन्धक, एव ग्रवर निबन्धक, के ग्रधिकार क्षेत्र में पड़ती है । संबद्ध भूमि उत्तर एवं दक्षिण में 72 फीट लम्बी है ग्रीर पूर्व में 89 फीट तथा पिक्चम में 85.6 फीट लम्बी है। इस भूमि के ग्राधे हिस्से में संबंधित लीज के बचे हुए समय से संबद्ध समस्त कानूनी अधिकार हस्तान्तरित हुए ह । संबद्ध संपत्ति का पूर्ण विवरण पटना जिला निबन्धक पदाधिकारी द्वारा निबद्ध 4-5-80 की वंशिक नं० 3173 में उपलब्ध है।

हृदय नारायण सक्षम पदाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना ।

तारीख: 9-1-81

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, पटना पटना दिनांक, 20 जनवरी, 1981

निदेश सं० III/461/श्चर्जन/80-81--श्चतः मुझे हृदय नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इन्हें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव तौजी नंव 5225,14844, खाला नंव 77, प्याट नंव 231 ग्रीर 232, बार्ज्य नंव 34 है, तथा जो मोहल्ला दुजरा, पटना णहर पटना में स्थित है (ग्रीर इमले उपाबद्ध ग्रान् स्घी में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 10-5-1980

को पूर्वों क्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्निजिता उद्देश्य से उन्तरण अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की आवत, उक्त अधिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के अधिरण में कन्नी करने या इससे क्लने में सुविधा का शिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत् व्यक्तियों, नुभति :--

 शम्भू प्रसाद सिंह बल्द स्थ० श्री मथुरा प्रसाद सिंह निवासी ग्राम बाह्यपुर, थाना करवतियार पुर जिला पटना ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री संजय कुमार राय क्ल्य श्री क्रह्मादेव राय, नाता रोड, पटना।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप.-

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविधि बाद मों समान्त होती हो, को भीकर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मे प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिस-वव्ध किसी अन्य क्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन का रकवा 3 कट्टा जो मोहल्ला बुजरा पटना में स्थि न है जिसका तौजी नंबर 5225,14844, खाता नंम्बर 77 सर्वे प्लाट नं० 231 घौर 232, वार्ड नं० 34 में है, तथा जो पूर्ण रूप मे वासिका नं० 3370 है तथा जो जिला ध्रवर निबन्धक पदाधिकारी द्वारा पंजीकृत की गई है।

हृदय नारायण सक्षम पदाधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, पटना

तारीख 20-1-1981 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निकेश सं० 297,80-81—यतः मुझे म्नार० थोषादि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० एस० नं० 147,118 है, जो वार्ड स्रंगोड मापुसा, सब डिस्ट्रिक्ट क्षार्डेज, गोवा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध स्रमुस्ति में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रिक्षकारी के कार्यालय, मापुसा, गोवा में स्रंडर डाक्यूमेंट नं० 522, में रिजस्ट्रीकरण स्रिक्षित्यम, 1908 (1908 क 16) के स्थीन दिनांक 21-5-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तर्भ (अन्तर्भों) और अन्तरिती अस्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तर्भ लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रोमती रोसा फ्लोरिंडा वाझा, श्रीपेड़ी विसेंट वाझा की पत्नि, मापूसा ।
 - (2) पेड्रो विसेंट वाझा इनार्क बोटि सिप्रोसा डा० कोस्टा (नी वाझा)।
 - (3) गाबिलिडा कोस्टा का पुत्र श्रमोत जोसेफ येथोटोन डा० कोस्टा।
 - (4) पेड्रो विसेंट वाझ का पुत्न वेंलिटिनो पेड्रो जोक्यम कामापुसा।
 - (5) ग्रेसियानो फुर्टीडो की पुत्री डेलिया वाझा (नी कुर्टाडो) मापुसा ।
 - (6) पेड्रो विसेंट वाझ का पुन्न हिलेरि थोमस वाझ मापुसा।
 - (7) लोरेंकोडा कोस्टा की पुत्री जूलियटा एनेंस्टिना बाझ (नी कोस्टा)।
 - (8) पेड्रो विसेंट का पुत्र लोरेन्स वाझ , मापुसा क्रमांक 12, तथा 3 के प्रतिनिधि अभिकर्ती पत्र धारक श्री वैलिटिनो पेड्रो जोकिम वाझ, मापुसा। (श्रन्तरक)
 - श्री सूर्यकांन्त सौनलाराम बेलेकर , मौइरा तालुक बार्डेज गीवा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सब डिस्ट्रिक्ट बार्डेज, मापुसा के वार्ड ग्रंगोड में स्थित खुला जगह ग्रौर बिल्डिंग जिसका एस० नंम्बर है 147/118 ग्रौर जिसका नाम है "कासा ने मोराडा"!

> म्रार० थोथादि सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेंगल्र

तारी**व**:10-11-80

परूप आई ० टी० एन० एस० ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निर्देण सं० 298/80-81—यतः मुझे, म्रार० थोणाद्रि जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हुँ कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हुँ

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 10 मेट्रिज नं० 217 है, जो जकेसिम सब डिस्ट्रिकट बार्डेज गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसुकों में ग्रीर जो पूर्ण रूप से श्रीणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, मापुमा, गोवा श्रम्डर डाकुमेन्ट नं० 539, दिनांक 31-5-1980 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 31-5-1980

का प्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुनिधा का लिए; और/मा
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिबधा के लिए.

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित स्यक्तिया अर्थातः—

- 1. (1) मैगुल जोस करिडाई कोरेरा
 - (2) श्रीमती मारिया कीरेरा,
 - (3) श्रा जेम जोम कोरेरा,उकेसिम तालुक, बार्डेज, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रंकुण राजाराम नाइक, सांटा इनेस, पणिज ।

(श्रग्तरिती)

को यह स्चना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया हैं।

अनुसूची

गोवा, बार्डेज, तालुक कि उकेसिम में स्थित 500 स्कवायर मीटर खुला जगह विस्डिंग महित जिसका सर्वे नम्बर है 10 श्रीर मैंटिज न० है 217 ।

> आर० थो**था**द्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, केंगेलूर

मारीख: 10-11-80

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
भूजीन रेंज, बंगलीर

बंगलोर, दिनांक 5 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० 302/80-81—यतः मुझे श्रार० थोथाद्रि आयकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रीधिन सक्षम श्रीधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- इपये से अधिक है

श्रीर जिसकी स० मुनिम्पल श्रमें समेट न० 983 श्रीर 984 है, जो, टि० एम रोड, नर्रासहराज्युर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुमृन्ते में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीय ता श्रीधकारी के कार्यालय नर्रासह राज्युर श्रन्डर डाक्यू मेन्ट नग्बर 37 में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रार्धान दिनांक 8-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अन्तरम से उसत अन्तरण लिखित ने आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्तरण से दुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्रायया किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः धव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, यैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---19—466GI/80

 श्री एच० भुजबसा शेट्ट, श्री जवलनाथ शेट्ट के पुत्र बस्तिमठ, अग्रहारा नरसिंहराजपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पि० पि० पाथोस, श्री पौलो पडेसेरि, के पुत श्रार० एम० रोड, (श्ररसिसिचर्च) नरसिंहराजपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौरपशों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टि॰ एम॰ रोड, नर्रामहराज्युर डिस्ट्रिक्ट विकमंगलोर में स्थित खुला जगह और बिल्डिंग जिमका मुनसियल असेममेंट नम्बर है 983 और 984 ।

> ग्रार० योथाद्रि सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख 5-12-1980 मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलोर

बेंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1980

निर्देश स० सि० घार० 62/27082/80-81/ए० मो०क्यू०/ बो०—यतः सुझे, घार० थोतसि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 191/42 (पुराना सं० 192) है तथा जो दसवां, क्रास, विलसन गार्डन बंगलूर-27 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जंयनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-5-1980

को पूर्वोक्त संपर्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के द्रम्यभान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् मे—

- 1. (1) क्यासप्पा
 - (2) कें क कयाराम
- (3) कृष्णप्पा, सब भ्राङ्गोर्ड। होसूर रोड, बंगलूर के रहवासी हैं।

(ग्रन्तरक)

श्री एम० जयप्पा,
 सं० 292/22, XII क्रास, विलसन गार्डन,
 बंगलूर-27 के रहवार्सा हैं।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू**ची**

(दस्तावेज सं० 1099/80-81, ता० 30-5-1980) घर सम्पत्ति जिसका सं० 191/42, (पुराना सं० 192), तथा जो दसवां कास, विलसन गार्डन, बंगल्र -27 में रिष्टत है में जिरिंग $80'\times50'$

चनवंदी है: - उ० में प्राइवेट सम्पत्ति ।
द० में प्राइवेट सम्पत्ति ।
पू०-में प्राइवेट सम्पत्ति ।
प०-में दसवां क्रास, विलसन गाईन ।

श्चार० थोताती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त '(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख 9-12-1980 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन∙ एस०—

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के प्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्पालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जेन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनां 🛪 5 दिसम्बर, 1980

निर्देण सं० ग्रार० 62/27210/80-81/ए०र्सा०क्यू०/बी----यतः मुझे श्रार० थोथाद्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-क्पए से अधिक है

श्रीर जिनको सं 86 है तथा जो गात्री बाजार रोड, बसवनगुड़ी, बंगलूर-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बसवनगुड़ा, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधोन दिनांक 5-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) झन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रीवितयम के भाषीन कर देने के श्रान्तरक के दायिश्त्र में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; के भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अस्य धारितयों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रंथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रुविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुपरण मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षेत्र अधीन निम्नलिखित क्यिक्तियों, अर्थात्:--- 1. (1) श्रीमती लक्ष्मी देवी

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती डों० श्रार० श्रश्वथम्मा, सं० 79/4, शंकरप्पा, गार्डन, मागडी रोड, बंगलूर-23 ।

(ग्रन्तरितीः)

श्रीमती सवीना श्रप्रवाल,
 सं० 86, गांधी बाजार, रोड, बमबनगुडी, बनलूर-4

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की भवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तिमीं पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 श्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं; बही अर्थ होगा जो उस बहुवाय में दिया गया है।

अनुसची

(दस्तावेज सं० 402/80-81, तारीख 5-5-1980) घर मम्पत्ति जिसकी सं० 86 (पुरानासं० 86/2), तथा जो गांधोनगर बाजार रोड, बसवनगुडी बेंगलूर-4में स्थित है। मेजरिंग:---

पू० से प०---8. 84 मीटर्स भौर उ० से ० द०---38. 86 मीटर्स ।

चकबन्दी है:

पूठ--में डा० के० एस० कप्पुराय का घर ।
प० --में श्री दबो० वामुदेवमूर्ति का घर
उ० --में कानसर्वनसो खेन ।
द० --में गांधीबाजार रोड ।

ग्रार० थोयाती, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, अगलुर

नारीख 5-12-1980 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

अरायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के सधीन सूचना

मारव सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/28330/80-81/ए० सी० क्यू०/ बी०/—यतः मुझे ग्रार० थोथाद्रि आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के क्योन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से स्थाकर है

श्रीर जिसकी सं० 46 (पुराना सं० 1 ब) है तथा जो प्रोमीनेड रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम 1908 (1908का 16) के श्रधीन दिनांक 1-10-1980

को पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुको यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वा कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अम्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से की थत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाम की बावत, उनत प्रक्षि-नियम के समीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कपी करने या उससे अनने में जुविधा के लिए; मौर/धः
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सन, उक्त मिसिनियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिसिनियम की बारा 269-म की उपवारा (1) के मिसिन किसिन व्यक्तियों, अर्थातु:—-

- 1. अब्दुल रिवद श्री मोहम्मद यूसूफ के पुत्र सं० 94/2, इन्फैन्ट्री, रोड, बेंगलूर-560001
 - (भ्रन्तरक)
- (1) भ्रो० सैयद सुलेमान,
 - (2) श्रीमती श्रनवरी बेगम, दोनों सं० 38, स्टांडगे रोड, सिजिल स्टेशन, बंगलूर-560001 के रहवासी हैं।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त गान्दों भीर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिकाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

(दस्तावेज सं० 2406/80-81 ता० 1-10-1980) सम्पत्ति का भाग जिसका सं० 46 (पुराना सं० 1व) तथा जो प्रोमिनेड रोड, सिविल स्टेशन, डिविजन सं० 47 बंगलूर-1 में स्थित है । मेजरिंग 951.60 स्क्वायर मीरट ।

चकबन्दी है : उ०—में सम्पत्ति सं० 46 काभाग ।

द०--में सम्पति सं० 46 का बड़ा भाग।

पू०--में प्राइवेट सम्पत्ति।

प - में संपत्ति सं० 46 का बड़ा भाग और प्रोमिनेड रोड।

श्रार० थोथाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारी 9-12-1980 मोहर:

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ----जायकर खिलियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, बहायक प्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 दिसम्बर , 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/27474/80-81/एसीक्यू-बी०—यत: मुझे, ग्रार० थोथाली प्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के ग्रंथीन मझम पाधिकारों को यह विश्वास करने का कारग है कि स्वावर सम्मति जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रूपए में प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० पुराना सं० 2390 ग्रीर नया सं० 2390/88, है तथा जो 10 मेन रोड, 'ई' ब्लाक सुब्रह्मण्यनगर, राजाजीनगर

II बेगलूर सिटी में स्थित हैं (म्रौर इससे उपाबद्ध स्रनमृ्दी में म्रौर पूर्ण रूप से विणत, है) रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के म्रधीन दिनांक 9-7-1980

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रश्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :----

- (क) प्रस्तरण त हुई दि.सी मार्थ की बाबत, उक्त मधि-नियम के भन्नीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मे कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी हिला प्राप या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए।

अता, भव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्निखिक्षत व्यक्तियों, अर्थात्— श्रीमती एच० एम० रूक्मीनम्मा, सं० 611, ए, II स्टेज, राजाजी नगर, बंगलूर सिटी ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती चम्पा बाई, सं० 4213, सुझमण्यनगर, मेन रोड, II स्टेज, राजाजी नगर, बेंगलूर ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के **मर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप: --

- (ह) इत श्रुवना के राजनंत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति काषा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दोक्षरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया मया है।

अमृमुची

(दस्तावेज सं० 1226/80-81 दिनांक 9-7-80) घर संपत्ति है जिसका पुराना सं० है 2390 भीर नया संख्या है 2390/88, 10 मेन रोड, 'ई' ब्लाक, सुत्रभन्यनगर, राजाजीनगर, II, स्टेज बेगलूर सिटी । चक्कान्दी है :

जि॰ में—- सैट सं॰ 2389, द॰ में—- सैट सं॰ 2391, पू॰:में—- 10 मेन रोड, प॰सैट—- सं॰ 2358।

> श्रार० थोथाबि सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 10-12-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एत०---ग्रायकर मित्रियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 289-घ (1) के ग्रंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवन (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

में 1 तूर, दिन ह 3 दिनस्बर, 1980

निर्देश सं० सी०ग्रार० 62/26774/80-81/एक्की ०/बी--यतः मुझे, ग्रार० थोथाद्रि,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० पुरानी सं० 17, बाद में 18, श्रीर नया संख्या 5, है तथा जो हकीम मोहम्मद गौस, लेन, कुम्बारपेट में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा, श्रीधकारी के कार्यालय गोधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-5-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर्ह गितशत में श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमो भ्राय की बाबन, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय कर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधितियम, या धन-कर प्रिधितियम, या धन-कर प्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के क्योंन मिम्निजिखित व्यक्तियों, श्रेथीत :---

- 1. (1) खातुम्बी, दिवंगत सय्यदखासीम की विधवापत्नी
 - (2) समद गफार
 - (3) **सै**यद यू**सू**फ
 - (4) सयद हबीब
 - (5) सयद इस्माइल
 - (6) सैदय नजीर (2) से (6) सक सं०1 के बेटे
 - (7) सयद ग्रहमद सं० (2) का वयस्क पुत
 - (8) सयद इलियास
 - (9) हजीरा बेगम
 - (10) रशीदा बेगम
 - '(11) बहीदा बेगम सं० 8 से 11 तक सं० 2 के श्रल्प वयस्क बच्चे।
 - (12) सैयद मोहम्मद
 - (13) सयद अयूब मं० 12 भौर 13 सं० 3 के ग्ररूप वयस्क बेटे।

- (14) सैयद ग्रताउल्ला,
- (15) गुलनाजी बेगम
- (16) लियाखत
- (17) सदाखत्
 - सं० 14 से 17 तक, सं० 4 के अल्पवयस्क बच्चें।
- (18) सैयद रफीक
- (19) फिरोज बेगम

सुं० 18 म्रौरसं० 19, सं० 5 के म्रल्पवयस्कबच्चे ।

- (20) सैयद रयाज
- (21) फ़रजाना
- (22) सनीमुन्तीसा सं० 20से 22 तक, सं० 6 के ग्रह्पवयस्क है बच्चे ।
- (23) जहीदा बेगम
- (24) फातिमा सं० 23 श्रौर सं० 24 दिवंगत सैयद खासिम की बेटियां । इन सब सं० 5, हकीम महमद गौस लेन, कुम्बार पेट बेंगलूर में रहने वाले । (श्रन्तरक)
- श्री एस० के० निसर श्रहमद श्र•दुल जब्बार के बेटे सं० 186,I, मैन ग्रलवर्ट विक्टर रोड, चामराजपेट, बेंगलूर-18 ।

(ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना कं राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तात्रेज सं० 284/80-81 ता० 14-5-80] घर सम्पत्ति, जिसका पुरान सं० है 17, बाद में 18 मौर नया मं० है, 5, हकीम महमद गौस लेन, कुम्बारपेट, कारपोर्रेशन, डिविजन सं० 40 बेंगलूर । चकबन्दी है.

उ० में---रोड

द० में --- प्रब्दुल गफ्कार साहब का संपत्ति

प० में ---हर्कीम महभद गौस लेन,

प० में - प्रकबर शरीफ का सम्पत्ति।

ृँश्रार० थोथाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलुर

नारी**ख** : 3≁12-1980

मोहरः

प्रकल भाई। टी० एन० एस०------

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/27011/80-81/एक्की०/बी०---यतः, मुझे, ग्रार० थोथासी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 535 (पुराना) श्रीर नया सं० 535/14, है, तथा जो 12 कॉम, वैयालीकावल एक्सटेंगन, बेंगलूर, सिटी में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 15-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निजिबित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्रोमती एस० वो० भाग्यलक्ष्मी एन० वासुदेव की पत्नी स्टेनोग्राफर, सिन्डीकेट बैंक, चामराज पेट, ब्रांच, बेगलोर-18

(श्रन्तरक)

(2) श्री माली पटेल बसवराजप्पा एन० श्रान्तनगौडा का पुत, सेकेटरी, करनाटक स्लम क्लीयरेस बोर्ड, स० 112, XI क्रास, V मन, मल्लेष्वरम बेंगलूर-39

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पन्ति के श्रर्जंम के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा, श्रधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 593/80-81 दिनोक 15-5-1980] घर सम्पत्ति है जिसका पुरानी सं० 535 ग्रीर नयी सं० 535/14, XII, 'C' कॉस, वैयालीकावल एक्सटेंगन, बेंगलूर, चकबन्दी है:—

उ० में —जगह सं० 534,

द० में---मन रोड,

पू० में---जगह सं० 523,

.. प० में——ऋतस रोड ।

> न्नार० थोथास्नी, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर

विनांक: 10-12-1980

प्ररूप आई• टी• एन० एस०--------

आमकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-थ (1) के घष्टीम अ्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी० भ्रार० 62/27087/80-81/एसीन्यू०---यस: मुझे, श्रार० तोताज्ञी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सम्राम आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका अखित आजार मूख्य 25,000/-र• से श्रीष्ठक है

स्रोर जिसकी सं० सर्वे सं० 22, स्रोर म्युनिसीपल सं० 13 है, तथा जो गंगेनहल्ली बेंगलूर-6 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्री-कर्ण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के खिंबत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरण (ग्रन्तरकों) और धन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रश्लिनयम के अधीन कर देने के घम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री एस० के० पुण्डरीका, कृष्ण स्वामी नायड् का पुत्त, सं० 15, I मेन रोड, गंगेनहल्ली, बेगलूर-6। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्म मार्डन कैमिकल कंपनी सं० 13, गंगेन-हल्ली, एस० सं० 22, बेल्लारी रोड, बेंगलूर-6, रिप्रोजेंटेड बाई, श्री एस० ए० पटेल, ग्रम्बालाल, पटेल का पुत्र, सं० 96, XII ब्लाक, कुमारोपार्क वेस्ट, बेंगलूर-20

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए त्रासकेंगे।

स्पन्दीकरण: --- इसमें प्रमुक्त कन्दों भीर पर्धो का, जी उक्त भक्षिनियम के भ्रष्टमाय 20क में परिचाणित है, नहीं भनें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 685/80-81, दिनांक 21-5-1980] घर सम्पत्ति जिसका सं० है सर्वे सं० 22 ग्रीर म्यु-निसीपल सं० 13, गंगेनहल्ली, बेंगलूर-6 ।

> ग्नार० तोतास्री, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलर

दिनांक: 15 दिसम्बर, 1980

परूप आइ¹. टी. एन. एस.---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकत आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, क्षंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

निदेश सं० मि० ग्रार०-62/26842/80-81/ए० सीक्ष्यू०बी० —यतः भुसे, ग्रार० थोथाली,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

श्रौर जिसीकी सं० सर्वे सं० 44/3ए, 47/1, 47/2, 49/1, 49/2, 47/4, 47/38, है, तथा जो हे ब्बागोड़ी गांव, नश्रानेकल तालुक बंगलूर जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबस अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, श्रानेकल, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3-5-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के क्श्यमांग श्रितंकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्श्यमान श्रीतंकल से, एसे क्श्यमान श्रीतंकल का पन्ताह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत का निम्नचित्रित उद्घेष्ट से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिक रूप से किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे अचने में स्विधा को लिए; और/या
- (भ) एनी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थांत:-- 20—466 1/80

(1) श्रीमती के० विजयलक्ष्मी, सं० 111, प्यालेस लोवर प्राचर्डिस, बंगलूर-560006।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी किरण माजूभदार, सं० 496, खीवह मैंन रोड, तीसरा ब्लाक, कोरमंगल लेग्नाउट, बंगलूर।

(भ्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रीहमा करना हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से विश्वमी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस मचना के राजपत्र में पकाशन की तारिक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभाहरताक्षरी के पाम कि चित्र में किए जा सक्ता।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 193/80-81 दिनांक 3-5-1980) जमीन संपत्ति तथा जो हेब्बागोड़ी गांव, असीवेसे ही बस्री धानेकल तालुक, बंगसूर जिला में स्थित है, और जिसका विवरण सैल डीड के शेडूल में है, उसको नीचे दिया नया है:—

सर्वे सं०	एक्सेंटर	किस्म	
	एकरे	गुंठा	
44/3ए०	2	00	खुस्की जमीन
47/1	1	20	,,
47/2	1	23	"
49/1	3	06	,,,
49/2	3	09	11
47/4	0	13	,11
47/38	0	02	,,
জীক্ত	11	33	,

ग्रार० योथाली सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक: 22 विसम्बर, 1980

प्ररूप आह्र .टी. एन्. एस.-----

श्रायक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निदेश सं ० मी० ग्रार० 62/27242/80-81/एसीक्यू० बी०--यतः मझे, आर० तोतानी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रंस अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एस० सं० 51/8 ग्रौर 51/11 है, तथा जो मुदनीदम्बूर गांव, उडुपी (ता) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उन्नूपी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्त) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीलः/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री चारलेस श्ररनेस्ट राष्ठीगुस श्रनसलेम राडीगुस का बेटा इलैक्ट्रानिक टेक्नीशियन, विभुदिप्रय-नगर, शिवल्ली गांव, उडुपी (ता) ग्रटारनी है, श्रीमती नेमीसिया राडीगुस, शिरीबीडू इरीबिब्र, उडुपी (ता)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० बी० सुक्रमण्य एम० रामचन्द्र राव, का बेटा ग्रिधकारी, सिन्डीकेट बैंक, नारीमोगरू, पुत्तूर (ता) में रहुने वाला

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयांक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पारित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, खो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

धन्त्जी

(वस्तावेज 210/80-81 दिनांक 14-5-1980) घर सम्पत्ति है जिसका सं० एस० स० 51/8 और 51/11 मृदनीवस्थूर गांव उडुपी (ता) (एस० के०) (उडुपी म्युनिसी-पालिटी वार्ड के भ्रन्दर)।

> श्रार० तोताजी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंनरेंज,**बं**गलूरका

बंगलूर, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निवेण सं० सी० म्रार० 62/26979/80/81/ए०सी०क्यू० बी०-- यतः मुझे, म्रार० तोतान्नी आयक्तरे प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पण्जात् 'उकत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रार एम सं 168 श्रीर टी एम सं 384 श्रीर डी एम राज्य 15-280 है तथा जो कदी गांव, कदी वार्ड, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रयधकारी के कार्यालय, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 31-5-1970

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पान्नह् प्रतिकृत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत एक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में युविधा के लिए; बौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाग या किसी बन या अल्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय भाग-कर बिधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब. उक्त अधिनिशम की धारा 269—ग के धमुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269—ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:—→

- (1) श्रीमती नाजिमा बानु मोहम्मद इस्माइल की पर्ता सरकारी श्रस्पताल कार्कला के पास, रहने वाले प्रतिनिधि हैं श्री के० श्रशोक कुमार के शिविशा के पुत्र, क्लर्क, गोरीगृह्व कंकनाडी मंगलूर (श्राक्तरक)
- (2) कुमारी सूसान डिसोजा इजीन डिस्तूजा की पृत्री, मोहन बाग, ग्रप्पर बेंदुर, मंगलूर पावर श्राफ श्रटारनी होस्डर, श्री टी० मोनप्पा

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग म सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी अपरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन निए सार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रम्य क्यन्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भक्षिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 172/80/81, दिनांक 31/5/1980) घर सम्पत्ति है जिसका श्रार० एस० सं० 168, श्रीर टी० एस० सं० 384, कदी गांव, कदी वार्ड मंगलूर।

चकबन्दी है:--उ० में---प्राइवेट प्रापर्टी
द० में---लेन
पू० म---प्राइवेट प्रापर्टी
प० में--- प्राइवेट प्रापर्टी

म्रार० नोतान्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर

विनांक: 23 विसम्बर, 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजेंन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 दिसम्बर, 1980 निदेश सं० सी० आर० 62/27225/80-81/एक्यू०/बी०---यतः मुझे, आर० तोताल्ली

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० पुरानी सं० 3464/5085 नया सं० 5085/5319 है तथा जो II डिबीजन, सोमेण्डरा एक्सटेशन त्मकुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तुमकूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 23-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती कन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे अपने में सूविधा के लिए; आर्टि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या, अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्भव अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के, अनुसदण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) चंद्रसिंग भान, नरसिंग भान, का पुत्र, कंट्रैक्टर सोमेश्वरा एक्सटेंशन, तुमक्र।

(ग्रम्तरक)

(2) के० वामनापै, के० उपेन्द्र पैकापुत्र केनराबैक, हुपनकट्टे, मंगलूर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंवा है।

महात्वी:

(दस्ताबेज सं० 989/80-81 दिनांक 23-5-1980) घर सम्पत्ति है जिसका पुराना सं० 3464/5085 ग्रीर नया सं ० 5085/5319, II डिबीजन सोमेश्वर एक्सटेंशम तुमक्रूरः

> श्रार० तोतास्री, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

मोहरः

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

र्धगलूर,दिनांक 23 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० सी० धार० 62/27004/80-81/एक्वी०/बी०---यतः मुझे, ग्रार० तोतास्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पुरानी सं० 62 श्रीर नयी सं० 4 है तथा जो जें०एमा लेन, अलेक्ट, बेंगलूर-53; स्थित है (श्रीर इसमें उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम.

1908 (1908 की 16) के अधीन, दिनांक 26-5-1980 को पूर्वोक्स संपहित के उचित बाजार मूल्य से कम के इंद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके इंद्यमान प्रतिफल से, ऐसे इंद्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेद्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री चिक्कगिरियण्या दिवंगत हनुमण्या का पुन्न पुरानी सं० 62, श्रीर नया सं० 4, जंगममेस्त्री लेन, बलेपेटे बेंगलूर-53।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एस० राजा राम एम० सब्बुराध का पुत्र, मं० के०-71, जंगममेस्त्री लेन, बलेपेटे, बेंगलूर-53।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 520/80-81 दिनांक 26-5-80) घर सम्पर्ति हैं जिसका पुरानी सं० 62, श्रीर नयी सं० 4, जंगमेस्त्री लेन, बलेपेटे, 16वा डिबीजन, बेंगलूर-53, चकबंदी हैं:--

उ० में—-जे० एम० लेन द० में—-प्राइवेट प्रापर्टी पू० में—-रोड श्रीर प्राइवेट प्रापर्टी प० में—-लेन/रोड

> न्नार० तोतात्री सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक: 23-12-1980

प्ररूप आह .टी.एन.एस,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलुर,दिनांक 23 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० सी० भार० 62/27140/80-81/एक्वी० बी०---यतः मुझे, भार० तोताजी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एम० सं० 15-1 बी श्रीर टी० एस० सं० 152/1 बी फु2 है तथा जो श्रत्तावर गांव, 16th फालिनर बार्ड मंगलूर मिटी में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 22-5-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त गंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभारा (1) के अधीन निम्निणिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

(1) रामकृष्ण महालिंगप्पा होसकोटे (2) रघुवीर रामकृष्ण होसकोटे जी० पी० ए० होलडर श्री शिवानंदा सत्येन्द्र नाथ धारेश्वर "सी० व्यू० 14-A, रोड, खार, बंबई-52।

(ग्रन्तरक)

(2) मंगलूर सीयरी पै, शिव मंदिर, 17, नया बालमट्टरोड, मंगलूर-1

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्वना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 247/80-81, दिनांक 22-5-80)
घर सम्पत्ति है जिसका आर० एस० सं० 15-1बी०,
श्रीर टी० एस० सं० 152/1बी 2 श्रतावर गांव
16th फालनीर वार्ड, मंगलूर चकवन्दी है:—
उ० में—-टी० एस० सं० 152-1 बी० 2
द० में ---प्राइवेट प्रापर्टी
प० में ---नया बालमट्ट रोड।

म्नार० तोतान्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

विनोक: 23 दिसम्बर, 1980

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर

बगलूर, विनांक 29 विसम्बर 1980

निवेश सं० 62/27024/80-81/ए० सिक्यू०/बी०---यतः मुझे, ग्रार० थोथात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 738/33, है, तथा जो 12, मन रोड, IJI ब्लाक, राजाजिनगर बंगलूर-10 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11-6-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) श्री जी० कान्ता राजु, सं० 174, I मैंन रोड, शेषाद्रिपुरम, बंगलूर-20 (भन्तरक)
- (2) श्री बै॰ थिम्मरायप्पा, सं॰ 141-शि॰, VI मैन रोड, IV ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलर-10 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा?
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हु , वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिस् गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज 529/80-81, दिनांक 11-6-1980) घर सम्पत्ति भौर खुला जगह जिसका सं० 738/33, तथा जो 12 मैंन रोड, III क्लाक, राजाजीनगर, बगसूर-10 में स्थित है। (डिवीजन सं०-2)

षकबन्दी है:—
उ०-में प्राइवेट सपत्ति
द०-में प्राइवेट सपत्ति
पू०-में रोड।
प०-में प्राईवेट सम्पत्ति।

श्चार० थोथान्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 29 दिसम्बर, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

पत्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1981

निदेश सं० सी० श्रार०-62/27 43/80-81/एसिक्य०/बी० ---यतः महो, श्रार० थोथात्री,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये म अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 148 (ख़ला जगह) है, तथा जो यादव-गिरी, देवराज मोहल्ला, मैंसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय, मैंसूर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 19-5-1980 को

(1908 का 16) के अधान, दिनाक 19-5-1980 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐव अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्वेय से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथि। नहीं किया गया है:--

- (क) यन्तरभ गे हुई किसी भ्राप की बाबन, उक्त श्रीध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तमें बचने में मुशिधा के । नण्; धौराणा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस. 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियान में स्विधा के लिए।

क्कत: बक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के धधीन, निम्निलिखित क्यक्तियों, अर्थातु '— (1) श्री एच० सी० शंकरप्पा, पहला क्रास, विवेका-नन्दा रोड, श्रशोकनगर, मन्डया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती मुब्बरत्नम्मा, श्रो दशरथराम चेट्टी की पत्नि (2) श्रोमती शांता श्रोनिवासन, डा० सी० डी० श्रोनिवासामूर्ती को पत्नि, दोर सं० 232, मय्या-जीराव, रोड, मैसूर शहर।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है

उना उपाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजान में निशासन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय थे 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितका किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास जिक्कित में किये जा सकेंगे।

हपब्दोक्तरण:---उ में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उन्त स्विध-ोगम के अक्षाय 20-क में विश्वाणित हैं, बहुई अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विद्यागया है ।

अन् सूची

(दस्तावेज 502/80-81, दिनांक 19-5-1980) खुला कार्नर सैंट जिसका सं० 148, तथा जो यादव-गिरो एक्सटेंगन देवराज मोहल्ला, मैसूर महर में स्थित है, मेजरिंग 1226 स्क्वेयर मीटर्स।

चकबन्धी है:--पू०--में जगह सं० 159 ग्रौर कान्सर्वेसी।
प०--में म्युनिसीपल रोड।
उ०--में म्युनिसीपल रोड।
द०--में प्राईबेट सैट सं० 149 में भर संपत्ति।

भ्रार० थोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलुर।

विनांक: 2 जनवरी, 1981

प्ररूप आहुँ० टी० एन० एस०

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जनवरी, 1981

निदेश सं० सी० ग्रार०-62/27189/एमिक्यू/80-81/बी०---यतः मूझे, ग्रार० थोथान्नी,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे हमके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 11/61, (पुरानी सं० के-10) है, तथा जो रिसर्शायर स्ट्रोट. बपवनगुड़ी, बंगलूर-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, बसवनगुड़ी, बंगलूर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 19-5-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोन को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) गंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 21—466GI/80

- (1) श्री टो॰ मृदल्या, श्रा यजनान थिम्मदानप्पा, क पुत्र, पार्टनर, में रामय्या श्रीर ब्रदर्स, स॰-2, डी॰ एस॰ लेन, चिक्तपेट, बगलूर-53। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बी० के० नारायणस्वामी, श्री आर० के० मूर्ती के पुत्र सं० 11/61, (पुराना स०-के०-10), रिसर्वायर स्ट्रीट, बसवनगुडी, बंगलर-4 । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निक्षी निवास द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया हो।

बन्स्ची

(दस्तावेज सं० 633/80-81, दिनांक 19-5-1980) संपत्ति का भाग श्रीर जगह सं० 11/61, (पुरानी सं० क-10) तथा जो रिसर्वायर स्ट्रीट, बसवनगुडी, बंगलूर-4 में स्थित है, मेर्जिंग 268 31 स्कवेयर मीटर्स।

चकबन्दी है:—
पू०--में रिमर्वायर स्ट्रोट नाम।
प०--में श्री शंकर की सम्पत्ति।
उ०--में श्री कृष्ण श्रयंगार की सम्पत्ति।
द०--में रिसर्वायर स्ट्रीट।

ग्रार० थोथास्ती सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज, बगलर ।

दिनांक: 7 जनवरी, 1981

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

आयकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंग, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश मं० मी. ग्रार०-62/27190/80-81/एमिक्यू०/ बी०——यत. मुझे, ग्रार० थोथार्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का लारण है कि स्थावर सम्बंति, जिपका उधित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक है

श्रौर जिनको सं 11/61, (पुरानी म० के०-10) है, तथा जो रिसर्वायर स्ट्रोट, बनवनगृष्टी, बंगलूर-4 में स्थित है (श्रौर इस से उपाबद श्रमुसचों में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिक्ट्रोडनी अधिकारों के कार्याजय, बसवनगृष्टी, बगलूर में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 19-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और रूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तिवक हप में किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री टी० मूदलय्या, श्री यजमान श्रिम्मदानपा के पुत्र, पार्टनर मैं० रामय्या ग्रीर ब्रह्म, डी० एस० लेन, सं०-2, चिवकपेट, बंगलूर-53। (श्रन्तरक)
- (2) श्री के० प्रकाण, श्री ग्रार० के० मूर्ति के पुत्न, मं० 11/61, (पुराना सं-के-10) रिसर्वायर स्ट्रीट, बसवनगुडो, वंगलूर-4)। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पिश्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला किए जा सकेंगे।

स्पक्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 631/80-81, दिनांक 19-5-1980) जगह का भाग श्रीर मंपत्ति सं०-11/61, (पुराना सं०-के-10), तथा जो, रिमर्वायर स्ट्रीट, बसवनगुड़ी, बंग्रलूर-4 में स्थित है। मेजिंग 282.41 स्क्वेयर मीटर्स। चकबन्दी है:---

पू०---में टी० मूदलय्या की सम्पत्ति। प०---में प्राइवेट संपत्ति। उ०---में कृष्ण श्रायंगार की मंपत्ति। द०---में रिसर्वायर स्ट्रीट।

> श्रार० थोथात्री सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक: 7 जनवरी, 1981

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन०एस०---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० मो० ग्रार०-62/27191/80-81/ए०मिक्यू०/बी०

—यतः मुझे, श्रार० थोथात्री,

आयकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उकत ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पत्ति, जिनका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रीधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 61 (पुराना सं० के-10) है, तथा जो रिसर्वायर स्ट्रीट, बसवनगुड़ी, बंगलूर-4 में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधिन, दिनांक 19-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में प्रधिक है और घन्तरक (श्रन्तरकों) और घन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबा उद्देश्य में उन्त ग्रन्तरण लिखित म वास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत, उनत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य श्रास्तियों
 को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या
 धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने
 मे सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- (1) श्रो टी० म्दलय्गा, श्री यजमान थिरमदानप्पा के पुन्न, पार्टनर, मैं० रामय्या श्रोर बदर्स, डी० एम० लेन, मं०-2, चिक्कपेट बंगल्र-53।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री के० शंकर, श्री ग्रार० के० मूर्ति के पृष्ठ, सं० 61 (पुरानी सं०-के-10), रिसर्वायर स्ट्रीट बसवनगुडी, बंगलूर-4।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उका सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाणन की तारीख मे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोक्तरग :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही सर्व होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज 630/80-81, दिनांक 19-5-1980) संपत्ति का भाग जिसका मं०-61, (पुराना सं०-के-10) टथा जो रिसर्वायर स्ट्रोट, बसवतगुड़ी, बंगलूर-4 में स्थित है। मेजरिंग 367.14 स्क्वेयर मीटर्स श्रीर विल्डिंग 18.94 स्क्वेयर मीटर्स।

चकबन्दी है .─पू०--में बो० के० नारायण स्वामी के सपत्ति।
प०--में के० प्रकाश के संपत्ति।
उ०--में कुष्ण अर्थेगार के सम्पत्ति।
द०--में रिसर्वायर स्ट्रीट।

स्रार० थोथाती, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोंज, बंगलर।

दिनांक. 7 जनवरी, 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 8 जनवरी 1981

निर्वेष सं० सी० म्रार० 62/27241/80-81/ए सिक्यू०/ बी०—यतः मुझे म्रार० थीथानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी जगह सं० 76, श्रीर एसवाय सं० 41/4, है, मेथा जो वडगबेहु, गांव, बैगलूर पंचायत, उडुपी तालूक में स्थित है (श्रीर इस से छपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, उडुपी द०क० में रिजट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन त० 14-5-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन. निम्नोलिसत व्यक्तियों अर्थात:—

 श्री एम० देवदास पै, श्री मलपेपुथु ग्रलियास नरिसम्ह पै के पुल, फिश मार्केट के नजदीक, उडुपी (द०क०)।
 (श्रन्तरक)

2. श्रीमती शीरीन बानु श्री श्रब्दुल हमीद के पत्नी, कुक्कीकहे, सं० 76, बडगबेहु गांव, उडुपीपोस्ट, उडुपी तालूक (द०क०)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सृत्रा के राजपन हो प्रकाशन ही। तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा भकारी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 209/80-81 ता० 14-5-80) घर संपत्ती सं० 76 श्रौर एस० सं० 41/4, तथा जो बडगबेहु गांव बैंगलूर पंचायत, उडुपी तालूक (द० क०) में स्थित है। इसमें जमीन क्षेत्र है, 50 सेंट्स श्रौर उसमे इमारत है। चक्कबंदी हैं:—

उ--में रोड । द--में प्राईवेट संपत्ती । जपू--में प्राईवेट संपत्ती । प--में पाईवेट संपत्ती ।

श्चार० थोघाद्वी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 8-1-1981 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 8 जनवरी 1981 निर्देश सं० सि० ग्रार० 62/27294/80-81/एक्यू /बी---यतः मुझे, श्रार० थोथात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उपित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 35, है, तथा जो II मेन रोड, हनु-पंथपुरा, श्रीरामपुरम, बंगलूर-21 में स्थिम है (श्रौर इस से उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 9-6-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या कियी भन या रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम . या धन कर अधिनियम , या धन कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पिधा चै लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, म³, उक्त प्रीपनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अधित् 1. श्री एम० जी० दिवाकर (2) एम० जी० रत्नाकर दोनों। श्री एम० गोबिन्दय्या के बेटे, सं० 5, सौराष्ट्रपेट, बंगलूर-53 में राहते हैं। (श्रन्नगक)

2. श्री के० पण्मुगम, सं० 29, पी० वी० ध्रार०, बंगसूर-53 के रहवासी हैं। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्मच्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो ठक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाजिस ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्ताबेज सं० 1102/80-81—ता० 9-6-1980) संपत्ती सं० 35 का भाग तथा जो II मेन रोड, हुनु-भंधपुरा, श्रीरामपुरम, बंगलूर-21 में स्थित है। इसमें सिल्क फैक्टरी का खुला जमीन, सर्वेटस क्वार्टर्स, कुएं श्रौर श्रोहर हेड टांक्स हैं।

चकबंधी है। पू--में दक्षिण रेलवे का जमीन।
प--में कार्पेरिशन चान्नेल।
उ०--में कार्पेरिशन चान्नेल।
द--में बर्षापानी के नाला श्रौर वेंडर्स के बाका रहा
संपत्ती।

म्रार० थोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर,

तारीख: 8-1-1981

प्ररूप आइ. . टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 फरवरी 1980

निर्देश सं० के० एन० एस०/4/80-81—अतः मुझे गो० सि० गोपास,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० मकान नं० 11—827, चौडा बाजार है तथा जो करनाल में स्थित है (श्रीर ध्ममे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1980

का पूर्वि । प्राप्ति के उच्चित वाज्ञार मूल्य से फ्रम के द्रायकाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य । उनले दश्यमान प्रतिफल से । ऐसे दश्यमान प्रतिफल से । एसे दश्यमान प्रतिफल से । पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिंद्या के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग व्हें अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात

- 1. श्री उगर सैन पुत्र श्री वैद्य नाथ निवासी करनाल (भ्रन्तरक)
- 7. श्रीमित राज बाला, एडवोकेट वेत्नी श्री पृथ्वी सिंह निवासी 11-827, चौड़ा बाजार करनाल (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (म) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के यास । लीखत मा किए जा सकोग।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 11-827 जोकि खौड़ा बाजार करनाल में स्थित है तथा जिसका ग्रौर ग्रिधिक विवरण रिजफ्ट्रीकर्त्ता करनाल के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 498 दिनांक 1-5-80 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज रोहतक

दिनांक ' 5-12-80

योहर

प्ररूप भाई • टी • एन • एम • ---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के भ्रधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० बी० जी० ग्रार०/9/80-81--ग्रतः मुसे, गो० सि० गोपाल, आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत श्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्वाल करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/- रुपए से अधिक है म्रौर जिसकी मं० फकटरी बिनर्डिंग है तथा जो प्लाट नं० 301, सैक्टर 24, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ म्रनुसूची मे म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता म्रधि-कारी के कार्यालय, बलबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 216) के अधीन नारीख मई 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के व मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है घौर अन्तरक (ग्रन्तरकों) और प्रन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमा करन या उससे बचने में सुविधा क लिए; खौर/या
- (ब) ऐसा किसा आय या किसी धन या श्रन्य श्राहिनयों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहो किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने म सुविधा के लिए;

श्रतः, भ्रव, उक्त भिविनयम को धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-घ की उपारा (1) के भिधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थातः ---

- श्री ईश्वर सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह, मकान नं०
 265. सैक्टर 15 करीदाबाद (ग्रन्तरक)
- मै पखनून टूलज पलाट नं० 301, मैक्टर 24 फरीदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके श्रर्जन के िए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति ह अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (३) ६म भूवना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि जो भी अविधि बाद ने गमान्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) ६३ स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.6 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क म परिभाषित है वहीं। अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मर्म्पात्त फ़क्ट्री बिलिंडिंग जोकि प्लाट नं० 301, सैक्टर 24 फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका और श्रिधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रिजिस्ट्री क्रमांक 2380 दिनांक 25-8-80 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, रोहतक

दिनांक: 4-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर भिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० डी० एल० म्राई०/4/80-81---म्रत: मुझे गो०सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका जीवन बाजार मेल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ए-13, (4000 वर्ग गज), सैक्टर 11, माडल टाऊन, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा प्रधिकारी के कार्यालय, देहनी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे सुविधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मर्वश्री निलंक राज, जनक राज भ्रामोका एस्टेट
 बाराखम्बा रोड नई देहली (भ्रन्तरक)
 मै० भ्रम्रवाल स्टील ट्रेडर्स 1063, बरतन मार्केट

2. मं० भ्रम्नवाल स्टील ट्रइस 1063, बरतन माकट सदर बाजार, नई देहली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कायनाहिया काना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपस्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

रपष्टीकरणः- - इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति प्लाट नं ० ए० 13, मैक्टर 11, माडलटाउन, फरोरखार तथा जिपका खौर ख्राधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता देहलीके कार्यात्रय में रजिस्ट्री क्रमाक 279 दिनांक 12-5-80 मे दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, रोहतक

दिनांक : 4-12-80

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्वेष सं ० इन्द्री | 2 | 80-81 — अतः मुझे गो० सि० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि रकवा 30 कनाल है तथा जो ग्राम गुढ़ा तहसील इन्द्री में स्थित हैं श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूणें रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, इन्द्री में रेजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 22 —466G1/80

1. श्री भगवान दास पुत्र श्रीमती नारा बाई निवासी ग्राम गुढ़ा तहसील इन्द्री (ग्रन्तरक)
2. मैं । शिव शंकर राईस मिल इन्द्री (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

सम्पति भूमि रकवा 30 कनाल जोकि ग्राम इन्द्री में स्थित है तथा जिसका ग्रौर अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता इन्द्री के कार्यालय में रजिस्ट्री कमाक 143 दिनांक 3-5-80 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहतक

दिनांक: 4-12-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, रोहतक

रोहत्त, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० एस० म्रार० एस० /21/80-81—म्रतः मुझे गो० सि० गोपाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान पलाट नं० 8, श्रडीयनल नई मंडी है तथा जो सिरमा में हिथत ई (श्रीर इससे पाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिरस में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जुन 1980

को पूर्वो क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वो क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या जन्य आस्तियं, को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

- 1. श्री रेव राज पुत्र श्री महताय राम प्रिमीपल जीनियम माउन स्कुल मिरमा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री केदार नाथ पुत्र श्री कुन्दन लाल मार्फत सतनाली कलाथ हाउस मुभाष चौक, सिरसा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किमी प्रन्य व्यक्ति देशरा प्रधाहस्ताक्षरी के पाए लिखित में किए सकांगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्पी

सम्पत्ति एक पलाट नं० 8 जोकि एडीएनल नई मंडी सिरसा में स्थित है तथा जिसका और ब्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता सिरसाके कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमांक 2557 दिनांक 20-6-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, रोहतक।

तारीख: 4-12-80

प्ररूप काइ॰ डी॰ एन॰ एस॰---

आयकर बिश्विम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के भ्रम्नान अूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० एस० पी० टी०/15/80-81—श्रतः मुझे गों० सि० गोपाल

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त मधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन मधाम प्राधिकारी को, यन् विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० में ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी स० मकान नं० 114 एल०, माङल टाऊन है तथा जो मोत्तीरत में स्थित है (ग्रौर इपमे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्द्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मृद्धों यह किण्वास करने का रारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्र मान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक' है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तिर तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल ि मन्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक ह में किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी काने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या \
- (क) ऐसी किसी, आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निजिकित व्यक्तियों अधीर:—

- 1. श्री हरी चन्द पुत्र श्री तेज भान निवासी भाडल काल्ती, यम्ननगर जिला श्रम्बाला। (अन्तरक)
- 2. श्रीमिति कौशल गुण्ता मार्फत श्री राम चन्द 7/216, भ्रोजीवाड़ा पुरानी मंडो, सोनीपत णहर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पति मकान नं 114 एल , मादल टाऊन, सोनीपत तथा जिसका श्रीर श्रधिक विवरण रजिस्टीकर्त्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 1847 दिनांक 30-7-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज,रोहतक

नारीख 4-12-1980 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस•----

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना भारत सरकार

भार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेंन रेंज रोहतक,

रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० बी० डी० म्रार० 103/80-81—म्प्रतः मुझे गी० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 11 ब्लाक सी-2 एरीया 1700 वर्गगज है तथा जो सैक्टर 11 फरीदाबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बलभवगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एमे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

- 1. श्री आनन्द प्रकाश सुपुत श्री पी०डी० माथुर निवासी पी० 11 ग्रीन पाकें श्रवसटैन्सन नई देहली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती नीर्मल कौर धर्मपरनी श्री कुलदीप सिंह निवासी डी॰ 52, नारायणा नई देहली। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वींक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिशाधित है, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पती जो प्लाट नं० 11 सैक्टर 11 डी० एल० एफ० माडल टाउन फरीदाबाद में हैं और ज्यादातर रिजस्ट्रीकर्ता बलभवगढ़ के कार्यालय में रिजस्ट्री नं० 1999 दिनांक 21-5-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक,

तारीख: 24-1-1981

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेंन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 24 जनवरी 1981

निदेश सं० बी० जी० म्रार०/1/80-81----म्रतः मुझे गो० सि० गोपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० मकान नं० 2254 सैक्टर 16, है तथा जो फरीदाबाद, में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य श्रनूभूची में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बल्नबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्त्रण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किपी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, सुर्थात् :--

- श्री अर्जन लाल ग्रोंवर सपुत्र श्री देवी दास ग्रोवर निवासी मकान नं० 63 सनतनगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गोपी राम अग्रवाल सुपुत्र श्री नानूलाल श्रग्रवाल निवासी 2254 सैक्टर 16, फरीदाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

मनुसूची

सम्पती मकान नं० 2254 सैक्टर नं० 16 फरीदाबाद में स्थित है तथा ज्यादा विवरण रिजस्ट्रीकक्ती बल्लबगढ़ के कार्यालय में रिजस्ट्रीकमांक 1142 दिनांक 2-5-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज, रोहृतक

तारीख: 24-1-1981

289-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज रोहतक रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० बो॰ जो॰ श्रार०/6/80-81—श्रत: मुझे गो॰ सि॰ गोपाल,

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की खारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० बंगला नं० वो० 63 नं० 2 टाऊन शं.प है तथा जो फरीदाबाद, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधि-कारों के कार्यालय, में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाबार मून्य वे कप के दृश्यमान प्रतिफल के निर्म धर्मारत का गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तीरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आय ही बाबत उस्त अधिनियम के श्रद्रीत कर ों के अन्तरक के वायिस्त में क्यी करने या उससे श्रद्यने में सुविशा के लिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें गारतीय आयकर पश्चितियम, 1922 (1932 का 11) या जकत अधितियम या धन-कर अश्वितियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तिरिती द्वारा अस्ट नशीं किस गरा था या किया जाना चाहिए या, श्विमाण में सुविका के सिए;

धतः शव, उक्ः अधिनियम का धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन निम्ननिस्ति व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. सरदार गुरबक्य सिंह सपुत्र श्री भगवान सिंह निवासी 6/32 साऊथ पटेल नगर नई, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रोमती पुष्पा गुप्ता धर्मपत्नी श्री जी० एस० गुष्ता 1-सी-13, एन० श्राई० टी० फरीदाजाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस भूजना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विष की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजण्य ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अस्य क्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकतें :

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त श्रीष्ठितयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वड़ी अर्थ होगा, जो उस प्रच्याय में दिया गया है

श्रनु सुधी

सम्पत्ति बंगला नं० बी० 63 नं० एच०-2 एन० आई० टो० जो कि फरोदाबाद में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लबगढ़ के कायलिय में रिजस्ट्री कर्मौक 1699 दिनांक 16-5-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 24-1-81

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए० एम० बो०/11/80-81——यतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसको सं० महान नं० 5356/8 श्रनाज मण्डी है तथा जो श्रम्बाला में स्थित है (श्रीर इससे छपाबद्ध श्रनुसूकी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रिकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रम्बाला में, रिजस्ट्रिकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित भहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिकि नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में पृषिधा के लिए;

भतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क भनु-परण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अभीन, निस्नलिखित व्यक्तियो, अर्थीत्:—

- 1. श्रीमता लीला चौला धर्मपत्ना श्री रखामल निवासी 1519/5-ए०, बचीतर नगर, पटियाला (अन्तरक)
- श्रीमती विनय गुप्ता धर्मपत्नी डा॰ विरेन्द्र कुमार गुप्ता निवासी 4515-16 पंजाबी मीहल्ला, ग्रम्बासा कैंद्र (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचता ह राजपत्र में प्रहाशन की तारीख से 45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पड्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त बड्टों घीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्यं होगा,जी उस प्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्नी मकान नं० 5356/8 ग्रनाज मण्डी ग्रम्बाला कैंट नथा जिनका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रा कत्ती कार्यालय ग्रम्बाला मे रजिस्ट्रा क्रमां ह 936 दिनांक 17-5-1980 में दिया गया है।

> गो० मि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोह्नसक

तारीख: 24-1-1981

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---

अ।यकर घाष्ट्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्वेश सं० श्रार० टी० के० 15/80-81---श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 76 है तथा जो झंग कालोनी रोहतक में स्थित है (और इससे पाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शिथीन, तारोख मई 1980

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रथमान प्रविश्वल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रविक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (वा) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत एक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (बा) ऐसी किया आया पा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जन्मा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, अबत विधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त बिधितियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रो रामचन्द्र शर्मा वकोल सपुत्र श्रा धमर मिह सीनोपत रोड, रोहतक (ग्रन्तरक)
- 2. श्रो रणधार सिंह सपुत श्री रतन सिंह निवासी ग्राम पाली वर्तमान श्रव्सकृटीय ईन्जोनियर फरीदाबाद डोबोजन यू० डो० श्रो० 670, सैक्टर 16 ए० फरीदाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क
 सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 पवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रशासन का नारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण --इसमें प्रयुक्त एव्हों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनु सूची

सम्पति प्लाट नं० 76 झंग कालोनी जो कि रोहतक में स्थित है तथा ज्यादा विवरण रजिस्ट्रोकर्त्ता श्रक्षिकारी रोहनक के कार्यालय रजिस्ट्रो क्रमांक नं० 728 दिनांक 10-5-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहुतक

तारीख 24-1-1980 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, रोहतक रोहतक दिनांक, 24 जनवरी 1981

निर्देण सं० रोहतक /6/80-81—ग्रन: मुझे गो० मि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 235 सुभाष नगर रोहनक है तथा जो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्भ्ची में श्रीर पूर्ण रूप स विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रोहतक में, जिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख महैं 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवांक्त मण्टित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिबत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में किथा नहीं किया गया है. --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रो. भीम सैन भाटिया पुत्र श्रा मनमा राम मकान न० 242 मुभाष नगर रोहतक (ग्रन्तरक)

2 श्री राजबीर सिंह पुन्न श्री मुबे सिंह श्रीमती मुनहरी देवो लंडको श्रा बलदेव सिंह मकान नं० 235 मुभाष नगर रोहनक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्छीकरण: —इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जी उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

सम्पति मकान नं० 235 जो मुभाष नगर रोहतक में स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रीधक विवरण रिजिस्ट्रीकर्त्ता रोहतक के कार्यालय में रिजिस्ट्री संख्या 733 दिनांक 12-5-1980 में विया गया है।

गो० सि० गोपाल. सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन केले, रोहनक

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन निम्निचित स्यक्तियों अधीतः—

मोहर:

तारी**म**: 24-1-1981

23-466GI|80

प्रकप धाई • ही • एव • एस • ----

श्रायकर ग्राप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के ग्राप्तीन सूचना

मारत सरकार

कार्याचय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० कपनाल /10/80-81----ग्रतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परवात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मुस्य 25,000/- षपये से श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 18-503 श्रवतार कालोर्ना है तथा जो कुन्जपुरा रोड करनाल में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्न सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफन से, ऐसे पुरुषमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर धन्तरक (प्रन्तरकों) मौर मन्तरिती (प्रन्तरितियों), के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मग्तरण से हुई किसी श्राय की बाबन उकन प्रधि-नियम के अधीन कर दैने के मग्तरण के दायित्व में कमी करने था जससे बचने में सृविधा के सिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, ग्रन, अनत धिविनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उनत धिविनयम की धारा 269-म की उपबार। (1) के अभीन निम्नलिखित अथितयों, अर्थात्:—

- 1. श्री नानक चन्द्र पुत्र श्रा राम दाम निवासी 18-503 श्रवतार कालीना कुन्जपुरा रोड करनाला (ग्रन्तर्क)
- श्रा विनोद कपूर, प्रणोक कपूर, प्रमोद कपूर पुत्रान
 श्री विश्वन सम्य माउल टाउन करनाल अब मकान नं XVIII
 प्रवतार कालोना कुन्जपुरा रोड करनाल (श्रन्नरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाबन की तारीबा से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त क्यांवर सम्पत्ति में हितबद्ध किती भ्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

हपध्यीकरण:--इसम प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिचाचित हैं, बही भ्रमें होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समानो मकान नं XVIII 503 जो प्रवतार कालोनी कुनजपुरा रोष्ठ में स्थित है तथा जिसका और श्रधिक बिवरण रजिस्ट्राकर्त्ता करनाल के कार्यालय में रजिन्द्रे। संख्या 1138 दिनांक 31-5-1980 में दिया गया है।

> गो० मि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी तहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ष**: 2**4-1-19**#1

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद,

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर, 1980

निवेश सं० पी० घार० 1241/ए०सी०क्यू०-23-1/80-81— ग्रतः मुझे मोगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जी-4 1 पैकी प्लान नं० 4 प्लोट नं० 20, पैकी सब प्लाट नं० 20-बी है, तथा जो जाम पुरी एस्टेट, बेडी रोड रोड, जामनगर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में बूर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5-5-80

को पूर्वा क्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुंई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री गुलाब चन्द देवराज शार, के सरमुख्तयार, : श्रीमती सुशीलाबेन रणजीत कुमार शार, गुरु दत्ताप्रेय मिंदर के सामने, जामनगर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जमनादास लाल जी पटेल, गाव खाड खंभालीया, , ताल्लुका लालपुर, जिला जामनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्तं सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 6000 वर्ग फीट जिसका सर्वे नं० जी-4-1 प्लाट नं० 20 पैकी, सब प्लाट नं० 20-बी, जो जामपुरी, ग्रस्टेट, बेडी रोड, जामनगर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन र्राजस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज नं० 560, दिनांक 5-5-80 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, ग्रक्षमदाबाद

तारीख 29,-11-80 मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd February 1981

No. 1.6/81-SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri T. Bhattacharya, Section Officer as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of February 3, 1981 to February 28, 1981, until further orders vice Shri S. S. Srivastava, Officiating Assistant Registrat, proceeding on deputation.

MAHESH PRASAD Dy. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 8th January 1981

No. A.32014 3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officiating Semor Personal Assistants (Gd B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gd A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad-hoc* basis w.e.f. the dates mentioned against their names of until further orders, whichever is earlier.

- S. No. Name Period.
- J. Shii Toginder Singh, 30-12-80 to 28-2-81.
- 2. Shii R. L. Thakur, 23-12-80 to 22-2-81.

No. A.31014/1/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Joginder Singh a temporary Sr. P.A. (Grade B of CSSS) and officiating as Private Secretary (Grade A of CSSS) on ad-hoc basis in the cadic of Union Public Service Commission, substantively in the Grade of Sr. Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the Union Public Service Commission, New Delhi, w.e.f. the forenoon of 10th August, 1980.

The 13th January 1981

No. A. 32014/1/80-Admn. I (ii)—The President is pleased to appoint the following Selection Grade—Personel Assistants P.A.s (Gd C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad-hoc capacity with effect from the dates mentioned below:—

S. No. Name	,	Period	Remarks
S/Shri 1, P.P. Sikka 2, O.P. Deora 3, Hukam Chand 4, H.C. Katoch	: {	or until further orders whichever	created by tem-
5, T.R. Sharma	• •	23-12-80 to 28-2-81 or until further orders, whichever is carlier.	Againstresultant chain vacancy
6. K.S. Bhutani		30-12-80 to 28-2-81 or until further orders, whichever is carlier.	Do,
7. Sham Parkash		. 23-12-80 to 22-2-81 or un- ul further orders whichever is carlier.	Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on ad-hoc basis and will no confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade. In the case of Shri T.R. Sharma for the Period from 23-12-1980 to 31-12-1980 which is in excess of 120 days of ad-hoc Promotions in the grade of CSSS during the year 1980, is subject to the approval of the Department of Personel & ARs.

The 24th January 1981

No. A-32013/2/80-Admn.l—In continuation of Union Public Service Commission's Notifications No. A-32013/2/80-Admn. I, dated 27-10-1980 & No. A-32013/3/80-Admn. I, dt. 5-1-1981 the President is pleased to appoint the following officers, included in the Select List of CSS Officers for the year, 1979, for appointment to Grade I thereof, to officiate as Under Secretaries, on a regular/ad-hoc basis, of the Periods shown against each, in the office of the Union Public Service Commission:—

Sl. Name of officer No.		— - —⊸·	Period(s)				
1	2			3		4	
	S/Shri						
1.	P.C. Mathur	•		1-1980, or irther ord		ar basis,	
2.	T.M. Kokel		 from 1-11-1980, on a regular basis, until further orders. 				
3.	S. Srinjvasan		an ad- from 1	9-10-1980 : hoc basis; -11-1980, c urthr orde	and on a regu		
4.	M.S. Chhabra			29-11-980, until furthe			
			b	Dy		(Admn.)	
			В	Dy		(A	

THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi 110000, the 2nd January 1981

No. O.11-568/69-Estt.—Consequent on his retirement from Govt. Service, Shri L. P. Chandola, Dy. SP of 4 Bn. CRPI relinquished charge of the post of Dy. SP on the atternoon of 30-11-80.

No. O.II-1216/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government service Shri A. S. Rai, Dy. S. P. of 4 Bn C.R.P.F. relinquished charge of the post of Dy. S.P. on the afternoon of 30-11-80.

The 27th January 1981

No. F.11/41/80-Estt.(CRPF).—The President is pleased to appoint Shii T. Tripathy, D.I.G.P. CRPF, to officiate as DIGP CRPF Gauhati w.e.f. 25-7-1980 (AN) to 14-9-1980.

The 29th January 1981

No. O-II-779/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. Satyananda Patnaik, GDO, Gd-II (Dy. Sp/Coy Commander) as O.D.O. Grade-I (Asstt. Comdt.) in the C.R.P.F. with effect from 20-1-81 (FN) until further orders.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi the 20th January 1981

No. E-38013(3)/12/80-PERS.—On transfer to Rishikesh Shri G. S. Nurpuri relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISI- Unit, HEC Ranchi w.e.f. the afternoon of 25th Oct 1980 and assumed the charge of the said post at CISF Unit, IDPL Rishikesh w.c.f. the afternoon of 4th November, 1980

No. E-38013(3)/14/80-PERS.—The President is pleased to appoint Inspector Cambachan Singh to officiate as Assistant Commandant on ad-hoc basis who assumed the charge of the said post of CISF Unit, Farakka Barrage Project, Farakka w.e.f. the forenoon of 25th November 1980.

The 30th January 1981

No. L-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Talcher, Shii T. K. Baneijec assumed the charge of the post of Assit.

Commandant, CISF Unit, V.P.T. Vizakhapatnam w.e.f, the forenoon of 29th November, 1980.

Sd/- ILLFGIBLE Director General/CISF

MINISTRY OF FINANCE, DEPTT, OF LCONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 27th January 1981

F. No. BNP/C/5/80—In continuation to this Department's Notification of even number dated 26-6-80, 10-7-80 and 2-9-80 the ad-hoc appointments of the following officers are hereby extended upto the dates shown against each or till the date of return of the officers in whose vacancies ad-hoc appointments were made or till the posts are restored to the girde of Asstt. Works Manager whichever is earlier.

S. No.	Name		Post to which ad hoc appoint- ment is made	Date upto the ad-hoc appoint- ment continued
1	2		3	4
S/	Shrı			
1. Y, J	Janardhan Rao	٠	Technical Officer (Printing & Platemaking)	30-9-81
2. San	narendra Dass		Do.	30-9-81
3. V.	Ven kataraman j		Do.	31-3-81
4. R.	C. Agrawal ,		Do,	31-3-81
5. A sh	iok Joshi .		Do.	31-3-81

M.V. CHAR Dy. General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 27th January 1981

No. Admn. 1 8-132/80-81/371.—The Accountant General, Andhra Pradesh-1, has been pleased to promote Sri K. Parthasarathy II, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officia is Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 17-1-81 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admin. I 8-132/80-81/371.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. V. Subba Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate M. Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15-1-81 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn 1/8-132/80-81/371.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri T. R. Ramanathan, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officer as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15-1-81 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn I/8-132 80-81/371.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri C. Viswanatha Rao-I, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate

as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000 -EB ---40—1200 with effect from 15-1-81 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors

No. Admn.1/8-132 80-81/371.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri S. Krishnamachary-II, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—UB—40—1200 with effect from 15-1-1981 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

Sd/- ILLEGIBLE Senior Deputy Accountant General (Admn).

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 22nd December 1980

No. 78/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri R. K. Das, Oftg. Staff Officer (Subst. & Permt. ASO) retired from service with effect from 31st October, 1980 (AN).

V. K. MEHTA Asstt. Director General, Ordnance Factories

Calcutta-700069, the 30th January 1981

No. 1/81/A/M.—The President is pleased to amend the name of the concerned Doctor in the draft Gazette Notification No. 3/80/A/M dated 12-6-80 as under:—

For Dr. Bishnu Das Mandal Read Dr. Bishnudas Mandal

2. President is also pleased to delete all entries in respect of Dr. (Ku) Sabitri Iharia, AMO, Ordnance Factory, Bhandara mentioned at Sl. No. 7 of draft Gazette Notification No. 4/80/A/M dt. 12-6-80 and Sl. Nos. from 8 to 47 therein may be renumbered as Sl. Nos. 7 to 46 accordingly.

O. P. BAHL Member/Personnel

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 21st January 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/645/61-Admn(G)/607.—On attaining the age of superannuation the following officers working in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay have been permitted to retire from Govt, service on the afternoon of the 31st December, 1980.

- Shri A. G. Shinde, Assistant Chief Controller of Imports and Exports.
- Shri H. T. Atmaramani, Controller of Imports and Exports.
- Shri C. N. Krishnan, Controller of Imports and Exports.

The 22nd January 1981

No. 6'444'57-Admn(G)/613.—On attaining the age of superannuation, Shri K. R. Kulkarni, Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, has been permitted to retire from Government service on the afternoon of the 31st October, 1980.

J. P. SHARMA
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

(DFPARTMENT OF TEXTILES) OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 29th January 1981

No. CER/3/80.—In exercise of the powers conferred on me by clause 22 of the Cotton Textiles (Control), Order, 1948. I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69 dated the 19th September, 1969, namely:—

In the said Notification.

After Note I to existing para II L the following proviso shall be added:—

"Provided, however, that in respect of controlled Tussore the amount of excise duty for arriving at the FINAL CONSUMER PRICE shall be the actual excise duty paid/to be paid to the excise department at the time of clearance."

M. MADURAI NAYAGAM Additional Textile Commissioner

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 22nd January 1981

No. A-32013/5/80-Admn. II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 9th January, 1981 and until further orders Shri M. K. Rao, Assistant Director Grade-I (Processing) as Deputy Director (Processing) in the Weavers Service Centre, Delhi.

P. SHANKAR Joint Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVFLOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 24th January 1981

No. A-19018/54/73-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri U. V. Shenoy, an officer of I.E.S. and Deputy Director in Small Industries Service Institute, Bombay to retire from Govt, service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31st October, 1980.

No. A-19018(494)/80-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri R. K. Jauhari, Small Industry Promotion Officer (Chemical), Small Industries Service Institute, Kanpur as Asstt. Director (Gr. II) (Chemical) on *ud hoc* basis in the same Institute with effect from the forenoon of 26th December, 1980 until further orders.

The 28th January 1981

No. A. 19018(49)/73-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Deputy Director (Economics) in the Ministry of Irrigation, New Delhi, Shi A, A. Kidwai relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. 1) (Economic Investigation), in the Small Industries Service Institute, Kanpur, with effect from the forenoon of 31st December, 1980.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN, BRANCH-6)

New Delhi, the 22nd January 1981

No. A-17011/183-A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri K. R. Narayan, Junion Field Officer in the Office of Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate as Assistant Inspecting Officer

(Engg.) on ad hoc basis in the Calcutta Inspectorate under this Die General w.e.f. the forenoon of 8th December, 1980 and until further orders.

M. G. MENON
Deputy Director (Administration)
For Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 21st January 1981

No. A-[7011/78], 74-A-6.—The President is pleased to appoint Shii Susanta Kumar Bandopadhya, Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of the Director of Inspection, Calcutta as officiating Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service) in the same office with effect from the forenoon of 31-12-1980 and until further orders.

- 2. Shri Bandopadhva relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engineering) and took over charge of Inspecting Officer (Engg.) on 31-12-80 (F.N.).
- 3. Shri Bandopadhya will be on probation for a period of 2 years from 31-12-1980.

(ADMINISTRATION SI-CTION A-1)

The 23rd January 1981

No. Λ -1/1(534) — The President has been pleased to appoint Shri S. P. S. Bhatia, Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on ad hor basis with effect from the forenoon of 5th January, 1981 and until further orders.

2. Shi S. P. S. Bhatia relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade I) and assumed charge of the post of Deputy Director of Supplies in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 5th January, 1981.

M. G. MENON Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th January 1981

No. A. 19011(266)/80-Estt, A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri R. K. Sinha to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22-12-1980.

S. V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-700 016, the 30th January 1981

No. 4-174'80 Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri B. Sanjeeva Reddy to a post of Assistant Anthropologist (Cultural Anthropology Division) in this Survey at Andaman & Nicobar Region, Port Blair, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 6th January, 1981, until further orders.

N. R. AICH Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 27th January 1981

No. 6(17)60-SI.—Smt. K. B. Manjrekar, Programme Fxecutive, All India Radio, Bombuy retired from Government

Service with effect from the afternoon of the 31st December, 1980.

No. 5(59)68-SI. On attaining the age of superannuation Kum D E. Mcherji, PFX, CBS, All India Radio, Bombay retired from Government service welf, the afternoon of the 30th November, 1980.

The 28th January 1981

No. 4(71)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. K. Mohan Ram as Programme Executive, All India Radio, Gulbarga in a temporary capacity with effect from 2-1-1981 and until further orders.

No. 4(72)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. Krishnamurthy as Programme Executive, All India Radio, Dharwad in a temporary capacity with effect from 30-12-1980 and until further orders.

H. C. JAYAL Deputy Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRFCTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 22nd January 1981

No A. 12026/15/80-Fst.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri B. S. Negi, an ad hoc Senior Accountant to officiate as Accounts Officer in a temporary capacity on ad hoc basis with effect from the forenoon of 8th January 1981 to 31st March 1981 or till the post is filled on a regular basis, whichever is carlier.

The 28th January 1981

No. A. 12026/14/80-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri M. S. Shantaram, a temporary Field Exhibition Officer to officiate as Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) in a temporary capacity on *ad hoc* basis from the afternoon of 21st January 1981, until further orders.

The 29th January 1981

No. A 42022/1/81-Est.—Shri K. K. Baboota, a temporary Assistant Distribution Officer of this Directorate expired on 13th January, 1981.

J. R. LIKHI
Denuty Director (Administration)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th January 1981

No. A. 19019 48/76(JIP)/Admn.I.—The Government of India announces with profound regret the death of Dr. A. Bhaskar Rao, Iunior Clinical Biochemist, lawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry on 28th December, 1980.

No. A. 35019/2/79(SJH) Admn. I.—Shri V. D. Uppal, Chief Administrative Officer, Safdarjang Hospital. New Delhi, retired voluntarily from Government Service from the afternoon of the 31st December, 1980.

The 30th January 1981

No. A. 19019/1/81(HQ) Admn, I.—Consequent on his transfer from Central Drugs Standard Control Organisation, East Zone, Calcutta, Dr. L. V. Kannan assumed charge of the post of Deputy Drugs Controller (India), Dte. of G.H.S., New Delhi on the forenoon of the 1st January, 1981.

S. L. KUTHIAI A
Deputy Director Administration (Q&M)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 31st January 1981

No. A. 19012.1 80-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri Sohan Lall Depot Manager Government Medical Store Depot Karnal retired from service on the afternoon of the 31st December, 1980.

SHIV DAYAL Dy. Dir. Amdn. (Stores)

-___-----

MINISTRY OF AGRICULTURE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 31st Junuary 1981

No. F.2(2) 77-Fstt. II.—Consequent on the acceptance of his resignation Shri Ram Prakash Chander relinquished charge of the Office of the Chief Instructor (Workshop). Extension Education Institute, Nilokheri (Haryana) under Directorate of Extension Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation) with effect from the afternoon of 5th January, 1981.

K. K. SHARMA Director Admn.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 6th January 1981

No. DPS/23/8/77-Est./322— The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Assistant Accounts Officers of this Directorate to officiate as Accounts Officer on an adhoc basis in the scaloof pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 in the same directorate for the periods indicated against each:—

S. Name No.	From To
1 2	3 4
S/Shri I. A. A. Shaikh	24-5-80 7-7-80
2. V. B. Vyapari	8-7-80 18-8-80

No. DPS/23/8/77-Est./334—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints the following Assistant Accountants of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an adhoc be some scale of pay of Rs, 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate for the periods indicated against each:

S. No.	Name	,	From	То
1	2		3	4
1, I	S/Shri Darshan Singh .		1-5-80	15-6-80
2, \	/. G. Pimpalkare		5-5-1980	7-6-80

C. V. GOPALAKRISHNAN Assistant Personnel Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 603 102, the 8th November 1980

No. MAPP/3(1341)/80-Adm—On deputation from the Office of the Accountant General-II, Maharashtra, Nagpur, Shri C. Krishnamurthy, Section Officer, in the Office of the Accountant General-II, Maharashtra, Nagpur is appointed as Assistant Accounts Officer in officiating capacity in this

Project with effect from the forenoon July 11, 1980 until nurther orders.

R. P. HARAN, Adm. Officer for Chief Project Engineer.

MINISTRY ON TOURISUM & CIVIL AVIATION INDIA METEROLOGICAL DEPTT.

New Delhi-3, the 31st January 1981

No. A. 31013/III/79-E.I—The President is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity as Meterologist Grade I in India Meterological Department with effect from the dates indicated against their names:

S. No. Name				Date of substantive appointment.
(1) (2)				(3)
1. Shri Nootan Das				. 1-5-1971
2. Dr. A.S. Ramanathan	•		·	. 1-5-71
3. Dr. S.M. Kulshrestha .	•	Ċ		. 1-6-71
4, Shri S.N. Tripathi	·	•	•	1-3-1972
5. Dr. N. Sen Roy	•	•	•	1-3-1972
6. Shri G.P. Srivastava	•	•	•	. 1-4-1972
7. Shri T.S.S. Anjaneyulu	•			18-9-1972
8. Dr. B. N. Dutta	•	•	•	30-5-1973
9. Shri N. Seshadri	•	•	•	1-5-1974
10. Dr. N.S. Bhaskara Rao	•		Ċ	. 1-7-1974
11. Shri C,E,J, Daniel	•	•	•	1-7-1974
12. Shri C.P. Rao	•	•	•	. 1-7-1974
13. Dr. D.V.L.N. Rao	•	•	•	1-9-1974
14. Shri G.R. Gupta .	•	•	•	1-10-1974
15. Shri S.V. Datar	•	•	•	. 1-10-1974
	hu.	•	•	. 1-10-1974
16. Dr. B. Padmanabhamurí	11 y	•	•	
17. Shri R.C. Maheshwari.	•	•	•	, 1-10-1974
18. Shri S.D.S. Abbi	•	•	•	. 1-10-1974
19. Dr. R.N. Keshwamurthy	•	•	•	. 1-10-1974
20. Dr. H.N. Srivastava .	•	•	•	. 1-3-1975
21. Shri B.B.D. Bhargava .		•		. 1-11-1975
22. Shri M. Jayaram .		•	•	. 1-11-1976
23. Shri S. Raghavan .	•	•	•	. 1-1-1977
24. Shri U.V. Gopala Rao	•	•		. 1-2-1977
25. Shri R K. Datta	•	•	•	21-7-1977
26. Shri G. Arunachalam	•		•	. 21-7-1977
27. Shri D.K. Mishra				. 21-7-1977
28. Shri A K. Sen Sarma				. 21-7-1977
29. Shri P.V. Joseph .				. 21-7-1977
30. Shri K. Chatterjee .				. 21-7-1977
Dr. C.R. Sreedharan				. 21-7-197 <u>7</u>
32. Shri C.M. Barma				. 21-7-1977
33. Shri V.P. Kamble .				. 21-7-1977
34. Shri B.R. Avasthi .				. 21-7-1977
35. Dr. V. Venkateswarlu				. 21-7-1977
36. Shri M.C. Sinha				. 21-7-1977
37. Shri A. Bandopadhyay				. 21-7-1977
38. Shri U.S. Das				. 21-7-1977
39. Shri V. Balasubramania	n.			. 21-7-1977
40. Shri Surnedra Kumar				21-7-1977
41, Shri P.K. Misra				. 21-7-1977
42. Shri D.V. Subramanian	·			21-7-1977
43. Shri S.R. Puri		-		21-7-1977
44. Shri S.K. Ghosh	•	•		. 21-7-1977
45 Shri A.R. Ramakrishnan		•	•	. 21-7-1977
46. Shri S.M.A. Alvi		•	•	. 21-7-1977
46. Shri S.J. Maske	•	•	•	. 21-7-1977
48. Shri Jitendra Lal		•	•	. 21-7-1977
40. SILI JIGUUTA LAI	<u> </u>	<u> </u>	<u> </u>	, 24-1-13/1

No. A. 32013(DDGM)/I/80-E.I—The President has been pleased to appoint the undermentioned Directors of India Meterological Department to officiate as Deputy Director General of Meterology on ad-hoc basis, in the same Department with effect from the dates mentioned against their names, for a period of 3 months or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier except in the case of Shri K.V. Ruo, who has retired on 30-11-1980:

1. Shri H.M. Chaudhury			1	26-11-1980 (AN)
2. Dr. A.K. Mukherjee .				27-11-1980
3. Dr. A.A. Ramasastry				27-11-1980
4. Shri K.V. Rao				27-11-1980
5. Dr. A.S. Ramanathan	•	•	•	26-11-1980 (AN)
6. Dr. S.M. Kulshrestha .				28-11-1980
7. Shri S.N. Tripathi				26-11-1980

P. K. DAS Director General of Meterology,

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th January 1981

No. A-35018 4/80-EA.—Shri R. K. Sareen, Aerodrome Officer at present on deputation to Libya retired from Government Service under proviso of F.R. 56 (K), with effect from 30-11-1980 (AN).

S. GUPTA Dy. Dir. of Adm.

New Delhi, the 30th January 1981

No. A.44014/2/79-FC(Pt.).—The President is pleased to sanction the release of Shri M. Dheenudayalan, Senior Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Madras Airport, Madras with effect from 27-12-1980 (FN) to take up the appointment in the grade of Joint Director in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800 with Dpartment of Electronics, Govt. of India New Delhi.

Shri M. Dheenadayalan is holding a permanent post of Communication Officer with effect from 1-7-1978. His lien will be kept for a period of two years in terms of orders contained in (ii) of para 1 of Ministry of Home Affairs O.M. number 60'37'63-Est (A) dated 14-7-67 (Govt. of India decision No. 9 below Article 67 of C.S.R. Vol. 1).

No. A.32013/5/80-EC—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Communication on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date indicated against each and post them to the station indicated against each:—

S. No.	Name & designation	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
	S/Shri			
	V.K. Verma. Sr. Tech. Officer.	Dir. Aero. Inspection N. Delhi.	ACS, Bombay	30-12-80 (FN)
2.	H V. Sudershau Asstt. Dir of Comm.	DGCA (HQ) Delhi.	ACS, Bombay.	22-12-80 (FN)
3.	S.K. Kakkar, Sr. Tech. Officer.	CATC, Allahabad.	ACS, Calcutta,	17-12-8 (FN)
4.	K.V. Rao, . Sr. Tech. Officer.	RC & DU, New Delhi.		17-12-8 (FN)
5.	A.K. Misra Sr. Tech. Officer.	DGCA (HQ	DGCA (HQ)	24-12-8 (FN)

No A 38015/3/80-ES—Shri K C Mondal, Administrative Officer (Group B' post) in the office of the Regional Director, Madias Region, Madras Airport, Madras, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st December, 1980 on attaining the age of superannuation

The 31st January 1981

No. A. 32013/5/80-EC—The President is pleased to appoint the following two officers to the grade of Dy. Director/Controller of Communication on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each—

S. No.	Name & designation	Present Stn, of posting	Stn. to which which posted	Date of taking over over charge
1	2	3	4	5
	S/Shri N.K. Nanu, Senior Techni- cal Officer	Radio Constr & Dev Units Safdarjung A	Radio Cons & Dev. Uni S Jung Airp	ts (FN)
	R. Ragha- venra Rao, Sr Comm Officer	Port New Delhi Aero Comm, Stn Calcutta	i. New Delhi. Aero Comm Stn Madras	9-1-81 (FN)

No. A. 38013/1/80-EC—The undermentioned officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on 31-12-1980 (AN) on attaining the age of superannuation:—

S No. Name & Designation		Station		
1	2	3		
	nrı I. Suryanandan, puty Director.	Radio Constr. & Dev. Units, Safdarjung Airport, N. Delhi.		
 Shrl H.D. Vadhia, Asstt. Tech. Officer. 		Aero-Comm-Station, Bom- bay.		
3. Shri D. De, Asstt. Comm. Officer.		Aero-Comm-Station, Ca		

No A 38015/32/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to permit Shri B K Das Assit Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta to retire from Govt Service with effect from 30-9-80 (AN) under FR 56(k).

R. N DAS,
Assistant Director of Administration

OVERSFAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the November 1980

No 1/481/80 EST—On attaining the age of superannuation, Shri M Balakrishnan, Dy Traffic Manager, Madius Branch retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th November, 1980

No 1/114/81 EST—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R N Kulkarni as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the VSES Avi Branch, with effect from the forenoon of the 23rd December, 1980 and until further orders, on a regular basis

No 1/181/81-FST—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K J Mohan Rao as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the VSES, Arvi Branch with effect from the forenoon of the 2nd December, 1980 and until further orders, on a regular basis

24-466GI/80

The 29th January 1981

No 1/256/80 UST—On attaining the age of superannuation, Shri J G Awatramani, Truffic Accounts Officer, Head-quarters Office, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st December, 1980

P K G. NAYAR, Dir Adm for Director General.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXICSE AND CUSTOMS

Bombay, the 28th January 1981

F No II/3E(a)2/77Pt I—The following Selection Grade Inspectors have on promotion assumed charge as officiating Superintendents Central Excise Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate with effect from the dates shown against their names

S No. Name	Date of assumption of Charge		
1 2	3		
1. Shri V.S. Prabhu	15-12-1980 A.N		
2. Shri V S. Danı	16-12-1980 F N.		
3 Shri N B. Badkar	16-12-1980 F N.		
4. Shri K G Datar	27-12-1980 F N.		

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise

Madurai-2, the 28th January 1981

No 1/81—The following Inspectors of Central Excise (S.G.) are appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Superintendents in the places and on the dates noted against each.

SI. Na No.	ime of the Officer	ass	ate of umption charge.
(1)	(2)	(3)	(4)
 S/:	Shri		
1. R	Peter Antony	Hgrs. Office, Madurai.	15-10-80
	.V. Subharayan	Prev. Group, Dindigul.	27-11-80
3. R	S Ponraj Pandi	Sivakasi Range-IV	20-10-80
	Rajan	Siv kasi Range VII	16-10-80
	I. Sakthivelu .	Hgrs. Office, Madurai	08-10-80
6. R	Venkatachalam	Customs Dvn , Ramnad,	01-11-80
-	Srinivasan	Mofussil Range, Madurai	30-10-80
8. T	S. Krishnamoorti	hy Hgrs Office, Madurai	18-12-80
9. N	I Kayamboo .	Virudhunagar Division.	20-12-80
	S. Srivivasan	Hqrs. Office, Madurai	02-12-80
	.P. Ethirajulu	Hqrs. Office, Madurai	19-12-80
12, A	. Balasubramanıan	Rameshwaram Customs Circle	19-12-80
13. N	1. Krishnasamy	Do	20-12-8 0
14. C	. Ramasamy	Do.	07-12-80
15. K	. Thirumeni	Prev. Group, Nagapattinam	04-12-80
16. N	I Krishnamurthy	Customs Dvn Nagapattınan	1 04-12-80
	/.J Xavier	Virudhunagar Division	17-12-80
18. C	. Balasubramania	m Prev. Group, Virudhunagai	31-12-80
19, I	ζ M. Monna Ahm	ed Rajapalayam Division	19-12-80
20. N	A. Ebinezer	Rajapalayam Division	07-01-81
21. S	Velayutham Pilla	ıı Pudugramam Range at Kovı patti,	1 12-12-80

1	2	3	4
22, A,T	. Noor Mohamed	Paramakudi Range	15-12-80
23. G.	Vijayaraghavan	Customs Preventive, Arantangi.	27-12-80
	S. Ramanathan Ranganathan	Sıvakasi "D" Range. Dindigul Division.	03-12-80 11-12-80

No. 2/81—The following office Superintendents of Central Excise are appointed to officiate until further orders as Administrative officer (Group 'B') in the scale of pry of Rs. 650 30-740-35-810-EB 35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Administrative Officers in the places and on the dates noted against each:—

SI. No.	Name of the Office	er Place of posting	Date of assumption of charge.
1	2	3	4
1.	/Shti P.M. Ramasubra- maniam	Rajapalayam Division.	10-12-80
2.	P. Arunachalam .	Madurai Rural Division	5-12-80
3.	V. Eswaran ,	Hqrs. Office, Madurai.	16-12-80

R. JAYARAMAN Collector.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT

New Delhi, the 31st January 1981

No. 1/81.—Smt. Kusum Satpathy, lately posted as Supdt. Central Excise, Group 'A' Bhubaneswar, on transfer to the Headquarters office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue Order No. 151/80 (F. No. A.22012/31/80-Ad II) dated 15-10-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 9-1-81 (forenoon).

S. B. SARKAR Director of Inspection

MINISTRY OF ENERGY DEPARTMENT OF COAL

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 29th January 1981

No. Adm. 12(30)81.—Shri S. S. Saneja, a permanent Assistant Welfare Administrator, is appointed to the post of Welfare Administrator on ad-hoc basis with effect from 30-12-1980 (FN), until further order.

D. PANDA.
Coal Mines Welfare Commissioner

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-11022, the 15th January 1981

No. A-32014/1/80-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Eng.) on purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-100-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

Sl. Name of Officer, No. with designation.		Date of assumption of charge as EAD/AE	
1 2	-	3	4
1. Sh. S.K. Namboori, . Design Assistant.		20-12-80 (f	orenoon)

1	2	3
2.	Shri M.S. Ansari, Supervisor.	15-12-80 (forenoon)

A. BHATTACHARYA Under Secy., Central Water Commission

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY)

New Delhi, the 29th January 1981

No. A.32013'3/80-ESI.—The President is pleased to appoint Shri S. V. Sundaram an officer of Grade I of the Indian Supply Service as Deputy Director General (Supplies) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 13-1-1981 and until further orders.

K. K. SHARMA, Under Secy.

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 31st January 1981

No. G-65/B(Con).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta, has been pleased to appoint Shri A. Ambareshudu, Scientific Assistant (Mechanical), National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Mechanical) in National Test House, Northern Region, Ghaziabad on a regular basis with effect from 30-10-80 (F/N).

No. G-65/B(Con).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri R. Ramakrishnan, Scientific Assistant (Elect.), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Flectrical) in National Test House, Northern Region, Ghaziabad on a regular basis w.e.f. 5-12-1980 (A.N.).

No. G-65/B(Con).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta, has been pleased to appoint Shri D S. Majumder, Scientific Officer (Mechanical) (Ad-hoc), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Mechanical) in the same office on a regular basis w.e.f. 31-7-1980 (F/N).

A. BANERJEE, Dy. Director (Admn.) for Director General

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jav Needle Bearing Corporation Private Ltd.

Bangalore, the 23rd January 1981

No. 3365/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Jay Needle Bearing Comporation Private Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI, Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Joyindra Printers Private Limited

New Delbi, the 27th January 1981

No. 4512-1981.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of theree months from the date hereof the name of the M/s. Jogindra Printers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Kamani Industrial Corporation Limited

Jaipur, the 30th January 1981

No. STAT/1128.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kamani Industrial Corporation Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Vandana Pictures Limited

Jaipur, the 30th January 1981

No. STAT/1270.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Vandana Pictures Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Kiwi Shouels Private Limited

Jaipur, the 30th January 1981

No. STAT/1730.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kiwi Shauels Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. C. GUPTA Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, COCHIN, ERNAKULAM-SOUTH

Cochin-682016, the 21st January 1981

ORDER

Subject: Estt.-ITO Group 'B'—Promotion and postings—orders issue of.

C. No. 2/Estt./80-81.—The following promotion and postings are hereby ordered:

- 2. Shri M. S Samuel, Inspector of Income-tax Income-tax Office, Alwaye is hereby appointed to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the after-noon of 31-1-1981 or from the date he takes over charge, whichever is later and until lurther orders. He will be on probotion for a period of 2 years.
- 3. The above appointment is made on a purely temporary and provisional basis and is liable to termination at any time without notice. The appointment is also subject to the result

- of Original Petition No. 4023 of 1978 filed before the High Court of Kerala.
- 4. On promotion, Shri M. S. Samuel is posted as Incometax Officer, B-Ward, Trivandrum vice Shri T. Muthuswamy, who is retiring from service on the after-noon of 31st January, 1981. If necessary, Shri T. Muthuswamy may temporarily hand over the charge of Income-tax Officer, B-Ward, Trivandrum to Smt. Jayasree Ramachandran, ITO A-Ward, Trivandrum who will hold the charge of ITO B-Ward, Trivandrum in addition to her duties, until relieved by Shri M. S. Samuel.

The 22nd January 1981

(INCOME-TAX)

No. 1/80-81.—In exercise of the powers conferred on me under Sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) I, Commissioner of Income-tax, Cochin, hereby create two new wards designated as (i) AA-Ward, Ernakulam and (ii) BB-Ward, Ernakulam, in the Income-tax Circle, Ernakulam, in addition to the existing A, B, C & D Wards, Ernakulam.

2. This order shall take effect from the 23rd January, 1981.

M. S. UNNINAYAR Commissioner of Income-tax Cochin & Trivandrum

New Delhi, the 21st January 1981 CORRIGENDUM

No. JUR-DLI-VI/80-81/37566.—In continuation of the Notification No. JUR-DLI-VI/80-81/32046 dated 11-12-80 regarding jurisdiction of TDS (Salary Circles), New Delhi the C.I.T., Delhi-VI, New Delhi hereby directs that against the jurisdiction of ITO TDS (Salary) Circle 11, New Delhi ascrial No. 2 of the Schedule annexed to the said Notification, the following addition shall be made in column 3 of the schedule after item No. (ii);—

"(iii) All Airlines, Travel and Tourist Agencies".

This currigendum shall take effect from 15-12-1980.

The 29th January 1981

No. CIT. VI/Jur/80-81/39738.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) CIT Delhi-VI, New Delhi hereby directs that the ITO mentioned in Col. 2 of the schedule below shall have concurrent jurisdiction with the ITO mentioned in Col. 3 of the said schedule in respect of persons/cases assessed/assessable by the I.T.O. mentioned in Col. 3 excepting the cases assigned under section 127 of which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, C.I.1. Delhi-VI, also authorises the IAC Range-I-B, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of Section 124 of the Income-tax Act.

This notification shall take effect from 15-1-81.

SCHEDULE

1. 2. 3.

 ITO Vth Addl. Salary I.T.O. Ist Addl. Salary Circle, Circle. New Delhi.

> D. N. CHAUDHARI Commissioner of Income-tax Delhi-VI, New Delhi

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1691 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st October 1980

Ref. No. P. R. No. 1209 Acq. 23-I/80-81:—Whereas I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 674/A-I-Building situated at 2, Panchnath Plot, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Shri Shivlal Dhirajlal & others;
 5-Bhaktinagar Society, Rajkot.

(Transferor)

Shri Jethalal Thakurshi (HUF),
 Panchnath Plot, "Chandan",
 Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 210-7-72 sq. yds. bearing S. No. 674/A-I situated at 2, panchnath plot, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 3010/15-5-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 31-10-1980. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE -I, AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 31st October, 1980

Ref. No. P.R. No. 1210 Acq. 23-I/80-81:-Whereas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 649-Building situated at Zalorapa Road, Junagadh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 13-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Memon Sheth Mohmad Yusuf Marfatia; Diwan Chawk, Junagadh.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Soni Shantilal Arjanbhai Raninga;

 - Shri Soni Rasiklal Shantilal Raninga;
 Shri Soni Muktaben Shantilal Raninga;
 Shri Soni Manjulaben Rasiklal Raninga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 555-44 sq. mts. bearing S. No. 649 situated at Zalorapa Road, Junagadh, duly registered by Registering Officer, Junagadh, vide sale-deed No. 950/13-5-1980 i.e. property as fully described therein.

> MANGI LAL Compentent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated; 31-10-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st October, 1980

Ref. No. P. R. No. 1211 Acq. 23-J/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

Plot Nos. 51-52 of original R. S. No. 1832 situated at Verawal Patan Road, Verawal

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Verawal on 27-5-1980

for an apparent consideration which is less than the pair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sunbay Food Corporation, 51-52, G.I.D.C., Plot, Verawal.

(Transferor)

 Allana Frozen Foods Pvt. Ltd., 424, Maulana Azad Road, Bombay,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 2065-24 sq. mts. bearing Plot Nos. 51-52 of original R.S. No. 1832-P situated at Verawal-Patan Road, Verawal, duly registered by Registeiring Officer, Verawal, vide sale-deed No. 1740/27-5-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmodabad

Dated: 31-10-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE -1, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st October 1980

Ref. No. P. R. No. 1212 Acq. 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 10 paiki-open land situated at 16, Millpara & Dheber Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 31-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as referesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lilawanti Chimanlal Mody, 44, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Bhanumati D. Dattani;2. Kalavanti K. Dattani;12. Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wirting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Land bearing Plot No. 10 paiki admeasuring 108 sq. yds. situated at 16, Millpara & Dheber Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 2352/31-5-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 31-10-1980,

(1) Lilavanti Chimanlal Mody; 44, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Kalavatiben Kantilal Dattani; 12, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st October 1980

Ref. No. P. R. No. 1213 Acq. 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lekh No, 51-open land situated at Dhebar Road, Rajkot. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 16-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Lakh No. 51 paiki-admeasuring 108 sq. yds. situated at Dhebar Road, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 2353/16-5-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 31-10-1980

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGF, JAIPUR

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd November 1980

Ref. No. P R. No. 1220 Acq. 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

City S. No. 1/G/4, known as Jal puri Estate Plet No. 6, plet No. 9, Sub-plot No. G-1, situated at Bedi Bunder Road, Opp. State Bank of India, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908), in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 21-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely — 25—466GI/80

(1) 1. Shri Jiviaj Narbheram Mehta;
2 Shri Nagjodas Jivaraj Mehta;
Administrators of deed, Shantaben Jivraj Mehta;
Sharda Sadan, 4th Floor, 5-A,
Belvi Road, 1 crt, Bombay-400001
Bombay-400001

(Transferor)

(2) Shi i Jil Faramroz Bilimeriya, Smt. Chandrikaben Jal Bilimeriya, Pandit Nehru Road, Jamnagar,

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as Shanti standing on land admeasuring 4500 sq. ft. bearing S. No. 1-G-4 Plan No. 6, Pata Plot No. 9-1; situated at Bedi Bunder Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regin No. 13300 dated 21-5-1980

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspiring Assistant Commissoner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated · 3-11-1980

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th Nevember 1980

Ref. No. P. R. Œo. 1240 Acg. 23-I/80-81:—Whc4cas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 3818/5 & 3534/2 of Sheet No. 9 & 16 situated at Dwarka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalyanpuron 8-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anantprased Purushetem Purchit; Bank of Baroda, Dwarka.

(Transferor)

(2) 1. Vijaykumar Govindbhaj Hemani;
 2 Ramashbhaj Govindbhaj Hemani;
 Dwa ka,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2090-56 sq. mts. bearing S. Nos. 3818/5 and 3534/2 situated at Dwarka Okha High Way Road, Dwarka and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 763 dated 8-5-1980

MANGI LAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissional of Irocone-Pax, Acquisition Range-J, Abmodubi d.

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 3rd Nevenber 1981

Ret. No. P. R. No. 1043/Acq. 23-11/80-81:—Wherees, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing here.

R. S. No. 239 (Poiki) situated at Neer Wedi Shak Market, Bokrawodi Read, Daneda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Boreda en 15-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shakuntalabai Pandurang Thanawala,
 P. A. Holder of Shantilal Tribhoyandas Pratapnagarn Pole, Mangal Bazar,
 Baroda.

(Transferor)

(2) Muhubir Oil Mills,
Through; Partners;
Sitaram Agarwal & Others;
56, Vijay Society, Near Wadi Market, Barcda.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ni Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & godownshed thereon situated near Wadi Shak Market, On the Bakrawadi Road, bearing R. S. No. 249 (Paiki) and is fully described as per sale deed. No. 3014 registered in the office of Sub-Registrar, Buroda on 15-5-80.

MANGI LAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 31-1-81

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Chunibhai Haribhai, Vasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anandiben H ishmukhbhai Parikh Near Nizampura Village, Chhani Road, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- may be made in writing to the undersigned-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD 380009,

Ahmedabad 380009, the 3rd January 1981

Ref. No. P. R. No. 1044 Acq. 23-Π/80-81:— Whereas, J MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Baroda Sr. No. 194, Plot No. 11, situated at Moje Nizampura, Baroda.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda, on 20-5-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of se tion 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

THE SCHEDULE

Land & flat in the first floor situated in the Nizampura area bearing Baroda Sr. No. 194 Plot No. 11 (Paiki) and as fully discribed as per sale deed registered in the office of the Sub. Registrar, Baroda vide Registration No. 3094 dt. 20-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 3-1-1981.

(1) Shri Chunibhai Haribhai, Vasad.

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kullishben Jethalal Patel Near Nizampura Village, Chani Road, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad 380009, the 3rd January 1981

Ref. No. P R. No. 1045 Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I ANGI LAL,

cing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding is 25,000/- and bearing in 104 Plat No. 11 situated at Main

Jo. Baroda Sum S. No. 194, Plot No. 11 situated at Moje lizampura, Baroda

and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at taroda on 20-5-1980

or an apparent consideration which is less than the fair fairful fairful to the aforesaid property, and I have reason to be that the fair market value of the property as afore-indexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of arsfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following 150ns, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & flat in the ground floor situated in the Nizampura area being Baroda Sim S. No. 194, Plot No. 11 (Paiki) and as fully described as per sale deed registered in the office of the Sub registrar, Baroda Vide Regn No. 3095 dated 20-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 3-1-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad 380009, the 3rd January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1046 acq. 23-II/80-81.—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 641, Tika No. 50 (S. No. 2294 Paiki land situated at Maharani Shantadevi Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 26-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- 1. (1) Shri Ishvarbhai Naaranbhai Patel
 - Dargah Road, Navsari.
 (2) Maniben W/d Dahyabhai Khushalbhai
 (3) Minor Dinubhai Dahyabhai Khushalbhai
 - (4 Minor Kilankumar, Jankalyan Society, Navsari

(Transferors)

Shri Ramabhai Khandubhai Naik;
 Shri Navinchandra Koshaviai Upadayay.
 C/o. Jankalyan Co. op. Housing Speicly,
 Maharani Shanti devi Road,
 Navsari

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 641, Tika No. 50, C. S. No. 2294 at Navsari duly registered on 26-6-1980.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 3-1-1981.

Sael:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THE CONTROL OF THE COMMISSIONER OF THE COMMISSION RANGE-II, Ahmedabad 380009.

Ahmedabad 380009, the 5th January 1981

Ref. No. P. R. No. 1047 Acq. 23-11/80-81,—Whereas, I MANGI: A:,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Naith No. 8, 2153-B, No. 8, Nani Chhipwad, situated at Devpipur, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kurat on 28-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dilipkumar Batubhai Umarwada Self and Suasdian of Minor Pratik Dilipkumar Umarwadia, Shahpur Soc. Ahmedabad.
 - (2) Maheskumar Batubhai Umerwadia.
 - Manish Maheshkumar U norwadia. Shahpur Society, Ahmodabad.

(Transferors)

 Shri Rajendra Chandrakan... Nr. Kudumpally Society, Opp. Darshaha Society, Nanpur, Surat.

(Transferea)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nath No. 2153-B, at No. 8, Devoipur, Surat Nani Chhipwad, duly registered on 28-5-1980.

MANGI, LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 5-1-1981.

 Shri Chandrakant Nathubhai Shah, Wadi Falia, Store Sheri, Surat.

(Fransferor)

 Shri Jamiyatram Tulsidas Vayak Salabutpura, Chokey Sheri, Surat.
 Shri Jayanti lal Narbheram Ranganwala, Salabutpura, Sidhi Sheri, Surat.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICF OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II,

AHMEDABAD 380009.

Ahmedabad 380009, the 5th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1048 Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

R.S. No. 389-A-1+2+3 paiki shed stituated at Ashwin Kumar Road, Katurgam, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 22-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date o publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 389-A 1+2+3, Shed No. 9, Ashwingskumar, Katargam, Surat duly registered on 22-5-1980

MANGI LAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ah nedabad

Dated: 5-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th January 1981;

Ref. No. P. R. No. 1049 Acq. 23-II/80-81.—Whereas MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land at S. No. 40 Paiki, situated at Kanbivasa, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1988 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--26-466GI/80

(1) 1. Partner of Ratanji Ferdunji & Son. Shri Sarosh Dinshaji Jinwala. Shri Dinshaji Ferdunji Jinwala. Shri Sarosh Dinshaji Jinwala. Civil Lines, Broach.

(Transferor)

(2) Partners of Minerva Construction.(i) Shri Govindbhai F. Mistry. (ii) Dipakkumar Govindbhai Mistry. Fulshruti Co.op. Hsg. Soc. Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 40, Kanbivaya, Broach, bearing plot Nos. 21, 20, 13, 19, 24, 22, 4, 23, ragistared in the meath of May,

> MANGI LAL. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 6-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 6th January 1981

Ref. No. P. R. 1050 Acq. 23-II/80-81--Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tika No. 10/2, S. No. 45 situated at Dusturwad, Navsari. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 28-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (i) Rameshchandra Jamnadas Gandhi.
 - (ii) Sushilaben Rameschandra Gandhi.
 - (iii) Vasantlal Jamnadas Gandhi,
 - (iv) Jayshriben Vasantlal Gandhi, Dusturwad, Navsari.

(Transferors)

(2) Navakovan Apartment Co. Op. Housing Soc. Ltd. Secretary: Ramanlal Jivanji Gandhi. Dasturwad, Navsari.

President: Champaklal J. Biscultwala, Tarota Bazar, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Tika No. 10/2, S. No. 45, Dasturwad, Naysari duly registered on 28-5-1980.

MANGI LAI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 6-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 3rd January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1051/Acq. 23-II/80-81—Whereas, 'I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 648 Tika No. 54 Survey No. 2402 land situated at Maharani Shantadevi Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Navsari on 27-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes o the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Ratanji Khushal P. A. Holder of following;
 - 1. Shri Chhaganlal Ratanji;
 - 2. Shri Natverlal Ratanji;
 - 3. Smt. Bhanumati Ranchhod;
 - 4. Shri Dilip Ranchhod;
 - 5. Kum. Nalini Ranchhod;
 - 6. Smt. Indumati Rambhai ;7. Kum. Roshani Rambhai ;
 - 8. Kum. Vina Rambhai; Maharani Shantadevi Road, Navsari.

(Transferors)

(2) Shri B. L. Shah; C/o. Ketan Enterprise; Prop. Malani Trust, 2nd Floor, 35/37, Chandra Bhavan, Dhanji Street, Bombay-400003.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at R. S. No. 648-Tika No. 54, S. No. 2402, Maharani Shantadevi Road, Navsari duly registered on 27-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Dated: 3-1-1981.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 3rd January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1052 Acq. 23-II/80-81—Whereas, J MANGI LAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 20-21 415 (Paiki), Plot No. 6 situated at Manjalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Baroda on 8-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nirmali Hidatas Popat; 5-Tushar, Vithal Society, Near Jayaratna Bldg., Baroda.

(Transferor)

(2) Mukesh Vasanji Thakkar; Satiya Vilay Farsah Housewala; Rajmahal Road, Dara Pole, (Hathi Pole), Baroda

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 6, R. S. No. 20-21-415 (Palki), situated at Manjaipur area of Baroda City and as fully described as per sale deed No. 2905, registered in the Office of Sub-Registrar, Baroda on 8-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range -II, Ahmedabad.

Dated: 3-1-1981.

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II,

Ahmedabad-380009, the 8th January 1981

Kef. No. P. R. No. 1053 Acq. 23-II/80-81:--Whereas, 1 MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2197, 2198 Wd. No. 2, Ruderpura, situated at Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

 P. A. Molder of Shri Kekobar Jamshedji Antia, Shri Manekshee Kunvarji Dasdi, Dansor Mahollo Nanpur, Surat.

(Transferor)

- (2) (1) Chairman Shri Gulamkadar Abdulrehman Mushi Sarampura, Mayl Street, Surat.
 - (2) Secretary: Mohmed Hussain Abdulrehiman Tapalı, 2-2585, Sgrumpura, Mavi Street, Surate. C/o Chandan Co. Opp. Housing Soc. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the said rickining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 2197, 2198 Wd. No. 2, Ruderpura, Surat duly registered on 14-3-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 8-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1054/Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 122, 124 Village Fulpada. situated at Surat. (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 21st May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harsha Nathalal Raval, Fulpada, District—Surat.

(Transferor)

Shri Babubhai Dudhabhai,
 Shri Bhimjibhai Kalyanbhai,
 Dharmnagar Co. op. Hsg. Society,
 Ashwinkumar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Fulpada. S. No. 122, 124 duly registered in May, 1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 8-11-1981

Soal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1055/Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Nondh Nos. 152, 153, 154, 155 & 156 (P) New Motan situated at Mandir Chhota Bazar, Wd. No. 10, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat, on 21-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sharma Benefit Trust, Chottapur, Surat.

(Transferor)

 M/s. Alps Enterprises, Arogyanagar, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The etrms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 152 to 156(P), Near Mota Mandir, Chouta Bazar, Surat duly registered on 21-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Incpme-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad).

Dated: 8-1-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME.TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1056 Acq. 23-II/80-81:---Wherees, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 85, Athwa Ward New City S. No. 1502 situeted at Adarsh H. Soc. Athur, Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officet at Surat on 29-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferre of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shr Dhansukhlai Laxmidas Shah, Haripura, Kaljas Muhello, Surar

(Transferor)

(2) I. Sur Muganla Ichhubhai Patel.
 2. Sur Sureshchandra Ichhubhai Patel.
 Adarshnagar, Athwa, Surat.

(ransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a pariod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 85, Althwa Ward, new City S. No. 1502, Adarsh Co. op. Hsg. Society, Athwa, Surat duly registered on 29-5-80

MANGI LAL, Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner of Income I.A., Acquisition Rengell, Abmodubec)

Dated : 8-1-1981,

PART III-Sec. 1]

FORM ITNS-

(1) Shri Amratlal Khushaldas Mali, Musalisam, Surat.

may be made in writing to the undersigned :--

ever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961) (2) 1. Shri Santprasad Chanpaklal Djwanji-Self & Manager of HUFI

Objections, if any, to the acquisition of the said property

 Shri Rajiv Santprasad Diwanji—Self being manager of Ghod-dol Rd, Sorat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1057 Acq, 23-II/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 125-1 & 126-Sub. Plot No. 19, situated at Majura, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Surat on 5-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Majura S. No. 125-1 & 126—Sub. Plot No. 19, of F. P. 27, Surat duly registered on 5-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedahad).

Dated: 8-1-1981,

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-466 GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th January 1981

Ref. No. P. R. 1058/Acq. 23-II/80-81—Whereas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. R.S. No. 45, T.P.S. No. 6, F.P. No. 113 & 27 situated at Majura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat, on 29-5-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparenet consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he ransferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 P. A. Holder of Shri Abdulrazak Abdulrehman Battiwala, Mehrajbibi Jafarmiya & Kulsumbibi D/o Fatchmohmod Mistry and W/o. Abdul Rehman Chhotamiya Battiwala, Pand-ni-bhit, Surat.

(Transferors)

(2) Shri Pankaj C. Jinwala, Shri C. G. Gholawala, Rayl Darshan Co op. Hsg. Soc. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Majura R. S. No. 54, T.P.S. No. 6, F.P. No. 113 & 27 duly registered on 29-5-1980.

MANGI LAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometer, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 8.1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th January 1981

Ref. No. P. R. 1059, Acq. 23-Π/80-81—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 394-A 1 Plot No. 83, situated at Katereara Coleny, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 16 of 1908) in the office of the Registering Office at Suret, on 16-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

(1) S'ni Manharlal Rancchoddas Kapdia, A-B, 2-3, Gujarat Housing Board, Khatosana Colony, Surat. Smt. Lulitaben Ishvarlal, Opp. Jain Temple, Sayan, Surat.

(faustoror)

(2) Shri Laljı Industries, Chandrakant Chunilal, Ishyarlal Maganlal, Mahidharpura, Jadakhali, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUIE

Property at Katansaru S. No. 394-A-1 Paiki Plet No. 83, d ily registered on 16-5-1980.

MANGI LAI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Almedabad.

Dat d : 3-1-1981

Sual

 Shri Motilal Mohanlal, Rasala, Deesa Taluka,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nanalal Nagindas Shah, C/o Shri Vinodchandra Nagindas, Nayapura, Nagadrdas Shorl, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 9th January 1981

Ref. No. P. R. 1060 Acq. 23 II/80-81—Whereas, I. MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 3562 (Sheet No. 47), House No. 4/11/114 stuisted at Risale Line (near Lati), Deesa Taluka.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Doesa on 26-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANALION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 4/11/114, City Survey No. 3562 (Sheet No. 47), situated at Risale Line (near Lati) Doesa Jaluka and as fully described as persale deed No. 695 registered in the office of the Sub Registrar Deesa, on 26-5-19801

MANGI LAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IJ, Ahmedabad

Dated: 9-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th January, 1981

Ref. No. P. R. 1061/Acq. 23-II/80-81:—Whereas, 1 MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and boaring R. S. No. 87, T.P.S. No. 9, F. P. No.-166 A & 166 B situated at Majura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 3-5 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Abdul Razak Banumiya, Rani Talav, Bharbandhvad, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Dahyabhai K. Patel
Chairman/Seorctary,
Swami Gunatitnagar co. op. Hou. Scciety,
Dalichand nagar, Nappura, Suiet.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 87, T.P.S. No. 9, F. P. No. 166 A & 166 B Majura, Surat.

MANGI LAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Con missioner of Income-us a Acquisition Range-II, Abmedabed,

Dated: 13-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 13th January, 1981

Ref. No. P. ER. 1062 Acq. 23/II/80-81—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

R-S. No. 160 situated at Baroda Kasba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Madhuben Vinubhai Shah 171, Bhudhadev Colony, Baroda.

(Transferor)

(2) Pravinchandra Lalchand Shah, Raopura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Baroda Kasba R. S. No. 160 situated in Baroda City and as fully described as per sale deed No. 3253 registered in the Office of Sub-registrar, Baroda on 30-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 13-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th January 1981

Ref. No. P. R. 1063 Acq. 23/II/80-81—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

S. No. 734-2, Baroda Kasba situated at Karelibaug-Baroda City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhagat Land Corporation through partner Vithalbhai Vikrambhai Patel, Bhavdas Mohalla, Siabaug, Baroda.

(Transferor)

(2) Jaswantlal Chandulal Kotadia and others. Wadi, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and construction in progress bearing Kasba—S. No 7342 Karelibaug, Baroda City and as fully described as per sale deed Nos. 2959, 2961, 2962 and 2963 registered in the office of the Sub-Registrar, Baroda on 12-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Dated; 13-1-1981. Seal;

(1) Shri Chandrakant Trikamlal, Shahi baug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed Harlmandir Co-Op, Housing Society Ltd.

---Same address--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January 1981

Ref.: No. P. R. No. 1304 Acq. 23/80-81 :---Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. P. No. 298, T. P. S. 14, Sub. Plot No. 3, situated at Subhas Bridge, Ahmedabad.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land hearing F. P. No. 298, Sub. Plot No. 3, T.P.S. 14, adm. 366 ·87 Sq. Met. out of 2158 ·05 Sq. Met. situated at Subhas Bridge Ahmedabad, duly registered by Registering Office, Ahmedabad vide sale deed No. 5375/76/23-5-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 12-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1303 Acq. 23:—Whereas, J, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 298, T.P.S. 13, Sub. Plot No. 3 situated at Subhash Bridge, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—28—466GI/80

(1) Shri Sunderlal Trikamlal, Shahi baug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed Harimandir Co-Op. Housing Society Ltd.,
—Samo address—

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land hearing F.P.N. 298, subplot No., 3 T.P.S. 14, adm. 366.87 Sq. Met. out of 2158.05 Sq. Met. situated at Subhash Bridge, Ahmedabad, duly registered by Registery Office, Ahmedabad, vide sale-deed No. 5279/80/23-5-80, i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date: 12-1-1981,

Scal

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1302 Acq. 23:—Whereas, I MANGI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. No. 298, T. P. S. 14, Sub Plot No. 3, situated at Subhash Bridge, A' bad;

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad. on 23-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestud exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Indrakant Trikamlal Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed Harimandir Co-Op. Housing Society Ltd.,
—Same Address—

(Transferee2

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing F. No. 298, subplot No., 3 T.P.S. 14, adm. 366 87 Sq. Met out of 2158 05 Sq. Met. situated at Subhash Bridge, Ahmedabad duly registered by Registeriry Office Ahemedabad, vide sale-deed)No. 5365/66/23-5-1980 ie., property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Dated : 12-1-1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 300 Acq. 23/80-81:—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 82+83 paiki sub-plot No. 193 +194+195 paiki. TPS. 21. FP 115. situated at Vastrapur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on May, 1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sumantlal Keshavlal Patel, Ravivar Path, Poona 2.

(Trans feror

(2) Samir Apartments owners Association, through President Shri Jayendra Chandulal Desai, 83, Swastik Society, behind St. Xavier's Ladies Hostel, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm 252½+252½ Sq. yd. bearing S. No. 82-| 83 paiki—Sub-plot No. 193+194+195—T. P. S. 21—F. P. No. 15 situated at Vastrapura Ahmedabad, duly registered by Registering officer, Ahmedabad, vide sale deed Nos. 8609/8604/May, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 12-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1301/Acq. 23:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. 82+83 paiki Sub plot No. 193+194+195 paiki TPS. 21 FP. 115 situated at Vastrapur, Ahmedabad.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Dwarkadas Baldevdas Maniar, A. 8, Chandan Mahal, 1st floor, 11th road, Bombay.

(Transferor)

(2) Samir Apartments, owners Association, through President, Shri Jayendra Chandulal Desai, 83, Swastik Society, Behind: St. Xavier's Ladies Hostel, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. $252\frac{1}{2} + 252\frac{1}{2}$ bearing S. No. 82 + 83 palki subplot No. 193 + 194 + 159 T.P.S. 21 - F. P. No. 115 situated at Vastrapur, Ahmedabad duly registered by Registering officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 8607/8603/May, 80 i.e. property fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 12-1-1981.

Scal a

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. N9. 306 Acg/23:—Whereas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value erceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 82+83 paiki sub. Plot No. 193+194+195 paiki. TPS. 21 F. P. 115 situated at Vastrapur, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in May 1980,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the sald Act. to the following persons, namely:—

Shri Manubhai Mohanlal Shah,
 A. 3, Chandan Mahal, Ist floor,
 11th Road, Bombay.

(Transveror)

(2) Samir Apartments Owners Association, through President Shri Jayendra Chandulal Desai, 83, Swastik Society, behind; St. Xavier's Ladies Hostel, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 252½+2452½ sq. yd. bearing S. No. 82+83 paiki sub. plot No. 193 |-194½+195 TPS. 21 F. P. No. 115 situated at Vastrapur, A'bad. duly registered by registering Officet, Ahmedabad, vide sale deed No. 8607/8603/May, 1980 i.e. property fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 12-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Jayant Engineering Works, Through partners Jayantilal Gordhandas & others near New Jail, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shiv Shakti Engineering Products, Jamnagar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Rof. No. P. R. No. 1309 Acq. 23-I/80-81:--Whereas, I MANGI LAL.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Revenue S. No. 211-212-213-214-215 paikiplot No. B-28 situated at Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 8-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shed standing on land admeasuring 829.2658 meters bearing S. No. 211, 212, 213, 214, 215 paiki plot No. B-28, situated at Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide no. 1094 at 8-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 12-1-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No./308 Acq. 23:—Whereas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 16 of Nutan Nagar Schem No. 1 situated at Nutan Nagar I, Mahuva.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mahuva on 12-5-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Khoja Noorali Sherali Power of attorny holder of Khoja Mohamad Hussen Sherali, near, Chhavadi Chowk, Mahuwa.

(Transferor)

- (2) 1. Manishankar Girdharlal
 - Laxmishankar Girdharlal
 Ambashankar Girdharlal
 - Deerkabji Girdharlal Nana Jadara Mahuva.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 26286 Sq. feet bearing plot no. 16, of Nutan Nagar Scheme No. 1, situated 7 Mahuva and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 1007 dt. 12-5-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahemdabad.

Dted: 12-1-1980,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACOUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1307 Acq. 23:—Whreeas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 267, Plot No. 49, M. S. No. 186/E 1to 4, situated at Devbaug Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhavnagar, on 27-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

-)1) Shri Jashvantlal Mohanlal Mehta as owner & L/H of the deed. Smt. Taraben Jashvantray 21/1, Rafiq Ahmeda Qedvai Road, Rikhiv Building, Bombay No. 31.
- (2) 1. Smt. Molviyaben Jacobbhai Cowper
 - 2. Phularaben Jecobhai Cowper
 - Saryudaben Jecobbhai Cowper
 Arvindaben Jecobbhai Cowper

near, Chavdigate, Charbattino chowk, Vadawa.
(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land 682·19 Sq. Meters bearing. No. 263, Sheet No. 238, Plot No. 49, situated at Devbaug Bhavnagar and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 1131 Dt. 27-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 12-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1305 Acq. 23:—Whereas, I MANG_I LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. S. No. 267, Plot No. 50 situated at Devbaug Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhavnagar on 27-5-1980

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—
 - (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—29—466GI/80

 Shri Mehta Jashvantrai Mohanlal Rafik Ahmed Qidvai Road, Rikhiv Building, Bombay No. 31.

(Transfero

(2) Shri Jemesbhai Jecobbhai Cowper Shri Jiviniyanbhai Jecobbhai Cowper Shri Johanathanbhai Jecobbhai Cowper Wadawa, Charbuttino chowk, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 679-88 Sq. Meters bearing S. No. 267, Plot No. 30 Sechuated Dev Baug, Bhavnagar, and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 1132 dt. 27-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 12-1-1981.

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 11 th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1299 Acq. 23:--Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F. P. 298, T.P.S. 14, Sub. Plot No. 3 situated at Subhash Bridge, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad., on 23-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

(1) Shrl Vinodbhai Trikamlal, Shahibag, "Kadam". Ahmedahad.

(Transferor)

- (2) Proppsed Harimandir Co-Op. Housing So. Ltd., through Promotors :
 - (1) Shri Amrutlal Joitaram Patel.
 - Prabhunagar Ashrva, Ahmedabad.
 (2) Shri Rameshchandra N. Patel,
 Near, Kiran park Nava Vadaj, Kailash Flat,
 Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing final plot No. 298, sub plot no. 3 T.P.S.1 14, Adm. 366-87 Sq. Mtrs. out of 2158-05 Sq. Met. at Subhas Bridge Ahmedabad, duly registere by Register Officer, Ahmedabad vide sale deed no. 5369/80/23-5-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 12-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1981

Ref No. P. R. No. 1296 Acq 23/i/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Plot No 3 situated at Mill para Main Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Rajkot on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Rajeshkumar Champak lal Parekh, P A holder of 1 Shri Parbhulal Girdherlal Doshi
 - 2 Shri Dinsukhlal Prabhulal Doshi P Lal Mension, Rajkot

(Transferor)

(2) 1 Shri Vikramchand Tulsidas Mohta,
 2 Shri Batuk Vikramchand Mehta,
 11-Janction Plot, Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested, in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land ad admeasuring 77 Sq Yds bearing No Plot No 3 of Raghuvir Compound Mill Plots, situated at Mill Para main Road, Rajkot and as fully described in the sale dead registered vide regn No 2872 dated 9-5-80

MANGI LAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated - 7-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th January 1981

Ref No P, R. No. 1295 Acq. 23/1/80-81:—Whereas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B-of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3 situated at Mill Para, main Road, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 8-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajesh Kumar Champaklal Parekh P.A. holder of;
 - Shri Parbhulal Girdharlal Doshi,
 Shri Dinsukhlal Prabhulal Doshi,
 P. Lal Mension, Rajkot.

(Transfero:)

 Shri Vikramchand Tulsidas Mehta;
 Shri Batuk Vikramchand Mehta, 11-Janetlon Plot, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 77 Sq. Yds. bearing Raghuvir Compound Mill plots paiki plot No. 3 situated at mill para main road, Rajkot and as fully described in the sale dood registered vide regn. No. 2851 dated 8-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 7-1-1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri D. M. Sheth. Vidyanagar Road, Rajkot.

(Transforor)

(2) Shri Mukesh Vallabhdas Cohel, Bhupendra road, Rajkot.

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1981

Ref. No. P. R No. 1294 Acq. 23 /80-81:—Whereas, I MANG! LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 4 of 20 Jagnath plot, situated at 20 Jagnath plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An open plot of land 154 00 Sq. Yds. bearing plot no. 4 of 20 Jagnath plot, situated at 20 Jagnath plot, Rajkot and as fully described in the sale deed registered wvide Regn. No. 2943 dated 12-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 7-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1293 Acq. 23 I/80-81 -- Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 454/Block C, Paiki Plot No. 6 situated at Kalawad road, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot, on 3-5-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

adhibai Karjibhai;

 Jagdish Karjibhai;
 Suresh Karjibhai: Kalawad road, Rajkot.

(Transferors

(2) Maniben Govindjibhai, 31 Jagnath plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A building standing on land ad, 126-6-108 Sq. Yds, bearing S. No. 454, paiki block-C, paiki plot no. 6 situated at Kalawad road, Kirtinagar, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 2788 dated 3-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 7-1-1981.

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Kirikumar Ratilal Shah. 17-Panchnath, Rajkot.

(Transferor)

Shri Kanji Lahdabhai Patel,
 Ramkrishnanagar, West,
 Behind Virani Highschool,
 Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
2nd Floor Handloom House, Ashram Road,

Ahmodabid-380009, the 7th January 1981.

Ref. No. P. R. No. 1292 Acq. 23//80-81:—Whoreas, t MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 205-F situated at Behind Virani High school, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on 29-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land, bearing S. No. 205-1 Known as Umija Krupa, behind Virani High School, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3320 dt. 29-5-80.

MANGI LALL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for his acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1291 Acq, 23/1/80-81: --Whereas, 1 MANGI LAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 440-B, Plot No. 22, and 23-Paikl, sub plot No. 5-B situated at Nalanda Society, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Rajkot on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been struly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramjibhai Bechar bhai, Vaghpar, Tal. Morbi.

(Transferor)

(2) Shri Harijivanbhai Popatbhai Nalanda Society, Kalavad Road, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 133-80 sq. yds. bearing S. No. 440-B, Plot No. 22 & 23 paiki Sub. plot No. 5-B, of Nalanda Society, Rajkot., and as fully described in the Sale deed registered vide R. No. 23 & 25 dated 3-5-80.

MANGI LAL,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-L fAhmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-1-1981.

Shri Chaturbhuj Premji Mistry,
 Chokshy Park, Isampura Road, Maninagar,
 Ahmedabad.

(Transferor)

NGTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd January 1981

Ref. No. P. R. No. 1290-Acq.23-I/80-81,--Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 39A (part) P.P.S. 22 situated at Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the mansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
30—466GI/80

(2) Chaturbhui Flats and Shops Owners Assocn. Shri D. C. Mistry, Chairman, Opp. Railway Club, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 744.15 sq. m. bearing S. No. 39-A (part) T.P.S. No. 22, F.P. No. 177-A, situated near Narayanpagar Road, Ahmedabad, duly registered by vide sale deed No. 7944/80 dated 7-5-1980 ic property as fully lease-hold in the said sale deed.

MANGI I.AL
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 3-1-1981.

FORM NO ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF 1HF INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1 AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009 the 3rd January, 1981

Ref No P R No 1289 Acq, 23-1/80-81 —Whereas, I MANGJ LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

S No 429 Paiki Hissa No 2 & S No 430 paiki Hissa No 2 situated at Vejalpur, Distt Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on May, 1980

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasior of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Maneklal Laldas Patel, Bungalow No 9, Bhubneshwar Park Society, Naranpura, Ahmedabad-13

(Transferor)

(2) Swetalpaik Co Op Housing Soc. Ltd, Through Chairman Shri Balubhai Prabhusdas Desai, 1152, Zupdi's Pole, Mandvi's Pole, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land bearing S No. 429 paiki Hissa No 2 & S. No. 430 paiki Hissa No 2, adm 7388 sq. yds. situated at Vejalpur Distt. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale deed No 8044/9-5-80 i e property as fully lease-hold therein

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 3-1-1981

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 30th December, 1980

Ref. No. P. R. No. 1287 Acq, 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 33-F.P. No. 15/B T. P. S. 7, situated at Khokhra mamudabad, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rasiklal Ambalal; "Parmeshwar", Bharat Society, Kankaria, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Gita Tea Trading Co., Through: Partner: Shri Piyushkumar C. Desai & others; Mithakhali, Near 6 Roads, Ahmedabad-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 551 sq. mts. bearing S. No. 33, paiki T.P.S. No. 7, F.P. No. 15-B, situated at Khokhara-Mehmadabad, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vise sale-deed No. 8782/29-5-80 (37-G Form received in first fortnight of June, 1980) i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad)

Dated: 30-12-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600006, the 19th December, 1980

Ref. No. 104/May/80-- Whereas, I, T. E S. R. LAKSHM NARASIMHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and brying No. 5 situated at Harrington Road, 9th Avenue, Chetput Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Persamet, Mds (Doc. No. 592/80), on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. T P. Dorairaj, (2) T. P. Sundaram, (3) T. P. Rama krishnan. (4) T.P. Meenambal (5) T. K. Kokila (6) T.N. Neela (7) T. N. Balasubramanian (8) T. N. Swaminathan (9) T. N. Natarajan (10) T. N. Balagopalan. (11) P. Girija Devi (12) P. Ravichandran (13) P. Jamuna. (14) P. Devi (15) P. Vijaya Kumvi, (16) P. Rajendran, P. Rajeswari (18) P. Babu sundaram (19) B. Bagia lakshmi (20) P. Paramasivam (21) K. T. Rajan (22) K. Jayaraman. No. 5, Harrington Road, 9th Avenue, Chetput, Madras.

(Transferor)

Shri V. Vaidyanathan,
 No. 6, Coral Merchant Street,
 Madras-1.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the serieve of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 592/80 S.R.O. Perlamet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 5, Harrington Road, 9th Avenue, Chetpet, Madras.

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Madras-60000

Dated: 19-12-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVLRNMENT OF INDIA

No 8, Perumal North Mada Street,

(1) Shri T. Subbiah Mudaliar,

Tırunelveli Town

(Transferor)

(2) Smt Amudha Rajendran, W/o Shri K V Rajendran, No 76, Selvinagar, Tirunelveli-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIONRANGE-I,

MADRAS-600006, the 12th January, 1981

Ref No 20/MAY/80 -Whereas, I, TESR LAKSHMI, NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No 31 & 32 & T S No 710/1, situated at Perachi Amman Koil Street, Vanarpet, Tirunelveli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO I Palayamkottai (Doc No 1070/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair masket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair masket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No 1070/80 JSRO I, Palayamkottai

Land & Buildings at Door Nos 31 & 32, & T S No. 710/1, Perachi Amman Koil Street, Vanarpet, Tirunelveli

TE.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-60000

Dated 12-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 12th January, 1981

Ref. No 22/MAY/80—Wheajas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

23, 24, 27, 28, 29, 30 & T. S. No. 710/1, situated at Perachi Amman Koil St, Palayamkottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at KSRO 1 Palayamkottai (Doc No. 1072/80), on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely,—

(1) Shri T. Ramasam Mudaliar, S/o Shri S T Theetharappa Mudaliar, Perumal North Mada Street, Tirunelyeli Town

(Transferor)

(2) Shri V Subbaraj, Director, Ganapathi Mills, No. 110, Sevalpatti Naidu Street, Rajapalayam.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1072/80 JSRO I, Palayamkottai

Land & Buildings at Dooi Nos 23, 24, 27, 28, 29, 30 & T S No 710/1, Perachi Amman Koil Street, Palayamkottai, Tirunelveli

TESR LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date . 12-1-1981 Seal FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006,

Madras-600006, the 12th January 1981

Ref. No. 114/MAY/80—Whereas, I, T.F.S.R. LAKSHMI, NARASIMHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing T. S. No. 710/1, situated at Perachi Amman Koll Street, Palayamkottai, Tirunelveli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer.

at JSRO I, Palayamkottai, (Doc. No. 1069/80) on May, 1980 for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 Shri S. T. Thectharappa Mudaliar, S/o Shri S. P. Thirumaliappa Mudaliar. Perumal North Mada Street, Tirunelyeli Town.

(Transferor)

(2) Shri K. Venkataşami Naidu, S/o Shri Kondama Naidu, No. 110, Sevalpatti Naidu Street, Rajapalayam,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1069/80 JSRO I, Palayamkottai. Vacant site at T. S. No. 710/1, Well, Electric Motor, Pumpset etc. at Perachi Amman Koil Street, Palayamkottai, Tirunelveli.

T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax,
Acquisition Range-I. Madras-600006.

Date: 12-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006., the 15th January 1981

Ref. No. 96/MAY/80-Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16 & 17 (T.S. No. 32), situated at Trichy Main Road, Kugai, Salem,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO SALEM (Doc. No. 2833/80) on May 80).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- Shri V. N. V. Srinivasa Chettiar.
 Smt, S. Vajjirammal.
 Shri S. Rangaraju,
 Shri S. Ramachandran.
 - - - Srirangapalayam Extension, Gandhi Road, Salem-7.

(Transferor)

(2) Smt. S. Vijayakumari, W/o Shri S. Deivasigamani, Palani Chetty Street, Kugai, Salem-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2833/80 S. R. O. Salem,

Land & Buildings at Door No. 16 & 17 (T. S. No. 32) Trichy Main Road, Kugai, Salem.

> T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 15-1-1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 15th January, 1981

Ref. No. 111/May/80:—Whereas, [T.E.S.R. LAKSHMI, NARASIMHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1, situated at Veeraraghavan Road, Tondiarpet, Madras-81.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO II, Madras North. (Doc. No. 2043/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afoxesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31-466GI/80

 M/s. Wilson & Co. (P) Ltd., by its Chairman Shri K. V. Shetty, 739, Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

The Cuddapah Star Baryties (P) Ltd. by its Managing Director,
 Shri Janab Rahamathullah Sahib, M.P.

 Muker Nallamuthu Street, Madras-J.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2043/80 JSRO 11, Madras North.

Land & Buildings at R. S. No. 4062, Door No. 1, Veeraraghavan Road, Tondiarpet, Madras-81.

T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 15-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MDARAS-600006.

Madias-600006, the 10th January, 1981

Re/. No. 17/MAY/80:—Whereas, 1 T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Plot No. 46 (R. S. No. 146/6 & 8), situated at K. K. Nagar, Madurai-20,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, K. K. Nagar, Tallakulam (Doc. No. 2353/80) on May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri S. Ragavan, Plot No. 46, K. K. Nagar Madurai-20.

(Transferor)

(2) Smt. Prema Sundarapandı,W/o Dr. Sundarapandi,97, Tahsildar Nagar, Madurai-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Document No. 2353/80 S.R.O. K. K. Nagar, Tallakulam, Madurai,

Land & Buildings at Plot No. 46, (R. S. No. 146/6 & 8) K. K. Nagar, Madurai-20.

TE.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 16-1-1981

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006., the 16th January, 1981

Ref. No. 5/MAY/80:-Whereas, 1 T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New Door No. 59 (T. S. No. 1122/1) situated at New Jail Road, Madurai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 919/80) on May 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) 1. J. Ramasami Pllai

 - R. Sridharan.
 J. Palaniswamy.
 - 4. P. Krishnan. 5. J. Dhankoti
 - 6. P. Paramasivam.
 - 59, New Jail Road, Madurat.

(Transferor)

(2) The Madura Hindu Permanent Fund Ltd., 50 & 51, Mela Kobura Theru, Madural-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 919/80 S. R. O. Pudumandapam, Madurai.

Land & Buildings at Old Door No. 267, New Door No. 59, (T. S. No. 1122/1) New Jail Road, Madurai.

> T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN, Competent Authority, (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Madras-60006

Date: 16-1-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri S. Somasundaram, Advocate. No. 179, Vakkil New Street, Madural.

(Transferor)

(2) Smt. R. Susila, W/o Shri S. P. Ramakrishnan, No. 5/227-B, Ayyasamy Chettiat Street, Paramakudi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 16th January, 1981

Ref. No. 32/MAY/80:—Whereds, I T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 179 (T. S. No. 281/1), stiauted at Vakkil New Street, Madurai.

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Art 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO I, Madural (Doc. No. 2491/80) on May 80

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such more for as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2491/80 JSRO I, Madural.

Land & Buildings at Door No. 179 (T. S. N. 281/1), Vakkil New Street, Madurai.

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Mulras-600006

Date: 16-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 16th January, 1981

Ref. No. 33/MAY/80: -Whereas, I T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 179 (T S No 281/1), situated at Vakkil New Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at JSRO I, Madurai (Doc No 2492/80) on May 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S Somasundaram, Advocate, No 179, Vakkil New Street, Madurai

(Transferor)

(2) Sint Smt K Janaki Ammal, W'o Shi t Korakisundaram Chettiai, 5/227-A, Ayyasamy Chettiai Street, Paramakudi

(Transieree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No 2492/80 JSRO I, Madurai

Land & Buildings at Door No 179 (T.S. No 281/1), Vakkil New Street, Madurai

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-60000)

Date : 16-1-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6000006.

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 10834—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R. S. No. 1035 & 1036, situated at Coonoor Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. No. 655/80) on May 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Alicar Shanthakumar, W/o B. Shanthakumar,
 30/3, Desikachari Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

 Mr. Reji John, S/o Shri V. C. John, Viruthipadavil, Kottayam, Kerala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 655/80 S.R.O. Coonnoor. Lands at R.S. No. 1035 & 1036, Coonoor Town.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-1-1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006 Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 15479—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 149/1, 149/2, 149/3, situated at Thadalan Koil Vattam, Seekali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO II, Madras North (Doc. No. 1854/80) on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri N. V. Kayaroganam.
 - 2. Shri A. Ramasamy Chettiar.
 - Shri N. A Narayanasamy Chettiar Nanayakara Theru, Nagapatinam.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Saroja,
 - W/o Shri Samikannu.
 - 2. Smt. Saraswathi,

W/o Shri Muthukrishnan,

No. 18, Panankattankudi Street, Sirkali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Document No. 1854/80 JSRO II, North Madras. Lands in R.S. No. 149/1, 149/2, 149/3, at Thadankovil Vattam, Sirkali.

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-1-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

ROTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMP-TAX, ACQUISITION RANGF-II.

Madras-600 006, the 23rd January 1981

Ref. No. 10815.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T.S. No. 11/1271, Site No. 15, situated at Gandhipuram 2nd Street, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Gandhipuram, Coimbatore (Doc. No. 1748/80) on

May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri R. Lakshmanan,
 73, Tatabad 11th Street,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri K. Nagarajan, No. 400, Nava India Road, K. R. Puram, Coimbatore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Document No. 1748/80 S.R.O. Gandhipuram, Coimbatore. Land & Buildings at T.S. No. 11/1271, Site No. 15, Gandhipuram 2nd Street, Coimbatore.

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 9-1-1981 Seal :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 10793—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 341/5b, situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2684/80) on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32—466 G I/80

P. V. Govindaswamy Naidu,
 G. Jagadeesan, G. Manoharan,
 Praga Button Thottam,
 Nava India Road,
 Coimbatore.

(Transferor)

 Sri Ram Foundry, 4/39A, Avanashi Road, P.N. Palayam, Coimbatore,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be value in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 341/5B, Krishnarayapuram, Colmbatore (Doc. 2664/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-11, Madras-600006.

Date: 17-1-1981

THE GAZETTE OF INDIA, FEBRUARY 21, 1981 (PHALGUNA 2, 1902) [PART III—SEC. 1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 16th January 1981

Ref. No. 10816-Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 305, situated at Ganapathy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 1694/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:--

(1) Selvi Textiles (P) Ltd., 112, Thali Road, Udumalpet.

(Transferor)

(2) C. Rathinam, S/o Chinney Gounder. Ganapathy Coimbatore Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. 305, Ganapathy village Coimbatore (Doc. 1694/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 16-1-1981

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 10800—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/30, Cross Cut Road, situated at Srinivasapuram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3022/80) on May 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as faoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- P. Kalavathy H. Thulasi, 11G, Seit Narayanadas Lay Out Tatabad, Colmbatore.
- (2) V. Lakshmanan, 27, Cross Cut Road, Srinivasapuram,

ram,

(Transferee)

Coimbatore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11/30, Cross Cut Road, Srinivasapuram, Coimbatore. (Doc. 3022/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 23rd January 1981

Ref. No. 15404-Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 102, situated at Velacherry Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 1369/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Grace Kuruvilla Jacob, C.M.C. Staff Quarters, Vellore.

(Transferor)

(2) Shri M. Ashok Kumar, No No. 21, S. S. Lyengar Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1369/80 S.R.O. Saidapet. Land & Buildings at Door No. 102, Velacherry Road, Madras.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Il, Madras-600006.

Date: 23-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Rabeka M. Mani, Rep. by K. C. Jacob, 7, Spur Tauk Road, Madras-31.

(Transfer or

(2) C. Haridas, 12, Lakshmipuram II St., Madras-66.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 23rd January 1981

Ref. No. 15405—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 102, Velacherry Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satisdapet (Doc. 1370/80) on May 1980

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective, persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 102, Velachery Road, Madras. (Doc. 1370/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 23rd January 1981

Ref. No. 15406—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 102, situated at Velacherry Road, Madras,

(and more fully described in the Schedule anneved hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet Doc 1368/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. K. Chakko Kuruvilla, Rep. by K. C. Jacob,
 Spur Tank Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) C. V. Velayudhan, No. 20, II Cross St., Ellaiman Colony, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 102, Velacherry Road, Madras. (Doc. 1368/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 23-1-1981

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 23rd January 1981

Ref. No. 15407—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 102, Velacherry Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 1367/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Sulochana Abraham, Rep. by K. C. Jacob,
 Spur Tank Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) M. Govindan, 18, Ganga Nagar, Puliyur Part III, Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 102, Velacherry Road, Madras-32. (Doc. 1367/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 23-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mario Josephine, 3, Middle Street, Reddiarpalayam, Pondicherry.

(Transferor)

Identity Research Institute Trust,
 Ananda Rangapillai Street,
 Pondioherry.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006. Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 9008—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 85/2, situated at 36, Reddiarpalayam Village, Pondicherry.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukarai, (Doc. No. 574/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 574/80 S.R.O. Ozhukarai. Lands in R.S. No. 85/2, 36, Reddiarpalayam Village, Pondicherry.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-1-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 9008—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

for an apparent consideration

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 85/1, situated at 36, Reddiarpalayam Village, Pondicherry.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukarai. (Doc. No. 626/80) on May 1980

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—466GI/80

(1) Mrs. Suzanne Iroudayamarie, 31, Middle Street, Reddiarpalayam, Pondicherry.

(Transferor)

 Identity Research Institute Trust, 2, Ananda Rangapillai Street, Pondicherry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 626/80 S.R.O. Ozhukarai. Lands at R.S. No. 85/1, 36, Reddiarpalayam Village, Pondicherry.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-1-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Balaswamy Gounder, Subramania Gounder,
 Krishnaswamy Gounder Thippampatti, Pollachi.

(Transferor)

(2) S. Ramajayam, 104, Venkatschalapuram, Udumalai Road, Pollachi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January 1981

Ref. No. 10821—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 279/1, Kottampatti, situated at Pollachi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pollachi (Doc. 1463/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 279/1, Kottampatti, Pollachi. (Doc. 1463/80)

RADHA BALAKRISHNAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 5th January 1981

Ref. No. 15461—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 117/1, situated at Thiruvanmiyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2562/80) on Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Shyamala, 11, Arca Bishop Matheas Avenue, Madras-28.

(Transferor)

 D. R. S. Narayanan, 43, First Avenue, Indira Nagar, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXI ANA I ION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 117/1, Thiruvanmiyur. (Doc. 2562/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 5-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(J) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No 8998—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. 96, Eswaran Koil St, situated at Pondicherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pondicherry (Doc 994/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 V. R. Devanathan (A) Munuswamy Chokkanathan, Kothandapani, Kannan, Arumugham,
 3/52, Ayyangar Koil St, Kuyavarpalayam, Mudaliyarpet Commune, Pondy

(Transferor)

 M. Harikrishna Udayar, 10/39, Market St, Nellithope, Pondy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUIF

Land and building at 96, Fswaran Koil St, Pondicherry (Doc 994/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date · 17-1-1981 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 10819—Whereas, I RADHA BALAKRISHNA N being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 4, Thulasirao St., situated at Tiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Truppur (Doc. 1064/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Pechianna Thevar, 4, Thulasi Rao St., Tiruppur.

(Transferor)

(2) V. Thulaslammal, 8F, Kuppanna Chettiar St., Tiruppur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Thulasi Rao St., Tiruppur. (Doc. 1064/80)

RADHA BALAKRISHNAN, (Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-1-1981

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

MADRAS-600006

Madras, the 14th January, 1981

Ref. No. 10837—Whereas, I, RADHABALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Wild Flower Hall,, situated at Rs. No. 4388, Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ooty (Doc. 808/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tarnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. T. Rajan, Rep. of J. R. Seshadri, 6th Main, 12th Cross, Malleswaram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Kushi Gopaldas Jagtjanı, Stud Farm, Nandhi Hill Road, Karahalli Post Devahalli, Bangalore.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS No. 4388, Wild Flower Hall, Ootacamund.
(Doc. 808/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-1-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 8997—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 56/58, Thiagaraja St., situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 950/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Devaki Ammal,
 R. Jayaraman,
 Mahatma Gandhi Road,
 Pondicherry.

(Transferor)

 Abdulla Sheik Mohammed Alima Bi, 42, Thambu Naicket St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said --- immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Landand building at 56/58, Thiagaraja St., Pondicherry. (Doc. 950/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-1-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras, the 17th January, 1981

Where as, I, RADHABALAKRISHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing

No. TS. No. 493/1 and 487, situated at Pappanaickenpalayam Pudur Bhrathiyar Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore (Doc. 2973/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object

of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Rathinam & R. Mayuranathan, Sambaraya Thottam, Chinnavadampatti, Coimabatore

(Transferor)

(2) Dr. N. Veluswamy, 40, Balaji Nagar, Coimabtore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. 493/1, 487, Bhrathiyar Road, Pudur, Pappanaickenpalayam, Coimbatore. (Doc. 2973/80)

RADHABALAKRISHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madras-6000 06

Date: 17-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600 0006 Madras, the 17th January 1981

Whereas, I, RADHA BALAKRISHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS, 493/1, 487, situated at Bhrathiyar Road, Pudur Pappanaickenpalayam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2974/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

34-466GI/80

(1) P. Natarajan, N. Uthayakumar, Panaimarathottam, Ganapathy, Coimbatore-6.

(Transferor)

(2) Hamsaveni, 40, Balaji Nagar, Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. 493/1, 487, Bharathiyar Road, Pudur, Pappanaickenpalayam, (Doc. 2974/80),

RADHA BALAKRISHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-1-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 10799 --Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beaums

No. 22 372 to 376, situated at Big Bazaar St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3035/80) on May 1980

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. Gnanavel, 378, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) B Ayyadurai, 432, Big Bazaar St., Combatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 22/372 to 376, Big Bazaar St., Colmbatore.

(Doc. 3035/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-1-1981

Jeal:

FORM ITNS----

(1) M. Gnanayel. 378, Big Bazaar St., Combatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC Γ, 1961 (43 OF 1961)

(2) B. Ayvanar Achaer 432, Big Bazaar St., Combatore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 10799—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 and bearing No.

378A, 378B, Big Bazaar St., situated at Combatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3034/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the atoresaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ohter assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 37\$A, 378B, Big Bazaar St., Coimbatore.
(Doc. 3034/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-1ax,
Acquisition Range-II, Madas-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Date: 17-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION AANGE II, MADRAS-600006

Madras, the 10th January, 1981

Ref. No. 15412 -Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 511, Mount Road, situated at Madras-18 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc 767 80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Subramaniam, 511, Mount Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) Ammani Ammal 214, Peters Road, Madtas-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 511, Mount Road, Madras-18, (Doc. 767/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6000006

Date: 10-1-81 Seal:

FORM NO ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-60000006

Madras, the 12th January 1981

Ref. No. 9005 Whereas I. RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sind Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/ and bearing

No 21, 1st Cross St. situated at Pondicherty (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other of the Registering Officer at Pondicherty (Doc 542 80 on May 1980).

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fif teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating th reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Dhanalakshmi,
 Ambalathu Madayyar Madam St.
 Pondecherry

(Transferor)

(2) Hajima Bi, Karmaia St, Koonimedu, Dindivanam, Ik

(transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the afores ad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

LAHIANATION —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at 21, 1st Cross St. Ibattanchavadi, Pondicherry (Doc. 542/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date , 12-1-1981 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGL-11, MADRAS-600006 Madras, the 10th January, 1981

Ref. No. 15414—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21, Sadulah St., Madras-17 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer

at T. Nagar, (Doc. 734/80) on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S.V. Ramadoss, Chandra, 22, Sadullah St., Madras-17.

(Transferor)

(2) K. Vadivelu, 65, Harrington Road, Madras-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot Nol 21, Sadullah St., Madras-17. (Doc. 734/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 10-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 20th January, 1981

Ref. No. 10813—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. Nos. 1/1 etc. situated at O' Valley Village Ootacamund (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SRO Gudalur, (Doc. No. 751/80) on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be lieve that the fear market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri L. M. Nagaraj, Royal Valley Estate, Naduvattam, Nilgris.

Ootacamund.

(Transferor)

- 1. K. Sanchiah & Primrose Cottage, Woodcock Road, Ootacamund.
 - 2. Mrs. Devirammal. -do-3. S. Neelakantan. -do-4. S. Mohan, -do-
 - 5. S. Sivaraj. -do-6. R. Bałakrishnan Deizy Bank Lane, Alms House Road.
 - R. Govindaraj, Ranga Nilayam, Alma House Road, Ootacamund.

8. Mrs. G. Saraswathi. -do-9. R. Chickaraj. -do-10. Minor G. Ramesh -do-11. Minor C. Ananthakrishnan -do-12. Minor C. Ramakrishnan -do-13. Minor C. Venugopal. -do-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 751/80 S.R.O, Gudalur. Estate Lands 45.91 acres with buildings etc. in R.S. Nos. 1/1, 1/2, 1/3, 1/4, 1/5, 1/6, 1/7, 1/8, and 46/B1/A1/A2 of O' Valley Village Ootacamund.

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 20-1-81

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 20th January, 1981

Ref. No. 10841—Whereas, I, RADHA BAI AKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair murket value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Kannamanickanur situated at Udumalpet, Tirupur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udumalpet (Doc. 1104/80) on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 R. Venkatiaman, R. Varadarajan, R. Srinivasan, R. Govindarajan, R. Rajagopalan,
 30, Ellamuthur Road, Udumalpet,

(Transferors)

 R. Shantha, Ravinchandran, Vasanthakumai, C/o Ragupathi Naidu, Vaiampalayam, Coimbatore

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Land at S. No 915 and 916, Kannama Naíckanur Udumalpet (Doc. 1104/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 20-1-1981

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THF INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 17th January, 1981

Ref. No. 15415—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Prakasam Road, situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. 733/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concaelmen of tany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 35—466GI/80

 Gulabben Vadilal Mehtani & others Aahar Mahal Flat No. 2,
 Walkeshwar Road, Bombay-400006.

(Transferor)

Sevantilal Jivanlal Parckh,
 Marin Drive,
 Bombay-400020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3, Prakasam Road, T. Nagar, Madras-17

(Doc. 733/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 17-1-1981

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 17th January, 1981

Ref. No. 15395—RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

9, Kasturi Ranga Iyerngar situated at Road, Madras-600018 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Madras South (Doc. 877/80) on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Manjula Vijay kumari,
 R. Vijayalkumar,
 Kasturi Ranga Iyengar Road,
 Madras-18

(Transferor)

A. Habeebur Rahmman,
 T. Ummahani Begum,
 Santhapet, Gudiyatham,
 North Arcot Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 9, Kasturi Ranga Iyengar, Road, Madras-600018, (Doc. 877/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rance-II, Madras

Date: 17-1-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 22nd January, 1981

Ref. No. 15388—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 11 (R.S. No. 4287/3 & situated at 4288/7, South Beach Road, Madras-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SRO Mylapore. Madras (Doc. No. 970/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tainsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Shri C. Suresh Kumar Reddy, Micafab, Fabricators & Exporters of Mica Insulators, Gudur, Pin-Code-524102.

(Transferor)

(2) Shri N. K. Mamooty, 21, Lazarus Church Road, Madras-28.

(Iransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 970/80 S.R.O. Mylapore, Madras. Land & Buildings at Plot No. 11, R.S. No. 4287/3 & 4288/7, South Beach Road, Madras-28.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 15386—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 24 (RS 1607), situated at CIT Colony, Mylapore, Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1002/80) on May 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Rajalakshmi, 77, Lloyds Road, Madras-600014.

(Transferor)

(2) A. Rajeswari, 152, Usman Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 24, RS No. 1607 C.l.T. Colony, Madras-4. (Doc. 1002/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-1-1981

NOTICI UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOML-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) R Jayalakshmi, Siddayankottai, Dindigul Tk

(Transferor)

(2) M M Belli, S/o M Malle Gowder, Chettipalayam, Coimbatore Tk

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref No 10812 - Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN beins, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 's iid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Gudalur, Combatore, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gudalur (Doc 979/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at Gudalur Village, Coimbatore (Doc 979/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 20-1-1981 Seal

FORM ITNS ---

(1) P. Subramanian, Punthottam, Tanjore Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Philip Alexander, Palampadom, Kottayam, Kerala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006 Madras-600006, the 20th January, 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

Ref. No. 15378—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

2, II St, Gill Nagar, situated at Choolaimedu, Madias (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 2253/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Act, 1957 (27 of 1957);

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax THE SCHEDULE

Land and building at 2, Il St, Gill Nagar, Choolaimedu. Madras (Doc 2253/80)

> RADHA BALAKRISHNAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date 20-1-1981 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006.

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 9006—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 36, Reddiarpalayam, situated at Pondicherry (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 515/80) on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Saravane Tyagraj,
Sarvane Djea Kumar,
Saravane Satya Kumar,
Mme. Saravane Nittya,
Mme. Saravane Suzanne,
Saravane Anand,
Mme. Saravane Regina,
2/61, Rue Saint Antoine,
Reddiarpalayam,
Pondicherry-605010,

(Transferors)

(2) Madame Yvonne Marie Artaud, Identity Research Institute Trust No. 2, Ranga Pillai St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 36, Reddiarpalayam, Pondleherry. (Doc. 515/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January 1981

Ref. No. 10804—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. 9/287, Ramnagar, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2897/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) N. S. Ramamurthy, S/o. N. R. Swamynatha Iyer, 64, Sathiamurthy Road, Ramnagar, Coimbatore.

(Transferor)

 M. Sundaram, S/o. N. Muthuswamy,
 Municipal Office Road, Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 9/287, Ramnagar, Coimbatore.
(Doc. 2897/80)

RADMA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITON RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 8994—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5, North Madavilagam St., situated at Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (in the Office of the Registering Officer at Karur (Doc. 814/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-

ing persons namely :-- 3 6-466GI|80

 K. Ramaswamy Chettiar, Sudarsan, Balakrishnan, S/o K. Ramachaswamy Chettiar Bazaar, Salem.

(Transferor)

Subramani,
 Deiva Sonapathy,
 S/o V. P. Kuppuswamy Gounder,
 Adi Krishnapuram,
 Karur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 5, North Madavilagam St., Karur.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tux,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-1-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF '1HE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No 10797—Whereas, I RADHA BALAKRISHNA N being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

No. 17/122, 123, 357 to 363, 363A, situated at Variety Hall Road, Combatore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2576/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sauld Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Muniappan, Narayanaswamy Naidu, & others, Kalikkanaickenpalayam, Combatore Tk.

(Transferor)

S. Mohammed Nooruddin,
 S. Abdul Gafoor,
 14F, Ansari St.,
 Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17/122, 123, 357 to 363, 363A, Varlety Hall Road, Coimbatore.

(Doc. 2576/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-1-1981

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th December, 1981

Ref. No. RAC No. 378/80-81--Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing

No. Plot No. 7/1 situated at Kachiguda, Hyderabad (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Miss Jaya Shree Priya Darshini, M/o Mrs. Viola Harry, 23-6-850/9 Bela, Hyderabad.

(Transferoi)

(2) Mrs. Raj Gupta, W/o Nand Kishore Gupta, R/o 35/4 RT L.I.G.H. Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 7/1 Rahmat Bagh, Kachiguda, Hyderabad Extent 505 5 sq. yards registered with Sub Registrar Hyderabad vide Document No. 5005/May 80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-12-1980

FORM I I'N S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th December 1980

Ref. No. RAC No 379/80-81—Whereas, I, S GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/and bearing

No. Shop 6 Sagarview situated at Domalguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Kumarı Sıtal Devi (Minor)
 Through her father Sri J Shankarlal Agarwal, 15-1-53 Osmanguni, Hyderabad

(Transferor)

(2) Master Wand Ahmed Khan (Minor), Through Father Ashfaq Ahmed Khan, R/o 12-2-458/16, Mehdipatnam, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 6 (Rear Cellar) Sagarview No 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad area 35 86 sq mts registered vide Document No 4836/80 with Sub-Registrar Hyderabad

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 17-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HF INCOME-FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER
OF THE OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th December 1980

Ref. No. RAC 380/80-81—Whereas, I, S GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-ind bearing

Shop No 10 situated at Sagarview Domalguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the tradicree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

 Kumarı Sheetal Devi, Minor by guardian Sri J. Shankarlal Agarwal, 15-1-53, Osmangunj, Hyderabad.

(liansfeior)

(2) Smt Nathi Bai Soni, 14-2-332/11, Gyanbagh, Hyderabad

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No R C 10 at Sagarview M No 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad area 349 5 sq ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No 4822/80

S GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 17-12-1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 18th December, 1980

Ref. No. RAC No. 381/80-81-Whereas, I, S. GOVINDA RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3-6-200 situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1) Sri Kundur Venkata Rama Rao

 - S/o Late K. Lakshmi Narsimha Rao
 (2) Smt. Kundur Venkata Krishna Kumari
 W/o K. Venkata Rama Rao
 (3) Sri Kundur Lakshmi Narsimha Reddy,
 S/o K. Venkata Rama Rao.
 - Kundur Venkata Ramesh Reddy, S/o K. Venkata Rama Rao, 3-6-200 Himayat Nagar, Hydorabad-29.

(Transferors)

(2) M/s Saradaw Construction Private Ltd., 3-6-200 Himayathnagr, Hyderabad-29 Represented by Managing Director Sri Siddharth P. Hindocha S/o Paroobhai Devjibhai Hindoch R/o 11, Nehrunagar, Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given 1 that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 645 sq. yards (539-22 sq. mts) apertanent to building M. No 3-6-200 Himayathnagar, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4089/80.

> S GOVINDARAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 18-12-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1980

Ref. No. RAC No. 382/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-2-216 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Punnaswamy Ramalingam, S/o K. R. M. Punnaswamy Pillai & others, R/o 5-9-828 Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri P. L. K. Murthy, S/o P. Venkatarathnam Siddanthi & others, 1-2-8/7 Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 396 sq. yards in M. No. 1-2-216 Domalguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 4847/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 31-12-80

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hydorabad, the 31st December 1980

Ref No. RAC No. 383/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2-2-1144/11/6 situated at Nallgunta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Pritam Ram alias Umakantam, H. No. 2-2-1144/11/6, Now Nallagunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Narsing Rao, S/o Late P. Kuppuswamy, New Nallagunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-2-1144/11/6 New Nallagunta, Hyderabad area 307 sq. yards registered vide Document No. 4825/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 31-12-80

FORM: ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1980

Rof. No. RAC No. 384/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. open plot situated at Gaganmahal, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:—
37—466GI/80

 Srace G. Mahalakshmamma, W/o Late Lakshminarayana, 1-2-593/15 Gaganmahal colony, Domalguda, Hydexabad.

(Transferor)

- (2) (1) Sri T. V. Dev Dutt, R/o 3-3-891, Qutbiguda, Kachiguda, Hyderabad.
 - (2) Sri P. R. Suharlatha, Quarter No. C 8, Govt. colony, Patigadda, Secunderabad.
 - (3) A. Anasuya, 3-6-190/3, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 31 in Survey No. 183 Gaganmahal, Ashoknagar, Hydorabad area 816 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No 2314/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 31-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December, 1980

Ref. No. RAC No. 385/80-81—Whereas I. S. GOVINDA RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

No. 4-1-414 situated at Troopbazar, Hyderabad (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1980 Hyderabad on May

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sm . Icharakbai. W/o Motilal. 581 Bolaram Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sm. Sabitha Devi, W/o T. Duleep Singh, Cheemalkunda village, Bhongir Taluk, Nalgonda District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-1-414 opposite Sagar Talkies, roopbazar Hyderabad registered with Sub Registrar Hyderabad vide Document No. 4171/80.

S. GOVINDARAJAN,

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the 7. Smt. Birda Kapoor W/o Shri Sardari Lal Kapoor 7, New View Nagar, Jullundur.

Dated: 31-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1st January, 1981

Rcf. No. RAC No. 386/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-8-623 & 625 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to blieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri V. Madhusudhan Rao, S/o V. Venkaiah Purana Haveli, Hyderabad. Master S. Sivakumar, S/o Samudrala Chandraiah (Minor by Guardian Father) Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

(1) Nazeer Ali,
 S/o Sadruddin Khajani,
 R/o Aghapura,
 Hyderabad.

(2) Mohanlal, S/o Magulal Lakhani, Nizamabad.

(3) Gulam Ali,

S/o Maganial Lakhani, Nizamabad.

(4) Umed Ali, S/o Maganlal Lakhani, Nizamabad.

(5) Badruddin, S/o Maganlal Lakhani, Nizamabad.

(6) Pyar Ali, S/o Khanji Bai, Nizamabad.

(7) Gulzar, W/o Basrat Alı Khorani, Karimabad Housing colony, Chirag Alı Lane, Hyderabad.

(8) Parveen, W/o Anwar Hussain Khorani, Karimabad Housing colony, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property premisis No. 5-8-623 & 625 Abid Road, Hyderabad on land admeasuring 562 sq. yards or 464.67 sq. Mts registered with Sub Registrar Hyderabad vide Document No. 4677/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.
Dated: 1-1,1981

FORM TENS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No. RAC No. 387/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-9-171/1 situated at Chapal Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said 'Act, in respect of any income arising from 'the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said *Act, 'I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by "the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mohd. Sajid Ahmed, S/o Late Mohd. Sulaiman, 3-5-784/2/2 King Kothi, Hyderabad

(Transferor)

(2) Mohd. Tiluwat Ahmed, S/o Mohd Sulaiman, 3-5-784/2/2, King Kothi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, Whithever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as fare defined in Chapter MXA of the said Act, shall the same meaning has regiven in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Heuse No. 5-9-171/1 Chapal-Road, Hydersbad area 300 11 yards registered with Sub-Registrar Hydersbad vide Document No 2330/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 1-1-1981

PORM TINE

(1) Smt. P. Kamala Devi, P & T Colony, Hyderabad-28.

(Transferor)

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF

'TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

(2) M/s Surwell Co-operative Housing Society, P & T Colony, Hyderabad-500028.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF THE COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, 'HYD ERABAD

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No. RAC 388/80-81-Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section ^269B of the "income tax 'Act, 1961" (43 of 1961) (hereinafter 'terefred' to as the 'said 'Act'), have reason to believe 'that the immovable property, having a fair 'market value exceeding 'Rs. 25,000/- 'and 'béaring

No. Openland situated at Yousufgida, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

- for an apparent consideration which is dess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Bazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- "(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

*Open land 20 3/4 gantas or 2510 75 sq. yards in Survey No. 129 Volksufguda; 'Hyderabad registered with Sub-Registrar 'Hyderabad vide Bocament No. 4586/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date4: 1-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No. RAC 389/80-81--Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-10-74/71 situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Volamati Radha Rukmini Sowbhagyavathi, W/o Sri Volamati Ramesh Chandra Chowdary, R/o Balusupadu village, Jaggayyapeta Taluk, Krishna Dt. Andhra Pradesh.
 - G. P. A. Velamati Rameshchandra Chowdary, S/o Padmanabham now residing at 8-3-898/16/2 Nagarjuna Nagar Colony, Hyderabad.

(Transferors)

2. (1) Monica R. Shah,

D/o Sri Ramesh D. Shah

(2) Ketan R. Shah,
S/o Sri Ramesh D. Shah,
Represented by Father
3-5-1093/20 Sri Venkateswara Colony,
Narayanguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with portion of building (Three stories) admeasuring 917 sq. yds or 766 ·7 sq. mts bearing M. No. 1-10-74/71 (portion) at Begumpet Secunderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4527/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 1-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No. RAC No. 390/80-81-Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-2-186/18/2B situated at Bagh Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Mayani Devalah, S/o Sri Agaiah, 22-1-242 inside Chadarghat, Hyderabad.

(Transferor)

2. (1) Mamillapalli Sri Sai Siva Ramakrishna

(2)

M. Ravi, M. V. Vinaikumar all minors by Guardian father M. V. Raghavulu Naidu, 3-6-584/2 Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2-2-186/18/2B Bagh Amberpet Hyderabad area 249 sq. yards or 208.16 sq. mats registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4379/80.

> S. GOVINDARAJAN, (Competent Authority), Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 1-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43. OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No RAC No. 391/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

I-4-522/1 situated at Bholakpur, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as, aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment, of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- 1. (1) Mohd. Ytsuf, S/o Mohd. Eshaq, 1-4-522/1, Bholakpur, Hyderabad.
 - (2) Smt. Sahnaz Begum, W/o Aziz Ahnned, R/o Khaderpet,
 - (3) Smt. Saheemunisa Begum, Wyo Mohd, Machin. 1-4-522/1, Bholakpur, Hyderabad.

(Transferor)

 Mohd, Osman S/o Mohd., Eshaq, 1-4-522/1, Bholakpur, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid, persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within, 45, days, from the date, of, the Publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an area defined dinit Chapter XXAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-4-522/1 Bholakpun Hyderabad area 975 sq. yards or 824-10 sq. mts registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4321/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 1-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri Humayun Ahmed Khan, 1. (1)

Mrs. Alehtar Begum, Ahmed Abdullah, R/o H. No. 11-4-634/1, A. C. Guards Hyderabad

(Transferor)

 Mrs. Rafiq Fathima, 18-8-226/19/B, Prasanthnagar Hyderabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ra. No. RAC No. 392/80-81---Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-1-4 situated at Begumpet. Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--38-466GT/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 7-1-4 Begumpet Hyderabad area 300 sq. yards registered with Sub-Registrar Hydorabad vide Document No. 896/80

> S. GOVINDARAJAN, (Compotent Authority) Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 1-1-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd January, 1981

No. RAC No 393/80-81 Whereas IS GOVINDA-Re RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 5-7 226, 227 situated at Aghapura, Hyderabad

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- 1 (1) Smt Khurunnisa Begum, W/o Late Syed Ahmed,
 - (2) Syed Taimur Ahmed S/o Late Syed Ahmed,
 - (3) Syed Meraj Ahmed, S/o Syed Ahmed
 - (4) Syod Atia Sayeed, W/o Late Syed Ahmed,
 - Smt Bilguis Sayced. S'o Late Syed Ahmed
 - (6) Smt Atia Sayeod, W/o Late Syel Ahmed,
 - (7) Smt Saheon Sayeed,

 - (8) Smt Shakila Sayeed,
 W/o Late Syed Ahmed
 (8) Smt Shakila Sayeed,
 W/o Late Syed Ahmed,
 (9) Smt Nasreen Sayeed,
 - W/o Late Syed Ahmed, (10) Smt. Mustbeen Sayeed W/o Late Syed Ahmed, 5-7-226 Aghaputa, Hyderabad

(Transferor)

- Sin Billis Siveed, W/o Syed Dilwir Shih, 1) Sn 5-7-227, \gh\pura, Hyderabid

- (2) Sri Syed Haroom Shah,
 (3) Syed Farooq,
 (4) Syed Zahir Shah,
 (5) Bushra Syedi (Minor Gunidian Methei Shit Bilquis Sayeed, W/o Sycod Dilwai Shah 5-7-227, Aghapura, Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

First floor 5-7-226 & 5-7-227 Aghapura Hyderabad area 178 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Occument No. 4855/80.

> S. GOVINDARAJAN, (Competent Authority) Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,

Acquisition Range, Hyderabad,

Date : 3-1-1981

Scal

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMITAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd January, 1981

Ref. No. RAC No. 394/80-81—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Computent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10-2-317/51 situated at Vijayanagai colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) Iacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (J) Smt. Azizunnisa Begum W/o Risald r Majoi Mohd Hafizuddin, 10-2-317/51, Vijayanagar colony, Hyderabad.
 - (2) Assaraul Hafiz, S/o Risaldai Major Mohd. Halizuddin
 - (3) Anwar Alhafız, S/o Risaldar Major Mohd, Hafizuddin.
 - (4) Smt. Durdana, D/o Risaldai Majoi Mohd Hafizuddin
 - (5) Smt. Azız Sultana, D/o Risaldar Majoi Mohd Halizuddin
 - (6) Smt Faizana,
 - (7) Smt. Nafiza,
 - (8) Smt. Nasira all D/o Major Hafizuddin.

All residing at 10-2-317/51, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Mohd. Wasiuddin, S/o Mohd. Abdul Aleom, 11-1-267, Agapura.

Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI INITION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-2-317/51 Vijayanagar Colony Hvderabad. Area 400 sq. yards or 334 40 sq. mts registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4378/80

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date 3-1-1981

FORM NO. ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th January, 1981

Ref. No. RAC 395/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-t: x Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agl land situated at Malkaighri, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- 1. (1) Sri P. V. L. Thommaraju,
 - (2) Subba Raiu.
 - (3) Ramakrishna Raju,
 - (4) Ramachandra Raju,
 - (5) Jaikumar,

H. No. 1/191, Lingojiguda, Secunderabad,

(Transferor)

2. M/s The Modern Co-operative House Building Society

4-1-624, Troop Bazar, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THI: SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 303/1 extent 1 acre 25 guntas at Malkajgiri Secunderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad east vide Document No. 5223/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC 395/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-1-621/371 situated at Sanjeevareddy Nagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Khairatabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri B. Radha Rao, House No. 55, Sundar Nagar, Erragadda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. L. Bhavani, 7-1-621/371, Sanjeevareddy Nagar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expression uesd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 7-1-621/371 Sanjeevareddy Nagar Colony Hyderabad area 270 sq. yards registered with Sub-Registrar Khairatabad Vide Document No. 923/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-1-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC 397/80-81 – Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000 and bearing No. 8-2-684 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 on 1908) in the office of the Registering Officer.

at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mir Mohd Ali S/o Mir Afzal Alı, 8-2-684, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mohd Waheed Farooqui, S/o Mohd Majeed Farooqui, H. No. 233/2 Rt, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 in H. No. 8-2-684 Road No. 12 Banjara Hills Hyderabad area 1000 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4812/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1981

Ref. No. RAC No. 398/80-81--Whereas, I. S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair matket value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

16-2-386/D/3/1 situated at Gaddiannaram, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Aneesunnisa Begum, W/o Mirza Kazim Hussam Baig, 22-2-768, Noorkhan Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

 Ahmed Mohiuddin, S/o Nizamuddin, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hite service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 16-2-836/D/3/1 A.P. Government Officials co-operative Housing Society Gaddiannaram, Hyderabad A.P. area 117 sq. yards, registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 3462/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Autority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th January 1981

Ref. No. RAC No. 399/80-81,—Whereas, f, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 16-2-836/D/3/1 situated at Gaddiannaram, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Ancesunnisa Begum, W/o Mirza Kazim Hussain Baig, 22-2-768, Noorkhan Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Ahmed Mohuddin, S/o Nizamuddin, Red Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 16-2-836/D/3/1 A.P. Govt. Officials cooperative Housing Society Ltd. Gaddiannaram, Hyderabad area 216.3 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 3250/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th January, 1981

Ref. No. RAC 400/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land Sy. No. 263 situated at Village Chilkoor, R.R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Srl Sultanuddin Babu Khan, S/o Late A. K. Babukhan, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.
 G. P. A. Sri Ghiasuddin Babukhan, S/o Late A. K. Babukhan, 6-3-1111, Begumpet, Hyderabad.
 - (2) Sri Ghiasuddin Babukhan, S/o Late A. K. Babukhan, 6-3-1111, Begumpet, Hyderabad.
 - (3) M/s Mogul Farms,
 5-9-58/1-15, Babukhan Estate,
 Bashir Bagh,
 Hyderabad.
 Partner Sri Ghiasuddin Babukhan,
 S/o Late A. K. Babukhan.

(Transferors)

 M/s Decent Poultry Farm, Chilkoor village, Vikarabad-Bijapur Road, Hyderabad west, Hyderabad. represented by Sri Omer S/o Ahmed, 21-1-1083 Madina Building Pathergatty, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be, made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 10 acres and 20 guntas or 4.2 hectares situated at village chilkoor Hyderabad west taluk, Vikarabad-Bijapur Road Survey No. 263 Rangareddy District with Poultry shed numbering 7 and other structures registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 5083/80.

S. GOVINDARAJAN,

(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 13-1-1981

FORM ITNS ...

NOTICE UNDI-R SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th January 1981

Ref. No. RAC No. 401/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agl. land Sy. No. 260 situated at Hayathnagar R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, there re, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mob amed Abdul Malik Akbar, S/o Lt. Col Mohammed Abdus Sattar, Kamal Manzil, 3-6-290 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

- (1) Sri K. Kannaiah Yadav, S/o K. Babaiah Yadav, 16-10-161 Malakpet, Hyderabad.
 - (2) Sri S. Biksha Pathi, S/o Kishtiah, R/o Gurramguda,
 - (3) Sri D. Yadaiah, S/o Rajlingam, 1-4 L. B. Nagar, Hyderabad.
 - (4) R. Srrenivasulu, S/o R. Narsimlu, 16-11-309 Moosarambagh, Hyderabad-36.
 - (5) M. Janardhan Reddy, S/o M. Yella Reddy, 16-J1-363 Moosarambagh, Hyderabad-36.
 - (6) Syed Ali Asgar,
 S/o Syed Mahboob Ali,
 Malakpet,
 Hyderabad.
 - (7) A. Laxminarasimha Reddy, S/o Late Sarva Reddy, Old Malakpet, Hyderabad.
 - (8) M. Vinodh, S/o Sri Papaiah, 16-11-161/3 Malakpet, Hyderabad,
 - (9) S. Narayana, S/o Kistaiah, R/o Gurrmguda.
 - (10) B. Advaish, S/o Yenkaiah, R/o Nagole,
 - (11) M. Ramchender, S/o Rajalingam, Moosarambagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land about 5 acres 10 guntas or 2.10 Hectares in Survey No. 260 at Hayathnagar Grampanchayat, Taluk Hayathnagar, R. R. District registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 4655/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 13-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th January 1981

Ref. No. RAC No. 402/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agl. Sy 172/2 situated at Kothapet village, R. R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bader Banu, 702, Mogal Apartments, Deccan Towers Bashcerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Hanuman Prasad, Begumbazar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 38 guntas 120 sq. yards or 4719 sq. yards in Survey No. 172/2 Kothapet village, Rangareddy District registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4440/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-1-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th January, 1981

Ref. No. R.A.C. No. 403/80-81—Whereas, 1 S. GOVJNDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₃, 25,000/- and bearing

No. 9/470, A, B, C, D situated at Mydakur Road Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Haji Syed Khader Saheb, S/o Sri Kotagadda Syed Saheb, 9/469 Mydakur Road, Proddatur.

(Transferor)

(2) Sri Kotagadda Mhaboob Basha, Adopted son of Haji Syed Khader Saheb, 9/469 Mydukur Road, Proddatur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinima Theatre bearing No 9/470 and 4 stalls No. 9/470A, 9/470B, 9/470C and 9/470D at Mydakur Road, Praddatur registered with Sub-Registrar Proddatur vide Document No. 1638/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-1-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 8th January, 1981

Ref. No. RAC. No. 1097—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Vacant Site situated at Srinagar, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on May, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—

 Smt. Damera Venkata Lalita Devi, W/o Venkata Range Rayanam, Srinagar, Kakinada.

(Transferor)

(2) Smt. Chodey Sita Laxmi, W/o V. S. Chinna Rao, Srinagar, Kakinada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The Property was registered by the SRO, Kakinada during the month of May, 1980 vide document no. 3203/80.

S. GOVINDARAJAN.

(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Palla Kanaka Durga W/o Anandam, Bhavaninagar, Tirupathi.

(Transferor)

Smt. Vadapally Rama Seethamma,
 W/o Venkata Rama Raju, Baskarnagar Colony,
 Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC. No. 1098/ Kakinada Squad-Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Vacant Site situated at SBI Colony, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kakinada on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered by the SRO, Kakinada during the month of May, 1980 vide document no. 3421/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-1-1981

(1) Mother Marle Luce, Kakinada

(Transferor)

 Sri K. Satya Bhagavan, S/o Venkanna, Kakinada.

may be made in writing to the undersigned-

(Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC. No. 1099/Kakinada Squad.—Whereas, 1 S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 46-13-1 situated at Jaganaicpur Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kakinada on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property as registered by the SRO, Kakinada during the month of May, 1980 document no. 3408/80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC. No. 1100/Kakinada Squad,-Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant Site situated at T.S. No. 71, T.P. No. 6/71, Asilimetta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri Rambir Singh Varma, S/o Ramdas Varma, 7-1-43B, Visakhapatnam.

(2) 1. Sri P. Anand Reddy, S/o Baskara Reddy and 2. Smt. P. Vidya Reddy, W/o Ananda Reddy, 2-12-3, Venkatnagar, Kakinada.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property was registered by the SRO, Visakhapatnam during the month of May, 1980 vide document no. 2800/80.

> S GOVINDARAJAN Competent Authority Commissioner of Income-tax, Inspecting Assistant Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-1-9181

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC. No. 1101/Kakınada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant Site situated at TS. No. 1730/2, Krishnagar (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have 10, son to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent an identition and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in and instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40-466GI/80

 Sri Dupaguntla Purushottamdas Gupta,
 Sri Dupaguntla Chittarajandas Gupta, Ring Road, Guntur.

(Transferor)

(2) Sir Maddali Sita Ramanjaneyulu, 6/13, Brodipeta, Guntur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered by the S. R. O, Guntur during the month of May, 1980 vide document no. 3587/80.

S. GOVINDARAJAN
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-1-1981

 Sri Pasumarthi Venkata Kotaiah, S/o Gopalah, Chilakaluripeta.

(Transferor)

(2) Sri Jampana Baskara Rao, S/o Sankara Lingam, Chilakaluripeta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1581

Ref. No. RAC. No. 1102/Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beareing

No. Door No. 32-73 situated at Asstt. No. 9662 Cinema Hall, Chilakaluripeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chilakaluripeta on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered by the SRO, Chilakaluripeta during the month of May, 1980 vide document no. 472/80.

S. GOVINDAR AJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th January 1981

Ref. No. III-460/Acq/80-81—Whoreas, J. H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 6, Type B of the colony developed by the Patna Improvement Trust Ward No. 37 Thana no. 7 situated at Mohalla Srikrishnapuri, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna. on 4-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Syed Aziz Mustafa S/o Late Syed Md. Newas resident of Village Kazi Walichak P.O. Bhagalpur City, P.S. Kotwali Dist. Bhagalpur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Bijoy Kumar Sinha and (ii) Shri Biplav Kumar Sinha Both sons of Shri Shambhoo Nath, resident of Village Tajpur, P.S. Maner, P.O. Kamla Gupalpur, Dist. Patna.

(Transferee)

(2) Transferees as mentioned above.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half of the building partly constructed and partly under construction on a piece of land measuring 692.44 sq. yards (Six hundred ninety two and point forty four square yards) equal to 4 Kathas, 11 Dhoor 11.25 dhurkies with vacant land situated at Mohalla Srikrishnapuri, Thana No. 7 Revenue Police station Phulwari, Now Kotwali, Dist. Patna being plot No. 6 type 'B' of the colony developed by the then, Patna Improvement Trust, Ward No. 34, within the limits of Patna Municipal Corporation, and within the jurisdiction of sub-Registrar and District Registrar of Patna, measuring 72' (Seventy two feet) on the North and south, and 89' (Eighty nine feet) on the East and 85' 6" (Eighty five and six inches) on the west together with all interest, right and title for the unexpired period of lease in half the portion of the land' just described. Property in question has been more fully described in deed no. 3173 dated 4-5-80 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commi sioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 9-1-1981

FORM I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 20th January 1981

Ref. No. III-461/Acq/80-81—Whereas, I H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing Tauji No. 5225/14844 Khata No. 77 Plot No. 231 & 232, Ward No. 34 situated at Mohalla Dujra, Patna Town, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 10-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Shambhoo Pd. Singh 5/o Late Sri Mathura Pd. Singh,
 Resident of Village Bahapur, P.S. Bakhtiarpur,
 District, Patna.
- (2) Sri Sanjay Kumar Roy, S/o Sri Brahm Deo Roy, Nala Road, Patna.

(Transferee)

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas situated at Mohalla Dujra, Patna bearing Tauji No. 5225/14844, Khata No. 77, Survey Plot No. 231 & 232 Ward No. 34, more fully described in deed No. 3370 registered with D.S.R. Patna.

H NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date: 20-1-1981

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-

Bangalore-560 001, the 10th November, 1980

Ref. Notice No. 297/80-81 Whereas, I R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 147/118, situated at Ward Angod of Mapusa Sub-District Bardez, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Mapusa under document

No. 522 on 21-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

- (1) (1) Mrs. Rosa Floranda Vaz W/o Pedro Vicente Vaz, Mapusa
 - Mr. Siprosa da Costa (nee Vaz) D/o Pedro Vicente Vaz, London,
 - (3) Mr. Amyot Joseph Theotonio da Costa S/o Gabrielda Costa, London
 (4) Mr. Valentino Pedro Joaquim Vaz s/o Pedro Vicents

 - Vaz, Mapusa Mrs. Delia Vaz (nee Lurtado) D/o Graciano Furtado. Mapusa
 - Mr. Hilary Thomas Vaz, S/o Pedro Vicente Vaz, Mapusa
 - (7) Mrs. Julieta Ernastina Vaz (nec Costa) D/o Lourenco
 - da costa, Mapusa.

 (8) Mr. Lawrence Vaz, S/o Pedro Vicente, Mapusa.

 Sl. No. 1, 2 & 3 are represented by their ttorney the said vendor No. 4 Mr. Velentino Pedro Joaquim Vaz, Mapusa
 - (Transferor) (2) Shri Suryakant Saunlaram Belecar, Businessman, R/o Moira, Tal: Bardez, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION :-The terms and expressions 1186**d** herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 522

Inspecting Assistant

Dated 21-5-1980

Land and building known as "Casas de Morada" bearing S. No 147/118 situated at Ward Angod of Mapusa, Sub-district Bardez, Distrinct Goa.

R. THOTHATHRI

Competent Authority Commissioner of Income-tux, Acquisition Range, Bungalore

Date 10-11-1980

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE!

Bingilore-560001, the 10th November 1980

Ref. No. 298/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 10, Matriz No. 217 situated at Ucessaim, Sub-distit: Bardez, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mapusa under document number 539 on 31-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Migual Jose Caridado Correja.

(2) Smt. Maria Correia,

(3) Shri Jame Jose Correia.

R/o Ucassaim, Tal: Bardez, Goa,

(Transferor)

(2) Shri Ankush Rajaram Naik, R/o. Santa Ines, Panaji, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 539

Dated 31-5-1980)

Land measuring 500 Sqm. and building thereon betaing survey No. 10, Matriz No. 217 situated at Ucassaim, Subdistt: Bardez, Dist: Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th December 1980

Ref. No. 302/80-81—Whereas, I R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Municipal Asst. No. 983 and 984 situated at T.M. Road, Narasimharajapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer t

at Narasimharajapina under documents 37 on 8-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of truncles with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri H. Bhujabala Shetty,
 S/o. Jwalanath Shetty, Bastimath, Agrahara,
 Narasimharajapura,
 (Transferor)

D. D. Dashrana Cla Davila Padhuas areas

(2) Shri P. P. Pathrose, S/o Paulo Padhusserry, RM Road, (RCC Church) Narasimharajapura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 37 Dated 8-5-1980)

Land and building bearing Municipal Assessment number 983 and 984 situated in T.M. Road, Narasımharaya Lurd, Distt: Chikmagalur.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-12-1980

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

BANGALORE-560001, the 9th December 1980

Ref. C.R. No. 62/27082/80-81/Acq/B. Whereas, I R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 191/42, (old No. 192) situated at 10th cross, Wilson garden, Bangalore-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 1099/80-81 on 30-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri (1) Kyasappa, (2) K. Kayaram, (3) Krishnappa, Residents of Audugodi, Hosur Main Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. Jayappa, No. 292/22, 12th cross, wilson garden, Bangalore—27

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1099/80-81 Dated 30-5-1980)
House property bearing No. 191/42 (Old no. 192) situated at 10th cross Wilson Garden, Bangalore-27.
Measuring 80' × 50'

Bounded on :

North by: Private property
South by: Private property
East by: Private property

West by : 10th cross, Wilson Garden.

R. THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 5th December 1980

Ref. No. CR. 62/27210/80-81/Acq. B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 86 situated at Gandhibazar Road, Basavangudi, Banga lore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

f at Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 402/80-81 on 5-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

41-466GI/80

(1) Lakshmidevi (2) Smt. Swarnalatha, No. 13/73, Pampamahakavi Road, Shankarapuram, Bangalore-4.

(Transferors)

(2) D.R. Aswathamma, No. 79/4, Shankarappa I garden, Magadi Road, Bangalore-23.

(Transferee)

(3) Smt. Savitha Agarwal, No. 86, Gandhibazar Rd. Basavangudi, Bangaloro-4.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 402/80-81 Dated 5-5-1980) House property bearing No. 86 (Old No. 86/2) situated

at Gandhibazar Road, Basavangudi, Bangalore-4. measuring East to West 8:84 metres and North to South: 38:86 metres

Bounded on:

Dr. K.S. Kuppurao's house

East by : West by: Sri B. Vasudevamurthy's house

North by: conservancy lane Gandhibazar Road. South by:

> R. THOTHATHR Competent Authority. I Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalor.

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONFR
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-56 0001

Bangalore-560001, the 9th December, 1980

Ref. C R. No. 62/28330/80-81/ACQ/80 —Whereas, I, R THOTHATHRI

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 46 (Old No 1B) situated at Promenade Road, Civil Station, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

at Shivajinagar, Bangalore, Doc No 2406/80-81 on 1-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Abdul Rasheed, S/o Mohammed Yousuff, No 94/2, Infantry Road, Bangalore-560001

(Transferor)

(2) S/Shri (1) O Syed Sulaiman (2) Sin Alwiri Begain, Both residing at No. 38, Standage Road, Civil Station, Bangalore-560001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUIC

(Registered Document No 2406/80-81 Dated 1-10 1980)

A portion of premises No 46 (old No 1 E), situated at Promenade Road, Civil Station, Division No 47 Bangalore-1 Measuring 951 60 Square Moters.

Bounded on:

North by a portion of promises No. 46
South by a Major portion of the property No. 46
East by Private property
West by Major portion of property No. 46 & promenade
Road

R THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bangalore

Dated: 9-12-1980

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-56 0001
Bangalore-560001, the 10th December, 1980
Ref. C.R. No. 62/27474/80-81/ACQ/B—Whereas, I,
R. THOTHATHRI

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old No. 2390 and New No. 2390/88 situated at 10th Main Rd. 'E' Block, Subramanyanagar, Rajajinagar, II Stage, Bangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajajinagar Doc. No. 1226/80-81 on 9-7-1980

for an apparent consideraion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. H.N. Rukanamma, No 611-A II Stage, Rajajinagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Champabai, No. 4213, Subramanyanagar Main Rd. II Stage, Rajajinagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1226/80-81 Dated 9-7-1980)
All that house property bearing Old No. 2390 and Now
No. 2390/88 situated at 10th Main Road 'E' Block, Subramanyanagar, Rajajinagar II Stage, Bangalore City.
Bounded by:

On North: Site No. 2389
On South: Site No. 2391
On East: 10th Main Road
On West: Site No. 2358

R. THOTHATHRI
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-12-'80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd December, 1980

Ref. CR. No. 62/26774/80-81/Acq. B.—Whoreas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5, situated at Hakkim Mohammad Ghouse Lane, Kumbarpet, Gorpn. Divn. No. 40, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

at Gandhinagar, Document No. 284/80-81 on 14-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

- (1) Smt. Khatumbi w/o, Late Syed Khasim (2) 55 Gaffar, (3) Syed Yusuf (4) Syed Habib (5) Sye Ismail (6) Syed Nazir (No. 2 to 6 are sons of No 1.)
- (7) Syed Ahamad, Major son of No. 2, (8) Syed Ilias (9) Hazira Begum (10) Rasheeda Begum (11) Wahaada Begam, No. 8 to 11 are minor children of No. 2.
- (12) Syed Mohamad (13) Syed Ayub (No. 12 and 13 are minor sons of No. 3)
- (14) Syed Attaulla (15) Gulnaji Begum (16) Liyakhat (17) Sadakhat (No. 14 to 17 are minor children of No. 4)
- (18) Syed Rafeoq. (19) Firoz Begum (No. 18 and 19 are minor children of No. 5)
- (20) Syed Rayaz (21) Farzana (22) Samesmunnisa (No. 20 and 22 are minor children of No. 6)
- (23) Smt. Zahida Begum (24) Smt. Fathima (No. 23 and 24 are daughters of Late Syed Khasim) All are residing at No. 5 Hakkim Mohamad Ghouse Lane Kumbar pet, Bangalore.

(Transferors)

(2) Sri S.K. Nisar Ahmed, S/o Abdul Jabbar, No. 186, I Main, Albert Victor Road, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 284/80-81 Dated 14-5-1980)
Promises bearing No. Old 17 then 18, at present No. 5, situated at Hakkim Mohammed Gouse Lane, Kumbarpet, Corpn. Divn. No. 40, Bangalore.
Bounded by:

On North Road

On South: Property of Abdul Gafar Saheb
On East: Hakkim Mohammad Gouse Lane,

On West : Property of Akbar Sharief.

R. THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Baugalore

Date: 3-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th December, 1980

Ref. C.R. No. 62/27011/80-81/Acq./B,—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 535, (Old) and new No. 533/14 situated at 12th cross, Vyalikaval Extn. Bangalore city.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Document No. 593/80-81 on 15-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 Smi. S.V. Bhagyalaxmi, W/o No. Vasudev, stenographer, Syndicate Bank, Chamarajpet Branch, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) Shri Malipatel Basavarajappa, S/o N. Shantana Gowda, Secretary, Karnataka Slum Clearance Board No. 112, 11th cross, 5th main, Malleswaram, Bangulore-3 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 593/80-81 Dated 15-5:1980

All that house property bearing old No. 535 and New No. 535/14, situated at 12th 'C' cross, Vyalikaval Extension Bangalore.

Bounded by:

On North: site No. 534
On South: Main road
On East: Site No. 523
On West: Cross road.

R. THOTHATHRI

*Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bangalore

Date: 10-12-1980

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th December, 1980

Ref. C.R. Nh. 62/27087/7/80-81/ACQ/B—Whereas, 1 R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 22, and municipal No. 13, situated at Gangenahally, Bangalore-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Document No. 685/80-81 on 21-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S.K. Pundarika S/o Krishnaswamy Naidu, No. 15, I Main road, Ganganahally, Bangalore-560006.

(Transferor)

(2) M/s Modern Chemical Company, No. 13, Ganganahally, S. No. 22, Bellary road, Bangalore-6. represented by Sri P.A. Patel S/o Ambalal Patel, No. 96, 12th block, Kumarapark West, Bangalore-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 685/80-81 dated 21-5-80.) All that property bearing Survey No. 22, and Municipal No. 13, Ganganahally, Bangalore-6.

R. THOTHATRHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-12-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd December 1980

Ref. C.R. No. 62/26842/80-81/ACQ/B—Whereas, I R. Thothathri

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Survey Nos. 44/3A, 47/1, 47/2, 49/1, 49/2, 47/4, 47/38 situated at Hebbagodi village, Anekal Taluka, Bangalore District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Anekal, Document No. 193/80-81, on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati K. Vijayalakshmi, No. 111, Palace Lower Orchords, Bangalore-560 006.

(Transferor) (s)

(2) Kumari Kıran Mazumdar, No. 496, 14th Main Road, III Block, Koramangala Layout, Bangalore.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 193/80-81, dated 3-5-1980.)

Landed property situated at Hebbagodi village, Attibele Hobli, Anekal Taluka, Bangalore District, as detailed in the schedule of the sale deed as under:

Survey Nos.	Extent.	Kissam.	
	A—C.		
44/3A	2—00	Dry land.	
47/1	120	,,	
47/2	1—25	,,	
49/1	306	11	
49/2	3—09	31	
47/4	0—13	,,	
47/38	0—02	**	
Total:—	11—33		
			

R. THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-12-1980

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 23rd December, 1980

Ref. C.R. No. 62/27242/80-81/ACQ/B—Whereas, IR. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 51/8 and 51/11, situated at Mudanidambur Village Udupi (Tq). (S.K.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Udupi Document No, 210/80-81 on 14-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Charles Ernest Rodrigues.
 S/o Anselm Rodrigues,
 Electronic Technician,
 Vibudhapriya Nagar,
 Shivalli Village,
 Udupi (Tq.), (S. K.)
 By attorny Smt. Nemesia Rodrigues,
 Sheribeedu, Udupi (Tq). (S.K.)

(Transferor) (s)

(2) Shri M.V. Subramanya S/o M. Ramachandra Rao, Officer, Syndicate Bank, Residing in Narimogaru, Puttur (Tq). (S. K.) (Transferce) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 210/80-81 Dated 14-5-80 All that property bearing S. No. 51/8 and 51/11, Situated at Mudanidambur Village, Udupi (Tq). (S.K.) (Within Udup Municipality Ward)

(R. THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-12-80,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 23rd December 1980 Ref. C.R. No. 62/26979/80-81/ACQ/B—Whereas, I R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.S. No. 168 and T.S. No. 384 and D. No. 15-280 situated at Kadri Village, Kadri Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 172/80-81 on 31-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—466GI/80

(1) Shrimati Nascema Banu, W/o Mohammed Ismail. residing near Government Hospital, Karkala represented by Power Agent: Ashok Kumar K. S/o K. Shivanna, Clerk, Gorigudda, Kankanady Mangalore.

(Transferor)

(2) Kumari Susan D'Souza,
D/o Eugone D/Souza,
residing at Mohan Bagh,
Upper Bandore, Mangalore,

Power of Attorney holder : Sri T. Monappa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 172/80-81 Dated 31-5-80)
All that house property bearing R.S. No. 168 and T.S. No. 384, situated at Kadri Village, Kadri Ward, Mangalore. bounded by

On North: Private property
On South: Lane

On East: Private property
On West: Private property

R. THOTHATHRI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalor

Date: 23-12-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001
Bangalore-560001, the 23rd December 1980

Ref. C.R. No. 62/27225/80-81/ACQ/B—Whereas, I R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income_tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Old No. 3464/5085 and New No. 5085/5319 situated at II Division, Someswara Extension, TUMKUR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tumkur Document No. 989/80-81 on 23-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Chandra Singh Bhan, S/o Narasingh Bhan, Contractor, Someswara Extension, Tumkur.

(Transferor)

(2) Sri K. Vamana Pai, S/o K. Upendra Pai, Canara Bank, Hampanakatte, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 989/80-81

Dated 23-5-80.)

All that house property bearing Old No. 3464/5085, and New No. 5085/5319,
Situated at II Division:

Someswara Extension, TUMKUR.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-12-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 23rd December, 1980

Ref. C R. No. 62/27004/80-81/ACQ/B—Whereas, 1 R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old No 62 and New No. 4, situated at J. M. Lane, Balepet, 16th Division, Bangalore-53

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Doc. No 520/80-81 on 26-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Chikkagiriyappa,
 S/o Late Sri Hanumappa,
 No. old 62 and New No. 4, Jangam Maistry Lane,
 Balepet, Bangalore-53

(Transferor)

(2) Shri M S. Rajaram, S/o Sri M. Subbarao, No. K-71, Jangam Maistry Lane, Balepet, Bangalore-53

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 520/80-81 Dated 26-5-80)
All that house property bearing old No 62, and New No.
4, situated at Jangam Maistry Lane, Balepet, 16th Division,

Bangalore-53

Bounded by
On North . J M. Lane,
On South : Private prope

On South: Private property
Con East: Road and private property

On East: Road and p On West: Lane/Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 23rd December 1980 Ref. C.R. No. 62/27140/80-81/ACQ/B-Whereas, I R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 15-B and TS. No. 152/IB2 situated at Attawar Village, 16th Falnir Road, Mangalore City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Doc. No. 247/80-81 on 22-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri (1) Ramakrishna Mahalingayya, Hoskote (2) Raghuveera Ramakrishna Hoskote G.P.A. Holder Shivananda Sathandranath Dhareswar, "Sea View" 14-A Rd. Khar, Bombay-52. G.P.A.

Transferor (s)

- Shri Mangalore Soyro Fai, Shivanandir, 17, New Balmatta Rd. Mangalore-1 Transferee (s)
- (3) As per col. 1.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 247/80-81

Dated 22-5-1980)

All that house property bearing R. No. 15-1B and TS 152/1B2 situated at Attawar Village, 16th Falnir Ward Ward Mangalore

Bounded by

TS, No. 152-1B2 On North: On South: Private property

Do.

On East: On West: New Balmatta Road.

> R. THOTHATHRI Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax, Inspecting Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001 Bangalore-560001, the 29th December, 1980

Ref. C.R. No 62/27024/80-81/ACQ/B---Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. 738/33, situated at 12th Main Road, III Block, Rajajinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New at Rajajinagar Document No. 529/80-81 on 11 6-1980

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G Koutharaju No. 174, Ist Main Road, Sheshadriparas, Bangalore-20

(Transferor (s))

(2) Shri Y. Thinmarayappa No 141-B, 6th Main Road, IVth Block, Rajajinagar, Bangalore-10

(Transferce (s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 529/80-81

Dated 11-6-80.)

All that site and house property bearing No. 738/33 12th Main Road, III Block, Rajajinagar, Bangalore-10. (Corporation Division No. 2)

Bounded by

On North : Private property
On South Private property

On East: Road.

On West Private property.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd January 1981

Ref. CR. No. 62/27043/80-81/Acq/B.—Whereas, 1, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 148 (Vacant site) situated at Yadavagiri, Devaraja Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mysore DOC, No. 502/80-81 on 19-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H. C. Shankatappa, 1st Cross, Vivekananda Road, Ashoknagar, Mandya.

(Transferor)

(2) Shrimati Subbarathnamma, W/o Shri Dasharatharama Chetty, (2) Shantha Srinivasa, W/o Dr. C. D. Srinivasa Murthy, Door No. 232, Sayyaji Rao Road, Mysore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Offifficial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[(Registered Document No. 502/80-81 dated 15-8-1980)] Vacant corner site No. 148, situated at Yadavagiri Extension, Devaraja Mohalla, Mysore City measuring 1226 sq. mtrs. Bounded on:—

East: By site No. 159 & Conservancy

West: By Municipal Road North: By Municipal Road

South: By Private house in site No. 149

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangaloro

Date: 2-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th January 1981

Ref. No. C.R. 62/27189/80-81/ACQ/B-Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Athourity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to bolieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11/61, (Old No. K-10) situated at Reservoir street, Basavangudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Basavangudi Bangalore, Doc. No. 633/80-81 on 19-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri T. Moodaliah S/o Yejman Thimmadanappa, Partner M/s Ramiah & Brother No. 2, D.S. Lane, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Shri B.K. Narayana Swamy, S/o R.K. Murthy, No. 11/6, (Old No. K-10) Reservoir Street, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 633/80-81

Dated 19-5-1980)

Portion of premises & site No. 11/61 (Old No. K-10), situated at Roservoir street, Basavangudi, Bangalore-4. Measuring 268.31 Square meteres.

Bounded on

East by Reservoir street cross West by : North by : Property of Sri Shankar

Property of Sri Krishna Iyengar,

South by : Reservoir street.

R. THOTHATHRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-1-1981

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACOUISITION RANGE, BANGALORE-560001

ACQUISITION RAINGE, BANGALORE-3000

Bangalore-560001, the 7th January 1981

Ref. No. C.R. 62/27190/80-81/ACQ/B-Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11/61 (Old No. K-10) situated at Reservoir Street, Basavangudi, Bangalore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 631/80-81 on 19-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri T. Modalaiah, S/o Thimmadhanappa, Partner M/s. Ramaiah Bros., D.S. Lane No. 2, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Shri K. Prakash, S/o R.K. Murthy, No. 11/61, (Old No.K-10) Reservoir Street, Basavangudi, Bangalore-4

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 631/80-81 Dated 19-5-1980)
Portion of site and premises bearing No. 11/61 (Old No. K10) Reservoir Street, Basavangudi, Bangalore-4 Imeasuring
282-41 sq. metres.

Bounded on East by Property of T. Moodaliah
West by Private Property
North by Property of Sri Krishna Iyengar
South by Reservoir Street.

R. THOTHATHRI
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-1-1981

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th January 1981,

Ref. C.R. No. 62/27191/80-81/ACQ/B-Whereas, I, R, THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 61 (Old No. K-10) situated at Reservoir street Batavanagudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Basavanagudi Bangelore, Doc. No. 630/80-81 en 19-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

43-466GI/80

(1) Shri T. Moodaliah S/o Yejman Thimmadhanappa, Partner, M/s. Rami iah & Bios. D.S. Lane, No. 2, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferors)

(2) Shri K. Shankar S/o R.K. Murthy, No. 61, (Old No. K-10) Reservoir street, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 630/80-81

Dated 19-5-80.)

Portion premises bearing No. 61 (Old. No. K-10) Reservoir street, Basavanagudi, Bangalore-4, Measuring 367 14 square metres and building 18 94 square metres. Bounded on:

By property of B.K. Narayanaswamy By property of K. Prakash By property of Sri Krishna Iyengar. East: West:

Nort'ı:

South: By Reservoir street.

R. THOTHATHRI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th January 1981

Ref. C.R. No. 62/27241/80-81/ACQ/B-Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 76, & Sy. No. 41/4, situated at Badagabetti village, Bailoor pancheyat, Udupi taluk (D.K.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi Doc. No. 209/80-81 on 14-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. Devadas Pai, S/o Malkeputhu alias Narasimha Pai, Near Fish Market Udupi (D.K.)

(Transferor)

(2) Shrimathi Sheerin Banu W/o Abdul Hameed, Kukkikatte, No. 76, Badagabettu village, Udupi post, Udupi taluk (D.K.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 209/80-81

Dated 14-5-1981)

House site No. 76, & S. No. 41/4, situated at Badagabettu village, Bailoor Panchayat, Udupi taluk (D.K.) with a land area of 50 cents and building thereon. Bounded on:

North by Road South by Private property East by Private property West by Private property

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-1-1981

Scal;

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th January 1981

Ref. No. C.R. 62/27294/80-81/Acq. B.—Whereas, I R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ргорегту having a fair immovable value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 35, situated at II Main Road, Hanumantharuja, Srirampuram, Bangalore-21.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at (Srirampuram, Bangalore, Doc. No. 1102/80-81 on 9-6-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri (1) M.G. Diwakar (2) M.G. Ratnakar, S/o M. Gowindsiah, No. 5, Sowrashtrapet, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Shri K. Shanmugam, No. 29, PVR. Road, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1102/80-81 Dated 9-6-1980) Portion of premises No. 35, Situated at IInd Main Road, Hanumanthapura, Srirampuram, Bangalore-21. This includes vacant land of silk factory with servants quarters, go-

down, wells and overhead tanks. Bounded on:

East by land belonging to Southern Railway.

West by Corporation channel. North by Corporation channel.

South by Rainwater channel and remaining property of the Vendors.

R. THOTHATHRI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 8-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Uggar Sain S/o Shri Vaid Nath, R/o Karnal.

(Transferors)

(2) Smt. Raj Bala, Advocate, W/o Shri Prithvi Singh, R/o 11-827, Chaura Bazar, Karnal.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th December, 1980

Ref. No. KNL/4/80-81- Whereas, I G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 11-827, Situated at Chaura Bazar, Kurr al (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 11.827 situated at Chaura Bazar, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 498 dated 1-5-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date: 6-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December, 1980

Ref. No. BGR/9/80-81—Whereas I G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory building on plot No. 301, Sector 24, situated at Faridabad

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office Registering Officer at Aurangabad on 8-5-80 & 4/80 at Ballabgarh in May, 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ishwar Singh S/o Sh. Kripal Singh, R/o House No. 265, Sector, 15, Faridabad.
 - (Transferor)
- (2) M/s Pakhtoon Tools, Plot No. 301, Sector-24, Faridabad,

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building situated at plot No. 301, Sector-24, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2380 dated 28-5-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 S/Shri Tilak Raj & Janak Raj, Ashoka Estate, 24 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Aggarwal Steel Traders, 1063, Bartan Market, Sadar Bazar, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December, 1980

Ref. No. DLI/4/80-81-Whereas I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r and bearing

No. Residential plot No. A-13, measuring 4000 sq. yards in sector 11, situated at Model Town, Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Delhi in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any largest paging from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land residential plot) measuring 4000 sq. yards Plot No. A-13 situated in Sector 11, Model Town Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered with the Sub Registrar, Delhi at No. 279 dated 12-5-1980.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-12-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December, 1980

Ref. No. IND/2/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 30 Kanal at situated at Vill. Gura Teh. Indri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indri in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwan Dass S/o Smt. Thare Bai R/o Gura Teh. Indri Distt. Karnal.

(Transferor)

(2) M/s Shiv Shanker Rice Mills, Indir Distt. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on this respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 30 kanal situated at Gura and as more mentioned in the sale deed registered at No. 143 dated 8-5-1980 with the Sub Registrar Indir.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITIONR ANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1980

Ref. No. SRS/21/80-81—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop on plot No. 8, Additional New Mandi situated rt Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sirsa in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dev Raj S/o Shri Mahtab Ram, Principal Junior Model School, Sirea

(Transferor)

(2) Shri Kedar Nath S/o Sh. Kundan Lal, through Satnali Cloth House, Subhash Chowk, Sirsa,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 8 situated at Additional New Mandi, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2551 dated 20-6-1980 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Sh. Hari Chand S/o Sh. Tej Bhan, R/o Model Colony, Yamunanagar, Distt. Ambala.

(Transferor)

(2) Smt Kaushal Gupta through Shri Ram Chand, 7/216, Dhobir Wara, Purani Mandi, Sonepat City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

CQUISIT GE, ROHTAK Rohtak, the 4th December 1980

Ref. No. SPT/15/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 114-L, Model Town, situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Sonepat in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 114-L, Model Town, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1847 dated 30-7-1980 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-12-1980

Seal:

44-466GI/80

(1) Shri Anand Parkash S/o Sh. P.D. Mathur, R/o P-II, Green Park Extension, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmal Kaur W/o Sh. Kuldıp Singh R/o G-52, Naraina, New Delhi.

Transferecs)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Rohtak, the 24th January 1981

Ref. No. BGR/103/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 11, Block C-2, measuring 700 sq. yds, situated at Sector 11, Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 700 sq. yards situated in Sector-11, BLF Model Town, Faridabad as more mentioned in the sale deed registered at No. 1999 dated 21-5-80 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th January, 1981

Ref. No. BGR/1/80-81-Whereas I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 2254 Sector 16, situated at Faridabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Arjan Lal Grover S/o Devi Dass,
 H. No. 63, Sant Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Gopi Ram Aggarwal S/o Sh. Nanu Lal Aggarwal, R/o 2254, Sector 16, Faridabad.

(Transfcree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official (vazette)

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 2254 situated in Sector No. 16, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1142 dated 2-5-80 with the Sub Registrar, Ballabagarh.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 24-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 S. Gurbax Singh S/o Sh. Bhagwan Singh , 8/32, South Patel Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Gupta W/o Sh. G.S. Gupta, 1-C-13, NIT, Faridabad,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th January, 1981

Ref. No. BGR/6/80-81--Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bangla No. B-83, No. 2, Township Faridabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ballabgarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being bunglow plot No. B-63, NH-2, NIT Fandabad an as more mentioned in the sale deed registered at No. 1699 dated 16/5/1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-1-1981

(1) Smt. Lila Jolly W/o Ram Rakha Mal, R/o 1519/5-A, Vachittar Nagar, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vijay Gupta W/o Dr. Virender Kumar Gupta, R o 4515-16, Punjabi Mohalla, Ambala Cantt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1981

Ref. No. AMB/11/80-81—Whereas I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 5356/8, Anaj Mandi, situated at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5356/8 Anaj Mandi, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at No. 936 dated 17-5-80 with the Sub Registrar, Ambala.

G.S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 24-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

Rohtak, the 24th January, 1981

Ref. No. RTK 5/80-81-Whereas I, G.S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 76 situated Jhang Colony, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rohtak in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Chander Sharma, Advocate
S/o Shri Amar Singh Sonepat Road, Rohtak

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh S/o Sh. Rattan Singh R o Vill. Pali Now, Executive Engineer, Faridabad Division, U.D.O., 670, Sector 16-A, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 76 situated in Jhang Colony, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 728 dated 10-5-1980 with the Sub Registrar Rohtak.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 24-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1981

Ref. No. RTK/6/80-81—Whereas I G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House on plot No. 235, Subhash Nagar, situated at Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhim San Bhatia S/o Sh. Mansa Ram, R/o House No. 242, Subhash Nagar, Rohtak.

(Transferor)

(2) Sh. Rajbir Singh S/o Sh. Sube Singh and Smt. Sunehri Devi D/o Sh. Baldev Singh, R/o House No. 235, Subhash Nagar, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being House on plot No. 235, Subhash Nagar, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 733 date 12-5-80 with the Sub Registrar, Rohtak.

G.S. GOPALA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 24-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1981

Ref. No. KNL/10/80-81—Whereas I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. House No. XVIII-503, Avtar Colony, situated at Kunjpura Road, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nanak Chand S/o Shri Ram Dass R/o XVIII-503, Aytar Colony, Kunjpura Road, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kapoor Ashok Kapoor, Parmod Kapoor sons of Shri Bishan Saroop R/o Model Town, Karnal Now House No. XVIII-503, Avtar Colony, Kunjpura Road Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. XVIII-503, Avtar Colony, situated at Kunjpura Road, Karnal and as more mentioned the sale dead registered at No. 31-5-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 24-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 264D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ANSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE (AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 29th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1711 Acq 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4° of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. G-4-1 paiki Plan No. 4, Plot No. 20 paiki Sub-Plot No. 20-B Jampuri Estate, Bedi Road, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jammagar on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Gulabchand Devraj Shah;
 P. A. Holder of Smt. Sushilaben,
 Ranjitkumar Shah Opp. Guru Dattatraya Temple,
 Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Jamnadas Lalaji Patel; village: Khadkhambhalia; Tal. Lal pur, Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 6000 sq. ft. bearing S. No. G-4-1, Plan No. 4, Plot No. 20 paiki Sub-plot No. 20B situated at Jampuri Estate, Bedi Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deeds registered vide Regn. No. 560 dated 5-5-1980.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-l, Ahmedabad.

Dated: 29th November, 1980.